अमर चूंनड़ी

(राजस्थानी कहाणी-संग्रह)

राजस्थान साहित्य अकादमी स पुरस्कृत

नृसिंह राजपुरोहित

शिक्षा विभाग राजस्थान
के लिए

सूर्य प्रकाशन मन्दिर
बीकानेर

अमर चूंनड़ी

(राजस्थानी कहाणी-सग्रह)

राजस्थान साहित्य अकादमी स पुरस्कृत

नृसिंह राजपुरोहित

शिक्षा विभाग राजस्थान
के लिए

सूर्य प्रकाशन मन्दिर
बीकानेर

आमुख

राजस्थान के सृजनशील शिक्षको की रचनाओ की शिक्षा विभाग, राजस्थान, द्वारा प्रकाशन की योजना के अन्तर्गत अब तक विगत वर्षों मे हिन्दी तथा उर्दू की कुल आठ पुस्तके प्रकाशित की जा चुकी है। इस वर्ष पाँच सग्रह प्रकाशित किये जा रहे है जिनमे एक सग्रह राजस्थानी भाषा की कहानियो का भी है।

यह बडे सतोष तथा प्रसन्नता की बात है कि विभाग की इस योजना का स्वागत सभी क्षेत्रो मे हुआ है। सृजनशील शिक्षको मे एक नई उत्साह की लहर उठी है और अब प्रतिवर्ष अधिक से अधिक शिक्षक लेखको की रचनाएँ प्रकाशनार्थ प्राप्त होने लगी हे।

आशा हे शिक्षक-दिवस १९६९ के अवसर पर प्रकाशित किये जा रहे इन ग्रथो मे पाठको को नई-नई, विविध, रोचक तथा प्रेरणाप्रद सामगी पढने के लिए प्राप्त होगी और वे उसका पूरा आनन्द उठायेगे।

राजस्थान के प्रकाशको ने विभाग की इस प्रकाशन योजना मे भरपूर योगदान दिया हे। इसके लिये वे धन्यवाद के पात्र हे। इसी प्रकार जिन शिक्षको ने इन सग्रहो के लिए अपनी रचनाएँ भेजी है वे भी धन्यवाद के अधिकारी है।

शिक्षक-दिवस
१९६९

हरिमोहन माथुर,
निदेशक,
प्राथमिक एव माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान, बीकानेर

आमुख

राजस्थान के सृजनशील शिक्षकों की रचनाओ की शिक्षा विभाग, राजस्थान, द्वारा प्रकाशन की योजना के अन्तर्गत अब तक विगत वर्षों मे हिन्दी तथा उर्दू की कुल आठ पुस्तके प्रकाशित की जा चुकी है। इस वर्ष पाँच सग्रह प्रकाशित किये जा रहे हैं जिनमे एक सग्रह राजस्थानी भाषा की कहानियो का भी है।

यह बडे सतोष तथा प्रसन्नता की बात है कि विभाग की इस योजना का स्वागत सभी क्षेत्रो मे हुआ है। सृजनशील शिक्षको मे एक नई उत्साह की लहर उठी है और अब प्रतिवर्ष अधिक से अधिक शिक्षक लेखको की रचनाएँ प्रकाशनार्थ प्राप्त होने लगी है।

आशा हे शिक्षक-दिवस १९६९ के अवसर पर प्रकाशित किये जा रहे इन ग्रथो मे पाठको को नई-नई, विविध, रोचक तथा प्रेरणाप्रद सामग्री पढने के लिए प्राप्त होगी और वे उसका पूरा आनन्द उठायेगे।

राजस्थान के प्रकाशको ने विभाग की इस प्रकाशन योजना मे भरपूर योगदान दिया है। इसके लिये वे धन्यवाद के पात्र है। इसी प्रकार जिन शिक्षको ने इन सग्रहो के लिए अपनी रचनाएँ भेजी है वे भी धन्यवाद के अधिकारी है।

शिक्षक-दिवस
१९६९

हरिमोहन माथुर,
निदेशक,
प्राथमिक एव माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान, बीकानेर

एक सम्मति

श्री नृसिह राजपुरोहित का आग्रह रहा कि उनकी पुस्तक 'अमर चूनडी' पर मेरे दो शब्द जरूर जाने हैं। राजपुरोहितजी का मुझ पर विशेष स्नेह रहा है। स्नेह के आग्रह और अधिकार को टालना कैसे सभव है ? भारत की एक सस्कृति है—राजस्थानी सस्कृति। जो भारतीय सस्कृति की एक अमूल्य कडी हे—एक गौरव-पूर्ण कडी। इसकी अपनी आन है और शान। पाश्चात्य प्रभाव को आत्मसात न कर सकने के कारण जिस असास्कृतिक बाढ मे यह देश आज बह निकला है, वह स्थिति भयावह है। श्री राजपुरोहितजी का यह सग्रह उसीओर इगितकरताहै। कुछ कहानिया तो सीधी दिल और दिमाग पर प्रहार करती हुई एक टीस और तिलमिलाहट छोडती है। पुस्तक की भाषा राजस्थानी है। भाषा मे प्रवाह और मिठास है। कहावतो एव लोकोक्तियो का बाहुल्य है। पुस्तक सर्व जन-पयोगी है। इसमे कोई सदेह नही कि राजस्थान वासियो का चरित्र एव मनोबल ऊँचा उठाने मे पुस्तक सहायक सिद्ध होगी।

राजस्थान विधान सभा — निरजननाथ आचार्य

एक सम्मति

श्री नृसिह राजपुरोहित का आग्रह रहा कि उनकी पुस्तक 'अमर चूनडी' पर मेरे दो शब्द जरूर जाने हैं। राजपुरोहितजी का मुझ पर विशेप स्नेह रहा है। स्नेह के आग्रह और अधिकार को टालना कैसे सभव है ? भारत की एक सस्कृति है—राजस्थानी सस्कृति। जो भारतीय सस्कृति की एक अमूल्य कडी हे—एक गौरव-पूर्ण कडी। इसकी अपनी आन है और शान। पाश्चात्य प्रभाव को आत्मसात न कर सकने के कारण जिस असास्कृतिक बाढ मे यह देश आज बह निकला है, वह स्थिति भयावह है। श्री राजपुरोहितजी का यह सग्रह उसी ओर इगित करता है। कुछ कहानिया तो सीधी दिल और दिमाग पर प्रहार करती हुई एक टीस और तिलमिलाहट छोडती है। पुस्तक की भाषा राजस्थानी है। भाषा मे प्रवाह और मिठास है। कहावतो एव लौकोक्तियो का वाहुल्य है। पुस्तक सर्व जन-पयोगी है। इसमे कोई सदेह नही कि राजस्थान वासियो का चरित्र एव मनोबल ऊँचा उठाने मे पुस्तक सहायक सिद्ध होगी।

राजस्थान विधान सभा — निरजननाथ आचार्य

क्रम

क्रम

रूपाळी राजा

दिनूगै ग्वाडी मे बुहारी काढता राजा रै काना मे भणक पडी के मुल्क रै उतराद मे झगडौ चेतग्यौ है। उणरा हाथ मतैई थमग्या। घूघटा रौ पल्लौ थोडौ सीक तणीजग्यौ अर उणरी ओट मे सू आख्या नै कान आगणा कानी लाग ग्या। जेठजी जवरू खनै कागद वचावता हा·

· सरव ओपमा विराजमान अनेक ओपमा लायक भावौसा दुरगजी नै लिखी तेजा री जय श्री रघुनाथजी री वचावसी। घणा मान सू करनै। उपरच समाचार एक वाचसी के उतराद मे झगडौ चेतग्यौ है। म्हारी पलटण नै मोरचा माथै जावण रौ हुक्म मिळचौ है। आप कोई वात री चिंता फिकर करसी नी। वूजी नै म्हारा पाव धोक अरज करसी अर टावरा माथै हाथ फेर सी। म्हारी कानी सू अमला री मनवार मानसी।···

राजा तट्ट-तट्ट करनै खीपडा री बुहारी मे सू तुगिया तोड नै दात कुचरण लागी। आख्या उणरी फाटी'ज रैयगी अर सास जोर-जोर सू चालण लागी।

उतराद मे झगडौ चेतग्यौ है अर म्हारी पलटण नै मोरचा माथै जावण रौ हुक्म मिळचौ है।

·· ग्रामोफोन रेकर्ड रा खाडा मे सूई अटकीजगी व्है ज्यू वार वार एइज समाचार उणरै काना मे गूजण लाग्या।

घर रा काम-काज सू निवडनै उणै जेठूता जवरजी नै पकड लियौ। खोळा मे विठायनै लाड करण लागी—म्हारौ लाडकौ वेटौ, म्हारौ

रूपाळी राजां

दिनूगै ग्वाडी मे बुहारी काढता राजा रै काना मे भणक पडी के मुल्क रै उतराद मे झगडौ चेतग्यौ है। उणरा हाथ मतैई थमग्या। घूघटा रौ पल्लौ थोडौ सीक तणीजग्यौ अर उणरी ओट मे सू आख्या नै कान आगणा कानी लाग ग्या। जेठजी जवरू खनै कागद वचावता हा···

सरब ओपमा विराजमान अनेक ओपमा लायक भावौसा दुरगजी नै लिखी तेजा री जय श्री रघुनाथजी री वचावसी। घणा मान सू करनै। उपरच समाचार एक वाचसी के उतराद मे झगडौ चेतग्यौ है। म्हारी पलटण नै मोरचा माथै जावण रौ हुक्म मिळचौ है। आप कोई वात री चिता फिकर करसी नी। वूजी नै म्हारा पाव धोक अरज करसी अर टावरा माथै हाथ फेर सी। म्हारी कानी सू अमला री मनवार मानसी।···

राजा तट्ट-तट्ट करनै खीपडा री बुहारी मे सू तुगिया तोड नै दात कुचरण लागी। आख्या उणरी फाटी'ज रैयगी अर सास जोर-जोर सू चालण लागी।

· उतराद मे झगडौ चेतग्यौ है अर म्हारी पलटण नै मोरचा माथै जावण रौ हुक्म मिळचौ है।

·· ग्रामोफोन रेकर्ड रा खाडा मे सूई अटकीजगी व्है ज्यू वार वार एड्ज समाचार उणरै काना मे गूजण लाग्या।

घर रा काम-काज सू निवडनै उणै जेठूता जवरजी नै पकड लियौ। खोळा मे बिठायनै लाड करण लागी—म्हारौ लाडकौ बेटौ, म्हारौ

समझणौ बेटौ, म्हारौ नैनकियौ वीरौ, घणौ हुसियार, घणौ फूटरौ, अर बुच्च करता एक वाल्हौ दे दियौ।

जबरू नै काकी रौ गोळ गट्ट चेहरौ अर मोटी-मोटी आख्या घणी दाय आवती। काकी रैं डील अर गाभा मे सू एक मस्त सौरम आवती–फूला जिसी मीठी-मीठी अर भीनी-भीनी सौरम उणरी मा रैं डील री मसळी-मसळी गिध सू आ सौरम दूजी भात री ही।

वो नैना टाबर री गळाई खोळा मे पसरग्यौ अर आख्या मीच नै उण सौरम रौ अणछक आणद लूटण लाग्यौ। इतरै तो माथा माथै काकी रौ कवळौ-कवळौ रेसम व्है जिसौ हाथ फिरचौ—काकी बोली—जबरजी बेटा! म्हारौ एक काम करौला? म्हनै थारै काकौसा रौ कागद पढनै सुणाय दो वीरा! म्हू थानै विलावणौ करती वखत वूजी रैं छानै माखण रौ लूदौ दूला। जवरू गोळ-गोळ आख्या नचावतौ बोल्यौ—अबै ठा पडी इण लाडरी! काको सा रौ कागद सुणणौ है! राजा मूडौ नेडौ लायनै कह्यौ—जाऔ बेटा जाऔ अर बुच्च करता एक वाल्हौ फेर दे दियौ।

जवरू दडीछट दौडनै कागद लिआयौ अर पाछौ खोळा मे बैठनै वाचण लागौ सरब ओपमा विराजमान अनेक ओपमा थोडौ धीरैं वाचौ जबरजी बेटा थोडौ धीरैं! ओ इण ओळी मे काई लिख्यौ है? राजा एक ओळी माथै आगळी राखनै बोली। उतराद मे झगडौ चेतग्यौ है अर म्हारी पलटण नै मौरचा माथै जावण रौ हुक्म मिळचौ है ..

जवरू वाचतौ रह्यौ अर राजा रैं डील मे धूजणी छूटगी। कागद सावट नै जवरू ऊचौ जोयौ तो काकी री प्याला जिसी मोटी-मोटी आख्या मे पाणी देख्यौ। टप्प करतौ एक बळबळतौ आसू उणरैं गाल माथै कर रळक्यौ तो वो कागद नाखनै नाठग्यौ।

राजा विचार करण लागी--आज धनतेरस है अर कालै रूप चवदस। आ सू नम (असाढ सुद नम) गई तो उणनै परणिया नै पूरा तीन वरस व्हिया अर चौथौ बरस लागग्यौ। तीन बरसा मे वे तीन वेळा घरै आया। वीस-बीस दिन री छुट्टी मे। वा आगळिया माथै गिणण लागी। एकबीसी दो बीसी अर तीन बीसी तीन बीसी दिना रा महीना कितरा व्है? भगवान जाणै। किणनै लेखौ आवै। पण वे सगळी राता उणै जाग नै विताई ही। आख्या मे कस ई कोनी पडण दियौ। ओ सूतर रौ ढोलियौ अर ए पडवा रा थेपडा इण वात रा साक्षी है। इण तीन बीसी दिना रैं अलावा

समझणौ बेटौ, म्हारौ नैनकियौ वीरौ, घणौ हुसियार, घणौ फूटरौ, अर बुच्च करता एक वाल्हौ दे दियौ।

जबरू नै काकी रौ गोळ गट्ट चेहरौ अर मोटी-मोटी आख्या घणी दाय आवती। काकी रै डील अर गाभा मे सू एक मस्त सौरम आवती—फूला जिसी मीठी-मीठी अर भीनी-भीनी सौरम उणरी मा रै डील री मसळी-मसळी गिध सू आ सौरम दूजी भात री ही।

वो नैना टाबर री गळाई खोळा मे पसरग्यौ अर आख्या मीच नै उण सौरम रौ अणछक आणद लूटण लाग्यौ। इतरै तो माथा माथै काकी रौ कवळौ-कवळौ रेसम व्है जिसौ हाथ फिरचौ—काकी बोली—जबरजी बेटा! म्हारौ एक काम करौला? म्हनै थारै काकौसा रौ कागद पढनै सुणाय दो वीरा! म्हू थानै विलावणी करती वखत वूजी रै छानै माखण रौ लूदौ दूला। जवरू गोळ-गोळ आख्या नचावतौ बोल्यौ—अबै ठा पडी इण लाडरी! काको सा रौ कागद सुणणौ है! राजा मूडौ नेडौ लायनै कह्यौ—जाऔ बेटा जाऔ अर बुच्च करता एक वाल्हौ फेर दे दियौ।

जवरू दडीछट दौडनै कागद लिआयौ अर पाछौ खोळा मे बैठनै वाचण लागौ सरब ओपमा विराजमान ··अनेक ओपमा थोडौ धीरै वाचौ जबरजी बेटा थोडौ धीरै! ओ इण ओळी मे काई लिख्यौ है? राजा एक ओळी माथै आगळी राखनै बोली। · उतराद मे झगडौ चेतग्यौ है अर म्हारी पलटण नै मौरचा माथै जावण रौ हुक्म मिळचौ है ··

जवरू वाचतौ रह्यौ अर राजा रै डील मे धूजणी छूटगी। कागद सावट नै जबरू ऊचौ जोयौ तो काकी री प्याला जिसी मोटी-मोटी आख्या मे पाणी देख्यौ। टप्प करतौ एक बळवळतौ आसू उणरै गाल माथै कर रळक्यौ तो वो कागद नाखनै नाठग्यौ।

राजा विचार करण लागी—-आज धनतेरस है अर कालै रूप चवदस। आ सू नम (असाढ सुद नम) गई तो उणनै परणिया नै पूरा तीन वरस व्हिया अर चौथौ बरस लागग्यौ। तीन बरसा मे वे तीन वेळा घरै आया। वीस-वीस दिन री छुट्टी मे। वा आगळिया माथै गिणण लागी। एकवीसी · दो वीसी अर तीन बीसी तीन बीसी दिना रा महीना कितरा व्है? भगवान जाणै। किणनै लेखौ आवै। पण वे सगळी राता उणै जाग नै विताई ही। आख्या मे कस ई कोनी पडण दियौ। ओ सूतर रौ ढोलियौ अर ए पडवा रा थेपड़ा इण वात रा साक्षी है। इण तीन वीसी दिना रै अलावा

उमर रा दूजा दिन तो जाणै अकारथ ई गया।

रोज दिन उगै अर रात पड़ै, रात पड़ै अर दिन उगै। यू उमर रा दिनं ओछा व्हेता जाए। रोजीना सागैई छाती कूटौ—झाड़-बुहारू, पाणी-लूणी, पीसणौ-पोवणौ, दोवणौ-विलोवणौ अर धोवणौ-धावणो। सरीखी सामीनी साथणिया मिळै तो घडी-पलक मन राजी व्हे जाए। पण करैई-करैई तो वा सू ई उल्टी दैण व्है। उण दिन पे'लौ हळौतियौ व्हिया वा नाडी पाणी भरणनै गई तो साथणिया गावण लागी

सात सहेल्या रो झूलरौ ए, पिणिहारी जी ए लो
गई-गई समद तळाव व्हाला ए जो ··
साता रै ई काजळ टीलिया ए पिणिहारी जी ए लो ··
एकलडी रे फीका ए नैण, व्हाला ए जो
साता रे ई पीऊ घरै वसै रै पिणिहारी जी ए लो
एकलडी रे पीऊ परदेश व्हाला ए जो

मन जाणै कीकर ई व्हैग्यौ। मूडौ उतरग्यौ अर कठ जाणै चैठग्यौ। घरै आया ठाम उतरावता जेठाणी पूछ्यौ – बिनणी आज विलखा किया ?

पण इण विलखापणा रौ कारण हरेक नै किया वतायौ जा सकै ?

आज ईं पाणी री वेळा व्हैगी दीसै। काम हाल सगळौई पड्यौ है। वाटौ भरणौ हे, विलोवणौ करणौ है अर पछै मटकै-मटकै पाणी लावणौ है। पण वा उठै जितरी जेज है, पछै तो एकफटकारा री बात है। माल-मोटचार वहू-वुहारडी है, काम रो काई भार ? काम तो करणौ इज चाहिजै। सग-ळौई काम व्हाला है, चाम व्हाला कठैई कोनी। पण थोडौ घणौ काम तो जेठाणीजी नै ई करणौ चाहिजै। पण वे तो डील रै एल ई नी दे। हलकै नै पाणी ई नी पीए। आखौ दिन नैन्या रै घोडिया खनै वैठा रैवै अर उण माथे हुक्म चलावता रैवै। भगवान उणरौ ई खोळौ भर दियौ होवतौ तो किसौक नामी रैवतो। गाम मे उणरै सावै जितरी ई छोरिया परणीजी सेगा रै ई खोळा मे नैना टावर है। उणै इज किणरा काळा तिल चोरिया है, उणै इज किसा वामण मारिया है सो हाल ताई उणरौ खोळौ खाली है। जेठाणी गीगा नै हालरियौ गावै जद उणरै कानी देख-देख नै कितरौ गुमेज सू गावै—

हुल रे नैन्या हुल रे
थू पालणिया मे झुलरे ·

उमर रा दूजा दिन तौ जाणै अकारथ ई गया।

रोज दिन उगै अर रात पड़ै, रात पड़ै अर दिन उगै। यू उमर रा दिनं औछा व्हैता जाए। रोजीना सागैई छाती कूटौ—झाड़ू-बुहारू, पाणी-लूणी, पीसणौ-पोवणौ, दोवणौ-बिलोवणौ अर धोवणौ-धावणौ। सरीखी सामीनी साथणिया मिळै तो घडी-पलक मन राजी व्है जाए। पण करैई-करैई तो वा सू ई उल्टी दैण व्है। उण दिन पे'लौ हळीतियौ व्हिया वा नाडी पाणी भरणनै गई तो साथणिया गावण लागी

सात महेल्या रौ भूलरौ ए, पिणिहारी जी ए लो ·
गई-गई समद तळाव व्हाला ए जो· ·
साता रै ई काजळ टीलिया ए पिणिहारी जी ए लो
एकलडी रे फीका ए नैण, व्हाला ए जो
साता रे ई पीऊ घरै वसै रै पिणिहारी जी ए लो ··
एकलडी रे पीऊ परदेश व्हाला ए जो ·

मन जाणै कीकर ई व्हैग्यौ। मूडौ उतरग्यौ अर कठ जाणै चैठग्यौ। घरै आया ठाम उतरावता जेठाणी पूछ्यौ – बिनणी आज विलखा किया ?

पण इण विलखापणा रौ कारण हरेक नै किया वतायौ जा सकै ?

आज ई पाणी री वेळा व्हैगी दीसै। काम हाल सगळौई पड्यौ है। वाटौ भरणौ है, बिलोवणौ करणौ है अर पछै मटकै-मटकै पाणी लावणौ है। पण वा उठै जितरी जेज है, पछै तो एकफटकारा री बात है। माल-मोटचार वहू-वुहारडी है, काम रौ काई भार ? काम तो करणौ इज चाहिजै। सगळै ई काम व्हाला है, चाम व्हाला कठेई कोनी। पण थोडौ घणौ काम तो जेठाणीजी नै ई करणौ चाहिजै। पण वे तो डील रै एल ई नी दे। हलकै नै पाणी ई नी पीए। आखौ दिन नैन्या रै घोडिया खनै वैठा रैवै अर उण माथै हुक्म चलावता रैवै। भगवान उणरी ई खोळौ भर दियौ होवतौ तो किसीक नामी रैवतौ। गाम मे उणरै सावै जितरी ई छोरिया परणीजी सेगा रै ई खोळा मे नैना टाबर है। उणै इज किणरा काळा तिल चोरिया है, उणै इज किसा बामण मारिया है सो हाल ताई उणरौ खोळौ खाली है। जेठाणी गीगा नै हालरियौ गावै जद उणरै कानी देख-देख नै कितरी गुमेज सू गावै—

हुल रे नैन्या हुल रे
थू पालणिया मे झुलरे ·

वेटी रे बाप जाणै भाठै तेड मेली है। उणरै ई एक नैनौ टाबर व्हैतो—भूरौ-भूरौ, कवळौ-कवळौ, गोळ-मटौळ, रबड रै बबला जिसौ तो किसौक नामी रैवतौ। वा उणनै छाती सू चेपनै कितरौ खात सू धवाडती। (उणनै लाग्यौ जाणै उणरै हाचळा री बिटणीया मे सिंदूरी कीडिया चाल री है) गीगलौ व्हिया भाभीजी रा मरमट गळ जावै अर वूजी री मसा पण पूरी व्है जाए। नी तो उठ-बैठ नै एक इज बात—

—तेजा रौ गीगलौ निजरा देख लू तो मरियाई मुकौतर जाऊ।

वूजी काई, वूजी रा बेटा नै ई गीगला रौ कितरौ कोड है। लारली वेळा छुट्टी सू रवानै व्हिया जदरी बात है—पुणचौ काठौ पकड लियौ अर बट्ट करती कावळी वदार नाखी। इण उपरात ई हसनै बोल्या— वो रोज गावौ जिकी चाकरी बाळौ गीत तौ एकर सुणाय दो नी लाडू। आज तौ म्हू साचाणी चाकरी माथै वहिर व्हियौ हू—

काळौडी तो काठळ राज ऊपडी
काई मोटोडी छाटा रौ बरसै मेस
भवर भल चढजौ राज चाकरी
काई रैवौ तो राधू ए राज लापसी
काई चढौ तो बाजरियौ खीच
भवर भल चढजौ राज चाकरी

म्हारी आख्या मे पाणी आयग्यौ हो तो ई म्है मुळक नै कह्यौ—

गीत री छेली कडी तो पूरी करता पधारौ—

एक टका री ए राज चाकरी
काई लाख रुपिया री घर री नार
भवर भल चढजौ राज चाकरी

उणा बाथ मे लेयनै म्हारा आसू पूछ दिया। वोल्या—इतरौ विलखौ पडण री काई बात है? म्हू अब कै बेगौ छुट्टी आऊला अर जे कदाच बेगौ नी आय सक्यौ तो नवमैं महीनै तो गीगलौ आय जावैला।

पण उण बात नै तो बारै महीना होवण आया। कठै गीगलौ अर कठै गीगला रा कोडाया उणरा बाप!

राजा निसासा नाखती ऊभी व्हैगी। बारै जेठजी सू कोई बात करै हो। स्यात जवरू रौ मास्टर दीसै—

झगडौ अवकै जबरौ चेत्यौ, अलेखा चीणी कीडिया रै ज्यू आपणी

बेटी रे बाप जाणै भाठै तेड मेली है। उणरै ई एक नैनौ टाबर व्हैतो—भूरौ-भूरौ, कवळौ-कवळौ, गोळ-मटौळ, रबड रै बबला जिसौ तो किसौक नांमी रैवतौ। वा उणनै छाती सू चेपनै कितरौ खात सू धवाडती। (उणनै लाग्यौ जाणै उणरै हाचळा री बिटणीया मे सिंदूरी कीडिया चाल री है) गीगलौ व्हिया भाभीजी रा मरमट गळ जावै अर वूजी री मसा पण पूरी व्हे जाए। नी तो उठ-बैठ नै एक इज बात—

—तेजा रौ गीगलौ निजरा देख लू तो मरियाई मुकौतर जाऊ।

वूजी काई, वूजी रा बेटा नै ई गीगला रौ कितरौ कोड है। लारली वेळा छुट्टी सू रवानै व्हिया जदरी बात है—पुणचौ काठौ पकड लियौ अर बट्ट करती कावळी वदार नाखी। इण उपरात ई हसनै बोल्या— वो रोज गावौ जिकी चाकरी बाळौ गीत तौ एकर सुणाय दो नी लाडू। आज तौ म्हूँ साचाणी चाकरी माथै वहीर व्हियौ हू—

काळौडी तो काठळ राज ऊपडी
काई मोटोडी छाटा रौ बरसै मेस
भवर भल चढजौ राज चाकरी··
काई रैवौ तो राघू ए राज लापसी
काई चढौ तो बाजरियौ खीच
भवर भल चढजौ राज···चाकरी···

म्हारी आख्या मे पाणी आयग्यौ हो तो ई म्है मुळक नै कह्यौ—

गीत री छेली कडी तो पूरी करता पधारौ—

एक टका री ए राज · चाकरी
काई लाख रुपिया री घर री नार
भवर भल चढजौ राज चाकरी ·

उणा बाथ मे लेयनै म्हारा आसू पूछ दिया। बोल्या—इतरौ बिलखौ पडण री काई बात है ? म्हू अब कै वेगौ छुट्टी आऊला अर जे कदाच वेगौ नी आय सक्यौ तो नवमै महीनै तो गीगलौ आय जावैला।

पण उण बात नै तो बारै महीना होवण आया। कठै गीगलौ अर कठै गीगला रा कोडाया उणरा बाप !

राजा निसासा नाखती ऊभी व्हैगी। बारै जेठजी सू कोई बात करै हो। स्यात जवरू रौ मास्टर दीसै—

झगडौ अबकै जबरौ चेत्यौ, अलेखा चीणी कीडिया रै ज्यू आपणी

कांकड माथै चढनै आया [illegible] जवान हिम्मत अर वादरी सू वारै मुकावला मे अडियौडा है। वे दुस्मिया नै काट नै नाख देला।

राजा रे नस-नस मे जाणै विजळी खिवण लागी। हाथा रा वूकिया जाणै फाटण लाग्या। वा आगणै जायनै विलोवणी करण लागी—झरड ···मरड ! झरड मरड ! झगडौ अवकै जवरौ चेत्यौ—झरड···मरड ! काकड माथै दुस्मी ऊभौ—झरड ·मरड ! हरामिया ने काट नाखौ-झरड ·मरड ! जोर री झाट लागी सो काठा-काठा दही रौ लूंदौ गोळी रे वारै आय पडचौ थच्च करती।

—यू करै काई है विनणी ! झाट थोडी धीरे दे। का तो गोळी फोड नाखैला अर का नेतरौ तोड नाखैला। रसोडा मे वैठ्या वूजी वोल्या।

झरड· मरड !

राजा थोडी धीमी पडगी। वा सोचण लागी—उणनै ई मोरचा माथै भेज देतो किसोक नामी काम वणै। वा हरदम वारे सागै री सागै रैवैला। दुसमण जे सनमुख आय जावै तो नी वदूक रौ काम है अर नी कारतूस री। उणनै आपरा हाथा रै गाढ माथै भरोसौ है। दो टणका मोटचारा री गावडा उणरा पजो मे झिल जावै तो वा टे ई नी करण दे। मसळ नै नाख दे। अर तीजौ आवै तो फगत एक लात रौ काम है। उठनै जे पाणी ई मागलै तौ फिट कही जौ। मोटचार मोरचा माथै जाय सकै तौ लुगाया क्यू नी जाय सकै ? वा उणा सू किण वात मे कम है ? जे एकली सैकडू दुस्मिया नै नी रगदोळ दू तो म्हारी मा म्हनै धकै लेय नै नी धवाडी है। मगदूर नै भाग है। मूडौ भूडौ वापडा चीणिया रौ जो काकड री मायली कानी ई पग देय दे। पग कलम नी कर नाखू हराम खोरा रा !

झरड···मरड !

एक जोर री झाट लागी अर तडद करतौ नेतरौ तूटनै आघौ पडचौ अर गुडल समेत दूजौ टुकडौ हाथ मे इज रैयग्यौ।

—थारै आज व्हियौ काई है वेटी री वाप ? यू घर रै लारै क्यू उतरी है वडी मिनख ? विळोवणो गाळ नै धूडधाणी कर दियो अर नेतरौ तोडनै पोखाळौ कर नाख्यौ। काम नी करणौ व्है तो ना क्यू नी देय दे।

—वूजी अवकै जोर सू किडकिया।

—घणाई बिलौवणा किया थे वापडिया—वाप रे घरै करैई देख्यौ व्है जरै करेक। जाओ पधारौ अवै पाणी भर दो। पण मटकी रौ थोडौ

कांकड माथै चढनै आया है। [illegible] जिकाँम हिम्मत अर वादरी सू वारै मुकावला मे अडियौडा है। वे दुस्मिया नै काट नै नाख देला।

राजा रे नस-नस मे जाणै विजळी खिवण लागी। हाथा रा वूकिया जाणै फाटण लाग्या। वा आगणै जायनै विलोवणौ करण लागी—झरड ···मरड ! झरड ·मरड ! झगडौ अवकै जवरौ चेत्यौ—झरड···मरड ! काकड माथै दुस्मी ऊभौ—झरड · मरड ! हरामिया ने काट नाखौ- झरड ··मरड ! जोर री झाट लागी सो काठा-काठा दही री लूंदौ गोळी रे वारै आय पडचौ थच्च करती।

—यू करै काई है विनणी ! झाट थोडी धीरे दे। का तो गोळी फोड नाखैला अर का नेतरी तोड नाखैला। रसोडा मे बैठचा वूजी बोल्या।

झरड·· मरड !

राजा थोडी धीमी पडगी। वा सोचण लागी—उणनै ई मोरचा माथै भेज देतो किसोक नामी काम वणै। वा हरदम वारे सागै री सागै रैवैला। दुसमण जे सनमुख आय जावै तो नी वदूक री काम है अर नी कारतूस रौ। उणनै आपरा हाथा रै गाढ माथै भरोसौ है। दो टणका मोटचारा री गावडा उणरा पजो मे झिल जावै तो वा टै ई नी करण दे। मसळ नै नाख दे। अर तीजौ आवै तो फगत एक लात रौ काम है। उठनै जे पाणी ई मागलै तौ फिट कही जौ। मोटचार मोरचा माथै जाय सकै तौ लुगाया क्यू नी जाय सकै ? वा उणा सू किण वात मे कम है ? जे एकली सैकडू दुस्मिया नै नी रगदोळ दू तो म्हारी मा म्हनै धकै लेय नै नी धवाडी है। मगदूर नै भाग है। मूडौ भूडौ वापडा चीणिया री जो काकड री मायली कानी ई पग देय दे। पग कलम नी कर नाखू हराम खोरा रा !

झरड ··मरड !

एक जोर री झाट लागी अर तडद करतौ नेतरौ तूटनै आघौ पडचौ अर गुडल समेत दूजी टुकडौ हाथ मे इज रैयग्यौ।

—थारै आज व्हियौ काई है वेटी री वाप ? यू घर रै लारै क्यू उतरी है वडी मिनख ? बिळोवणौ गाळ नै धूडधाणी कर दियौ अर नेतरौ तोडनै पोखाळौ कर नाख्यौ। काम नी करणौ व्है तो ना क्यू नी देय दे।

—वूजी अवकै जोर सू किडकिया।

—घणाई बिलौवणा किया थे वापडिया—वाप रे घरै करैई देख्यौ व्है जरै करेक। जाओ पधारो अबै पाणी भर दो। पण मटकी रौ थोडौ

ध्यान राख जै। आज जीव थारौ ठायै नी है।

राजा ठाम लेयनै नाडी कानी वहीर व्ही तो दिन खासौ चढग्यौ हो। गाम री गौमाळ उछेरण री वेळा व्हैगी ही पण ग्वाळियौ हाल गाया नै घेर नै ऊभौ हो। कारण दो एक काटीडा रे नाया घालणो ही। इण वास्तै खासा मिनख भेळा व्हियौडा ऊभा हा। कवळा सूतर री सूतमी नाथा नै छेडा माथै मोर पाखा री तीखी तुगिया सू बाधनै त्यार कर राखी ही। पण करारा थट्ट व्हियौडा अर ऊदम चडियौडा काटीडा नै पकडणौ घणौ अबखौ काम हो। सिघ रा बच्चा व्है जिसा, तालू-माचू करता, हाण-फाण व्हियौडा काटीडा काळै च्यार-पाच मोटचारा नै पटक नै रगदोळ चुक्या हा। इण वास्तै आज वा नै पूरा जाबता सू खरवा नाखनै पटकण री तजवीज ही।

गोर मे हा-हू मच्यौडी ही। एक कानी मोटचार लाठिया मे मजबूत गाळा घाल नै घेरौ दिया ऊभा हा तो दूजै कानी डाफा-चूक व्हियौडा काटीडा कान ऊचा किया अठी-उठी देखै हा। अठीनै तो राजा ठाम भरनै पाछी आई अर उठीनै डावियाळ काटीडा रै गाळौ पडियौ। काटीडौ चीतरा री गळाई फुरणा बजावतौ साम्ही काटकियौ।

परतख काळ नै साम्ही आवतौ देखनै मोटचार तो पड भाग्या पण राजा लपेटा मे आयगी। उणनै एकदम यू लखायौ, जाणै वा मोरचा माथै ऊभी है अर सनमुख दुसमण काटकियौडौ आवै है। एक छिन मे वा मटकी एक कानी उछाळ नै काटीडा सू जाय भिडी। गब्ब करता काटीडा रा दोन्यू कान उणरै पजा मे भिलग्या। अर झिल्या तो पछै इसा झिल्या के जाणै सडासी मे साप। काटीडै घणाई फूफाडा किया, घणौई आफळियौ पण राम भजौ नी छूटै काई जीव! छेवट थाक नै पोठा करण लाग्यौ थच्च-थच्च।

राजा हाकौ कियौ—म्हारै ओरणा रौ पल्लौ तो थोडौ म्हारै माथा पर नाख दो रे ना जोगा! मूछाळा व्हैनै एक मामूली टोगडिया सू डरनै भाग ग्या। फिट रै नादारा थानै! अबै थारा बाप रै नाथ घालणी व्है तो घालौ क्यूं नी आघी। म्हारै हाथा मे झिल्यौडौ ओतो टे ई नी कर सकैला। इतरौ सुणता इज तो मोटचार नीचा माथा किया अर वडियौडा आया अर एक छिन मे ऊभा काटीडा रे इज नाथ घाल दी।

उण दिन सू राजा रे करार री चरचा गाम मे तो काई पण पूरा

ध्यान राख जै। आज जीव थारौ ठायै नी है।

राजा ठाम लेयनै नाडी कानी वहीर व्ही तो दिन खासौ चढग्यौ हो। गाम री गौमाळ उच्छेरण री वेळा व्हैगी ही पण ग्वाळियौ हाल गाया नै घेर नै ऊभौ हो। कारण दो एक काटीडा रे नाथ घालणी ही। इण वास्तै खासा मिनख भेळा व्हियौडा ऊभा हा। कवळा सूतर री सूतमी नाथा नै छेडा माथै मोर पाखा री तीखी तुगिया सू बाधनै त्यार कर राखी ही। पण करारा थट्ट व्हियौडा अर ऊदम चडियौडा काटीडा नै पकडणौ घणौ अबखौ काम हो। सिघ रा बच्चा व्है जिसा, तालू-माचू करता, हाण-फाण व्हियौडा काटीडा काळै च्यार-पाच मोटचारा नै पटक नै रगदोळ चुक्या हा। इण वास्तै आज वा नै पूरा जाबता सू खरवा नाखनै पटकण री तजवीज ही।

गोर मे हा-हू मच्योडी ही। एक कानी मोटचार लाठिया मे मजबूत गाळा घाल नै घेरौ दिया ऊभा हा तो दूजै कानी डाफा-चूक व्हियौडा काटीडा कान ऊचा किया अठी-उठी देखै हा। अठीनै तो राजा ठाम भरनै पाछी आई अर उठीनै डावियाळ काटीडा रै गाळौ पडियौ। काटीडौ चीतरा री गळाई फुरणा बजावतौ साम्ही काटकियौ।

परतख काळ नै साम्ही आवतौ देखनै मोटचार तो पड भाग्या पण राजा लपेटा मे आयगी। उणनै एकदम यू लखायौ, जाणै वा मोरचा माथै ऊभी है अर सनमुख दुसमण काटकियौडौ आवै है। एक छिन मे वा मटकी एक कानी उछाळ नै काटीडा सू जाय भिडी। गब्ब करता काटीडा रा दोन्यू कान उणरै पजा मे भिलग्या। अर झिल्या तो पछै इसा झिल्या के जाणै सडासी मे साप। काटीडै घणाई फूफाडा किया, घणौई आफळियौ पण राम भजौ नी छूटै काई जीव! छेवट थाक नै पोठा करण लाग्यौ थच्च-थच्च।

राजा हाकौ कियौ—म्हारै ओरणा रौ पल्लौ तो थोडौ म्हारै माथा पर नाख दो रे ना जोगा! मूछाळा व्हैनै एक मामूली टोगडिया सू डरनै भाग ग्या। फिट रै नादारा थानै! अबै थारा बाप रै नाथ घालणी व्है तो घालौ क्यूं नी आघी। म्हारै हाथा मे झिल्यौडौ ओतो टे ई नी कर सकैला। इतरौ सुणता इज तो मोटचार नीचा माथा किया अर वडियौडा आया अर एक छिन मे ऊभा काटीडा रे इज नाथ घाल दी।

उण दिन सू राजा रे करार री चरचा गाम मे तो काई पण पूरा

चोखळा मे होवण लागी। बात सुणी जिकोई थुथकौ नाखण लागौ। साथीडां तेजा नै कागद लिख्यौ तो उणनै ई ए समाचार लिख्या। मुल्क री उतरादी काकड माथै, गोडा-गोडा लग बरफ मे ऊभै, उणै ओ कागद पढचौ तो उणरी छाती फूलीजगी। वो सोचण लागौ-राजा फूल जिसी कोमळ अर वज्जर जिसी कठोर, चाद जिसी फूटरी अर चडिका-सी विकराळ। अठै उणरै सागै वा ई बदूक लिया ऊभी व्हेती तो किसौक नामी रैवतौ। इतरै तो उतराद मे काई खुडकौ व्हियौ, उणै एक हाथ सू दूरबीण निजरा आगै लगाय नै दूजै हाथ सू बदूक काठी पकडली।

चोखळा मे होवण लागी। बात सुणी जिकोई थुथको नाखण लागौ। साथीडां तेजा नै कागद लिख्यौ तो उणनै ई ए समाचार लिख्या। मुल्क री उतरादी काकड माथै, गोडा-गोडा लग बरफ मे ऊभै, उणै ओ कागद पढ्यौ तो उणरी छाती फूलीजगी। वो सोचण लागौ-राजा फूल जिसी कोमळ अर वज्जर जिसी कठोर, चाद जिसी फूटरी अर चडिका-सी विकराळ। अठै उणरै सागै वा ई बदूक लिया ऊभी व्हैती तो किसौक नामी रैवतौ। इतरै तो उतराद मे काई खुडको व्हियौ, उणै एक हाथ सू दूरबीण निजरा आगै लगाय नै दूजै हाथ सू बदूक काठी पकड़ली।

उडीक
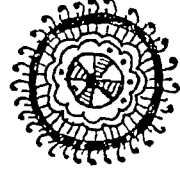
यू रामगढ बीसू बार आयौ गयौ हू पण अबकाळै उठै जावणौ घणौ आ झौ लाग्यौ। मन जाणै कियाई होवण लाग्यौ। पे' ली जद कदैई रामगढ जावण रौ मौकौ मिळतौ, मन मे घणी हूस रैवती, च्यार दिना पे'लीज एक अणबोलणी खुसी मन मे भरीज जावती अर मन हर वखत भरचौ-रैवतौ। मोटर मे बैठतौ जरै तो मोटर री चाल रै सागै वा खुसी पण तर-तर वधतीज जावती अर मोटर रा हच्चीडा रै सागै उणमे पण उछाळा आवता रैवता।

पण आजकी हालत सफा उल्टी ही। गाडी सू उतरनै मोटर कानी रवानै व्हियौ तौ पग इसा भारी लाग्या जाणै मण-मणवजन बध्यौ व्है। उदास मन सू वानै कियाई ठिरडतौ-ठिरडतौ मोटर मे आयनै बैठचौ तो बैठतापाण एक जोर रा हचीडा सागै वा स्टार्ट व्हैगी। जाणै उणनै वैम हो कै म्हू आळाणौ नी कर दू अर पाछौ रवानै नी व्है जाऊ।

काचा मारग पर धूड रा गोट उठता रह्या अर हच्चीडा रै सागै नैना-नैना गाम लारै छूटता रह्या। अबै तर-तर रामगढ ढूकडौ आवण लाग्यौ। पे' ली पनजी चव्हाण रौ बेरौ आवैला अर पछै अरणा वाळौ सेरियौ। लाबा सेरिया रे दोनू कानी कोरा अरणा इज अरणा। सेरिया बारै निकळता ई तो रामगढ रा झाडका दीखण लाग जाएला अर पछै तो पूगता एक चिलम भरै जितरी जेज लागैला। मोटर ऊभी रैवै उठै खासी भीड व्हैला। कोई रे मोटर मे बैठनै आगै जावणौ व्हैला तो कोई

उडीक

यू रामगढ बीसू बार आयौ गयौ हूं पण अबकाळै उठै जावणौ घणौ आ झौ लाग्यौ। मन जाणै कियाई होवण लाग्यौ। पे' ली जद कदैई रामगढ जावण रौ मौकौ मिळतौ, मन मे घणी हूस रैवती, च्यार दिना पे'लीज एक अणबोलणी खुसी मन मे भरीज जावती अर मन हर वखत भर्‌यौ-रैवतौ। मोटर मे बैठतौ जरै तो मोटर री चाल रै सागै वा खुसी पण तर-तर वधतीज जावती अर मोटर रा हच्चीडा रै सागै उणमे पण उछाळा आवता रैवता।

पण आजकी हालत सफा उल्टी ही। गाडी सू उतरनै मोटर कानी रवानै व्हियौ तौ पग इसा भारी लाग्या जाणै मण-मणवजन बध्यौ व्है। उदास मन सू वानै कियाई ठिरडतौ-ठिरडतौ मोटर मे आयनै बैठ्यौ तो बैठतापाण एक जोर रा हचीडा सागै वा स्टार्ट व्हैगी। जाणै उणनै वैम हो कै म्हू आळाणौ नी कर दू अर पाछौ रवानै नी व्है जाऊ।

काचा मारग पर धूड रा गोट उठता रह्या अर हच्चीडा रै सागै नैना-नैना गाम लारै छूटता रह्या। अबै तर-तर रामगढ ढूकडौ आवण लाग्यौ। पे' ली पनजी चव्हाण रौ बेरौ आवैला अर पछै अरणा वाळौ सेरियौ। लाबा सेरिया रे दोनू कानी कोरा अरणा इज अरणा। सेरिया बारै निकळता ई तो रामगढ रा झाडका दीखण लाग जाएला अर पछै तो पूगता एक चिलम भरै जितरी जेज लागैला। मोटर ऊभी रैवै उठै खासी भीड व्हैला। कोई रे मोटर मे वैठनै आगै जावणौ व्हैला तो कोई

किणा रै ई साम्ही आयौ व्हेला। पाछली साल म्हू आयौ जद धापू अर किसनू दोन्यू वैन-भाई म्हारै साम्हा आया हा। किसनू तो म्हनै देखता पाण ताळिया वजाय-वजाय नै नाचण लागग्यौ हो—मामौसा आया रे मामौसा आया !··अर धापू तो पकड धावळियौ हाथ मे अर दडी छट घरा दोडगी ही—वाई नै वधाई देवण नै के उणरौ वीरौ आयग्यौ है।

खड्डीड · खड्डीड हव्वीड हव्वीड ! मोटर रा छाजला मे मिनखा रा छोटा मोटा दांणा उछळ-उछळ नै नीचा पडता हा। जितरै तो एक जोर रौ हच्चीडौ लाग्यो अर म्हारी भेर टूटी। रामगढ आयग्यौ हो। मोटर ठमता इ लोग-वाग चढण उतरण लाग्या। म्हू ई नीचै उतरियौ अर वेग उठायनै रवानै व्हियौ। भीड सू वारै निकळचौ तौ धडा माथै ऊभा एक टावर माथै निजर पडी। मन मे वैम व्हियो-किसनू तो नी है कठैई ? ना-ना, ओ किसनू हरगिज नी व्हे सकै। वाल विखरचौडा, हाथा-पगा पर मेल रा घारडा जम्यौडा, अर सरीर पर फगत एक मैली सीक कुडतियौ। मूडा मे हाथ रौ अगूठौ घाल्या वो खरी मीट सू मोटर कानी देखै हो। म्हू थोडौ नैडौ गयौ। अरे ! ओ तो सागैई किसनू इज दीसै। म्हारै अचूभा रौ तो ठिकाणोई नी रह्या। म्हे उणनै धीरैसीक वतळायौ—किसनू ? पण उणै ध्यान इज नी दियौ। वो तो अगूठो चूसतौ, आख्या फाड-फाड नै मोटर कानी देखै हो।

म्है फेरू जोर सू कह्यौ भाणू ! अवकै उणै म्हारै कानी देख्यो। मोटी-मोटी आख्या, सफेद-सफेद कोया मे नैनी-नैनी कीकिया, गाला माथै आसूवा रा टेरा सूखौडा। छिन भर तो वो देखतौ इज रह्यौ। पछै एक दम मुळक नै वोल्यौ-मामौसा थे आयग्या। म्हू तो रोज थारै साम्हा मोटर माथै आवू।

—जरै इज तो म्हू थनै मिळण नै आयौ हू भाणू !

—पण म्हारी वाई कठै मामौसा ? भाई सा तो रोज कैवे के अवै उणनै सफाखाना सू छुट्टी मिळ जाएला अर थारै मामोसा उणनै लेयनै आवैला। वो अठी-उठी देखनै विलखौ पडग्यौ अर म्हनै जवाव देवणौ भारी पडग्यौ। म्हू अवै उण भोळा कमेडा नै काई जवाव देवतौ। उणरा विस्वास नै किया खडत करतौ। जिण उम्मेद री डोर माथै वो जीवै हो उणनै किया तोडतौ। जिण वरत रै सहारै वो वेरा मे उतरियोडौ हो,

किणा रै ई साम्ही आयौ व्हैला। पाछली साल म्हू आयौ जद धापू अर किसनू दोन्यू बैन-भाई म्हारै साम्हा आया हा। किसनू तो म्हनै देखता पाण ताळियां बजाय-बजाय नै नाचण लागग्यौ हो—मामौसा आया रे · मामौसा आया ! · अर धापू तो पकड धावळियौ हाथ मे अर दडी छट घरा दौडगी ही—बाई नै बधाई देवण नै के उणरौ वीरौ आयग्यौ है।

खद्दोड ''खद्दीड' हव्वीड' हव्वीड ! मोटर रा छाजला मे मिनखा रा छोटा मोटा दांणा उछळ-उछळ नै नीचा पडता हा। जितरै तो एक जोर री हच्चीडौ लाग्यौ अर म्हारी भेर टूटी। रामगढ आयग्यौ हो। मोटर ठमता इ लोग-बाग चढण उतरण लाग्या। म्हू ई नीचै उतरियौ अर बेग उठायनै रवानै व्हियौ। भीड मू बारै निकळ्यौ तौ धडा माथै ऊभा एक टाबर माथै निजर पडी। मन मे वैम व्हियौ-किसनू तो नी है कठैई ? ना-ना, ओ किसनू हरगिज नी व्है सकै। बाल बिखरचौडा, हाथा-पगा पर मेल रा घारडा जम्यौडा, अर सरीर पर फगत एक मैली सीक कुडतियौ। मूडा मे हाथ री अगूठी घाल्या वो खरी मीट सू मोटर कानी देखै हो। म्हू थोडौ नैडौ गयौ। अरे ! ओ तो सागैई किसनू इज दीसै। म्हारै अचूभा रौ तो ठिकाणोईई नी रह्यौ। म्है उणनै धीरैसीक बतळायौ—किसनू ? पण उणै ध्यान इज नी दियौ। वो तो अगूठी चूसतौ, आख्या फाड-फाड नै मोटर कानी देखै हो।

म्है फेरू जोर मू कह्यौ भाणू ! अबकै उणै म्हारै कानी देख्यौ। मोटी-मोटी आख्या, सफेद-सफेद कोया मे नैनी-नैनी कीकिया, गाला माथै आसूवा रा टेरा सूखौडा। छिन भर तो वो देखतौ इज रह्यौ। पछै एक दम मुळक नै बोल्यौ-मामौसा थे आयग्या। म्हू तो रोज थारै साम्हा मोटर माथै आवू।

—जरै इज तो म्हू थनै मिळण नै आयौ हू भाणू !

—पण म्हारी बाई कठै मामौसा ? भाई सा तो रोज कैवे के अबै उणनै सफाखाना सू छुट्टी मिळ जाएला अर थारै मामोसा उणनै लेयनै आवैला। वो अठी-उठी देखनै बिलखौ पडग्यौ अर म्हनै जवाब देवणौ भारी पडग्यौ। म्हू अबै उण भोळा कमेडा नै काई जवाब देवतौ। उणरा विस्वास नै किया खडत करतौ। जिण उम्मेद री डोर माथै वो जीवै हो उणनै किया तोडतौ। जिण वरत रै सहारै वो बेरा मे उतरियोडौ हो,

उणने किया वाढती। म्हैं थोडी सभळ न कह्यौ—

—वाई हाल मादी है भाई, वा सफा ठीक नी व्है जितरै उणनै सफा-खाना सू छुट्टी मिळै कोनी। म्हे उणनै गोदी मे ऊचाय लियौ।

—कदै छुट्टी मिळैला ? थे सेग कूडा वोलो हो, म्हनै चिगावो।

वो आती आयनै रोवण लागग्यौ। म्हू उणने छाती रै चेप नै वुचकारण लागग्यौ तो हूचकै भरीजग्यौ। म्हे नीठ पोटाय-पुटूय नै छानो राखियौ।

—देख थू तो समझणौ है नी भाणू ! वाई कितरा दिन घरै मादी पडी री, अबै दवा नी करावै तो सावळ कीकर व्है बता ? ठीक व्हैताई म्हू उणनै लेय नै आवूला। ए देख थारै वास्तै उणे थैली भरने रमकडा भेज्या है अर केवायौ है के इणा मे सू धापू नै एक ई मत दीजै।

अबै जावतौ उणनै थोडो थावस वाधौ। वो आख्या पूछतौ वोल्यौ—

म्हनै ई वाई खनै ले चालो नी मामोसा ! म्हू उणने कोई दुख नी दूला। वाई विना म्हनै काई चोखौ नी लागै। अठै म्हने भाईसा लडै अर धापूडी राड म्हनै रोज कूटै। वाई तो म्हारै हाथ ई नी लगावती।

—थू नानीजी खनै चालैला किसनू ? वे थारौ घणौ लाड राखैला अर उठै थनै कोई नी कूटैला।

म्हारी वात उणन जची को नी। थोडी ताळ वो ठैर न वो वोल्यौ—

—म्हारै तो वाई खनै जावणो है, नानीजी खनै नी जावणो। पछै म्हारो हाथ पकडनै फेर वोल्यौ --

—मामीसा छोरा म्हनै कैवै के थारी वाई तो मरगी ! मन मे एक धक्को सौ लाग्यौ, तो ई म्हे कह्यौ—

—सफा कूड वोलै नकटा, वे थने यू ई चिडावै। घरा आयनै म्हे उणनै नीचौ आगणै उतार दियौ। पण हे राम ! इण घर री आ हालत ! कठै तो वो वुहारियौ-झाडियौ, नीपियौ-गूपियौ देवता रमै जिमौ कुपलौ व्है जिमौ घर अर कठै ओ भूत खानौ। ठौड-ठौड कचरा रा टिगळा, आगणा रा नीवडा हेटै वीटा रा थोकडा,ऐठवाडा वासण,उघाडी पणेरी अर भरणाट करती माखिया। सगळा घर मायै एक अजाणी उदासी, एक अणवोली छिया।

म्हे धापू नै हाको कियौ तो वा पाडौस रा घर नू दौडी आई। पण मदैर्ट का ज्यू आयनै पगा मे वाथ नी घाली। दस वरस री छोरी ८ महीना

उणनै किया वाढती । म्है थोडो सभळ ने कह्यौ—

—वाई हाल मादी हे भाई, वा सफा ठीक नी व्है जितरै उणनै सफा-खाना सू छुट्टी मिळै कोनी । म्है उणनै गोदी मे ऊचाय लियौ ।

—कदै छुट्टी मिळैला ? थे सेग कूडा वोलो हो, म्हनै चिगावौ ।

वो आती आयनै रोवण लागग्यौ । म्हू उणने छाती रै चेप नै बुचकारण लागग्यौ तो हूचकै भरीजग्यौ । म्हे नीठ पोटाय-पुटूय नै छानी राखियौ ।

—देख थू तो समझणो है नी भाणू ! वाई कितरा दिन घरै मादी पड़ी री, अबै दवा नी करावे तो सावळ कीकर व्हे बता ? ठीक व्हैताई म्हू उणनै लेय नै आवूला । ए देख थारै वास्तै उणे थैली भरने रमकडा भेज्या है अर केवायौ है के इणा मे सू धापू नै एक ई मत दीजै ।

अबै जावतौ उणनै थोडो थावस वाधौ । वो आख्या पूछतौ वोल्यौ—

म्हनै ई वाई खनै ले चालो नी मामोसा ! म्हू उणने कोई दुख नी दूला । वाई विना म्हनै काई चोखौ नी लागै । अठै म्हने भाईसा लडै अर धापूडी राड म्हनै रोज कूटै । वाई तो म्हारै हाथ ई नी लगावती ।

—थू नानीजी खनै चालैला किसनू ? वे थारो घणौ लाड राखेला अर उठै थनै कोई नी कूटैला ।

म्हारी वात उणन जची को नी । थोडी ताळ वो ठैर न वो वोल्यौ—

—म्हारै तो वाई खनै जावणो है, नानीजी खनै नी जावणो । पछै म्हारौ हाथ पकडनै फेर वोल्यौ —

—मामौसा छोरा म्हनै कैवै के थारी वाई तो मरगी ! मन मे एक धवको सौ लाग्यौ, तो ई म्है कह्यौ—

—सफा कूड वोलै नकटा, वे थनै यू ई चिडावै । घरा आयनै म्है उणनै नीचौ आगणै उतार दियौ । पण हे राम ! इण घर री आ हालत ! कठै तो वो बुहारियौ-झाडियौ, नीपियौ-गूपियौ देवता रमै जिसो कुपली व्है जिमौ घर अर कठै ओ भूत खानो । ठौड-ठौड कचरा रा टिगळा, आगणा रा नीवडा हेटै वीटा रा थोकडा, ऐठवाडा वासण, उघाडौ पणेरी अर भरणाट करती माखिया । सगळा घर माथै एक अजाणी उदासी, एक अणवोली छिया ।

म्है धापू नै हाको कियौ तो वा पाडोस रा घर नू दौडी आई । पण नदैई का ज्यू आयनै पगा मे वाथ नी घाली । दस वरस री छोरी छ महीना

मे इज जाणै डोकरी व्हैगी ही। सूखोडौ मूडौ, मैला-मैला गाभा, माथौ जाणै सूगणिया रौ माळौ। म्हे माथै हाथ फैरियो तो वा छिबरा-छिबरा रोवण लागी। नीठ बोली राखी।

हाथौ हाथ घर री सफाई करनै नीवडा री छिया मे माचा माथै बैठ्यौ तो मन जाणै कियाई व्हैग्यो। घर रा खूणा-खूणा सू बाई री याद जुडियोडी ही। यू लाग्यौ जाणै वा [illegible] रसोडा मे बैठी रसोई [illegible] है अर अबार म्हनै बुलाय लेला। जाणै वा गेवाडी मे बैठी गाय दुह री है अर अबार किसनू नै गिलास लावण [illegible] देला। जाणै ढालिया मे बैठी खरटी फेर री है अर अबार वीरौ गावणौ सरू कर देला।

म्हनै वीरौ सुणण रौ अर बाई नै वीरौ गावण रौ कितरौ कोड हो, जिणरौ कोई पार नी। म्हू आवतौ जितरी वार लारै पड जावतौ—बाई एकर तौ वीरौ सुणाय दे। अर वा झीणा कठ सू सरू कर देवती। आज ई इण अळस दो पार री पो'र मे यू लाग्यौ जाणै वा साम्हा बैठी वीरौ गाय री है—

वागा मे वाज्या जगी ढोल
सहरा मे वाजी महनाईजी
आयौ म्हारौ जामणजायौ वीर
चूनड नो ल्यायौ रेसमीजी

मे इज जाणै डोकरी व्हैगी ही। सूखोडौ मूडौ, मैला-मैला गाभा, माथौ जाणै सूगणिया री माळौ। म्हू माथै हाथ फैरियौ ता वा छिवरा-छिवरा रोवण लागी। नीठ बोली राखी।

हाथौ हाथ घर री सफाई करनै नीवडा री छिया मे माचा माथै बैठ्यौ तो मन जाणै कियाई व्हैग्यौ। घर रा खूणा-खूणा सू बाई री याद जुडियोडी ही। यू लाग्यौ जाणै वा रसोडा मैं बैठी रसोई [illegible] री है अर अबार म्हनै बुलाय लेला। जाणै वा रेवाडी मे बैठी गाय दुह री है अर अबार किरानू नै गिलास लावण [illegible] देला। जाणै ढालिया मे बैठी खरटी फेर री है अर अबार वीरौ गावणौ सरू कर देला।

म्हनै वीरौ सुणण रौ अर बाई नै वीरौ गावण रौ कितरौ कोड हो, जिणरौ कोई पार नी। म्हू आवतौ जितरी बार लारै पड जावतौ—बाई एकर तौ वीरौ सुणाय दे। अर वा झीणा कठ सू सरू कर देवती। आज ई इण अळस दो पार री पो'र मे यू लाग्यौ जाणै वा साम्हा बैठी वीरौ गाय री है—

बागा मे बाज्या जगी ढोल
सहरा मे बाजी सहनाईजी
आयौ म्हारौ जामणजायौ वीर
चूनड तो ल्यायौ रेसमीजी

मेलू तो छाब भरीज
तोलू तो तोला तीसजी
ओढू तो हीरा [illegible]
[illegible] तो हाथ पचासजी
.. ..

बागा मे बाज्या जगी ढोल
सहरा मे बाजी सहनाईजी
आयौ म्हारौ जामणजायौ वीर
चूनड तो ल्यायौ रेसमीजी

[illegible]

वाई ? तो बोली—काई ती रे वीरा, मन जाणै यू ई किया ई व्हैग्यौ। सोच्यौ थू रोज वीरौ गवावै पण कुण जाणै, सागण काम पडसी जद म्हू रैस्यू कै नी ?

—थू इसौ खराव सौचै ई'ज क्यू ? म्है कह्यौ।

—यू ई रै भाई, इण काची काया रौ काई
भरोसौ, आज है अर काल नी। दूजौ जिणनै जिण
चीज री हू स घणी व्है, वा पूरी नी व्हिया करै।

गळा मे काटा-सा अटकण लाग्या अर नीवडा माथै डोड कागला बोल्लण लाग्या—का का का! किसनू कठीगयौ? रसोडा मे धापू एकली बैठी साग वनारती ही, उणनै पूछ्यौ तो जाण पडी के खनला कमरा मे सूतौ व्हैला। जाय नै देख्यौ तो आगणा माथै फाटा-तूटा गाभा बिछायनै सूतौ हो अर बाथ मे एक ओरणौ भरयौडौ हो। म्हू खासी ताळ ऊभौ-ऊभौ उणरा भोळा-ढाळा चेहरा नै देखतौ रह्यौ। वो रैय-रैयनै आपरा नैना-नैना होठो नै भेळा करनै ऊघ मे ईज बोबौ चूघतौ व्है ज्यू वसड-वसड करतौ हो।

धापू बोली—ओ रात रा यू इज सोवै मामोसा! जे बाई रा कपडा इणनै ओढण विछावण नै नी देवा तो इणनै ऊघ ई नी आवै। एक रात ओ भाईसा माथै सूतौ तो सगळी रात जकियौ। ओ कैवै के इण कपडा मे म्हनै बाई री वास आवै, जिण सू ऊघ झट आय जावै। इण वास्तै इज भाईसा ए कपडा धुपावै कोनी।

म्हनै म्हारी पीळकी गाय रौ वो लवारियौ याद आयग्यौ जिकौ फगत वीसेक दिन रौ हो के उणरी मा मरगी। तीन दिन ताई वो ठाण मूघती रह्यौ, जठै उणरी मा बाधती। सेवट चौथे दिन डेडाड करतै प्राण छोड दिया। अर ओ लवारिया जिसौ इज अवोध किसनू जो फगत पाच वरस रो है अर इणरी जामण मरगी, उणनै जे मायड रा परसेवा री वास सूघ्या विना ऊघ नी आवै तो इणमे इचरज री वात ई काई ?

थोडी ताळ मे वो जाग्यौ तो म्है उणनै कह्यौ—चाल भाणू थनै सिनान कराय दू। देख थारै डील माथै कितरौ मैल जमग्यौ है अर कुडती किसीक मैलौ धाण व्हैग्यौ है। थनै सूग ई नी आवै भोळा ? पे' ली तो थू कितरो साफ-सुथरौ अर फूटरौ फर रौ रैवतौ। अबै थारै काई व्हैग्यौ है ? वो एक सबद ई नी बोल्यौ, चुपचाप म्हारै लारै आयग्यौ। पण म्हू उणरौ कुरतो

बाई ? तो बोली—काई ती रे बीरा, मन जाणै यू ई किया ई व्हैग्यौ। सोच्यौ थू रोज बीरौ गवावै पण कुण जाणै, सागण काम पडसी जद म्हू रैस्यू कै नी ?

—थू इसौ खराब सौचै ई'ज क्यू ? म्है कह्यौ।

—यू ई रै भाई, इण काची काया रौ काई
भरोसौ, आज है अर काल नी। दूजौ जिणनै जिण
चीज री हूस घणी व्है, वा पूरी नी व्हिया करै।

गळा मे काटा-सा अटकण लाग्या अर नीवडा माथै डोड कागला बोलण लाग्या—का का का! किसनू कठी गयौ? रसोडा मे धापू एकली बैठी साग बनारती ही, उणनै पूछ्यौ तो जाण पडी के खनला कमरा मे सूतौ व्हैला। जाय नै देख्यौ तो आगणा माथै फाटा-तूटा गाभा बिछायनै सूतौ हो अर बाथ मे एक ओरणौ भरयौडौ हो। म्हू खासी ताळ ऊभौ-ऊभौ उणरा भोळा-ढाळा चेहरा नै देखतौ रह्यौ। बो रैय-रैयनै आपरा नैना-नैना होठो नै भेळा करनै ऊघ मे ईज बोबौ चूघतौ व्है ज्यू बसड-बसड करतौ हो।

धापू बोली—ओ रात रा यू इज सोवै मामोसा! जे बाई रा कपडा इणनै ओढण बिछावण नै नी देवा तो इणनै ऊघ ई नी आवै। एक रात ओ भाईसा माथै सूतौ तो सगळी रात जकियौ। ओ कैवै के इण कपडा मे म्हनै बाई री बास आवै, जिण सू ऊघ झट आय जावै। इण वास्तै इज भाईसा ए कपडा धुपावे कोनी।

म्हनै म्हारी पीळकी गाय री बो लवारियौ याद आयग्यौ जिकौ फगत बीसेक दिन रौ हो के उणरी मा मरगी। तीन दिन ताई बो ठाण सूधती रह्यौ, जठै उणरी मा बाधती। सेवट चौथे दिन डेडाड करतै प्राण छोड दिया। अर ओ लवारिया जिसौ इज अबोध किसनू जो फगत पाच बरस रो है अर इणरी जामण मरगी, उणनै जे मायड रा परसेवा री बास सूघ्या बिना ऊघ नी आवै तो इणमे इचरज री बात ई काई ?

थोडी ताळ मे बो जाग्यौ तो म्है उणनै कह्यौ—चाल भाणू थनै सिनान कराय दू। देख थारै डील माथै कितरी मैल जमग्यौ है अर कुडतौ किसोक मैलौ घाण व्हैग्यौ है। थनै सूग ई नी आवै भोळा? पे'ली तो थू कितरौ साफ-सुथरौ अर फूटरौ फर रौ रैवतौ। अबै थारै काई व्हैग्यौ है? बो एक सबद ई नी बोल्यौ, चुपचाप म्हारै लारै आयग्यौ। पण म्हू उणरौ कुरतौ

उतरावण लाग्यौ तो वो एकदम रीसा बळतौ बोल्यौ—

पे'ली माथौ मत काढौ नै पे'ली बाया उतारौ—यू—वो आपरौ नैनौ सीक हाथ ऊचौ करनै बोल्यौ। म्है उणै कह्यौ ज्यू पे' ली बाया मे सू हाथ काढ नै पछै उणनै बाल्टी रे खनै विठाय नै लोटौ भरनै उणरै माथा पर कुडण लाग्यौ, तो एक दम लोटौ म्हारै हाथ सू झडपनै फेकतौ थकौ बोल्यौ—

—पे'ली हाथा पगा रे मेल करै के पे'ली माथा माथै पाणी नाखै ! इतरा मोटा व्हैग्या तो ई सिनान करावणौ ई नी आवै। बाई तो सब सू पे' ली म्हारा हाथ-पग भिगोय नै धीरै-धीरै मैल करती। पछै मूडौ धोय नै लाड करती अर पछै माथा माथै पाणी नाखती ए तो ले पाणी नै धड ड ड ड ! आ धापूडी ई राड रोज यू इज करै, जरै इज तो म्हू सिनान नी करू।

म्हनै दुख मे ई हसणौ आयग्यौ। म्है कह्यौ ले भाई, बाईकरावै ज्यू इज सिनान करावूला थनै। पछै तो काई नी ? म्हू उणरा हाथ-पग भिगौय नै डरतौ-डरतौ धीरै-धीरै मैल करण लाग्यौ। काई भरोसौ रीसा बळतौ अबकै लोठौ लेयनै म्हारा माथा मे नी ठरकाय दे। पण इसी कोई बात नी व्ही। काम उणरी मरजी रै माफक होवण सू वो वाता करण लाग्यौ—

—बाई तो म्हनै खोळा मे बिठाय नै धीरै-धीरै दूध पावती। गरम व्हैतौ तो पे'ली आगळी घाल नै देख लेवती। फीकौ व्हैतो तो चाखनै खाड थोडी फेर नाखती। अर ए भाई सा तो साम्ही बैठनै माडाणी पावै। दूध मे घी नाख देवै अर पछै जोर कर-कर नै कैवै—पीई! पीई! पीई ! अर आ धापूडी राड लारै ही लारै पीए क्यू नी रे ! पीए क्यू नी रे ! है इज किसी राड, डकण व्है जिसी। रीस तो इसी आवै के राड रा लटिया तोड नै नाख दू। म्हनै दूध मे तारा देखनै ऊबका आवै। एक दिन तो उल्टी व्है जाती। पण नी पीऊ तो भाई सा कूटै। मामौसा बाई आवै जितरै थे अठैइज रही जौ, जाईजौ मती, हो !

म्है उणनै थावस देवता कह्यौ—अवै थू खासौ मोटौ व्हैग्यौ है गेला, कोई वोवौ चूघतौ नैनौ टाबर तो है कोयनी। आखौ दिन बाई-बाई काई करै ?

उणनै फेर रीस आयगी। वो मूडौ चढाय नै बोल्यौ—

—नैनौ नी तो काई थारै जितरौ मोटौ हू ? बाई तो अवैई म्हनै रोज

उतरावण लाग्यौ तो वो एकदम रीसा बळतौ बोल्यौ—

पे'ली माथौ मत काढौ नै पे'ली बाया उतारौ—यू—वो आपरौ नैनौ सीक हाथ ऊचौ करनै बोल्यौ। म्है उणै कह्यौ ज्यू पे' ली बाया मे सू हाथ काढ नै पछै उणनै वाल्टी रे खनै बिठाय नै लोटौ भरनै उणरै माथा पर कुडण लाग्यौ, तो एक दम लोटौ म्हारै हाथ सू झडपनै फेकतौ थकौ बोल्यौ—

—पे'ली हाथा पगा रे मेल करै के पे'ली माथा माथै पाणी नाखै ! इतरा मोटा व्हैग्या तो ई सिनान करावणौ ई नी आवै। बाई तो सब सू पे' ली म्हारा हाथ-पग भिगोय नै धीरै-धीरै मैल करती। पछै मूडौ धोय नै लाड करती अर पछै माथा माथै पाणी नाखती ए तो ले पाणी नै धड ड ड ड ! आ धापूडी ई राड रोज यू इज करै, जरै इज तो म्हू सिनान नी करू।

म्हनै दुख मे ई हसणौ आयग्यौ। म्है कह्यौ ले भाई, बाईकरावै ज्यू इज सिनान करावूला थनै। पछै तो काई नी ? म्हू उणरा हाथ-पग भिगौय नै डरतौ-डरतौ धीरै-धीरै मैल करण लाग्यौ। काई भरोसौ रीसा बळतौ अबकै लोठौ लेयनै म्हारा माथा मे नी ठरकाय दे। पण इसी कोई बात नी व्ही। काम उणरी मरजी रै माफक होवण सू वो बाता करण लाग्यौ—

—बाई तो म्हनै खोळा मे बिठाय नै धीरै-धीरै दूध पावती। गरम व्हैतौ तो पे'ली आगळी घाल नै देख लेवती। फीकौ व्हैतो तो चाखनै खाड थोडी फेर नाखती। अर ए भाई सा तो साम्ही बैठनै माडाणी पावै। दूध मे घी नाख देवै अर पछै जोर कर-कर नै कैवै—पीई! पीई! पीई! अर आ धापूडी राड लारै ही लारै · पीए क्यू नीरे ! पीए क्यू नी रे ! है इज किसी राड, डकण व्है जिसी। रीस तो इसी आवै के राड रा लटिया तोड नै नाख दू। म्हनै दूध मे तारा देखनै ऊबका आवै। एक दिन तो उल्टी व्है जाती। पण नी पीऊ तो भाई सा कूटै। मामौसा बाई आवै जितरै थे अठैइज रह्या जौ, जाईजौ मती, हो !

म्है उणनै थावस देवता कह्यौ—अबै थू खासौ मोटौ व्हैग्यौ है गेला, कोई बोबौ चूघतौ नैनौ टाबर तो है कोयनी। आखौ दिन बाई-बाई काई करै ?

उणनै फेर रीस आयगी। वो मूडौ चढाय नै बोल्यौ—

—नैनौ नी तो काई थारै जितरौ मोटौ हू ? बाई तो अबैई म्हनै रोज

बोवी चूंघायनं जावै ।

उणरा हाथ धोवता वखत उणरै चूस-चूस नै आलै कियौडै अगूठै गी म्हनै याद आयगी । हरदम मूडा मे राखण सू अगूठो फोगीज नै धवळो फट्ट पडग्यौ हो । पे'ली तो आ आदत नी ही उणरी । म्है उणनै पूछ्यौ बाई थनै किण वखत बोवौ चूघावण नै आवै रे किसनू ?

—किण वखत काई रोज रात रा आवै । घणी ताळ आगणा रा नीवडा नीचै ऊभी रैवै । पछै होळै-होळै चालती म्हारै खनै आवै, म्हारौ लाड करै अर पछै गोदी मे ऊचाय नै म्हनै बोवौ चूघावै ।

—नितरोज आवै ?

—नित रोज ।

कदैई गळती नी करै ?

—एकर म्हू भाई सा रै सागै सूती हो ।

उण रात बाई कोनी आई । नी तो रोज आवै म्है उणनै सिनान कराय नै कपडा पेहराय दिया । बाल ठीक करनै आख्या मे काजळ घाल्यौ तो खासौ ठीक दीखण लाग्यौ म्है कह्यौ देख भाणू, यू सफाई सू रैवणौ, जिणसू बाई थारौ घणौ लाड राखैला । अर यू मैलौ-कुचैलौ घाण व्हे ज्यू रह्यौ तो बा आवैला ई नी ।

म्हारी बात उणरै हीयै ढूक गी । घाटकी हिलावतौ बोल्यौ—अबै रोज सिनान करूला- कपडा ई नवा पेहरूला ।

धीरै-धीरै दिन ढळग्यौ । आगणा रौ तावडौ रसोई रा नेवा माथै पूगग्यौ, नीवडा माथै पखेरू किचकिचाट करण लागा, ग्वाडी मे ऊभी टोगडी तो बाडण लागी अर जीजाजी रे घरै आवण री वेळा व्हैगी ।

बाई राम चरण हुया पछै बारी काई हालत ही, म्है सगळा समाचार सुण लिया हा । जे इण टाबरिया रौ बधण नी व्हैतौ तो वे कदैई ओ घर-बार छोडनै नाठ गया व्हेता । पण आ एक इसी बेडी ही जो काटिया नी कटती ही । इण वास्तै नी चावता थकाई बानै दुकान माथै बैठणौ पडतौ अर दो-यू वखत काया नै पण भाडौ देवणौ पडतौ ।

टग् मगू दिन रह्या व घरा आया अर म्हनै मिळनै काम मे लागग्या । दिन आथमिया गाय दूह नै धापू रै हाथ रा काचा पाका टुकडा खाया पछै बाता होवण लागी । बाई री चरचा आवता ई बारी आख्या जळ जळी व्हैगी । वे बोल्या —म्हारी निना नै म्हू सहन कर सकू हू पण उण टाबरिया

बोबी चूघायनै जावै।

उणरा हाथ धोवता वखत उणरै चूस-चूस न आलै कियौड़ै अगूठै गी म्हनै याद आयगी। हरदम मूडा मे राखण सू अगूठौ फोगीज नै धवळौ फट्ट पडग्यौ हो। पे'ली तो आ आदत नी ही उणरी। म्है उणनै पूछ्यौ बाई थनै किण वखत बोबौ चूघावण नै आवै रे किसनू ?

—किण वखत काई रोज रात रा आवै। घणी ताळ आगणा रा नीवडा नीचै ऊभी रैवै। पछै होळै-होळै चालती म्हारै खनै आवै, म्हारौ लाड करै अर पछै गोदी मे ऊचाय नै म्हनै बोबौ चूघावै।

—नितरोज आवै ?

—नित रोज।

कदैई गळती नी करै ?

—एकर म्हू भाई सा रै सागै सूतौ हो।

उण रात बाई कोनी आई। नी तो रोज आवै म्है उणनै सिनान कराय नै कपडा पेहराय दिया। बाल ठीक करनै आख्या मे काजळ घाल्यौ तो खासौ ठीक दीखण लाग्यौ म्है कह्यौ देख भाणू, यू सफाई सू रैवणौ, जिणसू बाई थारौ घणौ लाड राखैला। अर यू मैलौ-कुचैलौ घाण व्हे ज्यू रह्यौ तो वा आवैला ई नी।

म्हारी बात उणरै हीयै ढूक गी। घाटकी हिलावतौ बोल्यौ—अबै रोज सिनान करूला- कपडा ई नवा पेहरूला।

धीरै-धीरै दिन ढळग्यौ। आगणा री तावडौ रसोई रा नेवा माथै पूगग्यौ, नीवडा माथै पखेरू किचकिचाट करण लागा, खाटी मे ऊभी टोगडी तो वाडण लागी अर जीजाजी रे घरै आवण री वेळा व्हैगी।

बाई राम चरण हुया पछै बारी काई हालत ही, म्है सगळा समाचार सुण लिया हा। जे इण टाबरिया रौ बधण नी व्हैतौ तो वे कदैई ओ घर-बार छोडनै नाठ गया व्हेता। पण आ एक इसी बेटी ही जो काटिया नी कटती ही। इण वास्तै नी चावता थकाई वानै दुकान माथै बैठणौ पडतौ अर दोन्यू वखत काया नै पण भाडौ देवणौ पडतौ।

टगू-मगू दिन रह्या व घरा आया अर म्हनै मिळनै काम मे लागग्या। दिन आथमिया गाय दूह नै धापू रै हाथ रा काचा पाका टुकडा खाया पछै वाता होवण लागी। बाई री चरचा आवता ई वारी आख्या जळ जळी व्हैगी। वे बोल्या—म्हारी निना नै म्हू सहन कर सकू हू पण इण टाबरिया

रा दुख नै सहन करणौ म्हारै हिम्मत रे आगै री बात है। धापू नै तो फेर कियाई थावस देय सका, समझाय सका, उणरा दुखनै थोडौ हळकौ ई कर सका। पण इण पसुडा ने किया समझावा, इणनेकाई कैयनै धीरज बधावा ? इणरै दुख रौ तो नी दिन रा पातरौ पडै अर नी रात रा। जिण विस्वास री डोर माथै ओ जीवै है, वा जे आज टूट जावै तो इणरौ जीवणौ कठण है, आ पक्की बात है।

जिण दिन म् म्हू इणरी मा नै खाधै चढायनै पुगाय नै आयौ हू, उण दिन सू लगाय नै आज दिन ताई ओ नितरोज मोटर माथै जावै अर उणरै आवण री वाट उडीकै। मोटर पाच-दस मिनट लेट भलाई व्हौ पण इणरै जावण मे जेज नी व्हे।

बोलता-बोलता फेर वारौ गळौ भरीजग्यौ अर म्हारी आख्या पण जळजळी व्हैगी।

रामगढ म्हू पूरा सात दिन ठहरियौ अर आठमै दिन रात री मोटर सू रवानै व्हियौ तो किसनू उण वखत गहरी नीद मे सूतौ हो। म्है उणनै जगावण रौ विचार कियौ तो दिमाग मे एक झटकौ सो लाग्यो। कुण जाणै वाई नीवडा रे नीचै ऊभी व्हेला के गोदी मे ऊचाय नै उणनै चूधावणो सरू कर दियौ व्हैला। सो सूतौडा रै इज एक हल्की सीक वाल्हौ देय' र म्हू रवानै व्हैग्यौ।

रा दुख नै सहन करणौ म्हारै हिम्मत रे आगै री बात है। धापू नै तो फेर कियाई थावस देय सका, समझाय सका, उणरा दुखनै थोडौ हळकौ ई कर सका। पण इण पसुडा नै किया समझावा, इणनेकाई कैयनै धीरज बधावा ? इणरै दुख रौ तो नी दिन रा पातरौ पडै अर नी रात रा। जिण विस्वास री डोर माथै ओ जीवै है, वा जे आज टूट जावै तो इणरौ जीवणौ कठण है, आ पक्की बात है।

जिण दिन नू म्हू इणरी मा नै खाधै चढायनै पुगाय नै आयौ हू, उण दिन सू लगाय ने आज दिन ताई ओ नितरोज मोटर माथै जावै अर उणरै आवण री वाट उडीकै। मोटर पाच-दस मिनट लेट भलाई व्हौ पण इणरै जावण मे जेज नी व्हे।

बोलता-बोलता फेर बारौ गळौ भरीजग्यौ अर म्हारी आख्या पण जळजळी व्हैगी।

रामगढ म्हू पूरा सात दिन ठहरियौ अर आठमै दिन रात री मोटर सू रवानै व्हियौ तो किसनू उण वखत गहरी नीद मे सूतौ हो। म्है उणनै जगावण रौ विचार कियौ तो दिमाग मे एक झटकौ सो लाग्यौ। कुण जाणै बाई नींवडा रे नीचै ऊभी व्हेला के गोदी मे ऊचाय नै उणनै चूघावणौ सरू कर दियौ व्हैला। सो सूतौडा रै इज एक हल्कौ सीक वाल्हौ देय' र म्हू रवानै व्हैग्यौ।
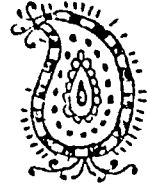
भारत भाग विधाता

एक नैनौसीक गामडौ। नीठ सौ सवा सौ घरा री वस्ती। रेल्वाई ठेसण अठा सू बारै कोस पडै। वस कठैई आधी-नैडी ई नी चालै। गाम दुसाखियौ होवण सू गाम वाळा नै फगत लूण मोल लेवणौ पडै। बाकी सगळी चीजा तो उठै इज पाक जावै। गाम मे घणौ दूध, घणौ घी, कोठिया-कणारा मे ऊन्हौ-ठाडौ धान, राजा राज नै प्रजा चैन। नी कोई दुख अर नी कोई दुआळ। लोगडा प्रभु छाना दिन काढै।

पण उण गाम मे एक नवी वात वणी। उठै राज री स्कूल खुली। जाणै भरिया तळाव मे किणैई भाठौ नाख दियौ अर पाणी हिलोळै चढग्यौ टीपरिया जितरौ गाम, वात फैलता काई जेज लागै।

रामा वापू रै नोहरा मे स्कूल खुलैला—इसकोल नी स्कूल! —राज रौ मास्तर आयौ है—सरकारी एलकार—पटिया पाडियोडा—धारीदार ढीलौ-ढीलौ जाघियौ नै कुडतौ—आख्या माथै चस्मौ—डोळा जाणै मारकणी भैंस—ध्यान नी राख्यौ तो अवार सीगडी घुसेड दे ला—अळगा रहीजौ—राज री वेली है भाई

राजा जोगी अगन जळ, या री उल्टी रीत
डरता रहीजै फरसराम, थोडी पाळै प्रीत

चिलम भरै जितरी जेज मे गाम रा सगळा छोकरा भेळा व्हैग्या। पाणी जाती पणिहारिया रा पग ठमग्या अर चिलमा पीवता अमलिया री चिलमा हाथ रा हाथ रैयगी। देखता-देखता रामा वापू रौ नोहरौ अवोधव भरी-

भारत भाग विधाता

एक नैनौसीक गामडौ। नीठ सौ सवा सौ घरा री वस्ती। रेल्वाई ठेसण अठा सू बारै कोस पडै। बस कठैई आघी-नैडी ई नी चालै। गाम दुसाखियौ होवण सू गाम वाळा नै फगत लूण मोल लेवणौ पडै। बाकी सगळी चीजा तो उठै इज पाक जावै। गाम मे घणौ दूध, घणौ घी, कोठिया-कणारा मे ऊन्हौ-ठाडौ धान, राजा राज नै प्रजा चैन। नी कोई दुख अर नी कोई दुआळ। लोगडा प्रभु छाना दिन काढै।

पण उण गाम मे एक नवी बात बणी। उठै राज री स्कूल खुली। जाणै भरिया तळाव मे किणैई भाठौ नाख दियौ अर पाणी हिलोळै चढग्यौ टीपरिया जितरी गाम, बात फैलता काई जेज लागै।

. रामा बापू रै नोहरा मे स्कूल खुलैला—इसकोल नी स्कूल! —राज रौ मास्तर आयौ है—सरकारी एलकार—पटिया पाडियोडा—धारीदार ढीलौ-ढीलौ जाधियौ नै कुडतौ—आख्या माथै चस्मौ—डोळा जाणै मारकणी भैंस—ध्यान नी राख्यौ तो अवार सीगडौ घुसेड दे ला—अळगा रहीजौ—राज रौ बेली है भाई.

राजा जोगी अगन जळ, या री उल्टी रीत
डरता रहीजै फरसराम, थोडी पाळै प्रीत

चिलम भरै जितरी जेज मे गाम रा सगळा छोकरा भेळा व्हैग्या। पाणी जाती पणिहारिया रा पग ठमग्या अर चिलमा पीवता अमलिया री चिलमा हाथ रा हाथ रैयगी। देखता-देखता रामा बापू रौ नोहरौ खचोखच भरी-

जग्यौ। काणा घूघटा मे नूरिया पिंजारा री बीबी चिगूडी बोली—

—ए मा! मास्तर रै तो डाढी मूछ ई कोनी सफा टावर इज दीसै।

खनै ऊभी वरजू भुआ नै आ वात जची कोनी। वा फाटौडा वास री गळाई भरडा सुर मे बोली—कोई मरतग व्हियौ व्हैला वापडारे, जिण सू भद्दर व्हियौडौ है। वाकी नैनौ कैण रौ, घणोई मातौ-मणगौ है। गामसाऊ पाडा व्है जिसौ।

मास्तर मलूकदास तीसरी पास अर चौथी फेल हो। वाप नैनपण मे इज मरग्यौ अर मा अणूतौ लाड राख्यौ जिण सू पूत परवार ग्या। घणा वरस ताई तो कीतणिया री मडळी मे भरती होयनै—झट जावौ चदणहार ल्यावौ-घूघट नही खोलूंगी—गावतौ अर घुघरा वजावतौ गाम-गाम फिरतौ रह्यौ। पण भलौ व्हैजौ भारत सरकार रौ सो मुल्क मे पचसाला योजनावा सरू व्हैगी। जिणमू मलूकदास नै ई बी० डी० ओ० ऑफिस मे चपरासी री नौकरी मिळगी। मलूकदास, चपरासी मलूकदास वणग्यौ।

भाग सू उणरी ड्यूटी वी० डी० ओ० सा'व रै घरै इज लागी। वो जितरौ नाचण-गावण मे हुसियार हो, उतरौई हाजरी साजण मे पण पाटक हो। सा'व रै पग दवावण सू लगायनै वीवीजी रै पेट मसलणौ, अर टाबरा रै ढूगा धोवण तक रौ सगळौ चार्ज उणै आपरै हाथ मे ले लियौ। अर साल भर मे तो वी० डी० ओ० सा'व नै गाळ नै पाणी-पाणी कर दिया। एस० डी० आई० सा'व री सलाह सू तिकडमबाजी सू ववई हिन्दी विद्यापीठ रौ सर्टिफिकेट कवाड नै देखता-देखता चपरासी सु मास्टर वणग्यौ।

इण भात पे'ली तकदीर खुल्यौ मलूकदास रौ अर अबै इण गाम रौ।

वाडा मे भीढ घणी होवती देख नै रामौ वापू खेखारौ करता छोकरा री पलटण कानी देख नै बोल्या—घणा दिन व्हिया है डीकरा उद्यम फिरता नै, अबै कावडिया उडैला जरै ठा पडैला। भणैतर घणी दोरी डै। कह्यौ है—धी दोई लौ सासरौ अर पूत दोई ली पोसाळ।

इतरौ सुणता इज दो एक वीकण छोरा तो हिरण्या रै ज्यू कान ऊचा करनै पड भागा। अर लारली नागी-तडग पलटण पण लटपट-लटपट करती वाडै वूटी थारा कान। जाणै चिडिया मे ढळ पड्यौ।

चिमूडी ही ही ही ·करनै हसणलागी ही ही ·ही ही!

मास्तर चस्मौ उतार नै खरी मीट सू उण कानी देखण लाग्यौ। जितरै तो वरजू भुआ चिमूडी कानी देखनै बोली—कोई छोटौ गिणै न कोई मोटौ

जग्यौ। काणा घूघटा मे नूरिया पिंजारा री बीबी चिगूडी वोली—
—ए मा! मास्तर रै तो डाढी मूछ ई कोनी सफा टावर इज दी सै।
खनैं ऊभी बरजू भुआ नैं आ बात जची कोनी। वा फाटौडा बास री गळाई भरडा सुर मे बोली—कोई मरतग व्हियौ व्हैला बापडारे, जिण सू भद्दर व्हियौडौ हे। बाकी नैनौ कैण री, घणोई मातौ-मणगौ है। गामसाऊ पाडा व्है जिसौ।
मास्तर मलूकदास तीसरी पास अर चौथी फेल हो। बाप नैनपण मे इज मरग्यौ अर मा अणूतौ लाड राख्यौ जिण सू पूत परवार ग्या। घणा बरस ताई तो कीतणिया री मडळी मे भरती होयनैं—झट जावौ चदणहार ल्यावौ-घूघट नही खोलूंगी—गावतौ अर घुघरा बजावतौ गाम-गाम फिरतौ रह्यौ। पण भलौ व्हैजौ भारत सरकार रौ सो मुल्क मे पचसाला योजनावा सरू व्हैगी। जिणमू मलूकदास नैं ई बी० डी० ओ० ऑफिस मे चपरासी री नौकरी मिळगी। मलूकदास, चपरासी मलूकदास वणग्यौ।
भाग सू उणरी ड्यूटी बी० डी० ओ० सा'व रै घरै इज लागी। वो जितरौ नाचण-गावण मे हुसियार हो, उतरौई हाजरी साजण मे पण पाटक हो। सा'व रै पग दबावण सू लगायनै बीबीजी रै पेट मसलणौ, अर टाबरा रे ढूगा धोवण तक रौ सगळौ चार्ज उणै आपरै हाथ मे ले लियौ। अर साल भर मे तो बी० डी० ओ० सा'व नै गाळ नै पाणी-पाणी कर दिया। एस० डी० आई० सा'ब री सलाह सू तिकडमबाजी सू बबई हिन्दी विद्या-पीठ रौ सर्टिफिकेट कबाड नै देखता-देखता चपरासी सु मास्टर वणग्यौ।
इण भात पे'ली तकदीर खुल्यौ मलूकदास रौ अर अबै इण गाम रौ।
बाडा मे भीढ घणी होवती देख नैं रामौ बापू खेंखारौ करता छोकरा री पलटण कानी देख नै बोल्या—घणा दिन व्हियाहै डीकरा उद्यम फिरता नै, अबै काबडिया उडैला जरै ठा पडैला। भणैतर घणी दोरी डै। कह्यौ है—धी दोई लौ सासरौ अर पूत दोई ली पोसाळ।
इतरौ सुणता इज दो एक बीकण छोरा तो हिरण्या रै ज्यू कान ऊचा करनैं पड भागा। अर लारली नागी-तडग पलटण पण लटपट-लटपट करती बाडै बूटी थारा कान। जाणै चिडिया मे ढळ पडयौ।
चिमूडी ही ही ही ..करनै हसणलागी ही ही. ही. ही!
मास्तर चस्मौ उतार नै खरी मीट सू उण कानी देखण लाग्यौ। जितरै तो बरजू भुआ चिमूडी कानी देखनै बोली—कोई छोटौ गिणै न कोई मोटौ

अर आखी दिन ओ घोडी री गळाई ओ काई ही ही करणी। लुगाई री जात है, थोडी घणी तो लाज सरम राखणी चाहिजै।

इतरी सुणता इज चिमूडी छाती ताणी घूघटौ ताण लियौ अर दूजी लुगाया पण लचकाणी पडनै तळाव कानी खानै व्हैगी। मलूकदास ई पाछौ चस्मौ पै'र लियौ।

दूजौडै दिन इज स्कूल रौ सिरी गणेस व्हियौ। सुरसत माता रौ मिंदर है, खाली हाथ किया जाई जै। टावर टोळी सवा रुपियौ रोकडौ अर नाळेर लेय-लेय नै हाजर व्हिया। देखता देखता नाळेरा रौ ढिगलौ लाग ग्यौ अर पैसा सू टेबल रौ खानौ भरीजग्यौ।

गाम वाळा मिळनै विचार कियौ—मास्तर परदेसी पछी—आपणै गाम मे आयौ है, कुण तो इणरै पीसैला अर कुण इणरै पोवैला। एकलौ जीव है—सो पाचारी लकडी अर एकण रौ बोझ। टावर जितरा पढण नै आवै, वा रै हिसाब सू वारी बाध दी जावै। मास्तर घर घर जाय नै जीम लेसी अर साझ-सवार वारी-सर दूध री लोटी पण मगाय लेसी।

इण भाँत मलूकदास रै तौ मास्तरी फाचरै आई पण आई। कठै तो वे बी० डी० ओ० रा ऐंठा-चूठा वासण माजनै लूखा-सूखा टुकडा खावणा अर कठै आ सायबी भोगणी। रोज टेमसर जीमण नै न्यूतौ आय जावतौ अर वो वानै बैठ्यौडा बीद रे ज्यू रोज बण-ठण नै नित्त नवै घर जीमण नै पूग जावतौ। टावरा रा माईत सोचता—महीणै मे एकर वारी आवै, मास्तर नै चोखी रोटी घालणी चाहिजै। खावै मूडौ अर लाजै आख। आपणै टावर माथै पूरी मैणत करैला इणारै पढायौडा इज मुसी अर थाणा-दार वणै। कुण जाणै आपणै छोकरा रा ई तकदीर खुल जावै।

इण वास्तै जिकौ मावा पोता रा टावरा नै तो विलोवणा वारी रै दिन पण एक टीपरिया सू वेसी घी मागणै पर ठोला ठरकावती, वे इज वारी वाळै दिन मलूकदास नै ताजा घी मे घपटमा गळगच्च चूरमा करा-वती। घर मे तो टावर दूध री खुरचण वास्तै ई कूटीजता पण मास्तर रे वास्तै निवाणिया दूध री लोटी जळोजळ भरीज नै टेमसर पूग जावती। थोडा दिना मे इज मलूकदास रे डील मातै पसम आयगी। कपडा लत्ता मे ई फरक आयग्यौ अर आदता ई सामी बदलगी। धीरै-धीरै देसाई बीडी छोडनै पनामा सिगरेट पीवणी सरू कर दी। वो मन मे सोचतौ—उमर रा पाछला दिन तो फोगट इज गमाया।

अर आखी दिन ओ घोडी री गळाई ओ काई ही ही करणी। लुगाई री जात है, थोडी घणी तो लाज सरम राखणी चाहिजे।

इतरौ सुणता इज चिमूडी छाती ताणी घूघटौ ताण लियौ अर दूजी लुगाया पण लचकाणी पडनै तळाव कानी खानै व्हैगी। मलूकदास ई पाछौ चस्मौ पै'र लियौ।

दूजौडै दिन इज स्कूल रौ सिरी गणेस व्हियौ। सुरसत माता रौ मिदर है, खाली हाथ किया जाई जै। टावर टोळी सवा रुपियौ रोकडौ अर नाळेर लेय-लेय नै हाजर व्हिया। देखता देखता नाळेरा रौ ढिगलौ लाग ग्यौ अर पैसा सू टेवल रौ खानौ भरीजग्यौ।

गाम वाळा मिळनै विचार कियौ—मास्तर परदेसी पछी—आपणै गाम मे आयौ है, कुण तो इणरै पीसैला अर कुण इणरै पोवैला। एकलौ जीव है—सो पाचारी लकडी अरएकण री बोझ। टावर जितरा पढण नै आवै, वा रै हिसाव सू वारी बाध दी जावै। मास्तर घर घर जाय नै जीम लेसी अर साझ-सवार वारी-सर दूध री लोटी पण मगाय लेसी।

इण भाँत मलूकदास रै तौ मास्तरी फाचरै आई पण आई। कठै तो वे बी० डी० ओ० रा ऐठा-चूठा वासण माजनै लूखा-सूखा टुकडा खावणा अर कठै आ सायबी भोगणी। रोज टेमसर जीमण नै नूतौ आय जावतौ अर वो वानै वैठ्यौडा बीद रे ज्यू रोज वण-ठण नै नित्त नवै घर जीमण नै पूग जावतौ। टावरा रा माईत सोचता—महीणै मे एकर वारी आवै, मास्तर नै चोखी रोटी घालणी चाहिजै। खावै मूडौ अर लाजै आख। आपणै टावर माथै पूरी मैणत करैला इणारै पढायौडा इज मुसी अर थाणादार वणै। कुण जाणै आपणै छोकरा रा ई तकदीर खुल जावै।

इण वास्तै जिकौ मावा पोता रा टावरा नै तो विलोवणा वारी रै दिन पण एक टीपरिया सू वेसी घी मागणै पर ठोला ठरकावती, वे इज वारी वाळै दिन मलूकदास नै ताजा घी मे धपटमा गळगच्च चूरमा करावती। घर मे तो टावर दूध री खुरचण वास्तै ई कूटीजता पण मास्तर रे वास्तै निवाणिया दूध री लोटी जळोजळ भरीज नै टेमसर पूग जावती। थोडा दिना मे इज मलूकदास रे डील मातै पसम आयगी। कपडा लत्ता मे ई फरक आयग्यौ अर आदता ई खासी वदळगी। धीरै-धीरै देसाई बीडी छोडनै पनामा सिगरेट पीवणी सरु कर दी। वो मन मे सोचतौ—उमर रा पाछला दिन तो फोगट इज गमाया।

रामा बापू रा वाडा में जठै स्कूल खुली ही, दो मोटा-मोटा झूपा हा। वामे सू एक मे स्कूल चालती अर दूजौडै मे मास्तर रैवतौ। वाडा में चौगान मोकळौ हो, इण वास्तै एक खूणा मे गाम साऊ फाटक खातर डीगी-डीगी वाड रौ एक वाडौटियौ बणायौडौ हो—जिणरै आगै एक जगी नीवडौ ऊभौ हो। वाडा मे मास्तर रैवण सू रामा बापू रै फाटक री दैण मिटगी ही। वाडपच होवता थकाई बापू ठोट हा। इण वास्तै फाटक में आयौडा रूळियार ढाडा री रसीदा काटण मे वानै पूरी दिक्कत रैवती। मास्तर रै कारण वारी आ दिक्कत मिटगी। मास्तर नै रसीद बुक सूप नै बापू तो छुटा व्हैगा अर मास्तर निहाल व्हेग्यौ।

मलूकदास घाट-घाट रौ पाणी पियौडौ एक छटमी रकम ही। उणै देख्यौ के गाम मे तीन च्यारेक आसामिया इसी है के वानै 'फेवर' मे राखणी घणी जरूरी है। वो आ वात पण आछी तरै सू जाणै हो के माखिया गुड सू राजी रैवै। इण वास्तै उणै नीवडा रे नीचै चूल्हौ बणाय नै चाय रौ इतजाम कर दियौ अर खनै ठाठियौ भरनै जरदौ पण धर दियौ। माखा नै दूजौ चाहिजै ई काई ? दिन उगता ई जाजम जम जावती। हाडी भरनै चाय ऊकळती, अमला री मनवारा व्हैती अर चिलमा सू धूँआ रा गोट उठना। गाम री भली-भूडी वाता व्हैती अर आपसी टटा री पचायता वैठती, डड-मूळ घलीजता अर डड रौ गाम-साऊ हिसाव मास्तर नै सूपीजतौ।

चाय री चुस्किया अर चिलमा री फूका रे विचाळै माखा मलूकदास। री तारीफा रा पुल वाधता—वाहरे मास्तर वाह ! है पूरौ खानदानी आदमी। दूजौडौ कैवतौ—वस्तीरा भाग हे जरै इसौ हीरौ मिळचौ है, नी तो इण जमाना मे इसा आदमी सोध्या ई को लाधैनी। तीजौडौ टेकौ राखतौ—दो एक वरस ए अठै रैयग्या तो गाम रा सगळा छोकरा 'फिरट' व्है जाएला। म्हारौ पोतौ तो अवै सू इज इगरेजी बोलण लागग्यौ है, म्हनै कैवै—यू टेम फूल ! म्हू कैव्रे वचिया फूल तो यू है, म्है तो पाका पान हा। मोटौडौ माखौ ई नाक मे गुणगुणावतौ—क्यू नी सा इगरेजी वोलणौ काई वडी वात है, मास्तर वडा विदमान है। कितरा तो इणा नै फलमी गाणा आवै अर कितरा इणानै नाच आवै। मूडा सू वाजौ वजावै जाणै सागौ साग इगरेजी वाजौ वाजण लाग्यौ। म्हारै रामूडौ ई थोडौ-थोडौ वजावणौ सीखग्यौ है। होठा आडी ऊभी हथाळी राखनै यू वजावै

रामा वापू रा वाडा मे जठै स्कूल खुली ही, दो मोटा-मोटा झूपा हा। वामे सू एक मे स्कूल चालती अर दूजौडै मे मास्तर रैंवतौ। वाडा मे चौगान मोकळौ हो, इण वास्तै एक खूणा मे गाम साऊ फाटक खातर डीगी-डीगी वाड री एक वाडौटियौ बणायौडौ हो—जिणरै आगै एक जगी नीवडौ ऊभौ हो। वाडा मे मास्तर रैवण सू रामा वापू रै फाटक री दैण मिटगी ही। वाडपच होवता थकाई वापू ठोट हा। इण वास्तै फाटक मे आयौडा रूळियार ढाडा री रसीदा काटण मे वानै पूरी दिक्कत रैवती। मास्तर रै कारण वारी आ दिक्कत मिटगी। मास्तर नै रसीद बुक सूप नै वापू तो छुटा व्हैगा अर मास्तर निहाल व्हैग्यौ।

मलूकदास घाट-घाट रौ पाणी पियौडौ एक छटमी रकम ही। उणै देख्यौ के गाम मे तीन च्यारेक आसामिया इसी है के वानै 'फेवर' मे राखणी घणी जरूरी है। वो आ वात पण आछी तरै सू जाणै हो के माखिया गुड सू राजी रैवै। इण वास्तै उणै नीवडा रे नीचै चूल्हौ बणाय नै चाय रौ इतजाम कर दियौ अर खनै ठाठियौ भरनै जरदौ पण धर दियौ। माखा नै दूजौ चाहिजै ई काई ? दिन उगता ई जाजम जम जावती। हाडी भरनै चाय ऊकळती, अमला री मनवारा व्हैती अर चिलमा सू धूंआ रा गोट उठता। गाम री भली-भूडी वाता व्हैती अर आप सी टटा री पचायता बैठती, डड मूळ घलीजता अर डड रौ गाम-साऊ हिसाव मास्तर नै सूपीजतौ।

चाय री चुस्किया अर चिलमा री फूका रे विचाळै माखा मलूकदास। री तारीफा रा पुल वाधता—वाहरे मास्तर वाह! है पूरौ खानदानी आदमी। दूजौडौ कैवतौ—वस्तीरा भाग हे जरै इसौ हीरौ मिळ्यौ है, नी तो इण जमाना मे इसा आदमी सोध्या ई को लाधैनी। तीजौडौ टेकौ राखतौ—दो एक वरस ए अठै रैयग्या तो गाम रा सगळा छोकरा 'फिरट' व्है जाएला। म्हारौ पोतौ तो अवै सू इज इगरेजी वोलण लागग्यौ है, म्हनै कैवै—यू डैम फूल! म्हू कैवू रे वचिया फूल तो थू है, म्है तो पाका पान हा। मोटौडौ माखौ ई नाक मे गुणगुणावतौ— क्यू नी सा इगरेजी बोलणौ काई वडी वात है, मास्तर वडा विदमान है। कितरा तो इणा नै फलमी गाणा आवै अर कितरा इणानै नाच आवै। मूडा सू वाजौ वजावै जाणै सागौ साग इगरेजी वाजौ वाजण लाग्यौ। म्हारै रामूडौ ई थोडौ-थोडौ वजावणौ सीखग्यौ है। होठा आडी ऊभी हथाळी राखनै यू वजावै

माटी —तूऊ ऽऽऽ तूऊ ऽऽऽ छडम ऽऽऽ छडमऽऽऽ तूऊऽऽऽ ? छडम ऽऽऽ !
सगळा माखा एक साथै इज हसण लागता—हा· हा ··हा ! —हू ··
हू हू ! अरनी वडा पर बैठयौडा सगळा पखेरू एक साथै इज उड
जावता ।

वारी वाता अर हा-हू सुणनै मास्तर झूपा सू बारै आय जावतौ
अर कैवतौ—काना वापू हाल थे देख्यौ ई काई है ? थानै असली फल्मी
गाणा अर इगरेजी वाजा सुणणा व्है तो म्हारी एक वात मानौ। सगळाई
गाम वाळा मिळनै एक गाम साऊ रेडियौ अर लौड स्पैकर लेय आवौ।
उणनै सभाळण री माथा फोड रैवैला पण खैर आई गाम री सेवा है, सो
म्हू सभाळ लेवूला। नीवडा री ऊची डाळी माथै लौडस्पैकर वाध दाला,
पछै देखजौ धमचक उडै जिणरा मजा। पूगी माथै सांप लैरा लेवै ज्य
पूरो गाम मस्त नी व्है जाए तो म्हारी मूछ मुडाय दू। चोखळा रा दूजा
गाम देखता इज रैय जावैला। इण जमाना मे रेडियो गाम रौ रूपक है।

माखा घाटी हिलावता बोलता—वात तो आप लाख रुपिया री
वताई-सा पण रामौ वापू मानै जद है। उणानै मनावणा आपरै हाथ री
वात है वाकी तो सगळौ गाम म्हारी मुट्ठी मे है, धारां जिया कराय सका।
अर आगै जायनै वापडा रेडिया री जिनात ई काई ? एक वळद रौ मोल!
गाभ रै वास्तै भार ई काई है। गामसाऊ रुपिया आपरै खनैइज है। आप
जोधपुर जाय नै रेडियौ लेय पधारौ। अठे विराजौ जितरै खूब घू धावौ
अर वदळी व्हैनै पधारौ जद रेडियौ आपरी नै आपरै वापरौ। गाम
री तरफ सू आपनै भेंट। आप म्हारै ऊपर इतरी मेहरवानी राखौ, म्हारै
टावरा नै जिनावरा सू मिनख वणावौ तो म्हे कोई नुगरा थोडा इज हा।

अर महीना भर मे स्कूल म साचाणी रेडियौ आयग्यौ। असली
फलीप्स रेडियौ—लौड स्पैकर समेत। पूरा गाम मे खलवली मचगी। एक
अनोखी चीज गाम मे आई—जो चावी फेरिया मिनख रै ज्यू वोलै

अवै रोज दिन उगै अर नीवडा पर सू पूरा गाम मे आवाज आवै—
ये रेडियो सीलोन का व्यापार विभाग है—अव सुनिये मोहम्मद रफी
को, दिल तेरा दीवाना मे—

लाल-लाल-गाल ! लाल-लाल गाल ! और अव सुनिये एक बेहत-
रीन और दिलकश तस्वीर प्यार की राह मे लता मगेशकर को —

माटी —तूऊ SSS तूऊ SSS छडम SSS छडमSSS तूऊSSS ? छडम SSS !
सगळा माखा एक साथै इज हसण लागता—हा हा ··हा ·!—हू ··
हू ·हू ·! अरनी वडा पर बैठयौडा सगळा पखेरू एक साथै इज उड
जावता।

वारी वाता अर हा-हू सुणनै मास्तर झूपा सू बारै आय जावती अर कैवतौ—काना वापू हाल थे देख्यौ ई काई है ? थानै असली फल्मी गाणा अर इगरेजी वाजा सुणणा व्हे तो म्हारी एक वात मानौ। सगळाई गाम वाळा मिळनै एक गाम साऊ रेडियौ अर लौड स्पैकर लेय आवौ। उणनै सभाळण री माथा फोड रैवैला पण खैर आई गाम री सेवा है, सो म्हू सभाळ लेवूला। नीवडा री ऊची डाळी माथै लौडस्पैकर वाध दाला, पछै देखजौ धमचक उडै जिणरा मजा। पूगी माथै सांप लैरा लेवै ज्य पूरौ गाम मस्त नी व्है जाए तो म्हारी मूछ मुडाय दू। चोखळा रा दूजा गाम देखता इज रैय जावैला। इण जमाना मे रेडियो गाम री रूपक हे।

माखा घाटी हिलावता बोलता—वात तो आप लाख रुपिया री वताई-सा पण रामौ वापू मानै जद है। उणानै मनावणा आपरै हाथ री वात है वाकी तो सगळौ गाम म्हारी मुट्ठी मे है, धारौं जिया कराय सका। अर आगै जायनै वापडा रेडिया री जिनात ई काई ? एक वळद रौ मोल! गाम रै वास्तै भार ई काई है। गामसाऊ रुपिया आपरै खनैइज है। आप जोधपुर जाय नै रेडियौ लेय पधारौ। अठे विराजौ जितरै खूब धू धावौ अर वदळी व्हैनै पधारौ जद रेडियौ आपरौ नै आपरे वापरौ। गाम री तरफ सू आपनै भेंट। आप म्हारै ऊपर इतरी मेहरवानी राखौ, म्हारै टावरा नै जिनावरा सू मिनख वणावौ तो म्है कोई नुगरा थोडा इज हा।

अर महीना भर मे स्कूल म साचाणी रेडियौ आयग्यौ। असली फलीप्स रेडियौ—लौड स्पैकर समेत। पूरा गाम मे खलवली मचगी। एक अनोखी चीज गाम मे आई—जो चावी फेरिया मिनख रे ज्यू वोलै

अवै रोज दिन उगै अर नीवडा पर सू पूरा गाम मे आवाज आवै—ये रेडियो सीलोन का व्यापार विभाग है—अव सुनिये मोहम्मद रफी को, दिल तेरा दीवाना मे—

लाल-लाल-गाल! लाल-लाल गाल! · और अव सुनिये एक वेहतरीन और दिलकश तस्वीर प्यार की रात मे लता मगेशकर को —

बिछिया मोरा छम छम बाजै !

बिछिया मोरा छम छम बाजै !

अर माचा पर बैठ्यौ सिगरेट री फूक खाचतौ मास्तर, नीचै बैठ्या चाय री चुस्किया लेवता माखा, स्कूल रै पिछवाडै घर रौ काम-काज करती चिमूडी, पणघट पर पाणी भरती पणिहारिया, खेता कानी जावता मोट्यार अर पोठा थापती छोरिया-सगळौ गाम एक साथै इज माथा हिलाय नै गुणगुणावण लाग जावै—

बिछिया मोरा छम छम बाजै !

बिछिया मोरा छम छम बाजै !

अर उठीनै जिनावर सू मिनख बणण री कोसिस करता छोरा आपस मे बाता करै—

—ए वरगू थै बाल यू काई ओसिया रे ?

—कीकर ?—पाटी रे थूक लगावतौ दूजौ बोलै ।

—अठीनै म्हारै कानी देख ! दोन्यू कानी गुफावा बीच मे फूल अर लारै भमरिया ।

किसाक फूटरा दीसै ? माटसा'व रे ज्यू रा ज्यू है के नी ?

—हु ! 'बाळा मे गु फावा है तो काई व्हियौ—

बुसट्ट कठै ? फाटौडौ तो अगरखियौ अर बाल सिणगार नै पधारचा है । म्हारै बुसट्ट नै देख, माथै फलमी आदमिया रा फोटू है । माट सा'ब रे टी सट्ट माथै ई इसा रा इसा फोटू है ।

—जाए नी वाघड आधी । मोडी घणी आई बुसट्ट वाळी एक झीगरौ कराय लियौ सो मिजाज बतावै । म्हारै काकौ अमदाबाद जासी जद म्हू ई मगाय लेसू । थारै तो इण झीगरा माथै फल्मी आदमियो रा फोटू है अर म्हारै बुसट्ट माथै फल्मी लुगाया रा फोटू व्हैला । पण बेटा थनै तो आज माट सा'व मार नाखला ।

—क्यू ?

—कालै साझ रा थारी बारी ही अर यू माट सा'व रा पग दवावण नै क्यू नी आयौ ? म्है तो सगळा आया हा ।

—अरे यार माटसा'ब नै याद मत दिराई जै यार, आपा दोस्त हा नी यार !

—यू तो थारै बुसट्ट रौ मिजाज बतावै हो नी रे । खैर अबै पक्कौ

बिछिया मोरा छम छम बाजै ।
बिछिया मोरा छम छम बाजै ।

अर माचा पर बैठ्यौ सिगरेट री फूक खाचतौ मास्तर, नीचै बैठ्या
चाय री चुस्किया लेवता माखा, स्कूल रै पिछवाडै घर रौ काम-काज
करती चिमूडी, पणघट पर पाणी भरती पणिहारिया, खेता कानी जावता
मोट्यार अर पोठा थापती छोरिया-सगळौ गाम एक साथै इज माथा
हिलाय नै गुणगुणावण लाग जावै—

बिछिया मोरा छम छम बाजै ।
बिछिया मोरा छम छम बाजै ।

अर उठीनै जिनावर सू मिनख बणण री कोसिस करता छोरा
आपस मे वाता करै—

—ए बरगू थै बाल यू काई ओसिया रे ?

—कीकर ?—पाटी रै थूक लगावतौ दूजौ बोलै ।

—अठीनै म्हारै कानी देख । दोन्यू कानी गुफावा बीच मे फूल अर
लारै भमरिया ।

किसाक फूटरा दीसै ? माटसा'ब रै ज्यू रा ज्यू है के नी ?

—हु । 'बाळा मे गुफावा है तो काई व्हियौ—
बुसट्ट कठै ? फाटौडी तो अगरखियौ अर बाल सिणगार नै पधारचा
है । म्हारै बुसट्ट नै देख, माथै फलमी आदमिया रा फोटू है । माट सा'ब रै
टी सट्ट माथै ई इसा रा इसा फोटू है ।

—जाए नी बाघड आघी । मोडी घणी आई बुसट्ट वाळी एक झीगरौ
कराय लियौ सो मिजाज बतावै । म्हारै काकौ अमदावाद जासी जद म्हू
ई मगाय लेसू । थारै तो इण झीगरा माथै फलमी आदमियो रा फोटू है अर
म्हारै बुसट्ट माथै फल्मी लुगाया रा फोटू व्हैला । पण बेटा थनै तो आज
माट सा'ब मार नाखला ।

—क्यू ?

—कालै साझ रा थारी बारी ही अर थू माट सा'ब रा पग दबावण
नै क्यू नी आयौ ? म्है तो सगळा आया हा ।

—अरे यार माटसा'ब नै याद मत दिराई जै यार, आपा दोस्त हा
नी यार ।

—थू तो थारै बुसट्ट री मिजाज बतावै हो नी रे । खैर अबै पक्की

दोस्त वणणी व्है तो एक काम कर।

—काई ?

—थारा घर सू एक रुपियौ लायनै म्हनै दे।

—रुपियौ कठा सू लावू यार ! घर सू म्हनै कुण लावण दे। ठा पड जावै तो काकौ म्हारी टाट पो ली नी कर दे यार !

—धीरै बोल स्साला !

—थू रुपिया रौ काई करसी यार ?

—बीडी ने माचिस लावूला।

—थू बीडी पीवै ?

—हा, हा, पीवू, करलै जोर।

छोरा पावडा जोर-जोर सू बोलनै लिखो रे ए चौथिया-सिट डौन-सिटडौन !

एक दू दू   दो दूना च्यार   दो दूना च्यार !

—बीडी मे थनै काई मजौ आवै यार ?

—थू वाघड काई समझै इण बाता नै। बीडी पीवण मे कई गुण है, देख—

एक तो बीडी पीवण सू मूछा वेगी आवै। दूजी बीडी पीवण सू ताकत वधै अर तीजौ ठाट कितरौ रैवै—अपटूडेट वण्यौडा व्हा—यू दोन्यू आगळिया रे वीच मे बीडी पकडयौडी व्है, पे'ली लाबी फूक खाच नें धीरे-धीरे नाक सू धुऔ काढा, पछै मूडौ ऊचौ अर होट भेळा करनै तलवार कट मूछा रे नीचै सू फु ऊ ऊ ऊ ऊ ! जाणै अजण आयौ।

वुसट्ट वाळौ छोरौ हसतौ थकौ बोल्यौ-तलवार कट मूछा कडी व्है यार ?

—आपणै मलूकिया माट सा'व रे केडी है, दिखै कोनी। पण म्हू मोटौ होस्यू जद वदूक कट राखस्यू—देख यू-पछै फु ऊ ऊ ऊ ! वुसट्ट वाळौ छोरौ पाटी मे माथौ घालनै फेर हसण लाग्यौ।

—हसै काई रे वोफा ! बीडी मे गुण नी व्हेता तो ए मोटा-मोटा आदमी क्यू पीवता ?

—आपणै माट सा'व तो धोळी बीडी पीवै यार !

—अरे देखली मलूकिया मास्टरिया री धोळी बीडी, आपा काळी पीवाला। थू रुपियौ तो लाव दोस्त, पछै देख थनै फिरट वणावू। वोल

दोस्त वणणौ व्है तो एक काम कर।

—काई ?

—थारा घर सू एक रुपियौ लायनै म्हनै दे।

—रुपियौ कठा सू लावू यार ! घर सू म्हनै कुण लावण दे। ठा पड जावै तो काकौ म्हारी टाट पो ली नी कर दे यार !

—धीरै बोल ससाला !

—थू रुपिया रौ काई करसी यार ?

—बीडी नै माचिस लावूला।

—थू बीडी पीवै ?

—हा, हा, पीवू, करलै जोर।

· ·छोरा पावडा जोर-जोर सू बोलनै लिखो रे ए चौथिया-सिट डौन-सिटडौन !

एक दू दू दो दूना च्यार ·दो दूना च्यार !

—बीडी मे थनै काई मजौ आवै यार ?

—थू बाघड काई समझै डण बाता नै। बीडी पीवण मे कई गुण है, देख—

एक तो बीडी पीवण सू मूछा वेगी आवै। दूजौ बीडी पीवण सू ताकत वधै अर तीजौ ठाट कितरौ रैवै—अपटूडेट वणयौडा व्हा—यू दोन्यू आगळिया रे बीच मे बीडी पकडयौडी व्है, पे'ली लाबी फूक खाच नें धीरे-धीरे नाक सू धुऔ काढा, पछै मूडौ ऊचौ अर होट भेळा करनै तलवार कट मूछा रे नीचै सू फु ऊ ऊ ऊ ऊ ! जाणै अजण आयौ।

बुसट्ट वाळौ छोरौ हसतौ थकौ बोल्यौ-तलवार कट मूछा फडी व्है यार ?

—आपणै मलूकिया माट सा'व रे केडी है, दिखै कोनी। पण म्हू मोटौ होस्यू जद वदूक कट राखस्यू—देख यू-पछै फु ऊ ऊ ऊ ! बुसट्ट वाळौ छोरौ पाटी मे माथौ घालनै फेर हसण लाग्यौ।

—हसै काई रे बोफा ! बीडी मे गुण नी व्हेता तो ए मोटा-मोटा आदमी क्यू पीवता ?

—आपणै माट सा'व तो धोळी बीटी पीवै यार !

—अरे देखली मलूकिया मास्टरिया री धोळी बीडी, आपा काळी पीवाला। थू रुपियौ तो लाव दोस्त, पछै देख थर्न फिरट वणावू। बोल

लासीक ?

—लावूला

—पितारी ?

—किसम

—मिळावौ हाथ माई डियर—यू डेम फूल !

अरे आज हाल ताई दूध री लोटी क्यू नी आई रै ? किण री वारी है ?

—आज राजिया री बारी है सा ।

—स्साला राजिये का बच्चा ! दूध क्यू नी लायौरै ?

—आज भैंस गुमगी सा, म्हारी मा ढूढण नै गई है ।

—भैंस पडी कुआ मे अर ऊपर पडी थारी मा । दूध टेमसर आवणो चाहिजै । नी तो मार मार नै टाट पोली कर दूला ।

★ ★ ★

रोज रौ एक लोटी तौ महीना रौ तीस लोटी । बरस रा महीना व्है बारै, अर तीन बरस रा छतीस । दिन जावता काई जेज लागै । हाकरता तीन बरस बीतग्या । मलूकदास रे पेट मे गाम री मणाबध दूध अर घी पूगग्यौ ।

पण मलूकदास ई नुगरौ नी हो । उणै गाम सू जितरो लियौ । उणसू ई वेसी पाछौ देय दियौ । लियौ जिणरी कीमत तो उणरै पोतारै पडताइज ही पण दियौ जिणरौ थाग पीढिया लग हो । स्कूल मे छोरा दो दूनी च्यार सू आगै तीन दूनी छ' भलाई नी सीख्या व्हौ, पण बीडी पीवणी चोरी करणी, कूडबोलणौ अर आगा-पाछी करणी आछी तरिया सीखग्या । घरटी फेरता हरजस तो बद व्हैग्या अर फिल्मी गीत गूजण लाग्या—अखिया मिलाके—जिया भरमाके—चले नही जाना हो हो चले नही जाना । गाम मे दो च्यार मुकद्मा ई चालू व्हैग्या, जिणसू लोग-वाग कई दफा रा जाणकार व्हैग्या । कैवण रौ मतळब ओ के गाम रौ मोकळौ सास्कृतिक विकास व्हैग्यौ ।

पण इतरौ लिया पछैई गामवाळा नै सतोख नी हो । मुगरापणा सू लोग मायनै रा मायनै चख-चख करण लाग्या—

मास्तर आयै वरसाळै साली साल खेती करावै, टकौ एक खरच नी करै अर मणा बद धान मुफ्त मे कबाड लेवै ।

लासीक

,—लावूला

—पितारी ?

—किसम

—मिळावौ हाथ माई डियर—यू डेम फूल !

· अरे आज हाल ताई दूध री लोटी क्यू नी आई रै ? किण री वारी है ?

—आज राजिया री वारी है सा ।

—स्साला राजिये का बच्चा ! दूध क्यू नी लायौरै ?

—आज भैस गुमगी सा, म्हारी मा ढूढण नै गई है ।

—भैंस पडी कुआ मे अर ऊपर पडी थारी मा । दूध टेमसर आवणो चाहिजै । नी तो मार मार नै टाट पोली कर दूला ।

★ ★ ★

रोज रौ एक लोटी तौ महीना रौ तीस लोटी । बरस रा महीना व्है बारै, अर तीन बरस रा छतीस । दिन जावता काई जेज लागै । हाकरता तीन बरस बीतग्या । मलूकदास रे पेट मे गाम रौ मणावध दूध अर घी पूगग्यौ ।

पण मलूकदास ई नुगरौ नी हो । उणै गाम सू जितरो लियौ । उणसू ई बेसी पाछौ देय दियौ । लियौ जिणरी कीमत तो उणरै पोतारै पडताइज ही पण दियौ जिणरौ थाग पीढिया लग हो । स्कूल मे छोरा दो दूनी च्यार सू आगै तीन दूनी छः भलाई नी सीख्या व्हौ, पण बीडी पीवणी चोरी करणी, कूडबोलणौ अर आगा-पाछी करणी आछी तरिया सीखग्या । घरटी फेरता हरजस तो बद व्हैग्या अर फिल्मी गीत गूजण लाग्या—अखिया मिलाके—जिया भरमाके—चले नही जाना हो हो चले नही जाना । गाम मे दो च्यार मुकद्दमा ई चालू व्हैग्या, जिणसू लोग-बाग कई दफा रा जाणकार व्हैग्या । कैवण रौ मतळब ओ के गाम रौ मोकळो सास्कृतिक विकास व्हैग्यौ ।

पण इतरौ लिया पछैई गामवाळा नै सतोख नी हो । नुगरापणा सू लोग मायनै रा मायनै चख-चख करण लाग्या—

मास्तर आयै बरसाळै साली साल खेती करावै, टकौ एक खरच नी करै अर मणा बद धान मुफ्त मे कवाड लेवै ।

मास्तर पाऊडर रो दूध वेच नाखै उर टाबरिया टापता रैय जावै।

मास्तर एस० डी० आई० नै घी रा पाविया पुगावै अर बी० डी० ओ० आवै जद दारू री वोतल तैयार राखै।

मास्तर एलकारा सू मिळ नै गाम रै नाम सू सिमट अर पतरा रा झूठा परमट कटावै अर ऊपर रा ऊपर पैसा खाय जावै।

मास्तर पनरै दिन रोवतौ फिरै अर छोरा नै आखर एक नी पढावै।

मास्तर गाम मे घोदा घलावै अर मुकद्दमा वाजी करावै।

मास्तर नूरिया पिंजारा रे अठै रात-विरात जावतौ रेवै अर आधी-आधी रात ताई वैठका करै। नागडी राड चिमूडी ही ही करनै हसती रैवै अर वो सिगरेटा फूकतौ रैवै।

रामा वापू रे जीव नै गिरै व्हैगी। ओ सगै हाथा गाम मे केडौ दुख घालियौ। सूती वैठी डोकरी नै घर मे घाल्यो घोडौ। इसी ठा व्है ती तो स्कूल रै लारै पावडै-पावडै धूड वाळता। इसी पढाई पात तो गाम रा छोकरा ठोट रैय जावता तो कोई खोटी बात नी ही। गाडर पाळी ऊन नै अर ऊ भी चरै कपास। पगरखी सुख नै पे' रीजै। माथा फोडी करनै स्कूल खुलवाई तो इण वास्तै ही के गाम रा टावर पढ लिख नै हुसियार वणैला अर गाम रौ सुधारौ व्हैला। पण ओ तो जवरौ सुधारौ व्हियो। अवै करणी तो काई करणी ? आ तो जवरी दैण व्ही ?

तीन वरसा मे स्कूल मे टावरा री सख्या घटती-घटती च्यार-पाचेक व्हैगी। वे ई मरजी पडै जद आवता अर मरजी पडै जद छुट्टी मनाय लेवता। स्कूल तिकडम वाजी रौ अड्डो वाणग्यो। गाम मे नेखम दो पार्टिया पडगी। व्हैता-व्हैता एक दिन इसौ आयौ के आपसरी मे भिडत व्हैगी। लाठिया वाजी अर दो तीनेक रा माथा फाटग्या। कहावत है के घर घाचिया रा वळै जद ऊंदरा पण भेळा इ ज सिकै, सो मास्तर मलूकदास पण लपेटा मे आयग्यौ अर वळदा रे खाधै चढ ने सफासानै पूग्यौ।

★ ★ ★

रात वीत्याँ दिन उग्यौ। आज स्कूल री भूपी मूनी पड्यौ हो अर लगातार तीन वरस सू वोलतौ लौडस्पैकर मूडौ लटकाया नी वडा माथै चुपचाप पड्यौ हो। नीवडा री टीग माथै एक भूडी गिरजडी आख्या मीच्या अर नाड नीची किया वैठ्यौ हो। नीवडा रै नीचै चाय वाळी हाटी ऊधी पडी ही अर चूल्हा री राख मे एक पावग्यो कुत्तो सूतो हो।

· मास्तर पाऊडर रो दूध वेच नाखै उर टाबरिया टापता रैय जावे ।

·· मास्तर एस० डी० आई० नैं घी रा पाविया पुगावैं अर बी० डी० ओ० आवैं जद दारू री बोतल तैयार राखै ।

· मास्तर एलकारा सूं मिळ नैं गाम रैं नाम सूं सिमट अर पतरा रा झूठा परमट कटावैं अर ऊपर रा ऊपर पैसा खाय जावैं ।

·· मास्तर पनरैं दिन रोवतौ फिरैं अर छोरा नैं आखर एक नी पढावैं।

मास्तर गाम मे घोदा घलावैं अर मुकद्दमा वाजी करावैं ।

··मास्तर नूरिया पिंजारा रे अठै रात-विरात जावतौ रेवैं अर आधी-आधी रात ताई वैठका करैं । नागडी राड चिमूडी ही ही करनैं हसती रैवै अर वो सिगरेटा फूकतौ रैवैं ।

रामा वापू रे जीव नै गिरैं व्हैगी । ओ सगैं हाथा गाम मे केडौ दुख घालियौ । सूती बैठी डोकरी नैं घर मे घाल्यो घोडौ । इसी ठा व्है ती तो स्कूल रैं लारैं पावडै-पावडै धूड वाळता । इसी पढाई पात तो गाम रा छोकरा ठोट रैय जावता तो कोई खोटी वात नी ही । गाडर पाळी ऊन नैं अर ऊ भी चरैं कपास । पगरखी सुख नैं पे' रीजै । माथा फोडी करनैं स्कूल खुलवाई तो इण वास्तैं ही के गाम रा टावर पढ लिख नैं हुसियार वणैला अर गाम रौ सुधारौ व्हैला । पण ओ तो जबरौ सुधारौ व्हियौ । अवै करणी तो काई करणी ? आ तो जवरी दैण व्ही ?

तीन वरसा मे स्कूल मे टावरा री सख्या घटती-घटती च्यार-पाचेक व्हैगी । वे ई मरजी पडै जद आवता अर मरजी पडै जद छुट्टी मनाय लेवता । स्कूल तिकडम वाजी रौ अड्डौ वाणग्यौ । गाम मे नेखम दो पार्टिया पडगी । व्हैता-व्हैता एक दिन इसौ आयौ के आपसरी मे भिडत व्हैगी । लाठिया वाजी अर दो तीनेक रा माथा फाटग्या । कहावत है के घर घाचिया रा वळै जद ऊंदरा पण भेळा इ ज सिकै, सो मास्तर मलूकदास पण लपेटा मे आयग्यौ अर वळदा रे खाधै चढ नैं सफाखानैं पूग्यौ ।

★ ★ ★

रात वीत्यां दिन उग्यौ । आज स्कूल री भूपी सूनी पड्यौ हो अर लगातार तीन वरस सूं वीलतौ लौडस्पैकर मूंडौ लटकाया नी वडा माथै चुपचाप पड्यौ हो । नीवडा री टीग माथै एक भूडी गिरजटी आय्या मीच्या अर नाड नीची किया वैठ्यौ हो । नीवडा रैं नीचै चाय वाळी हाटी ऊधी पटी ही अर चूल्हा री राख मे एक पावग्यौ कुत्तौ सूतौ हो ।

बदळौ

संसार मे सगळा दुख चोखा पण पेट री दाझ खोटी। भगवान सात भव रा वैरी दुस्मण नै ई पेट री दाझ मत दीजै। धावलौ लवारियौ मरिया पछै ठाण सूंघती अर डेडाड करती गाय री हालत देखी व्हैला। बचिया खूटा पछै डाफा चूक व्हियौडी ढेलडी री गत देखी व्हैला। पण ए तो बोळा गूंगा जिनावरा री वाता है। मानखा देही माथै इसी आफत आय जावै तो इण आफत रौ काई माप ? इण विपदा रौ काई थाग ? कोई रौ एकाएक मोटयार वेटौ भूडापा मे दगौ देय जाव तो उण जामण रौ काई हवाल ? उण वावल रौ काई भवस ? मायड रा उण दुख नै कुण माप सकै ? वाप री उण विपदा ने कुण जाण सकै ? दुनिया मे लागै जिणरै चरवरै अर दुखै जिणरै पीड। घायल री गत घायल जाणै अवर न जाणै कोय।

इण वास्तै डोकरा नाथू रै दुख रौ आज कोई पार नी हो। गोडा रे विचाळै माथौ घाल्या वो रैय-रैय नै डुचक्या भरतौ जिण सू उण रौ पूरौ सरीर हिल जावतौ। झूपडा रे मायनै वैठ्योडी डोकरी गाय री गळाई डाडै ही। रसम-रिवाज रै माफक आडोसी-पाडोसी, भाई-सैण थोडी ताळ तो वानै थावस देवता रह्या पण सेवट थाक नै पोत पोता रे घरा गया। डोकरौ नाथू माथौ धूणतौ जावतौ अर झुर-झुर नै रोवतौ जावतौ।

उणारौ एकाएक मोटयार वेटौ पनियौ, भूडापा री लकडी अर ढळती उमर रौ आधार, भूडापौ विगाड नै दगौ देयग्यौ। उणनै दाग दिया नै दो दिन व्हिया पछै ई धणी-लुगाई दोन्यू जणा मूडा मे अन्न रौ दाणौ तकात

बदळौ

ससार मे सगळा दुख चोखा पण पेट री दाझ खोटी। भगवान सात भव रा वैरी दुस्मण नै ई पेट री दाझ मत दीजै। धावलौ लवारियौ मरिया पछै ठाण सूघती अर डँडाड करती गाय री हालत देखी व्हैला। वच्चिया खूटा पछै डाफा चूक व्हियौडी ढेलडी री गत देखी व्हैला। पण ए तो बोळा गूगा जिनावरा री वाता है। मानखा देही माथै इसी आफत आय जावै तो इण आफत री काई माप ? इण विपदा री काई थाग ? कोई रौ एकाएक मोटयार वेटौ भूडापा मे दगौ देय जाव तो उण जामण रौ काई हवाल ? उण वावल रौ काई भवस ? मायड रा उण दुख नै कुण माप सकै ? वाप री उण विपदा ने कुण जाण सकै ? दुनिया मे लागै जिणरै चरवरै अर दुखै जिणरै पीड। घायल री गत घायल जाणै अवर न जाणै कोय।

इण वास्तै डोकरा नाथू रै दुख रौ आज कोई पार नी हो। गोडा रे विचाळै माथौ घाल्या वो रैय-रैय नै डुचक्या भरतौ जिण सू उण रौ पूरौ सरीर हिल जावतौ। झूपडा रे मायनै वैठ्यौडी डोकरी गाय री गळाई डाडै ही। रसम-रिवाज रै माफक आडोसी-पाडोसी, भाई-सैण थोडी ताळ तो वानै थावस देवता रह्या पण सेवट थाक नै पोत पोता रे घरा गया। डोकरी नाथू माथौ धूणतौ जावतौ अर भुर-भुर नै रोवतौ जावतौ।

उणारौ एकाएक मोटयार वेटौ पनियौ, भूडापा री लकडी अर ढळती उमर रौ आधार, भूडापौ विगाड नै दगौ देयग्यौ। उणनै दाग दिया नै दो दिन व्हिया पछै ई धणी-लुगाई दोन्यू जणा मूडा मे अन्न रौ दाणौ तकात

नी घाल्यौ ।

नाथू जात रौ मैणौ व्हेता थकाई वडौ असराफ अर भलौ आदमी हो।। उणरै वडेरा चोरी-चकारी भलाई की धी व्है, उणरै वास्तै तौ दूजा री चीज हराम बरौबर ही। अर उणरौ बेटौ पनियौ तो उण सू ई दो पावडा आगै हो। सफा अल्ला री गाय। नी कोई री हरी मे अर नी कोई री भरी मे। आपरा खेती रा काम सू उणनै फुरसत ई कोनी मिळती। पच्चीस वरस रौ हुवौ पण कोई री आख मे घाल्यौ ई कोनी खूच्यौ। पण फोरी पुळ आवै जद कैय नै नी आवै। उण वखत पड रा गाभा ई दुस्मण वण जावै। सो पनियौ सैणौ सालस अर निरदोस व्हैता थकाई एक चोरी रा मामला मे पकडीजग्यौ। कारण या कसूर फगत इतरौ इज हो के वो जात सू मैणौ अर उमर सू मोट्यार हो।

किसनजी गाम मे एक मोतबिर आदमी गिणीजतौ। पीढिया सू जम्यौडौ घर होवण सू वारै घर मे रामजी राजी हा। तीन दिना पे'ली किसनजी रै घर मे एक मोटी चोरी हुई अर चोर हजारा रौ माल लेयग्या। इण सू गाम मे तो काई पण चोखळा मे ई हा हू मचगी। पुलिस री कारवाई सरु हुई अर सूखा-नीला भेळाइज वळण लाग्या। इण धा-धू मे पनियौ ई लपेटा मे आयग्यौ। पुलिस मार-मार नै उणरा हाडजोजरा कर नाख्या। उणरै पसवाडा अर गुप्त अगा माथै मरम री चोटा लागी। जिण सू तीन दिना ताई खून थूक नै सेवट उणनै मरणौ पडियौ।

अर इणरै पनरै दिन पछै डौकरी ई रात'र दिन बेटा रे वारतै झुर-झुर नै हाय-हाय करता आपरा प्राण छोड दिया।

डोकरी नै वाळ नै नाथू घरै आयौ तो ससार उणनै सूनौ लागण लाग्यौ। पनिये उणरी कमर तोड नाखी ही अर रही-सही कसर डोकरी पूरी कर दी।

नाथू आपरा मोट्यार पणा मे वडौ सुखी हो। पूगळगढ री पदमणी व्है जिसी आपरी लुगाई पारू अर राजकुवर व्है जिसा पनिया नै देखनै उणनै आभौ टोपाळी जितरौ निजर आवतौ। नैह्चा सू बैठनै पारू री भूरी-भूरी आख्या मे आपरी तस्वीर देखतौ वो कदैई थाकतौ ई नी हो। इण वास्तै जिकौ ससार उणनै ईदरापुरी सू ई इदकौ लागतौ वो इज आज आकटा सू ई खारौ लागण लाग्यौ। उठता-बैठता, खावता-पीवता हरदम उणरी आख्या रे आगै वा काळी अधारी मौत सू ई डरावणी रात फिरण

नी घाल्यौ ।

नाथू जात रौ मैंणौ व्हैता थकाई वडौ असराफ अर भलौ आदमी हो । । उणरै वडेरा चोरी-चकारी भलाई की घी व्है, उणरै वास्तै तौ दूजा री चीज हराम बरौबर ही । अर उणरौ बेटौ पनियौ तो उण सू ई दो पावडा आगै हो । सफा अल्ला री गाय । नी कोई री हरी मे अर नी कोई री भरी मे । आपरा खेती रा काम सू उणनें फुरसत ई कोनी मिळती । पच्चीस वरस रौ हुवौ पण कोई री आख मे घाल्यौ ई कोनी खूब्यौ । पण फोरी पुळ आवै जद कैय नै नी आवै । उण वखत पड रा गाभा ई दुस्मण वण जावै । सो पनियौ सैंणौ सालस अर निरदोस व्हैता थकाई एक चोरी रा मामला मे पकडीजग्यौ । कारण या कसूर फगत इतरौ इज हो के वो जात सू मैणौ अर उमर सू मोटचार हो ।

किसनजी गाम मे एक मोतबिर आदमी गिणीजतौ । पीढिया सू जम्यौडौ घर होवण सू वारै घर मे रामजी राजी हा । तीन दिना पे'ली किसनजी रै घर मे एक मोटी चोरी हुई अर चोर हजारा रौ माल लेयग्या । इण सू गाम मे तो काई पण चोखळा मे ई हा हू मचगी । पुलिस री कार-वाई सरु हुई अर सूखा-नीला भेळाइज वळण लाग्या । इण धा-धू मे पनियौ ई लपेटा मे आयग्यौ । पुलिस मार-मार नै उणरा हाडजोजरा कर नाख्या । उणरै पसवाडा अर गुप्त अगा माथै मरम री चोटा लागी । जिण सू तीन दिना ताई खून थूक नै सेवट उणनें मरणौ पडियौ ।

अर इणरै पनरै दिन पछै डौकरी ई रात'र दिन वेटा रे वारतै झुर-झुर नै हाय-हाय करता आपरा प्राण छोड दिया ।

डोकरी नै वाळ नै नाथू घरै आयौ तो ससार उणनै सूनौ लागण लाग्यौ । पनिये उणरी कमर तोड नाखी ही अर रही-सही कसर डोकरी पूरी कर दी ।

नाथू आपरा मोटचार पणा मे वडौ सुखी हो । पूगळगढ री पदमणी व्है जिसी आपरी लुगाई पारू अर राजकुवर व्है जिसा पनिया नै देखनै उणनै आभौ टोपाळी जितरौ निजर आवतौ । नैहचा सू वैठनै पारू री भूरी-भूरी आख्या मे आपरी तस्वीर देखतौ वो कदेई थाकतौ ई नी हो । इण वास्तै जिको ससार उणनै ईंदरापुरी सू ई इदकौ लागतौ वो इज आज आकडा सू ई खारौ लागण लाग्यौ । उठता-वैठता, खावता-पीवता हरदम उणरी आख्या रे आगै वा काळी अधारी मौत सू ई डरावणी रान फिरण

लागती, जिण रात पनियै दिनूगा ताई खून थूक्यौ अर सेवट हिचकी खाय नै गाबड एक कानी लटकाय नाखी ही।

उणनै याद आयौ किसनजी रे ई एकाएक बेटौ है—नरपत-अर उणरै मायलौ सैतान जागनै जोर-जोर सू हसण लाग्यौ।

थोडा दिना मे नाथू अधगेलौ व्है ज्यू व्हैग्यौ। उणनै नी तो पोतारै कपडा-लत्ता री सुध-बुध ही अर नी पोतारै पडरी। वो तो रात'र दिन पळवट मे छुरी अर हाथ मे लट्ठ लिया गाम मे फिरतौ रैवतौ। अधारी रात रा सरणाटा मे जिण वेळा दुनिया सुख री नीद सोवै, नाथू किसनजी रै घर रै च्यारु मेर आटा देवतौ। लोग-बाग उणनै देखनै डरण लागग्या। हरदम उणरी आख्या सू अगारा झरता रैवता अर इसौ मालूम व्हैतो के जाणै इण अगरा मे बळनै किसनजी रो परिवार भस्म व्है जाएला।

नरपत अर ठाकुर रा कुवर रै आपसरी मे वडौ मेळ हो। वारै एकण दातै रोटी तूटती। कुवर रोटी घरै खावतौ तो कुरलौ नरपत रे घरै आयनै थूकतौ। नरपत ई कूवर रे लारै छिया री गळाई लाग्यौडौ रैवतौ। कुवर नै सूरा री सिकार रो वडौ चाव हो सो नरपत पण करेई-करेई जायबौ करतौ।

एकर भादवा रौ महीनौ हो अर प्रभात री वेळा। जमानौ उण बरस चोखौ पाक्यौडौ हो। गाम सू उगमणा आयौडा डूगर नीला हैवन व्हेग्या हा अर वारे ढाळ मे आयौडा कोसा लावा खेत, इसा लागता हा जाणै हरि-यल जाजम बिछ्यौडी व्है। डूगर सजळ होवण सू या मे मोकळा जिनावर रैवता। सूरा रौ तो ओ खास ठायौ हो। वे डारा री डारा निसक फिरता अर देखता-देखता मैणत सू तैयार कियौडी करसा री कमाण नै धूड धाणी कर नाखता।

उण दिन प्रभात रा इज कुवर नै सिकार जावण री जची। वो नरपत अर कई आदमिया रे सागै घोडा माथै चढनै कुत्ता री पळटण लिया डूगरा री ढाळ मे पूग्यौ। सूरा री डारा रात-रात भर साखा बरबाद करती अर दिन उग्या पे'ली-पे'ली आयनै झाडिया मे बैठ जावती। एक झाडी मे रात भर अनाज खावण सू, पेट फुलाय नै मस्त व्हियौडी डार पडी ही, वा हा हू सुणनै बारै निकळगी। सूरा नै देखता ई घोडा रे एडिया लागी अर घोडा हवा सू वाता करण लाग्या। घोडा री टापा अर बदूका रे धम्मीडा सू डूगर गूजण लाग्या।

लागती, जिण रात पनियै दिनूगा ताई खून थूक्यौ अर सेवट हिचकी खाय नै गावड एक कानी लटकाय नाखी ही।

उणनै याद आयौ किसनजी रे ई एकाएक वेटौ है—नरपत-अर उणरै मायलौ सैतान जागनै जोर-जोर सू हसण लाग्यौ।

थोडा दिना मे नाथू अधगेलौ व्है ज्यू व्हैग्यौ। उणनै नी तो पोतारै कपडा-लत्ता री सुध-बुध ही अर नी पोतारै पडरी। वो तो रात'र दिन पळवट मे छुरी अर हाथ मे लट्ठ लिया गाम मे फिरतौ रैवतौ। अधारी रात रा सरणाटा मे जिण वेळा दुनिया सुख री नीद सोवै, नाथू किसनजी रै घर रै च्यारु मेर आटा देवतौ। लोग-वाग उणनै देखनै डरण लागग्या। हरदम उणरी आख्या सू अगारा झरता रैवता अर इसौ मालूम व्हैतो के जाणै इण अगरा मे वळनै किसनजी रो परिवार भस्म व्है जाएला।

नरपत अर ठाकुर रा कुवर रै आपसरी मे वडौ मेळ हो। वारै एकण दातै रोटी तूटती। कुवर रोटी घरै खावतौ तो कुरलौ नरपत रे घरै आयनै थूकतौ। नरपत ई कूवर रे लारै छिया री गळाई लाग्यौडौ रैवतौ। कुवर नै सूरा री सिकार रौ वडौ चाव हो सो नरपत पण करेई-करेई जायवौ करतौ।

एकर भादवा रौ महीनौ हो अर प्रभात री वेळा। जमानौ उण वरस चोखौ पाक्यौडौ हो। गाम सू उगमणा आयौडा डूगर नीला हेवन व्हेग्या हा अर वारे ढाळ मे आयौडा कोसा लावा खेत, इसा लागता हा जाणै हरि-यल जाजम विछ्यौडी व्है। डूगर सजळ होवण सू या मे मोकळा जिनावर रैवता। सूरा रौ तो ओ खास ठायौ हो। वे डारा री डारा निसक फिरता अर देखता-देखता मैंणत सू तैयार कियौडी करसा री कमाण नै धूड धाणी कर नाखता।

उण दिन प्रभात रा इज कुवर नै सिकार जावण री जची। वो नरपत अर कई आदमिया रे सागै घोडा माथै चढनै कुत्ता री पळटण लिया डूगरा री ढाळ मे पूग्यौ। सूरा री डारा रात-रात भर साखा वरवाद करती अर दिन उग्या पे'ली-पे'ली आयनै झाडिया मे वैठ जावती। एक झाडी मे रात भर अनाज खावण सू, पेट फुलाय नै मस्त व्हियौडी डार पडी ही, वा हा हू सुणनै वारै निकळगी। सूरा नै देखता ई घोडा रे एडिया लागी अर घोडा हवा सू वाता करण लाग्या। घोडा री टापा अर वदूका रे धम्मीडा सू डूगर गूजण लाग्या।

नाथू एक टणका भाठा रै ओळै छिप्यौ रावळा घोडा अर बावळा असवारा रौ खेल देखै हो। जितरै तो उणरी खनली झाडी मे सू अरडाट करतौ एक इक्कड सूर निकळ्यौ। झाडी री डाळिया वरड-बरड करती बोली अर वो बारै आवतौ ऊभौ रह्यो। साल भर रौ पाडियौ व्है जितरौ डीगौ अर मातौ घेदा व्है जिसौ। मूडा माथै तीखी-तीखी दातरडिया लिया पूरौ साठ वरस रौ जवान हो।

कुँवर री निजर उण माथै पडी अर घोडौ लारै फेंक दियौ। कुत्ता अर घोडा नै लारै आवता देख नै सूर ई भागण लाग्यौ। पण भागतौडा सूर रै पीडा मे कुवर रै हाथ री गोळी बरणाट करतौडी लागी अर सूर घायल व्हैग्यौ।

गोळी लागताई इक्कड अरडाट कियौ अर सन्मुख आई झाडी मे वडग्यौ कुवर अर उणरा साथीडा सगळाई झाडी नै घेर नै ऊभा व्हैग्या। जोर री हाकल हुई। सूर घायल व्हैचौडौ अर विफरचौडौ झाडी रै मायनै बैठ्यौ हो। एक दो सिकारी कुत्ता हिम्मत करनै झाडी रे मायने घुसिया तो घुसता पाण डाकी वानै कागद रे ज्यू चरड करता चीर नै थूड सू बारै उछाळ दिया। कुत्ता काऊ-काऊ करता जमीन माथै आय पड्या अर आतरडा वारै निकळग्या।

झाडी माथै गोळिया री वरखा सी होवण लागी तो सेवट विकराल व्हियौडौ सूर वारै निकळ्यौ। आख्या सू आग वरसै ही अर वो चरड-चरड करतौ दातरडिया घिसै हो। उण वखत नरपत आपरी घोडीसाथियात उण काळ कानी वदाय दियौ। सरपट आवता घोडा नै देख नै सूर तारा री गळाई साम्ही तूटो। अबै उणनै मौत रौ ई भौ मिटग्यौ हो। वरणाट करती एग गोळी चाली पण ऊपर होय नै निकळगी।

जिण भाठा रै ओळै नाथू छिप्यौ हो उणरै ठीक साम्ही नरपत अर सूर री टक्कर हुई। चरडाट करती दातरडी वाजी अर हाथ भरियौ घोडा री पसवाडौ फाड नाख्यौ। घोडौ सरणाट नै एक दम आभै कानी उछळियौ अर नरपत जमी माथै आवतौ वाजियौ।

सूर आधीक खेत रवा दोडनै पाछौ फिरयौ। अवकी फेट मे जमी माथै पड्या नरपत री वारी ही।—दातरडी चालैला चरड करती—अर आतरडिया वारै—नाथू मन मे सोच्यौ। उणरी आख्या चमकण लागी। वो खुमी मू नाचण लाग्यौ। आख्या ठडी करण न वो उछळ नै आगै आयग्यौ

नाथू एक टणका भाठा रै ओळै छिप्यौ रावळा घोडा अर वावळा असवारा रौ खेल देखै हो। जितरै तो उणरी खनली झाडी मे सू अरडाट करतौ एक इक्कड सूर निकळ्यौ। झाडी री डाळिया वरड-वरड करती वोली अर वो वारै आवतौ ऊभौ रह्यौ। साल भर रौ पाडियौ व्है जितरौ डीगौ अर मातौ घेदा व्है जिसौ। मूडा माथै तीखी-तीखी दातरडिया लिया पूरौ भाठ वरस रौ जवान हो।

कुँवर री निजर उण माथै पडी अर घोडौ लारै फेक दियौ। कुत्ता अर घोडा नै लारै आवता देख नै सूर ई भागण लाग्यौ। पण भागतौडा सूर रै पीडा मे कुवर रै हाथ री गोळी वरणाट करतौडी लागी अर सूर घायल व्हैग्यौ।

गोळी लागताई इक्कड अरडाट कियौ अर सन्मुख आई झाडी मे वडग्यौ कुवर अर उणरा साथीडा सगळाई झाडी नै घेर नै ऊभा व्हैग्या। जोर री हाकल हुई। सूर घायल व्हैचौडौ अर विफरचौडौ झाडी रै मायनै बैठ्यौ हो। एक दो सिकारी कुत्ता हिम्मत करनै झाडी रे मायनै घुसिया तो घुसता पाण डाकी वानै कागद रे ज्यू चरड करता चीर नै थूड सू वारै उछाळ दिया। कुत्ता काऊ-काऊ करता जमीन माथै आय पड्या अर आतरडा वारै निकळग्या।

झाडी माथै गोळिया री वरखा सी होवण लागी तो सेवट विकराल व्हियौडौ सूर बारै निकळ्यौ। आख्या सू आग वरसै ही अर वो चरड-चरड करतौ दातरडिया घिसै हो। उण वखत नरपत आपरौ घोडौ साथियात उण काळ कानी वदाय दियौ। सरपट आवता घोडा नै देख ने सूर तारा री गळाई साम्ही तूटौ। अवै उणनै मौत रौ ई भौ मिटग्यौ हो। वरणाट करती एग गोळी चाली पण ऊपर होय नै निकळगी।

जिण भाठा रै ओळै नाथू छिप्यौ हो उणरै ठीक साम्ही नरपत अर सूर री टक्कर हुई। चरडाट करती दातरडी वाजी अर हाथ भरियौ घोडा री पसवाडौ फाड नाख्यौ। घोडौ सरणाट नै एक दम आभै कानी उछळियौ अर नरपत जमी माथै आवतौ वाजियौ।

सूर आधीक खेत रवा दौडनै पाछौ फिरयौ। अवकी फेट मे जमी माथै पड्या नरपत री वारी ही।—दातरडी चानैला चरट करती—अर आतरडिया वारै—नाथू मन मे सोच्यौ। उणरी आख्या चमकण लागी। वो भुमी मू नाचण लाग्यौ। आख्या ठडी करण नै वो उछळ नै आगै आगग्यौ

अर जोर-जोर सू ताळिया वजाय-वजाय नै हसण लाग्यो—हा-हा-हा · हा !

उणै देख्या के कुवर अर दूजा सगळाई साथी बाको फाड्या अळगा ऊभा हा अर नरपत घायल व्हियौडो जमी माथै पड्यौ हो अर उठी नै सूर आवतौ हो पवन रै दोट रै उनमान अरडाट कियौडो। पण ओ काई ? उणरो हीयौ ठाडौ पडण रे बदळै बळण क्यू लाग्यौ ?

बिजळी रे पळाका रे ज्यू दिमाग मे एक विचार आयौ—अरे बाप रौ एकाएक बेटौ मर जासी—म्हारी आख्या रै साम्ही अबार देखता-देखता मर जासी। म्हारै लाडके पनियै रे ज्यू ऊभा-ऊभा खत्म व्है जासी। म्हारो पनियौ, म्हारो नरपत ! उणमे सोळू आना मिनखपणौ जागग्यौ।

अर वो आख्या मीच नै कूद पड्यौ नरपत—नी-नी पनिया नै बचावण नै। हाथ मे उणरै हाथ मे बा सागण छुरी ही, जिकण सू नरपत रौ खून करणौ चावै हो। भाठा सू भाठौ आफळै ज्यू टक्कर हुई अर छुरी ठेट डाडा ताई सूर रे पेट मे घुसगी। पण सागै-सागै नाथू रौ पेट पण ठेट ना भी सू लगाय नै काळजा ताई चिरीजग्यौ।

कानी कानी सू बदूकारा फायर हुया धडाम ! धडाम ! अर सूर ठडौ व्हैग्यौ। नरपत रे आख्या सू आसूडा टपक्या टप टप। अर मरता-मरता नाथू रै होठा माथै मुळक आई।

अर जोर-जोर सू ताळिया वजाय-वजाय नै हसण लाग्यो—हा-हा-हा हा !

उणै देख्यौ के कुवर अर दूजा सगळाई साथी बाकौ फाड्या अळगा ऊभा हा अर नरपत घायल व्हियौडौ जमी माथै पड्यौ हो अर उठी नै सूर आवतौ हो पवन रै दोट रै उनमान अरडाट कियौडौ। पण ओ काई ? उणरौ हीयौ ठाडौ पडण रे वदळै वळण क्यू लाग्यौ ?

बिजळी रे पळाका रे ज्यू दिमाग मे एक विचार आयौ—अरे बाप रौ एकाएक बेटौ मर जासी—म्हारी आख्या रै साम्ही अबार देखता-देखता मर जासी। म्हारै लाडके पनियै रे ज्यू ऊभा-ऊभा खत्म व्है जासी। म्हारो पनियौ, म्हारी नरपत ! उणमे सोळ आना मिनखपणौ जागग्यौ।

अर वो आख्या मीच नै कूद पड्यौ नरपत—नी-नी पनिया नै वचावण नै। हाथ मे उणरै हाथ मे वा सागण छुरी ही, जिकण सू नरपत रौ खून करणौ चावै हो। भाठा सू भाठौ आफळै ज्यू टक्कर हुई अर छुरी ठेट डाडा ताई सूर रे पेट मे घुसगी। पण सागै-सागै नाथू रौ पेट पण ठेट ना भी सू लगाय नै काळजा ताई चिरीजग्यौ।

कानी कानी सू बदूकारा फायर हुया धडाम ! धडाम ! अर सूर ठडौ व्हैग्यौ। नरपत रे आख्या सू आसूडा टपक्या टप टप। अर मरता-मरता नाथू रै होठा माथै मुळक आई।

खूंटारी आवरू

राजू पटेल रौ घर गाम मे तो काई पण चोखळा मे ई चावौ हो। सात पीढी सू जम्यौडी ग्वाडी माथै रामजी री किरपा होवण सू लिछमी रौ उठै नेखम वासौ हो। पटेल नै वळदा रौ अणूतौ कोड हो। इण कारण उणरी वळदारी मे कोई वीस नेडी जोडिया हरदम लाधती। जात-जात री अर भात-भात री। साचोरी, नागौरी अर धाटी। एक-एक सू आगळी। वळदा री चाकरी पण पटेल उतार ही। इणकारण वळद पण सगळाई थूथकारिया पावूजी रे पड मे माडै जिसा हा। इतरौ व्है ता थकाई पटेल रौ मन नी पतीजतौ अर वो आई साल तिलवाडै, नागौर अर पोकरजी पूग जावतौ नै उठा सू एकाध टाळमी जोडी लेय आवतौ।

यू पटेल जोडिया मोकळी लीवी अर मोकळी वेची पण अवकाळै जिकी जोडी तिलवाडा रे मेळा सूं लायौ, उणै सगळी जौडिया नैं मात कर दी। वळद पटेल रे काना ता ई डीगा अर धवला सफेद वगला रीजात हा। डील माथै पसम इसी के माखी वैठी व्है तो पितळ जाए। नैनौ मूडौ, छोटा सीग, भूलती कावळ, पतळी पूछ अर गोळ गट्ट थूवी। सागी साग जाणै सिवजी रा नादिया। पटेल चाकरी करण मे ई पछै पाछ नी राखी। पाला अर फळ-गटी सू ठाण भरचा रैवता। इण रै उपरात दो न्यू वखत जव-ग्वार रौ वाटौ, सियाळा मे तिला री सैलाण्या अर ऊपर मू गावा घी री नाल्ना। वळद वण्या तो पछै वे वण्या के चालै तो ई जाणै जमी थरकै।

गिणगौरा रौ मेळौ आयौ। पटेल रे अवकै भगवान जाणै काई जची सो

खूंटारी ग्रावरू

राजू पटेल रौ घर गाम मे तो काई पण चोखळा मे ई चावौ हो। सात पीढी सू जम्यौडी ग्वाडी माथै रामजी री किरपा होवण सू लिछमी रौ उठै नेखम वासौ हो। पटेल नै वळदा रौ अणूतौ कोड हो। इण कारण उणरी वळदारी मे कोई वीस नेडी जोडिया हरदम लाधती। जात-जात री अर भात-भात री। साचोरी, नागौरी अर धाटी। एक-एक सू आगळी। वळदा री चाकरी पण पटेल उतार ही। इणकारण वळद पण सगळाई थूथकारिया पावूजी रे पड मे माडै जिसा हा। इतरौ व्है ता थकाई पटेल रौ मन नी पतीजतौ अर वो आई साल तिलवाडै, नागौर अर पोकरजी पूग जावतौ नै उठा सू एकाध टाळमी जोडी लेय आवतौ।

यू पटेल जोडिया मोकळी लीवी अर मोकळी वेची पण अबकाळै जिकी जोडी तिलवाडा रे मेळा सूं लायी, उणै सगळी जौडिया नैं मात कर दी। वळद पटेल रे काना ता ई डीगा अर धवला सफेद वगला रीजात हा। डील माथै पसम इसी के माखी वैठी व्है तो पितळ जाए। नैंनौ मूडौ, छोटा सीग, भूलती कावळ, पतळी पूछ अर गोळ गट्ट थूवी। सागी साग जाणै सिवजी रा नादिया। पटेल चाकरी करण मे ई पछै पाछ नी राखी। पाला अर फळ-गटी सू ठाण भरया रैवता। इण रै उपरात दो न्यू वखत जव-ग्वार रौ वाटौ, सियाळा मे तिला री सैंलाण्या अर ऊपर सू गावा घी री नाल्या। वळद वण्या तो पछै वे वण्या के चालै तो ई जाणै जमी थरकै।

गिणगौरा री मेळौ आयी। पटेल रे अबकै भगवान जाणै काई जची मो

जाय नै गाम रा ठाकर नै अरज कीवी—ठाकरा गुन्हौ माफकरावो तो एक अरज करू —अबकाळै गिणगौर रा मेळा मे आपरै अवलख घोडा सागै म्हारै वळदा री दौड करावणी चावू।

ठाकरा थोडा मुळक नै हूकारौ दे दियो। पटेल री जोडी चोखळै चावी ही तो रावळौ घोडौ पण हजारा मे एक हो। वात फैलता काई जेज लागै। गिणगौर रै दिन मिनखा रौ तो थट्ट लाग्यौ। हियौ-हियौ दळीजै। थाळी फेकी व्है तो नीची नी पडै।

सगळा री आख्या मैदान कानी'ज लाग्योडी ही के रावळौ घोडौ अर राजू पटेल रौ रेखळौ एक साथै इज मैदान मे उतरिया। हाकरता दौड सरू व्हैगी। पवन रै उनमान घोडौ उडियौ अर आधी रैदोट री गळाई वळद ई उपडिया। देखण वाळा नै तो फगत धूड रौ गोट इज निजर आयौ। हाका-धाका मे जोडी आगै निकळगी अर घोडौ लारै रैयग्यौ। ठाकर चौधरी रा मो'र थापौटिया।—घणा रग है थनै अर थारी जोडी नै। वळद व्है तो इसा व्है।

सजोग री वात इसी वणी के वाइज जोडी महीना भर पछै चोरीजगी अंधारौ पडताई चोर वाड तोड नै वळदा नै लेय उडचा। चौधरी वळदारी मे चारौ नाखण नै गयौ तो खूटौ खाली मिळचौ। वो डाफाचूक व्हियौडौ सीधौ ठाकरा खनै पूगो।

—धणिया चोरा वळद काढ दिया हे सो फुरती सू वार चाढौ। इसी नी व्है के जोडी हाथ मे सू जावती रैवै।

ठाकर नै मसखरी करण रौ मौकौ मिळचौ। वोल्या—पटेल थारी जोडी नै म्हारौ घोडौ तो पूग नी सकै। पछै थू कैवै ज्यू करा। —खामदा ओ मसखरी करण रौ वखत नी है, ओ तो गाम री इज्जत रौ सवाल है सो फुरती करावौ।

ठाकर नै तो फगत कौगत इज करणी ही सो चिलम भरै जितरी जेज मे ऊठा अर घोडो माथ वार चढी। चोर तीन-च्यार कोस गया व्हेला के वार लारै पूगगी। ठाकर अवलख घोडा माथै सवार हा अर चौधरी ताजणी तोड पर। ठाकर नै फेर मसखरी सूझी।

—काई रे पटेल या वाळी जोडी तो ताकडी घणी गिणी जती ही। आज यू कीकर व्हियौ ? ए रिग दिया तो तीन कोस ई कोनी आया के वार

जाय नै गाम रा ठाकर नै अरज कीवी—ठाकरा गुन्हौ माफकरावौ तो एक अरज करू —अवकाळै गिणगौर रा मेळा मे आपरै अवलख घोडा सागै म्हारै वळदा री दौड करावणी चावू।

ठाकरा थोडा मुळक नै हू कारौ दे दियौ। पटेल री जोडी चोखळै चावी ही तो रावळौ घोडौ पण हजारा मे एक हो। वात फैलता काई जेज लागै। गिणगौर रै दिन मिनखा री तो थट्ट लाग्यौ। हियौ-हियौ दळीजै। थाळी फेकी व्है तो नीची नी पडै।

सगळा री आख्या मैदान कानी'ज लाग्योडी ही के रावळौ घोडौ अर राजू पटेल रौ रेखळौ एक साथै इज मैदान मे उतरिया। हाकरता दौड सरू व्हैगी। पवन रै उनमान घोडौ उडियौ अर आधी रैदोट री गळाई वळद ई उपडिया। देखण वाळा नै तो फगत धूड रौ गोट इज निजर आयौ। हाका-धाका मे जोडी आगै निकळगी अर घोडौ लारै रैयग्यौ। ठाकर चौधरी रा मो'र थापौटिया।—घणा रग है थनै अर थारी जोडी नै। वळद व्है तो इसा व्है।

सजोग री वात इसी वणी के वाइज जोडी महीना भर पछै चोरीजगी अंधारौ पडताई चोर वाड तोड नै वळदा नै लेय उडचा। चौधरी वळदारी मे चारौ नाखण नै गयौ तो खूटौ खाली मिळचौ। वो डाफाचूक व्हियौडौ सीधौ ठाकरा खनै पूगौ।

—धणिया चोरा वळद काढ दिया हे सो फुरती सू वार चाढौ। इसी नी व्है के जोडी हाथ मे सू जावती रैवै।

ठाकर नै मसखरी करण रौ मौकौ मिळचौ। वोल्या—पटेल थारी जोडी नै म्हारौ घोडौ तो पूग नी सकै। पछै थू कैवै ज्यू करा। —खामदा ओ मसखरी करण रौ वखत नी है, ओ तो गाम री इज्जत रौ सवाल है सो फुरती करावौ।

ठाकर नै तो फगत कौगत इज करणी ही सो चिलम भरै जितरी जेज मे ऊठा अर घोडो माथ वार चढी। चोर तीन-च्यार कोस गया व्हेला के वार लारै पूगगी। ठाकर अवलख घोडा माथै सवार हा अर चौधरी ताजणी तोड पर। ठाकर नै फेर मसखरी सूझी।

—काई रे पटेल था वाळी जोडी तो ताकडी घणी गिणी जती ही। आज यू कीकर व्हियौ ? ए रिग दिया तो तीन कोस ई कोनी आया के वार

लारै पूगगी।

ठाकर रौ मोसो सुणता पाण पटेल रै तौ जाणै झाळौ झाळ लागी। उणरै तौ मन मे न जाणै काई जची सौ तोड रै एडी देय नै चोरा रे आडै जोडै पूगौ अर जोर सू कूकियो—

— थारे बापा री रा'खाचौ रा'! ऊठ नै घोडा सगळाई लारै झख मारैला! चोर बात नै समझग्या। वळदा रे नाथ री तणकार लागता ई, वे भूतेलौ व्है ज्यू उडिया सो वे जाए रै वे जाए!

ठाकर निसासा नाखता वोल्या—थनै आ काई कुमत आई रै गेला? जीत्यौडी वाजी हराय दी

पटेल नीची धूण घाल्या पडुत्तर दियौ— कोई चिंता जिसी वात नी ठाकरा, जोडी तो डण सू ई सवाई पाछी आय सकै है पण खूटारी आवरू गयौडी पाछी नी वावड सकै। आज म्हारै खूटारी आवरू रौ सवालअडग्यो हो।

लारै पूगगी।

ठाकर री मोसो सुणता पाण पटेल रै तो जाणै झाळौ झाळ लागी। उणरै तौ मन मे न जाणै काई जची सौ तोड रै एडी देय नै चोरा रे आडै जोडै पूगौ अर जोर सू कूकियो—

—थारे बापा री रा'खाचौ रा'! ऊठ नै घोडा सगळाई लारै झख मारैला! चोर वात नै समझग्या। वळदा रे नाथ री तणकार लागता ई, वे भूतेलौ व्है ज्यू उडिया सो वे जाए रै वे जाए!

ठाकर निसासा नाखता बोल्या—थनै आ काई कुमत आई रै गेला? जीत्यौडी बाजी हराय दी

पटेल नीची धूण घाल्या पडुत्तर दियौ— कोई चिंता जिसी वात नी ठाकरा, जोडी तो डण सू ई सवाई पाछी आय सकै है पण खूटारी आवरू गयौडी पाछी नी वावड सकै। आज म्हारै खूटारी आवरू रौ सवालअडग्यो हो।

अभर चूनडी
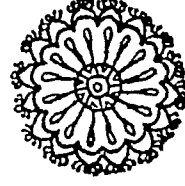
पेट री दाझ

यू तो गाम राम है। मदिर है तो ऊखरडा पण है। कई भली-भूडी वाता होवती रैवै। पण धानपुर गाम थप्या लग होयनै आज दिन ताई इसी अजोगी वात कदैई सुणण मे कोनी आई इसौ नाजोगौ काम कदैई कोनी व्हियौ। दिन उगताई [गाम मे हाकौ सो फूटग्यौ। जणीका-जणीका री जवान माथै एक इज वात। ग्वाडिया, गळिया, खेता अर खळा मे ठौड-ठौड एक इज चरचा। जगै-जगै मिनखा रा टोळा रा टोळा ऊभा। सगळा रा मूडा थाप खायौडा। आख्या मे एक अणजाण्यौ भौ भरचौडौ। सगळा रै मन मे एक इज वात, सगळा रै मन मे एक इज सवाल के गाम मे इसौ कुण चडाल दुस्टी जनम्यौ के जिणै इसौ अक्रम कर नाख्यौ। मिनख व्हैताई इसौ रागसी काम कियौ के जिनवरा नै ई लारै छोड दिया। खाणका सू खाणकौ कुत्तौ अर जहरी सू जहरी नाग पण नैन्या टावर री तौ नाम नी ले, पण इण पापी तो तीन वरस रो भोळा टावरिया नै लोम रे खातर टूपौ देयनै मार नाख्यौ।

—राम, राम, राम, सिवहरै, सिवहरै, घोर कळजुग आयग्यौ। इण गाम री पुन्याई अबै खत्म व्हैगी। अबै तो इण गाम माथै जरूर कोई आफत आवैला—पणघट पर तावा रौ कळसौ माजता पुजारी बोल्या अर पछै चस्मा रै ऊपर होय नै खनै पाणी भरती लुगाया कानी खरी मीट सू झाकण लाग्या। पुजारी री वात सुणनै काछडा मारिया गोडा-गोडा लग पाणी मे अध ओगडी ऊभी लुगाया घाघरा थोडा नीचा कर लिया। मरियौडा टावर
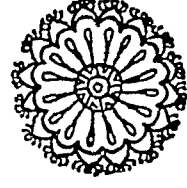
पेट री दाझ

यू तो गाम राम है। मंदिर है तो ऊखरडा पण है। कई भली-भूडी वाता होवती रैवै। पण धानपुर गाम थप्या लग होयनै आज दिन ताई इसी अजोगी बात कदैई सुणण मे कोनी आई इसौ नाजोगौ काम कदैई कोनी व्हियौ। दिन उगताई [गाम मे हाकौ सो फूटग्यौ। जणीका-जणीका री जवान माथै एक इज वात। ग्वाडिया, गळिया, खेता अर खळा मे ठौड-ठौड एक इज चरचा। जगै-जगै मिनखा रा टोळा रा टोळा ऊभा। सगळा रा मूडा थाप खायोडा। आख्या मे एक अणजाण्यौ भौ भरचौडौ। सगळा रै मन मे एक इज वात, सगळा रै मन मे एक इज सवाल के गाम मे इसौ कुण चडाल दुस्टी जनम्यौ के जिणै इसौ अक्रम कर नाख्यौ। मिनख व्हैताई इसौ रागसी काम कियौ के जिनवरा नै ई लारै छोड दिया। खाणका सू खाणकौ कुत्तौ अर जहरी सू जहरी नाग पण नैन्या टावर रौ तौ नाम नी ले, पण इण पापी तो तीन वरस रो भोळा टावरिया नै लोभ रे खातर टूपौ देयनै मार नाख्यौ।

—राम, राम, राम, सिवहरै, सिवहरै, घोर कळजुग आयग्यौ। इण गाम री पुन्याई अवै खत्म व्हैगी। अबै तो इण गाम माथै जरूर कोई आफत आवैला—पणघट पर तावा रौ कळसौ माजता पुजारी वोल्या अर पछै चस्मा रै ऊपर होय नै खनै पाणी भरती लुगाया कानी खरी मीट सू झाकण लाग्या। पुजारी री वात सुणनै काछडा मारिया गोडा-गोडा लग पाणी मे अध ओगडी ऊभी लुगाया घाघरा थोडा नीचा कर लिया। मरियौडा टावर

री वात याद करनै कईया री काजळ लागी आख्या मे पाणी आयग्यौ, त कईया नै घोडिया मे सूता पोता रा टावर याद आवण सू वारै हाचळा मे पाणी आयग्यौ।

—सिवहरै-सिवहरै, सत्यानास जाएला उण हरामी रौ, कोढ उघड नै रू-रू मे कीडा पडैला उण दुस्टी रै, सिवहरै-सिवहरै घोर कळजुग आयग्यौ।

पण अबकै पुजारी री रट सुणनै दो एक आधकड लुगाया एक दूजी रै साम्ही देखनै हसण लागी। वा सू पुजारी रौ चरित्तर ई छानौ कोनी हो।

टूपौ देय नै मारियौ जिकौ टावर लाभूजी सुनार रौ हो। लाभूजी वापडौ असराफ आदमी, अल्ला री गाय, नी कोई री हरी मे अर नी कोई री भरी मे। सीधै रास्तै चालणियौ। कदैई चालती कीडी नै ई कोनी दुखाई के कोई रै आख मे घालियौ ई कोनी खर खरियौ। यू सुनार री जात छाकटी गिणीजै। वारै धधा मे वे सगी मा रौ ई लिहाज कोनी राखै। पण लाभू वापडौ इसौ नी हो। वो मजूरी पूरी लेवतौ अर काम पण खातरी वद करनै देवतौ। दूजौडा सुनारा रै ज्यू खोट भेळ नै गैणौ घडणौ उणरै वास्तै हराम बरौबर हो। इण वास्तै पूरा चोखळा मे ई उणरी पैठ जम्योडी ही। पण इसा भला आदमी रे ई भगवान लारै उतरियौडो हो। घर मे आठ टावर जनम्या अर आठू ई पेट वाळणी करनै चालता रह्या। ओ नवमौ कीडौ-लियौ तीन वरसा पे'ली भगवान दियौ हो, जिण सू धणी लुगाई रौ जीव ठडौ हो। इण टावर माथै इज वारौ ऊगतौ आथमतौ। इणरौ मूडौ देख-देख नै इज वे दिन तोडता। टावर पण टावरा जोग हो। गोरौ निछोर, दोवडै हाड, प्याला जिसी मोटी-मोटी आख्या अर गोळ गट्ट चेहरौ अर भूरी-भूरी लटुरिया। राजा रौ कुवर ई उणरै आगै पाणी भरै।

इण वास्तै मा टावर नै हथाळी रा छाळा रे ज्यू राखती। हरदम उणरी आडज मसा रैवती के वो कठै चालै अर कठै हाथ राखू। उण मौकै दीवाळी रौ तिंवार होवण सू मा उणनै घणा कोड सू नवा-नवा कपडा पेहराया। काना मे नगदार लूग, हाथा मै सोना री माठिया अर पगा मे झाझरिया घालिया। रामा-सामा रै दिन वाल ओस, काजळ घाल, अर लिलाड मायै निजर रौ काळी टीकौ लगायनै उणनै वास ग्वाट मे तुळसीम करण वास्तै भेजियौ। थोटी ताळ मे इज टावर मे'ल माळिया सू कुटता री फडक भरनै पाछौ आयो अर ऊभी-ऊभी इज वानै आगणा रे सौ

री बात याद करनै कईया री काजळ लागी आख्या मे पाणी आयग्यी, त कईया नै घोडिया मे सूता पोता रा टावर याद आवण सू वारै हाचळा मे पाणी आयग्यी ।

— सिवहरै-सिवहरै, सत्यानास जाएला उण हरामी रौ, कोढ उघड नै रू-रू मे कीडा पडैला उण दुस्टी रै, सिवहरै-सिवहरै घोर कळजुग आयग्यौ ।

पण अबकै पुजारी री रट सुणनै दो एक आधकड लुगाया एक दूजी रै साम्ही देखनै हसण लागी । वा सू पुजारी री चरित्तर ई छानौ कोनी हो ।

टूपौ देय नै मारियौ जिकौ टावर लाभूजी सुनार रौ हो। लाभूजी वापडौ असराफ आदमी, अल्ला री गाय, नी कोई री हरी मे अर नी कोई री भरी मे । सीधै रास्तै चालणियौ । कदैई चालती कीडी नै ई कोनी दुखाई के कोई रै आख मे घालियौ ई कोनी खर खरियौ । यू सुनार री जात छाकटी गिणीजै । वारै धधा मे वे सगी मा रौ ई लिहाज कोनी राखै । पण लाभू वापडौ इसौ नी हो । वो मजूरी पूरी लेवतौ अर काम पण खातरी वद करनै देवतौ । दूजौडा सुनारा रै ज्यू खोट भेळ नै गैणौ घडणौ उणरै वास्तै हराम वरौवर हो । इण वास्तै पूरा चोखळा मे ई उणरी पैठ जम्योडी ही । पण इसा भला आदमी रे ई भगवानलारै उतरियौडो हो। घर मे आठ टावर जनम्या अर आठू ई पेट वाळणी करनै चालता रह्या । ओ नवमौ कीडौ-लियौ तीन वरसा पे'ली भगवान दियौ हो, जिण सू धणी लुगाई रौ जीव ठडौ हो । इण टावर माथै इज वारौ ऊगतौ आथमतौ । इणरौ मूडौ देख-देख नै इज वे दिन तोडता । टावर पण टावरा जोग हो । गोरौ निछोर, दोवडै हाड, प्याला जिसी मोटी-मोटी आख्या अर गोळ गट्ट चेहरौ अर भूरी-भूरी लटुरिया । राजा री कुवर ई उणरै आगै पाणी भरै ।

इण वास्तै मा टावर नै हथाळी रा छाळा रे ज्यू राखती । हरदम उणरी आइज मसा रैवती के वो कठै चालै अर कठै हाथ राखू । उण मौकै दीवाळी रौ तिवार होवण सू मा उणनै घणा कोड सू नवा-नवा कपडा पेहराया । काना मे नगदार लूग, हाथा मै सोना री माठिया अर पगा मे झाझरिया घालिया । रामा-सामा रै दिन वाल ओस, काजळ घाल, अर लिलाड मायै निजर रौ काळौ टीकौ लगायनै उणनै वास ग्वाट मे तुळसीम करण वास्तै भेजियौ । थोटी ताळ मे इज टावर मे'ल माळिया सू कुटता री फडक भरनै पाछौ आयौ अर ऊभौ-ऊभौ इज वानै आगणा रे सै

वीच नाखनै रमण नै वारै नाटग्यौ। कोई जोग री बात इसी वणी के मा बाप तो वापड़ा जावता टावर री पूठ इज देखी। वो तो गयौ सो गयौ इज गयौ। पाछौ आयौ इज नी। रोटी वेळा ताई तो उणरी मा इण भरोसै बैठी रही के वो बारे रमतौ व्हैला अर अवार आय जावैला। पण रोटी वेळा री तो दोपार व्हैगी अर दोपार वीत्या साझ पडगी पण टावर रो तो कठैई पतौ इज नी। मा बाप वापडा फिर-फिर नै हैरान व्हेग्या। घर, गळिया, खेत, खळा आकरिया, तळाव, कुआ-वावडी सगळाई देख-देख नै तळा री माटी कर नाखी, पण टावर तौ जाणै हार मोर इज व्हैग्यौ, जाणै मोर ऊवी गिटली के जाणै जीवता नै धरती डकारगी।

लाभू रै घर मे कूका-रोळौ माचग्यौ। सुनार-सुनारी वापडा भूडी ढाळै डाढण लाग्या। पूरा गाम मे तळ तळौ मचग्यौ। घरा मे हाडिया बाधगी। मिनख लालटेणा लेय-लेय नै कानी-कानी टावर नै जोवण नै रवानै व्हिया। पण कठैई पतौ नी लागौ। पूरी रात गाम मे सोपौ कोनी पड्यौ। मिनख झीकता रह्या, कुत्ता ऊचो मूंडौ कर कर नै कूकता रह्या अर धानपुर री काकड मे रात भर मामाजी री हीड री गळाई झपाझप करती लालटेणा फिरती री।

ज्यू-त्यू करनै दिन ऊगौ। मिनख दिसा-फराखती जावण लाग्या तो मसाणा कानी गिरजडता भमता निगै आया। देखण वाळा नै वहम व्हियौ। जायनै देखै तो बाटका रै ओळै लाभू रै छोकरा री लास पडी। धाट की भागोडी, आख्या फाटोडी अर जीभ वारै निकळयोडी। फूल जिसौ कवळौ टावर जिकौ कालै दोटा देवतौ फिरतौ हो आज मसाणा री धरती माथै उगराणै पड्यौ हो। चिलम भरै जितरी जेज मे मसाणा मे ठमठौर गाम भेळौ व्हैग्यौ। सुनार-सुनारी नै ढावणा मुसकल व्हैग्यौ। सुनारी तौ गाय डाढै ज्यू इज डाढण लागी। लुगाया उणनै नीठ पकड'र पाछी घरा लेयगी। लास रे खनै ऊभै पुजारी लेवौ होठ किया जरदा री पिचकारी छोडता कह्यौ—सिवहरै, सिवहरै, घोर कळजुग आयग्यौ। इण गाम री पुन्याई अबै खतम व्हैगी ?

मारण वाळै दुस्टी टावर रै सरीर माथै सू तीवरी तीव उतार लीवी ही। कायदे सर पुलिस नै इतला देवणी पडी। लास रौ पोस्ट मारटम हुयौ अर तीजै दिन जावता लास नै दाग पड्यौ। लाभू रे घर रौ तो दीवौ बुझ्यौ इज पण गाम माथै ई जाणै आफत आयगी। पूरा गाम री गिरै दसा

बीच नाखनै रमण नै बारे नाटग्यी। कोई जोग री बात इसी वणी के मा बाप तो बापडा जावता टावर री पूठ इज देखी। वो तो गयौ सो गयौ इज गयौ। पाछौ आयौ इज नी। रोटी वेळा ताई तो उणरी मा इण भरोसै वैठी रही के वो बारे रमतौ व्हैला अर अबार आय जावैला। पण रोटी वेळा री तो दोपार व्हैगी अर दोपार वीत्या साझ पडगी पण टावर रो तो कठैई पतौ इज नी। मा बाप बापडा फिर-फिर नै हैरान व्हैग्या। घर, गळिया, खेत, खळा आकरिया, तळाव, कुआ-बावडी सगळाई देख-देख नै तळा री माटी कर नाखी, पण टावर तौ जाणै हार मोर इज व्हैग्यौ, जाणै मोर ऊबी गिटली के जाणै जीवता नै धरती डकारगी।

लाभू रै घर मे कूका-रोळौ माचग्यौ। सुनार-सुनारी बापडा भूडी ढाळै डाढण लाग्या। पूरा गाम मे तळ तळौ मचग्यौ। घरा मे हाडिया वाधगी। मिनख लालटेणा लेय-लेय नै कानी-कानी टावर नै जोवण नै रवानै व्हिया। पण कठैई पतौ नी लागौ। पूरी रात गाम मे सोपौ कोनी पड्यौ। मिनख झीकता रह्या, कुत्ता ऊचो मूंडौ कर कर नै कूकता रह्या अर धानपुर री काकड मे रात भर मामाजी री हीड री गळाई झपाझप करती लालटेणा फिरती री।

ज्यू-त्यू करनै दिन ऊगौ। मिनख दिसा-फराखती जावण लाग्या तो मसाणा कानी गिरजडता भमता निगै आया। देखण वाळा नै वहम व्हियौ। जायनै देखै तो बाटका रै ओळै लाभू रै छोकरा री लास पडी। घाट की भागौडी, आख्या फाटौडी अर जीभ बारै निकळयौडी। फूल जिसौ कवळौ टावर जिकौ कालै दोटा देवतौ फिरतौ हो आज मसाणा री धरती माथै उगराणै पड्यौ हो। चिलम भरै जितरी जेज मे मसाणा मे ठमठौर गाम भेळौ व्हैग्यौ। सुनार-सुनारी नै ढावणा मुसकल व्हैग्यौ। सुनारी तौ गाय डाढै ज्यू इज डाढण लागी। लुगाया उणनै नीठ पकड'र पाछी घरा लेयगी। लास रे खनै ऊभै पुजारी लेबौ होठ किया जरदा री पिचकारी छोडता कह्यौ—सिवहरै, सिवहरै, घोर कळजुग आयग्यौ। इण गाम री पुन्याई अबै खतम व्हैगी ?

मारण वाळै दुस्टी टावर रै सरीर माथै सू तीवरी तीव उतार लीवी ही। कायदे सर पुलिस नै इतला देवणी पडी। लास रौ पोस्ट मारटम हुयौ अर तीजै दिन जावता लास नै दाग पड्यौ। लाभू रे घर रौ तो दीवौ बुझ्यौ इज पण गाम माथै ई जाणै आफत आयगी। पूरा गाम री गिरै दसा

खोटी आएगी। पुलिस गाम मायनै सू पनरै आदमिया नै पकड'र लेयगी अर ले जायनै ठरकावण सरू किया तो पछै भजलौ रै भीडू राम नै। मार-मार नै सगळा रा ई हाड जोजरा कर नाख्या। लाभू रा पडौसी कानिया नाई नै माचै चाढ नै मचकावणौ सरू कियौ तो नाईडौ कूकियौ—थारी मिडकी गाय हू रै थाणादारा, म्हनै छोड दो, म्हू थानै सगळी वात वताय दूला। पण माचा सू नीचौ उतारियौ तो सफा नटग्यौ—कै म्हनै की ठा व्है तो सैन भगत री सौगन, म्हू तो मार रा भौ सू यू ई कैवतौ हो। थाणादार रहीम वगस नै झाळ छूटी, वो दो तीन कीमती गाळा ठर काय नै ले डडौ नै टिकियौ सो मार-मार नै वापडा नाईडा रौ पोखाळौ कर दियौ, फूस काढ नाख्यौ। नाई अचेत व्हैग्यौ अर इण भात रात भर थाणौ नरक वण्यौडौ रह्यौ।

दिनूगै थाणादार कोटर मे गयौ तो ग्यारै टावरा री मा (वार मौ टावर पेट मे हो) वीवी जुवैदा आख्या मे खुमार लिया वोली—या खुदा, परवरदिगार पुलिस री नौकरी ई कोई नौकरी है ? रात-दिन मिनखा नै मारणा'र कूटणा। चौवीसा घटा हाय-तोवा ! वाल वच्चादार आदमी हो थोडी घणी तो दया-मया राख्या करौ। कठैई कोई गरीव री वददुआ नी लाग जावै।

इतरौ कैयनै वा पोतारा रिडक-भिडक कानी देखण लागी, जो पूरा आगणा मे मतीरा री गळाई गुडचा पडचा हा।

खा सा'व वडौ रसियौ आदमी हो। वो वीवी री काजळ विखारी अर खुमार भरी आख्या मे झाक नै उणरी हिचकी पकडता वोल्यौ—जानेमन थू लुगाई री जात है, थारौ मन घणौ कोमळ हे। थू इण दुनियादारी री वाता नै नी समझ सकै। विना मारिया कूटिया कोई ओ कैय सकै के म्है चोरी कीवी है, के म्हें खून कियौ है। ससार वदमासा अर गुडा सू भरियौ पडचौ है। जिण भात जहर सू जहर दवै उणीज भात ए चोर-गुडा। पुलिस सू दवै। पुलिस जे मार कूट नी करै तो ए लुच्चा लफगा आभै रे फाडी कर नाखै। भला मिनखा रौ ससार मे जीवणौ मुसकल कर दे।

वीवी नै खामद री वात रौ कोई ठीक पडुत्तर नी सूझ्यौ तो वा वोली—पण कम सू कम मूडा मे सू फाटी तो नी वोलणी चाहिजै। थे रात दिन थाणा मे ममौ-चचौ वोलता रैवौ अर थारा ए मोटा-मोटा छोरा-छोरी सुणता रैवै। वोलौ इणा पर काई असर पडै ? अर ससार मे 'मा' सवद

खोटीग्राएगी। पुलिस गाम मायनै सू पनरै आदमिया नै पकड'र लेयगी अर ले जायनै ठरकावण सरू किया तो पछै भजलौ रै भीडू राम नै। मार-मार नै सगळा रा ई हाड जोजरा कर नाख्या। लाभू रा पडौसी कानिया नाई नै माचै चाढ नै मचकावणौ सरू कियौ तो नाईडौ कूकियौ—थारी मिडकी गाय हू रै थाणादारा, म्हनै छोड दो, म्हू थानै सगळी वात वताय दूला। पण माचा सू नीचौ उतारियौ तो सफा नटग्यौ—के म्हनै की ठा व्है तो सैन भगत री सौगन, म्हू तो मार रा भौ सू यू ई कैवतौ हो। थाणादार रहीम वगस नै झाळ छूटी, वो दो तीन कीमती गाळा ठर काय नै ले डडौ नै टिकियौ सो मार-मार नै वापडा नाईडा रौ पोखाळौ कर दियौ, फूस काढ नाख्यौ। नाई अचेत व्हैग्यौ अर इण भात रात भर थाणौ नरक वण्यौडौ रह्यौ।

दिनूगै थाणादार कोटर मे गयौ तो ग्यारै टावरा री मा (वार मौ टावर पेट मे हो) वीवी जुवैदा आख्या मे खुमार लिया वोली—या खुदा, परवरदिगार पुलिस री नौकरी ई कोई नौकरी है? रात-दिन मिनखा नै मारणा'र कूटणा। चौवीसा घटा हाय-तोवा! वाल वच्चादार आदमी हो थोडी घणी तो दया-मया राख्या करौ। कठैई कोई गरीव री वददुआ नी लाग जावै।

इतरौ कैयनै वा पोतारा रिडक-भिडक कानी देखण लागी, जो पूरा आगणा मे मतीरा री गळाई गुडचा पडचा हा।

खा सा'व वडौ रसियौ आदमी हो। वो वीवी री काजळ विखारी अर खुमार भरी आख्या मे झाक नै उणरी हिचकी पकडता वोल्यौ—जानेमन थू लुगाई री जात है, थारौ मन घणौ कोमळ हे। थू इण दुनियादारी री वाता नै नी समझ सकै। विना मारिया कूटिया कोई ओ कैय सकै के म्है चोरी कीवी है, के म्हैं खून कियौ है। ससार वदमासा अर गुडा सू भरियौ पडचौ है। जिण भात जहर सू जहर दवै उणीज भात ए चोर-गुडा। पुलिस सू दवै। पुलिस जे मार कूट नी करै तो ए लुच्चा लफगा ग्राभै रे फाडौ कर नाखै। भला मिनखा रौ ससार मे जीवणौ मुसकल कर दे।

वीवी नै खामद री वात रौ कोई ठीक पडुत्तर नी सूझ्यौ तोवा वोली—पण कम सू कम मूडा मे सू फाटौ तो नी वोलणौ चाहिजै। थे रात दिन थाणा मे ममी-चची वोलता रैवौ अर थारा ए मोटा-मोटा छोरा-छोरी सुणता रैवै। वोलौ इणा पर काई असर पडै? अर ससार मे 'मा' सवद

कांई इतरौ हल्कौ व्हैग्यौ है के उणरौ य अपमान कियौ जावै। मा जनम री देणार व्हैं। थ्या सगळा [illegible] है, उण सगती रौ यू अपमान करता [illegible] चाहिजै।

अवकै खा सा'व लचकाणा पडग्या। वोल्या—ठीक है, ठीक है, अवै ध्यान राखूला। थू चाय झट वणाय दे।

धानपुरा मे ई रात भर पचायती चालती री। गाम रा पनरै आदमी थाणा मे वद होवण सू घर-घर कळकळौ मच्यौडौ हो। गाम मे दो आदमी पुलिस रा खास मानीता हा—पुजारी परमानद अर चौवटियौ फौजराज। थाणा मे नवौ थाणादार आवतौ जरे करैई एक रौ पलडौ फारी रैवतौ तो करैई दूजा रौ। अवार फौजा रौ सितारौ तेज हो। वो थाणादार री मूछ रौ वाल वण्यौडौ हो। खटरा कद रौ फौजो चोवटियौ घर मे एकल वादर इज हो। नी राड रोवण नै ही, नी भैस दोवणनै अरनी सूपडौ सोवण नै। आगै ई हाथ अर लारै ई हाथ, रक्षा करै गुरु गोरखनाथ। चूधी सीक आख्या, भारत रौ नकसौ व्है जिसौ चे'रौ, जावडा दोनू कानी वैठौडा, जाणै एक कानी हिंद महासागर अर दूजै कानी, वगाल री खाडी। हाथा-पगारी नाडा निकळयौडी पण जवान ठाला भूला री डोढ हाथ लावी। असली कवडियौ—खापरियौ कैवणौ चाहिजै वाइज मूरत। कोई झूठौ मुकद्दमौ करणौ व्हे, कोई खोटा खत मे साख घालणी व्हे, कोई कूडी गवाही देवणी व्है तो ए काम फौजा रा। पुलिस रे वास्तै वो घणौ काम रौ आदमी हो। अठी उठी री खवरा लावणी, थाणादारा री गाय वास्तै फळगटी अर मुसीजी री वकरिया वास्तै पाला रौ इतजाम करणौ ए सगळाई काम फौजा रे जिम्मै हा। इण वास्तै पुलिस जठै चूरमा करती ऐठौ-चूठौ इणनै ई मिळ जावतौ।

दिनूगै गाम वाळा भेळा होय नै फौजराज खनै पूगा अर कैवण लाग्या—चौवटियाजी, अवै गामरी इज्जत आपरै हाथ है। कियाई करनै आप थाणादार नै मनावौ अर आपण आदमिया नै छुडाय नै लावौ।

फौजौ आख्या मिचमिचाय नै खेखारौ करतौ वोल्यौ—म्हु थानै कैवू देखौ भई, थाणादार म्हारै काका रौ वेटौ तौ लागै कोनी, कामी हरामी है अर पेट सवरा पोला है। म्हू थानै कैवू कतल रौ केस ठेरियो सो कोरे भाणै तौ आरती व्हेनी अर घोडौ घास सू दोस्ती राखै तो खावै किणनै ? इण वास्तै जे फी आदमी एक सौ रुपिया रौ इतजाम वैठतौ व्हे तो म्हू

कांई इतरौ हल्कौ व्हैग्यौ है के उणरौ यं अपमांन कियौ जावै। मां जनम री देणैर [illegible] सगळा [illegible] है, उण सगली री यूं अपमान करता [illegible] चाहिजै।

अवकै खां सा'व लचकाणा पडग्या। वोल्या—ठीक है, ठीक है, अवै ध्यान राखूला। थू चाय झट वणाय दे।

धानपुरा मे ई रात भर पचायती चालती री। गाम रा पनरै आदमी थाणा मे वद होवण सू घर-घर कळकळौ मच्यौडौ हो। गाम में दो आदमी पुलिस रा खास मानीता हा—पुजारी परमानद अर चौवटियौ फौजराज। थाणा मे नवौ थाणादार आवतौ जरे करैई एक रौ पलडौ भारी रैवतौ तो करैई दूजा रौ। अवार फौजा रौ सितारौ तेज हो। वो थाणादार री मूछ रौ वाल वण्यौडौ हो। खटरा कद रौ फौजो चोवटियौ घर मे एकल वादर इज हो। नी राड रोवण नै ही, नी भैंस दोवणनै अरनी सूपडी सोवण नै। आगै ई हाथ अर लारै ई हाथ, रक्षा करै गुरु गोरखनाथ। चूधी सीक आख्या, भारत रौ नकसौ व्है जिसौ चे'रौ, जावडा दोनू कानी वैठौडा, जाणै एक कानी हिंद महासागर अर दूजै कानी, वगाल री खाडी। हाथा-पगारी नाडा निकळयौडी पण जवान ठाला भूला री डोढ हाथ लावी। असली कवडियौ—खापरियौ कैवणौ चाहिजै वाइज मूरत। कोई झूठौ मुकद्दमौ करणौ व्है, कोई खोटा खत मे साख घालणी व्है, कोई कूडी गवाही देवणी व्है तो ए काम फौजा रा। पुलिस रे वास्तै वो घणौ काम रौ आदमी हो। अठी उठी री खवरा लावणी, थाणादारा री गाय वास्तै फळगटी अर मुसीजी री वकरिया वास्तै पाला रौ इतजाम करणौ ए सगळाई काम फौजा रे जिम्मै हा। इण वास्तै पुलिस जठै चूरमा करती ऐंठौ-चूठौ इणनै ई मिळ जावतौ।

दिनूगै गाम वाळा भेळा होय नै फौजराज खनै पूगा अर कैवण लाग्या—चौवटियाजी, अवै गामरी इज्जत आपरै हाथ है। कियाई करनै आप थाणादार नै मनावौ अर आपण आदमिया नै छुडाय नै लावौ।

फौजो आख्या मिचमिचाय नं खेखारौ करतौ वोल्यौ—म्हु थानै कैवू देखौ भई, थाणादार म्हारै काका रौ वेटौ तौ लागै कोनी, कामी हरामी है अर पेट सवरा पोला हे। म्हू थानै कैवू कतल री केस ठेरियौ सो कोरे भाणै तौ आरती व्हैनी अर घोडौ घास सू दोस्ती राखै तो खावै किणनै? इण वास्तै जे फी आदमी एक सौ रुपिया रौ इतजाम वैठतौ व्है तो म्हू

जायनै थाणादार सू वात करू। नी तो थे कैय दियौ अर म्है सुण लियौ। आगै ज्यू जोग है ज्यू व्हैला। पछै म्हनै दोस मत दीजौ।

मेदा लकडी काई भाव के पीड प्रमाणै। घडी भरिया मे रुपिया पनरै सौ रोकडा लायनै लोगा फौजा रे पल्ला मे घाल दिया अर दिन आथमिया पे'ली पनरैई आदमी छूटनै पाछा वाडै वळता व्हैग्या। नाणौ काई नी करै। रुपियौ वडी रसाळ ऐहृदा नै ई सैधौ करै। पण मार खाय-खाय नै ज्यारा डील सूज्यौडा हा वारै मन मे तो ओ भौ तीर री गळाई सालतौ हो के जे खूनी रौ पतौ नी लाग्यौ तो सगळा नैई पाछौ थाणै जावणौ पडैला। अर थाणै पाछौ जावण रौ मतळव हो के मौत रा मूडा मे जावणौ। सो पूरा ई गाम इण कोसिस मे लागग्यौ के कियाई करनै असली खूनी रौ पतौ लाग जावै तो कसूरवार नै डड मिळै अर दूजा रौ गाळौ निकळै।

गाम राम है, लारै पड जावै तो पतौ काई नी लागै कोसिस करण सू ठा पडी के जिण दिन टावर रौ खून हुयौ, उण दिन गाम रै गोर मे नटिया रा डेरा पड्या हा, जिकौ दूजै दिन इज आगै चालता वण्या। नटिया ई चोर नटिया हा, राज नट नी हा। दूजी वात, उण दिन गाम रै खनै होय नै वाळद निकळी ही। अर तीजी खवर आ मिळी के कान जी रा वेटा वळदेव नै, जो कॉलेज री छुट्टिया मे घरै आयौडौ हो, उणीज दिन उण सुनार रा वेटा रे सागै टावरा देख्यौ हो।

कानजी रे सागै फौजराज चौवटिया अर परमानद पुजारी री जूनी अदावदी चालती ही। कारण के चौवटियौ तो दो-तीन वार गाम मे वाड कूदतौ पकडी ज्यौ जद कान जी इणनै झाल ने सागैडौ वजायौ हो अर पुजारी महाराज ई कई वार लपेटा मे आया हा अर दाता तिरणा लेय नै छूटा हा। कान जी घर मे खावतौ-पीवतौ होवण सू नाम मे कडंया रे आखै चढचौडौ हो। पण रास्तै चालणियौ होवण सू उणनै दवावण री कोई नै कदै ई मौको इज नी मिळ्यौ। कानजी मिलट्री रौ रिटायर हेड एक साधारण घर घणी आदमी हो। घर मे सुलक्खणी रजपूताणी, मोट्यार वेटौ, वडेरा रे हाथ री काजू जमीन अर पेसन री रकम सू वारौ गाडौ मजा सू गुडकतौ हो। गाम मे उणारौ ओ ढग हो के नी किणी सू दोस्ती अर नी किणी सू वैर। मारग आवणौ अर मारग जावणो। खाटी खाणौ न कोई पडी उठावणी। पोतारी मौज मे मस्त रैवणौ। पण एक

जायनै थाणादार सू बात करू। नी तो थे कैय दियौ अर म्है सुण लियौ। आगै ज्यू जोग है ज्यू व्हैला। पछै म्हनै दोस मत दीजौ।

मेदा लकडी काई भाव के पीड प्रमाणै। घडी भरिया मे रुपिया पनरै सौ रोकडा लायनै लोगा फौजा रे पल्ला मे घाल दिया अर दिन आथमिया पे'ली पनरैई आदमी छूटनै पाछा वाडै वळता व्हैग्या। नाणौ काई नी करै। रुपियौ वडी रसाळ ऐहदा नै ई सैंधौ करै। पण मार खाय-खाय नै ज्यारा डील सूज्यौडा हा वारै मन मे तो ओ भौ तीर री गळाई सालतौ हो के जे खूनी रौ पतौ नी लाग्यौ तो सगळा नैई पाछौ थाणै जावणौ पडैला। अर थाणै पाछौ जावण रौ मतळव हो के मौत रा मूडा मे जावणौ। सो पूरा ई गाम इण कोसिस मे लागग्यौ के कियाई करनै असली खूनी रौ पतौ लाग जावै तो कसूरवार नै डड मिळै अर दूजा रौ गाळौ निकळै।

गाम राम है, लारै पड जावै तो पतौ काई नी लागै कोसिस करण सू ठा पडी के जिण दिन टावर रौ खून हुयौ, उण दिन गाम रै गोर मे नटिया रा डेरा पड्या हा, जिकौ दूजै दिन इज आगै चालता वण्या। नटिया ई चोर नटिया हा, राज नट नी हा। दूजी वात, उण दिन गाम रै खनै होय नै वाळद निकळी ही। अर तीजी खवर आ मिळी के कान जी रा वेटा वळदेव नै, जो कॉलेज री छुट्टिया मे घरै आयौडौ हो, उणीज दिन उण सुनार रा वेटा रे सागै टावरा देख्यौ हो।

कानजी रे सागै फौजराज चौवटिया अर परमानद पुजारी री जूनी अदावदी चालती ही। कारण के चौवटियौ तो दो-तीन वार गाम मे वाड कूदतौ पकडी ज्यौ जद कान जी इणनै झाल ने सागैडौ वजायौ हो अर पुजारी महाराज ई कई वार लपेटा मे आया हा अर दाता तिरणा लेय नै छूटा हा। कान जी घर मे खावतौ-पीवतौ होवण सू नाम मे कईया रे आखै चढचौडौ हो। पण रास्तै चालणियौ होवण सू उणनै दवावण री कोई नै कदै ई मौको इज नी मिळ्यौ। कानजी मिलट्री रौ रिटायर हेड एक साधारण घर धणी आदमी हो। घर मे सुलक्खणी रजपूताणी, मोट्यार वेटौ, वडेरा रे हाथ री काजू जमीन अर पेसन री रकम सू वारौ गाडौ मजा सू गुडकतौ हो। गाम मे उणारी ओ ढग हो के नी किणी सू दोस्ती अर नी किणी सू वैर। मारग आवणौ अर मारग जावणौ। खटी खाणी न कोई पडी उठावणी। पोतारी मौज मे मस्त रैवणौ। पण एक

बात कानजी मे बडी [illegible] लुच्चाई-लफगाई अर चोरी-जारी सू बडी चिड ही। गाम मे जद कदै ई ईसी बात सुणण मे आवती उणरौ लोही ऊकळण लाग जावतौ। उणरौ बस चालतौ तो वो कवडिया खापरिया री घाटकी मुरड'र नाख देवतौ।

कानजी री लुगाई इण मामला मे उण सू ई दो पावडा आगै ही। पूरी मरदानी औरत ही। वा कह्या करती के साफौ बाधै जितरा सगळाई आदमी नी व्हे अर ओरणौ ओढै जितरी सगळी ई लुगाया नी व्है। धान-पुर गाम लूटाणौ जद कानजी तो घरै नी हो पण आ डाकण बदूक झाल'र फळसा माथै ऊभी व्हैगी ही। घणी दोरी लोगा उणन पकड'र घर मे विठाई ही।

कानजी रै बेटा रौ नाम इण कतल रा मामला मे आवण सू पुजारी परमानद जोर-जोर सू बोलण लाग्यौ—सिवहरै, सिवहरै, घोर कळजुग आयग्यौ। इण गाम री पुन्याई अबै खत्म व्हैगी। फौजौ चौवटियौ बोल्यौ—म्हू थानै कैवू, समझया के नी, म्हनै तो आ पे'लीज ठा ही के इण कतल रा मामला मे कोई मोटी मुरगी रौ हाथ व्हैणौ चाहिजै। हराम खोर बगला भगत बण्या फिरै—म्हू थानै कैवू अर इसा नीच काम करै—चोरा रा सिरिपूज। अर इसा नीच काम करै—चोरा रा सिरिपूज। इसा नालायका रौ मूडौ देख्या ई पाप लागै। घणा दिन व्हिया हे कानजी ठाकरा नै डोढा-डोढा चालता नै, अबके रेवडी री फेट मे आया है, समझ्या के नी। जे तीन सौ दो मे फसाय नै सगळी टेटाई नी काढ दू, म्हू थानै कैवू तो म्हारौ नाम फौजौ चौवटियौ नी।

* * *

थाणा मे नव नटिया अर बार बाळदिया पकडीज्या। तीन दिना ताई जरद उडता रह्या। बाळदिया कूकता रह्या

—दादा रे दादा! मत मार रै दादा! कबूतरिया कूकती री—बाप रै बाप! क्यूं मारे रै बाप! अर थाणा रा कोटर मे जुबैदा कूकती री—खुदा रै खुदा! थू ही मालिक है रै खुदा!

पण नतीजौ काई नी निकळयौ। चौथे दिन नटिया अर वणजारा तौ पुलिस-देवता नै नाळेर समेत धोक देय नें भाग छूटा पण बळदेव वल्द कान जी री गिरैदसा बोदी आयगी। उणनै कॉलेज मे इज गिरफ्तार कियौ अर रातौ रात लायनै थाणा मे दाखल कर दियौ। उठीनै सूरज ऊगौ

वात कानजी मे वडी [illegible] लुच्चाई-लफगाई अर चोरी-जारी सू वडी चिड ही। गाम मे जद कदै ई ईसी वात सुणणमे आवती उणरी लोही ऊकळण लाग जावतौ। उणरौ वस चालतौ तो वो कवडिया खापरिया री घाटकी मुरड'र नाख देवतौ।

कानजी री लुगाई इण मामला मे उण सू ई दो पावडा आगै ही। पूरी मरदानी औरत ही। वा कह्या करती के साफौ वाधै जितरा सगळाई आदमी नी व्है अर ओरणौ ओढै जितरी सगळी ई लुगाया नी व्है। धान-पुर गाम लूटाणो जद कानजी तो घरै नी हो पण आ डाकण वदूक झाल'र फळसा माथै ऊभी व्हैगी ही। घणी दोरी लोगा उणन पकड'र घर मे विठाई ही।

कानजी रे वेटा रौ नाम इण कतल रा मामला मे आवण सू पुजारी परमानद जोर-जोर सू वोलण लाग्यौ—सिवहरै, सिवहरै, घोर कळजुग आयग्यौ। इण गाम री पुन्याई अवै खत्म व्हैगी। फौजौ चौवटियौ वोल्यौ—म्हू थानै कैवू, समझया के नी, म्हनै तो आ पे'लीज ठा ही के इण कतल रा मामला मे कोई मोटी मुरगी रौ हाथ व्हैणौ चाहिजै। हराम खोर वगला भगत वण्या फिरै—म्हू थानै कैवू अर इसा नीच काम करै—चोरा रा सिरिपूज। अर इसा नीच काम करै—चोरा रा सिरिपूज। इसा नालायका रौ मूडौ देख्या ई पाप लागै। घणा दिन व्हिया है कानजी ठाकरा नै डोढा-डोढा चालता नै, अवके रेवडी री फेट मे आया है, समझ्या के नी। जे तीन सौ दो मे फसाय नै सगळी टेटाई नी काढ दू, म्हू थानै कैवू तो म्हारौ नाम फौजौ चौवटियौ नी।

★ ★ ★

थाणा मे नव नटिया अर वार वाळदिया पकड़ीज्या। तीन दिना ताई जरद उडता रह्या। वाळदिया कूकता रह्या

—दादा रे दादा! मत मार रै दादा! कवूतरिया कूकती री—वाप रै वाप! क्यूँ मारे रै वाप! अर थाणा रा कोटर मे जुवैदा कूकती री—खुदा रै खुदा! थू ही मालिक है रै खुदा!

पण नतीजौ काई नी निकळयौ। चौथे दिन नटिया अर वणजारा तौ पुलिस-देवता नै नाळेर समेत धोक देय नै भाग छूटा पण वळदेव वल्द कान जी री गिरँदसा वोदी आयगी। उणनै कॉलेज मे इज गिरफ्तार कियौ अर रातौ रात लायनै थाणा मे दाखल कर दियौ। उठीनै सूरज ऊगी

अर अठीनै उणरै जरवा उडणा सरू व्हिया ·ठै ठै···ठै ठै। सडिद · सडिद सडिद। खाल उधेड नाखी पण माटौ भाठौ बोलै तो मूडै बोलै। पुलिस मार-मार नै हैरान व्हेगी। थाणादार बोल्यौ— मूत पिलाय नै ऊधौ लटकाय दो सा ळानै।

हुकम री तामील हुई। आधाक घटा मे वो वे भान व्हैग्यौ। वो चेता चूक होय नै कूकियौ-म्हनै छोड दो-म्हू सब बताय दूला। सिपाहिया नीचौ उतार दियौ। थाणादार नेडै आवता ई उणरै मु डा माथै एक ठोकर जमाई, बोल साळा नी तो फाड नै खा जाऊला। वो डाफा चूक होय नै अटकतौ अटकतौ बौल्यौ—

—छोरा नै म्है मारियौ

—किया मरियौ ?

—टूपौ देय नै मारियौ।

—क्यू मारियौ रै ?

—म्हू उणनै मारणौ तौ नी चावै हो फगत उणरौ गैणौ उतार नै लेवणौ चावै हो। इण वास्तै म्हू उणनै पोटाय नै गोदी मे ऊचाया मसाण कानी लेय नै गयौ। उठै गैणौ उतारियौ तो वो कैवण लाग्यौ म्हारै बाबै नै कैय दू ला अर रोवण लागग्यौ। म्हे बदनामी रे डर सू उणरै टूपौ देय दियौ।

—वो सगळौ गैणौ कठै ?

—आधौक तो वेच दियौ अर आधौ म्हारी होस्टल रे भीत लारै जमीन मे गाडचौडौ है।

—थें उण पैसा रो काई करयो ?

—आधा पैसा तो दारू सिनेमा अर खावण-पीवण मे खरच व्हैग्या अर आधा मागता पेटै दे दिया।

—मर स्साळा हरामी तेरी· थाणादार एक वजनी गाळ ठरकाय दी अर कागदिया पूरा करनै मुलजिम नै हवालात मे वद कर दियौ।

चोखी वात फैलता नै जेज लागै पण भूडी वात तो पवन रे वेग उडै। रेडियौ मे खवर पूगै ज्यू आ खवर धानपुर पूगी तो गाम मे सळवली माचगी। मिनखा रा अबै मूडा जितरी ई वाता। कानजी माथै तो जाणै विजळी पडगी। पगा हेटै मू धरती खिसकगी। उणनै सुपना मे ई आ ठा नी है के उणरी सतान इसी ना जोगी निपजैला। लडका नै सहर मे भेज्यौ

अर अठीनै उणरै जरवा उडणा सरू व्हिया ·ठै ठै···ठै ठै। सडिद सडिद सडिद। खाल उधेड नाखी पण माटौ भाठौ बोलै तो मूडै बोलै। पुलिस मार-मार नै हैरान व्हैगी। थाणादार बोल्यौ— मूत पिलाय नै ऊधौ लटकाय दो सा ळानै।

हुकम री तामील हुई। आधाक घटा मे वो वे भान व्हैग्यौ। वो चेता चूक होय नै कूकियौ-म्हनै छोड दो-म्हू सब बताय दूला। सिपाहिया नीचौ उतार दियौ। थाणादार नेडै आवता ई उणरै मु डा माथै एक ठोकर जमाई, बोल साळा नी तो फाड नै खा जाऊला। वो डाफा चूक होय नै अटकतौ अटकतौ बौल्यौ—

—छोरा नै म्है मारियौ

—किया मरियौ ?

—टूपौ देय नै मारियौ।

—क्यू मारियौ रै ?

—म्हू उणनै मारणौ तौ नी चावै हो फगत उणरी गैणौ उतार नै लेवणौ चावै हो। इण वास्तै म्हू उणनै पोटाय नै गोदी मे ऊचाया मसाण कानी लेय नै गयौ। उठै गैणौ उतारियौ तो वो कैवण लाग्यौ म्हारै बावै नै कैय दू ला अर रोवण लागग्यौ। म्है वदनामी रे डर सू उणरै टूपौ देय दियौ।

—वो सगळौ गैणौ कठै ?

—आधौक तो वेच दियौ अर आधौ म्हारी होस्टल रे भीत लारै जमीन मे गाडयौडौ है।

—थें उण पैसा रो काई करयो ?

—आधा पैसा तो दारू सिनेमा अर खावण-पीवण मे खरच व्हैग्या अर आधा मागता पेटै दे दिया।

—मर स्साळा हरामी तेरी· थाणादार एक वजनी गाळ ठरकाय दी अर कागदिया पूरा करनै मुलजिम नै हवालात मे वद कर दियौ।

चोखी बात फैलता नै जेज लागै पण भूडी बात तो पवन रे वेग उडै। रेडियौ मे खवर पूगै ज्यू आ खवर धानपुर पूगी तो गाम मे सळवली माचगी। मिनखा रा अवै मूडा जितरी ई बाता। कानजी माथै तो जाणै विजळी पडगी। पगा हेटै सू धरती खिसकगी। उणनै सुपना मे ई आ ठा नी है के उणरी सतान इसी ना जोगी निपजैला। लडका नै सहर मे भेज्यौ

तो इण वास्तै हो के पढ लिख'र हुसियार वणैला अर कुळ रौ नाम वधा-वैला। पण इण नालायक तो कुळ नै डुवोय नाख्यो।

उणनैं मन मे आ सोच'र सतोख व्हियौ के छोरा नै फासी जरूर व्है जाएला। पण थोडी 'क ताळ मे मन जाणै कीकर ई होवण लाग्यौ अर मायनै सू काळजौ तूटण लाग्यौ। वाप रौ जीव हो अर एकाएक टावर। फासी रौ ध्यान आवता ई माथौ भमण लाग्यौ। इणरै सागै-सागै कानजी नै घर ग्वाडी री मान मरजाद रौ ख्याल आयौ अर याद आयौ फौजौ चौवटियौ नै परमानन्द पुजारी। उणरौ विचार एक दम वदळग्यौ। कियाई व्हौ,घर, ग्वाडी अर वडेरा री इज्जत नैं वचावणो पडैला दोखिया अर दुस्मिया नै तो दवावणाइज पडैला।

घर रे मायनै सू रोवण री आवाज़ आई। कानजी घर मे गयौ। आज उणरी जिंदगी मे ओ पे' लौ मौको हो के उणै आपरी लुगाई नै इण भात रोवता देखी ही। कानजी नै देखता ई वा भच्च करती बैठी व्हैगी। वाल विखरयौडा अर आख्या राती चुट्ट-जाणै खीरा धुकै,विकराळ रूप व्हियौडी। वा वोली—इण पापी तौ म्हारी कूख लजाय नाखी, म्हारा दूध नै दाग लगाय दियौ। म्हारौ फरजद अर इसौ नाजोगौ? उणरै किण वात री कमी ही? इसौ ना जोगौ काम क्यू कियौ? म्है उणरै जनमता पाण टू पौ क्यू नी दे दियौ, म्हू पापण क्यू नव महीना इण दुस्टी रौ भार ऊचाया फिरी! लावौ - छुरी लावो अर म्हारा इण नकामा पेट नै काट'र नाख दो, जिणमे ओ पापी नव महीना लोटियौ, म्हारै इण जहरी हाचळा रा टुकडा-टुकडा कर नाखौ, जिणा नै चूस'र ओ काळौ नाग मोटौ व्हियौ।

कानजी हाक-वाक व्हेग्यौ। वो आपरी लुगाई री रीस नै आछी तरिया जाणै हो। उणै कह्यौ-थोडी धीरै वोल भली मिनख, कोई वाड काटौ सुणैला, कतल रौ मामलौ है अर हाल मुकद्दमौ ई दरज व्हैणौ है।

—म्हू धीरै वोलू? इण दुस्टी रा पाप नै छिपावण नै म्हू धीरै वोलू? साची कैय दू ओ थारौ अस इज नी है। ये एकर चौ वार कैय दो के ओ म्हारो अस इज नी हे। इण सू म्हारी वदनामी व्हेला पण म्हनै म्हारी वदनामी रौ एक रत्ती भर ई भौ नी है। म्हारी कूख नै तो दाग लगा इज गियौ, पण कम सू कम थारौ पख तो उजळौ रैय जावैला।

कानजी काना मे आगळिया घाल दी। उणरौ माथौ भमण लाग्यौ। उणै कह्यौ-ओ थारौ भरम है के म्हनै उणनालायक सू मोह हे। म्हारौ वस

तो इण वास्तै ही के पढ लिख'र हुसियार वणैला अर कुळ रौ नाम वधा-वैला। पण इण नालायक तो कुळ नै डुवोय नाख्यौ।

उणनै मन मे आ सोच'र सतोख व्हियौ के छोरा नै फासी जरूर व्है जाएला। पण थोडी 'क ताळ मे मन जाणै कीकर ई होवण लाग्यौ अर मायनै सू काळजौ तूटण लाग्यौ। वाप रौ जीव हो अर एकाएक टावर। फासी रौ ध्यान आवता ई माथौ भमण लाग्यौ। इणरै सागै-सागै कानजी नै घर ग्वाडी री मान मरजाद रौ ख्याल आयौ अर याद आयौ फौजौ चौवटियौ नै परमानन्द पुजारी। उणरौ विचार एक दम वदळग्यौ। कियाई व्हौ,घर, ग्वाडी अर वडेरा री इज्जत नै वचावणो पडैला दोखिया अर दुस्मिया नै तो दवावणाइज पडैला।

घर रे मायनै सू रोवण री आवाज आई। कानजी घर मे गयौ। आज उणरी जिदगी मे ओ पे' लौ मौकौ हो के उणै आपरी लुगाई नै इण भात रोवता देखी ही। कानजी नै देखता ई वा भच्च करती बैठी व्हैगी। वाल विखरयौडा अर आख्या राती चुट्ट-जाणै खीरा धुकै,विकराळ रूप व्हियौडी। वा वोली—इण पापी तौ म्हारी कूख लजाय नाखी, म्हारा दूध नै दाग लगाय दियौ। म्हारौ फरजद अर इसौ नाजोगौ? उणरै किण वात री कमी ही? इसौ ना जोगौ काम क्यू कियौ? म्है उणरै जनमता पाण टू पौ क्यू नी दे दियौ, म्हू पापण क्यू नव महीना इण दुस्टी रौ भार ऊचाया फिरी! लावौ - छुरी लावौ अर म्हारा इण नकामा पेट नै काट'र नाख दो, जिणमे ओ पापी नव महीना लोटियौ, म्हारै इण जहरी हाचळा रा टुकडा-टुकडा कर नाखौ, जिणा नै चूस'र ओ काळौ नाग मोटौ व्हियौ।

कानजी हाक-वाक व्हैग्यौ। वो आपरी लुगाई री रीस नै आछी तरिया जाणै हो। उणै कह्यौ-थोडी धीरै वोल भली मिनख, कोई वाड काटौ सुणैला, कतल रौ मामलौ है अर हाल मुकद्दमौ ई दरज व्हैणौ है।

—म्हू धीरै वोलू? इण दुस्टी रा पाप नै छिपावण नै म्हू धीरै वोलू? साची कैय दू ओ थारी अस इज नी है। थे एकर चौ वार कैय दो के ओ म्हारी अस इज नी है। इण सू म्हारी वदनामी व्हैला पण म्हनै म्हारी वदनामी रौ एक रत्ती भर ई भौ नी हे। म्हारी कूख नै तो दाग लगा इज गियौ, पण कम सू कम थारौ पख तो उजळौ रैय जावैला।

कानजी काना मे आगळिया घाल दी। उणरौ माथौ भमण लाग्यौ। उणै कह्यौ-ओ थारौ भरम है के म्हनै उणनालायक सू मोह है। म्हारौ वस

चाळै तो अवार उण रा टुकडा-टुकडा कर नाखू। पण सवाल उण नालायक रौ नी है, सवाल घर अर ग्वाडी री इज्जत रौ है। सवाल वडेरा री मान मरजादा रौ है अर सब सू वडौ सवाल गाम मायला इण कवडिया, खाप-रिया अर दोखिया रौ हैं। जिका नै म्हे सेंग उमर दवायनै राख्या पण आज वे आपा माथै मुसीबत आई देखनै कारवा कूटै है। सो वारा मरमट गाळण वास्तै नी चावता थकाई एकर तो म्हनै उण नालायक ने म्हनैं[वरी करावणौ इज पडैला। भलै ई इणरै वास्तै घर धोयनै धवळौ कर देवणौ पडै। पछै म्हू इण दुस्टी रौ मूडौ ई नी देखणौ चावू।

* * *

जिण वखत कानजी थाणा मे पूगौ उण वखत थाणादार रहीमवगस नमाज पढ'र कोटर वारै आयौ इज हो। वो उणनै देख'र वोल्यौ- कहो सिरिमानजी, म्हू आपरी काई सेवा कर सकू ?

कानजी भागौडी वैचडी माथै वैठ'र निसासा नाखतौ वोल्यौ—हजूर म्हू उण अभागिया छोरा रौ वाप हू जो कतल रा केस मे आपरा थाणा मे वद है।

—ठीक तो थू उणरौ वाप है। वडो खतरनाक छोरौ है। उण माथै तीन सौ दो पूरौ लागू व्हैग्यौ है, वचणौ मुसकल है।

—हजूर आप वडा हो, सामरथ हो, इणनै कियाई वचाय दो, म्हारौ एका एक छोरौ है। म्हू आपरी हर तरै सू सेवा करण नै तैयार हू। अवै मरणवाळौ तो मरग्यौ, वो तो पाछौ आवै नी अर एक हत्या ,फेर व्है जाएला। इतरौ कैयनै कानजी एक हजार रा नोट काढ नै मेज माथै राख दिया। खा सा'व देख्यौ के मुरगी तो माती दीसै। वो वोल्यौ—नी, नी, इणरी कोई जरूरत नी हे। ओ कतल रौ केस है, कोई हसी ठट्ठा नी है।

कानजी पाच सौ रा नोट काढ ने और धर दिया अर हाथ जोडनै वोल्यौ—हजूर गरीव आदमी हू, थोडी दया करो, उमर भर आपरौ एह-सान नी भूलू ला।

—सिरिमानजी ओ तीन सौ दो रौ मामलौ है, आपनै ध्यान व्हैणौ चाहिजै। तीन हजार मू एक पाई कम नी चालै।

सेवट हा-मा करनै दो हजार मे मामलौ वैठग्यौ।

थाणादार कह्यौ—म्हारी तरफ सू म्हू अदालत मे वेगा मू वेगौ चालान पेस कर दला। मौका री अर चस्मदीद गवाह म्हू होवण दूला

चाळै तो अबार उणरा टुकडा-टुकडा कर नाखू । पण सवाल उण नालायक रौ नी है, सवाल घर अर ग्वाडी री इज्जत रौ है । सवाल वडेरा री मान मरजादा रौ है अर सब सू वडौ सवाल गाम मायला इण कवडिया, खाप-रिया अर दोखिया रौ हैं । जिका नै म्है सैग उमर दवायनै राख्या पण आज वे आपा माथै मुसीवत आई देखनै कारवा कूटै है । सो वारा मरमट गाळण वास्तै नी चावता थकाई एकर तो म्हनै उण नालायक ने म्हनैं वरी करावणी इज पडैला । भलै ई इणरै वास्तै घर धोयनै धवळौ कर देवणौ पडै । पछै म्हू इण दुस्टी रौ मूडौ ई नी देखणी चावू ।

* * *

जिण वखत कानजी थाणा मे पूगौ उण वखत थाणादार रहीमवगस नमाज पढ'र कोटर वारै आयौ इज हो । वो उणनै देख'र वोल्यौ– कहो सिरिमानजी, म्हू आपरी काई सेवा कर सकू ?

कानजी भागीडी वैचडी माथै वैठ'र निसासा नाखतौ वोल्यौ—हजूर म्हू उण अभागिया छोरा रौ वाप हू जो कतल रा केस मे आपरा थाणा मे वद है ।

—ठीक तो थू उणरौ वाप है । वडौ खतरनाक छोरौ है । उण माथै तीन सौ दो पूरौ लागू व्हैग्यौ है, वचणौ मुसकल है ।

—हजूर आप वडा हो, सामरथ हो, इणनै कियाई वचाय दो, म्हारौ एका एक छोरौ है । म्हू आपरी हर तरै सू सेवा करण नै तैयार हू । अवै मरणवाळौ तो मरग्यौ, वो तो पाछौ आवै नी अर एक हत्या ,फेर व्है जाएला । इतरौ कैयनै कानजी एक हजार रा नोट काढ नै मेज माथै राख दिया । खा सा'व देख्यौ के मुरगी तो माती दीसै । वो वोल्यौ—नी, नी, इणरी कोई जरूरत नी है । ओ कतल रौ केस है, कोई हसी ठट्ठा नी है ।

कानजी पाच सौ रा नोट काढ ने और धर दिया अर हाथ जोडनै वोल्यौ—हजूर गरीव आदमी हू, थोडी दया करौ, उमर भर आपरौ एह-सान नी भूलू ला ।

—सिरिमानजी ओ तीन सौ दो रौ मामलौ है, आपने ध्यान व्हैणौ चाहिजै । तीन हजार मू एक पाई कम नी चालै ।

सेवट हा-मा करनै दो हजार मे मामलौ वैठग्यौ ।

थाणादार कहयौ—म्हारी तरफ सू म्हू अदालत मे वेगा मू वेगौ चालान पेस कर दला । मौका री अर चस्मदीद गवाह म्हू होवण दूला

नी। पण इण पे'ली थानै पी० आई० सा'ब, सरकल सा'ब अर डी० एस० पी० सा'ब नै मिळणौ पडैला। कोई ढग रौ वकील ई करणौ पडैला। इणरै अलावा एस० पी० अर जज माथै कोई ऊपर सू दबाण नाखण री कोसिस करणी पडैला, जद कठैई जायनै मामलौ बैठौ तो बैठैला। एक वात फेर कैय दू। इण पैसा रौ कठैई जिकर मत कीजौ, म्हू इण मे सू एक पाई पण कोई नै नी दूला, सो आ वात पण पे'ली समझ लीजौ।

पछै नोट उठायनै कोट री मायली जेव मे हिफाजत सू घालतौ वोल्यौ—

दुनिया साळी कैवे के पुलिस वेईमान है, म्हू पूछू के आज रै जमाना मे कुण वेईमान नी है ? ए ब्लेक करणिया वैपारी, ए रिस्वता ठोकणिया मोटा-मोटा अफसर, ए ठेका परमिट देवणिया नेता, सगळाई तो म्हारा भाई वन्द है। पछै म्हानै इज क्यू वदनाम किया जावै ?

—आपरौ फरमावणौ वाजव है हजूर, कुए भाग पडचौडी है। कोई नै दोस देवण रौ काम कोनी। कानजी खुसामद रे सुर मे वोल्यौ अर रामा सामा करनै थाणा रे वारै निकळचौ तो जाणै गढ जीत लियौ।

ऊखळ मे माथौ दिया पछै घम्मीडा सू काई डरणौ सो थाणादार री सलाह माफक कानजी पी० आई०, सरकल अर डी० एस० पी० सगळा नै ई मिळ लियौ। पण हाल ताई तो दो देवता अणपूजिया बैठचा हा—एस० पी० अर जज। वारै वास्तै ऊपरला दबाण री जरूरत ही। कानजी नै अखैराज एम० एल० ए० याद आयौ। सात भूडौ तो ई जात भाई हो। इण अवखी वेळा मे वो काम नी आवैला तो कठै सुरगा मे आडौ आवैला। वो दूजोडै दिन इज एम० एल० ए० सा'ब रे बगळै जाय नै हाजर व्हियौ।

माया थारा तीन नाम—फूसौ, फरसौ, फरसराम। एमलै सा'ब रै जनम रौ नाम उखरडौ हौ पण च्यार पैसा कमाया तो ओखाराम व्हेग्यौ अबै धीरे-धीरे अखैराज व्हैग्यौ। अखैराज रौ वाप एक दो भैस्यॉ राखतौ अर घर-घर फिरनै दूध वेचतौ। स्यात् अखैराज पण सैग उमर दूध ईज वेचतौ पण करम कोई कुणरा खोलनै देख्या है। पाचवी-सातवी ताई पढ लियौ। आवारागरदी मे फिरता-फिरता भाखण देवणा सीख लिया अर धीरै-धीरै छोटौ-मोटौ नेता वणग्यौ। बोलणौ ढग सर आवतौ कोनी सो जयहिन्द नै जायहिंद कैवतौ अर सुराज नै छू राज, तो ई गामडा मे तो वो नेता इज गिणीजतौ।

नी। पण इण पे'ली थानै पी० आई० सा'व, सरकल सा'व अर डी० एस० पी० सा'व नै मिळणौ पडैला। कोई ढग री वकील ई करणौ पडैला। इणरै अलावा एस० पी० अर जज माथै कोई ऊपर सू दबाण नाखण री कोसिस करणी पडैला, जद कठैई जायनै मामलौ बैठौ तो बैठैला। एक वात फेर कैय दू। इण पैसा रौ कठैई जिकर मत कीजौ, म्हू इण में सू एक पाई पण कोई नै नी दूला, सो आ बात पण पे'ली समझ लीजौ।

पछै नोट उठायनै कोट री मायली जेव मे हिफाजत सू घालतौ वोल्यौ—

दुनिया साळी कैवे के पुलिस वेईमान है, म्हू पूछू के आज रै जमाना मे कुण वेईमान नी है ? ए ब्लेक करणिया वैपारी, ए रिस्वता ठोकणिया मोटा-मोटा अफसर, ए ठेका परमिट देवणिया नेता, सगळाई तो म्हारा भाई बन्द है। पछै म्हानै इज क्यू बदनाम किया जावै ?

—आपरौ फरमावणौ वाजब है हजूर, कुए भाग पड्यौडी है। कोई नै दोस देवण रौ काम कोनी। कानजी खुसामद रे सुर मे वोल्यौ अर रामा सामा करनै थाणा रे बारै निकळ्यौ तो जाणै गढ जीत लियौ।

ऊखळ मे माथौ दिया पछै धम्मीडा सू काई डरणौ सो थाणादार री सलाह माफक कानजी पी० आई०, मरकल अर डी० एस० पी० सगळा नै ई मिळ लियौ। पण हाल ताई तो दो देवता अणपूजिया बैठ्या हा—एस० पी० अर जज। वारै वास्तै ऊपरला दबाण री जरूरत ही। कानजी नै अखैराज एम० एल० ए० याद आयौ। सात भूडौ तो ई जात भाई हो। इण अवखी वेळा मे वो काम नी आवैला तो कठै सुरगा मे आडौ आवैला। वो दूजोडै दिन इज एम० एल० ए० सा'व रे बगळै जाय नै हाजर व्हियौ।

माया थारा तीन नाम—फूसौ, फरसौ, फरसराम। एमलै सा'व रै जनम रौ नाम उखरडौ हौ पण च्यार पैसा कमाया तो ओखाराम व्हैग्यौ अबै धीरे-धीरे अखैराज व्हैग्यौ। अखैराज रौ वाप एक दो भैस्याँ राखतौ अर घर-घर फिरनै दूध वेचतौ। स्यात् अखैराज पण सँग उमर दूध ईज वेचतौ पण करम कोई कुण रा खोलनै देख्या है। पाचवी-सातवी ताई पढ लियौ। आवारागरदी मे फिरता-फिरता भाखण देवणा सीख लिया अर धीरै-धीरै छोटौ-मोटौ नेता वणग्यौ। वोलणौ ढग सर आवतौ कोनी सो जयहिन्द नै जायहिद कैवतौ अर सुराज नै छू राज, तो ई गामडा मे तो वो नेता इज गिणीजतौ।

आजादी री आधी आई सो धोरा री ठौड खाडा पडग्या अर खाडां री ठौड धोरा वणग्या। चुणाव रौ मौकौ आया वो खडौ व्हियौ अर न्यात-गगा री किरपा सू जीत नै विधानसभा मे पूगग्यौ। अबै क्यू पूछौ अखैराजजी सारी वाता। तीन-च्यार वरसा मे तो गाम मे पक्की वगळौ वणग्यौ अर भैंस्या वाधती उण ठौड जीप ऊभी रैवण लागी। मोटौडौ वेटौ मिडल फेल हो, वो जिला मे एक सेठ री हिस्सादारी मे सिमट रौ होल सेल डीलर वणग्यौ अर छोटोडौ इंजिनियरिंग कालेज जोधपुर मे पढण लाग्यौ।

कानजी जायनै एमलै सा'व नै रामा सामा किया तो आप वोला—जायहिंद! आवौ कानजी, आज तौ मारग भूलग्या काई?

कानजी आपरी पूरी रामायण सुणाय दी। पूरी वात सुण'र एमलै सा'व थोडी जेज तो चुप रैयग्या, पछ धीरे सीक वोल्या—

हूऽऽऽऽऽऽ तो आ वात है। पण कोई वात नी। थे कोई चिंता मत करौ। अठै तौ काई पण ठेट दिल्ली ताई आपणी पूछ है, पछै वापडौ एस० पी० अर जज किण वाग री मूळी है। म्हनै कमसल वैंक अर डफलफमेट डिपाट-मेट मे काम सू जावणौ है, उण मौकै इण सरकारी मुलाजिमा नै ई मिळतौ आवूला। (एमलै सा'व कॉमरसियल वैंक नै कमसल वैंक, डेवलपमेंट डिपार्टमेंट नै डफलफमेट डिपाटमेट अर सरकारी मुलिजमान ने सरकारी मुलजिम इज कैवता) सो इण केस रौ तो आप फिकर इज छोड दो। आगलौ चुणाव नजदीक आय रह्यौ है उणरी चिंता राखौ। पे'ली ज्यू आपणी न्यात रौ पक्को सगठन रैवणौ चाहिजै।

थोडी जेज ठैरनै एमलै सा'व आगै वोल्या—सरकारी मुलजिम ई आजकल वडा हरामी व्हैग्या है। विना मतळव तो माटा वात ई नी करै। फेर ओ कतळ रौ केस ठैरचौ। आप जाणौ के गरज पडै जद गधा नै ई वाप वणावणौ पडै।

कानजी एमलै सा'व री इमारौ समझग्यौ। लारला दिना मे उणनै खासौ अनुभव व्हैग्यौ हो। उणं झट च्यार हजार रा नोट काढ नै एमलै सा'व से आगै धर दिया। एमलै सा'व वोल्या—ना, ना, म्हनै इणारी जरूरत नी है। थे थारै हाथ सू इज दे दीजौ। म्हारौ काम तो फगत जनता री सेवा करणौ है। म्हू गरीवा रौ दुख नी देख सक्यौ इण वास्तै इज तो म्हनै चुनाव मे खडौ होवणौ पड्यौ। वोलौ, आज म्हू नी व्हैतौ तो था

आजादी री आधी आई सो धोरा री ठौड खाडा पडग्या अर खाडां री ठौड धोरा वणग्या। चुणाव री मौकौ आया वो खडौ व्हियौ अर न्यात-गगा री किरपा सू जीत नै विधानसभा मे पूगग्यौ। अवै क्यू पूछौ अखैराजजी सारी वाता। तीन-च्यार वरसा मे तो गाम मे पक्को वगळौ वणग्यौ अर भैस्या वाधती उण ठौड जीप ऊभी रैवण लागी। मोटौडी वेटौ मिडल फेल हो, वो जिला मे एक सेठ री हिस्सादारी मे सिमट रौ होल सेल डीलर वणग्यौ अर छोटोडौ इजिनियरिग कालेज जोधपुर मे पढण लाग्यौ।

कानजी जायनै एमलै सा'व नै रामा सामा किया तो आप वोला—जायहिंद! आवौ कानजी, आज तौ मारग भूलग्या काई?

कानजी आपरी पूरी रामायण सुणाय दी। पूरी वात सुण'र एमलै सा'व थोडी जेज तो चुप रैयग्या, पछ धीरे सीक वोल्या—

हूssssss तो आ वात है। पण कोई वात नी। थे कोई चिंता मत करौ। अठै तौ काई पण ठेट दिल्ली ताई आपणी पूछ है, पछै वापडौ एस० पी० अर जज किण वाग री मूळी है। म्हनै कमसल वैक अर डफलफमेट डिपाट-मेट मे काम सू जावणौ है, उण मौकै इण सरकारी मुलाजिमा नै ई मिळतौ आवूला। (एमलै सा'व कॉमरसियल वैक नै कमसल वैक, डेवलपमेट डिपार्टमेट नै डफलफमेट डिपाटमेट अर सरकारी मुलिजमान ने सरकारी मुलजिम इज कैवता) सो इण केस रौ तो आप फिकर इज छोड दो। आगलौ चुणाव नजदीक आय रह्यौ है उणरी चिंता राखौ। पे'ली ज्यू आपणी न्यात री पक्की सगठन रैवणी चाहिजै।

थोडी जेज ठैरनै एमलै सा'व आगै वोल्या—सरकारी मुलजिम ई आजकल वडा हरामी व्हैग्या है। विना मतळव तो माटा वात ई नी करै। फेर ओ कतळ री केस ठैरचौ। आप जाणौ के गरज पडै जद गधा नै ई वाप वणावणौ पडै।

कानजी एमलै सा'व री इसारौ समझग्यौ। लारला दिना मे उणनै खासौ अनुभव व्हैग्यौ हो। उणै झट च्यार हजार रा नोट काढ नै एमलै सा'व से आगै धर दिया। एमलै सा'व वोल्या—ना, ना, म्हनै इणारी जरूरत नी है। थे थारै हाथ सू इज दे दीजौ। म्हारौ काम तो फगत जनता री सेवा करणौ है। म्हू गरीवा रौ दुख नी देख सक्यौ इण वास्तै इज तो म्हनै चुनाव मे खडौ होवणौ पडचौ। वोलौ, आज म्हू नी व्हैतौ तो था

जिसा घरधणी आदमी री कुण मदद करतौ ?

कानजी हाथ जोड दिया ।

—आपरौ आसरौ हे, इण वास्तै इज तो आपरै वरणा मे आयौ हू । मोटा अफसरा नै तो पैसा आपरै हाथ सू देवणा इज ठीक रैवैला, सो किरपा करनै पैसा तो आपरै खनै इज रखावौ ।

एमलै सा'व वेपरवाही सू एहसान जतावता नोट ले'र चोळा री जेव मे घाल दिया । इणरै पछै कितरा नोट तो ठिकाणै सर पूगा, अर कितरा उण जेव मे इज रह्या इणरौ हिसाव तो सावरियौ जाणै, पण अदालत मे न्याव रौ एक नाटक जरूर हुयौ—पी० आई० कितणिया री गळाई पग पटकतौ रह्यौ, वकील थूक उछाळतौ रह्यौ अर जज करैई चस्मा रे ऊपर सू अर करैई नीचै सू उण दोन्यू ने देखतौ रह्यौ । दो-तीन पेसिया पडनै मुकद्दमौ खारज व्हैग्यौ अर वळदेव वरी व्हैग्यौ ।

फैसला री वखत कानजी, फौजौ चौवटियौ, परमानन्द पुजारी, काळूसिंह सरपच, गणपत पटवारी अर धानपुर रा वीसू आदमी अदालत मे मौजूद हा । मुकद्दमा रै दरम्यान कानजी आपरै वेटा कानी आख उठाय नै देख्यौ तकात नी । फैसलौ होवता ई कानजी चुपचाप अदालत सू रवानै व्हैग्यौ । जिण-दिन सू पुलिस अर कानजी री साठ-गाठ हुई ही, उण दिन सू फौजौ चौवटियौ मोळौ पडग्यौ हो । फैसला री वखत तो पायौइज पलटग्यौ । उणै देख्यौ के अवै कानजी सू अदावदी राखणी, उल्टी आपा नै नुकसाण पुगावैला । पण हालताई उणनै कोई इसौ मोकौ नी मिळ्यौ हो के वो कानजी सू राजीपो करतौ । अदालत मे उणै देख्यौ के वेटौ वरी व्हिया ई वाप नै कोई खुसी नी व्ही । स्यान् कानजी नै रीस आयोडी व्हेला । अर छोरौ सरमा मरतौ वोल्यौ नी व्हेला । आपा नै वाप-वेटा नै मिळावण रौ काम करणौ चाहिजै । वो वळदेव रे लारै लारै उणरै होस्टल ताई गयो अर पोटाय-पुटूय नै उणनै घरै चालण नै राजी कर लियौ ।

★ ★ ★

पूनम री धट्ट चादणी रात । वे दोनू जणा धानपुर पूगा जितरै व्याळू वेळा व्हैगी । गाम रा गोर मे छोरा कव्वडी रमता हा अर चावटै वैठ्या लोग-वाग वाता करता हा । वळदेव नै फौजा रे सागै आवतौ देख नै छोरा कानजी रे घरा समाचार देवण नै दौडिया । कानजी घर रे साम्ही माचा माथै वैठ्यौ हो, समाचार सुण'र हाक वाक व्हैग्यौ । उणनै ध्यान इज नी

जिसा घरधणी आदमी री कुण मदद करतौ ?

कानजी हाथ जोड दिया ।

—आपरौ आसरौ है, इण वास्तै इज तो आपरै चरणा मे आयौ हू । मोटा अफसरा नै तो पैसा आपरै हाथ सू देवणा इज ठीक रैवैला, सो किरपा करनै पैसा तो आपरै खनै इज रखावौ ।

एमलै सा'व बेपरवाही सू एहसान जतावता नोट ले'र चोळा री जेब मे घाल दिया । इणरै पछै कितरा नोट तो ठिकाणै सर पूगा, अर कितरा उण जेब मे इज रह्या इणरौ हिसाब तो सावरियौ जाणै, पण अदालत मे न्याव रौ एक नाटक जरूर हुयौ—पी० आई० कितणिया री गळाई पग पटकतौ रह्यौ, वकील थूक उछाळतौ रह्यौ अर जज करैई चस्मा रे ऊपर सू अर करैई नीचै सू उण दोन्यू ने देखतौ रह्यौ । दो-तीन पेसिया पडनै मुकद्मौ खारज व्हैग्यौ अर वळदेव वरी व्हैग्यौ ।

फैसला री वखत कानजी, फौजी चौवटियौ, परमानन्द पुजारी, काळूसिह सरपच, गणपत पटवारी अर धानपुर रा वीसू आदमी अदालत मे मौजूद हा । मुकद्मा रै दरम्यान कानजी आपरै वेटा कानी आख उठाय नै देख्यौ तकात नी । फैसलौ होवता ई कानजी चुपचाप अदालत सू रवानै व्हैग्यौ । जिण-दिन सू पुलिस अर कानजी री साठ-गाठ हुई ही, उण दिन सू फौजी चौवटियौ मोळौ पडग्यौ हो । फैसला री वखत तो पायौइज पलटग्यौ । उणै देख्यौ के अवै कानजी सू अदावदी राखणी, उल्टी आपा नै नुकसाण पुगावैला । पण हालताई उणनै कोई इसौ मौकौ नी मिळचौ हो के वो कानजी सू राजीपो करतौ । अदालत मे उणै देख्यौ के वेटौ वरी व्हिया ई वाप नै कोई खुसी नी व्ही । स्यान् कानजी नै रीस आयौडी व्हेला । अर छोरौ सरमा मरतौ वोल्यौ नी व्हैला । आपा नै वाप-वेटा नै मिळावण रौ काम करणौ चाहिजै । वो वळदेव रे लारै लारै उणरै होस्टल ताई गयौ अर पोटाय-पुटूय नै उणनै घरै चालण नै राजी कर लियौ ।

★ ★ ★

पूनम री धट्ट चादणी रात । वे दोनू जणा धानपुर पूगा जितरै व्याळू वेळा व्हैगी । गाम रा गोर मे छोरा कव्वडी रमता हा अर चावटै वैठ्या लोग-वाग वाता करता हा । वळदेव नै फौजा रे सागै आवतौ देख नै छोरा कानजी रे घरा समाचार देवण नै दौडिया । कानजी घर रे साम्ही माचा माथै वैठ्यौ हो, समाचार सुण'र हाक वाक व्हैग्यौ । उणनै ध्यान इज नी

वाधी के अबै काई करणी चाहिजै। वो गतागम मे पजग्यो के उणने हरख व्हेणो चाहिजे के सोक। उणनै आ सुपना मे ई उम्मीद नी ही के वो निसरमी यू घरै आय जावैला अर वो ई फौजिया रे सागै। उणरै गळा मे थूक अटकग्यौ अर काटा व्है ज्यू चुभण लाग्यौ— नी थूकीजतै हो अर नी गिटीजतौ।

माथा पर आयौडा परसेवा नै अगोछा सू पूछ'र कानजी माचा माथै सू ऊभौ व्हैग्यौ। पण अबै आगै काई करणौ, आ उणनै दिस नी लाधी। उणनै आपरी लुगाई रो ध्यान आयो अर उणरा रूगता ऊभा व्हैग्या। इण नालायक नै देख'र वा कठैई वेरौ-वावडी नी करलै। उणै पग मे एक पगरखी घाली अर दूजी पेरिया बिना इज पाछौ विचार मे पडग्यौ।

जितरै तो उणनै चावटा कानी सू बळदेव, फौजो चौवटियौ अर लारै निरी ई भीड आवती निगै आई। उणनै भमळ आयगी, वो माथौ पकड'र पाछौ माचा माथै वैठग्यौ भीड थोडी फेर नेडी आयगी। इतरै तो विजळी रे पळाका रे ज्यू कानजी रे प्रोळ री मेडी सू बदूक रा तीन फायर हुया-धडाम !…धडाम ! धडाम ! बळदेव रै गोळी छाती मे लागी ही अर फौजा चोवटिया रै माथा मे। भीड तो इसी नाठी जाणै चिडिया मे ढळ पडियौ। कानजी मेडी माथै जायनै देख्यौ तो मारण वाळी पण मरगी ही अर बदूक खनै इज पडी ही। कान जी माथौ फोड लियौ।

बाधौ के अबै काई करणौ चाहिजै । वो गतागम में पजग्यौ के उणनै हरख व्हैणौ चाहिजे के सोक। उणनै आ सुपना मे ई उम्मीद नी ही के वो निसरमी यू घरै आय जावैला अर वो ई फौजिया रे सागै। उणरै गळा मे थूक अटकग्यौ अर काटा व्है ज्यू चुभण लाग्यौ— नी थूकीजतै हो अर नी गिटीजतो ।

माथा पर आयौडा परसेवा नै अगोछा सू पूछ'र कानजी माचा माथै मू ऊभौ व्हैग्यौ । पण अबै आगै काई करणौ, आ उणनै दिस नी लाधी । उणनै आपरी लुगाई रो ध्यान आयौ अर उणरा रूगता ऊभा व्हैग्या । इण नालायक नै देख'र वा कठैई बेरौ-बावडी नी करलै । उणै पग मे एक पगरखी घाली अर दूजी पेरिया विना इज पाछौ विचार मे पडग्यौ ।

जितरै तो उणनै चावटा कानी सू बळदेव, फौजी चौवटियौ अर लारै निरी ई भीड आवती निंगै आई । उणनै भमळ आयगी, वो माथौ पकड'र पाछौ माचा माथै बैठग्यौ भीड थोडी फेर नेडी आयगी। इतरै तो विजळी रे पळाका रे ज्यू कानजी रे प्रोळ री मेडी सू बदूक रा तीन फायर हुया-धडाम !···धडाम !·· धडाम ! बळदेव रै गोळी छाती मे लागी ही अर फौजा चोवटिया रै माथा मे । भीड तो इसी नाठी जाणै चिडिया मे ढळ पडियौ । कानजी मेडी माथै जायनै देख्यौ तो मारण वाळी पण मरगी ही अर बदूक खनै इज पडी ही । कान जी माथौ फोड लियौ ।

लक्की स्टोन

सझ्या री वेळा ववई रौ झवैरी वजार इंदरापुरी वण जावै। जठीनै देखौ उठीनै ई च्यानणौ पळका-पळक करै। नजर ई नी थमै। रात अठै दिन पात ई सुहामणी लागै। कीमती काचरी अलमारिया मे जगमग करता हीरा मोती अर नरम-नरम गादिया माथै पसरचौडा मोटी तूद अर गजी खोपडिया वाळा सेठ लोग मरकरी चादणा मे सगळाई चमाचम करै। कोई गुजराती, कोई पजावी अर कोई सिंधी। पण सगळाई एक इज माळा रा मणिया, एक इज साचा मे ढळियौडा। चीकणा चेहरा अर वगला री पाख व्है जिसा सफेद झक्क कपडा, जाणै अलकापुरी रा भाड वैठ्या।

सडक पर भीड री ठेलमठेल माच री। खाधा सू खाधौ रगडीजै। पण घण खरा लोग इसा के जिणा नै इण हीरा मोतिया सू कोई मतळव नी। वे सगळाई पोत पोतारा ध्यान मे नीचा माथा कियौडा खाता-खाता चाल रह्या। वारे एक कानी मोटरा री लैण चाल री-धीरै-धीरै। इसौ लागै जाणै कीडी नगरौ जागग्यौ। भात-भात री कीडिया-नीली, पीळी, धवळी, काळी, सिंदूरी, डमणी, पाखाळी अर रूआळी सगळाई नमूना तैयार। देखण वाळौ भलाई थाकौ पण ओ रैलो नी टूटै।

इणीज कतार मे सू चमाचम करतौडी एक नवी केडलोक टळी अर सेठ नगीनदास सामळदास रे आगै जाय नै ठैरी। सेठ नगीनदास वम्वई रा सवसू मोटा झवैरी गिणीजै। इसा वैपारी री दुकान रे ठाट रौ पछै पूछणौ

लक्की स्टोन

सझ्या री वेळा बवई रौ झवेरी वजार इदरापुरी वण जावै। जठीनै देखौ उठीनै ई च्यानणौ पळका-पळक करै। नजर ई नी थमै। रात अठै दिन पात ई सुहामणी लागै। कीमती काचरी अलमारिया मे जगमग करता हीरा मोती अर नरम-नरम गादिया माथै पसरयौडा मोटी तूद अर गजी खोपडिया वाळा सेठ लोग मरकरी चादणा मे सगळाई चमाचम करै। कोई गुजराती, कोई पजावी अर कोई सिंधी। पण सगळाई एक इज माळा रा मणिया, एक इज साचा मे ढळियौडा। चीकणा चेहरा अर बगला री पाख व्है जिसा सफेद झक्क कपडा, जाणै अलकापुरी रा भाड वैठ्या।

सडक पर भीड री ठेलमठेल मात्र री। खाधा सू खाधौ रगडीजै। पण घण खरा लोग इसा के जिणा नै इण हीरा मोतिया सू कोई मतळव नी। वे सगळाई पोत पोतारा ध्यान मे नीचा माथा कियौडा खाता-खाता चाल रह्या। वारे एक कानी मोटरा री लैण चाल री-धीरै-धीरै। इसौ लागै जाणै कीडी नगरौ जागग्यौ। भात-भात री कीडिया-नीली, पीळी, धवळी, काळी, सिंदूरी, डमणी, पाखाळी अर रूआळी सगळाई नमूना तैयार। देखण वाळौ भलाई थाकौ पण ओ रैलो नी टूटै।

इणीज कतार मे सू चमाचम करतौडी एक नवी केडलोक टळी अर सेठ नगीनदास सामळदास रे आगै जाय नै ठैरी। सेठ नगीनदास वम्बई रा सवसू मोटा झवैरी गिणीजै। इसा वैपारी री दुकान रे ठाट रौ पछै पूछणौ

इज काई ? साम्ही देखौ तो आख्या चूधीज जावै । पेढी चढणौ तो घणी मोटी वात है पण फौरी पतळी तौ उठीनै मूडी ई नी कर सकै । सेठ नगीन-दास पोतै गादी माथै वैठाइज हा के मोटर मे सू एक परदेसी जौडौ उतरियो। मिस्टर कर्पलिग अर उणरी मेमडी । सेठ हीरा-मोती वेचता-वेचता धवळा लिया हा, इण वास्तै हीरा रे सागै-सागै वो मिनखा री पण पक्कौ पारखी व्हैग्यौ हो ।

वो पेढी चढता गिराक नै एक मिनट मे इज तोल लेवतौ । देखता पाण परख लेवतौ के इण तिला मे कितरौक तेल है । किसा गिराक सू किसौ मोल-तोल करणौ वो उणियारौ देख नै इज तय कर लेवतौ । बबई रा झवेरी वजार मे सैग तरै रा गिराक आवै । हुसियार सूं हुसियार जिकौ झवेरिया नै ई कान पकडाय दे अर डफोळ सू डफोळ जिकौ एक हजार रौ हीरौ पाच हजार मे लेयनै जावै अर फेरू पाछा हसता हसता आवै । गिराक नै पटावण मे पण दुकान रा सेल्समेन पण एक-एक सू आगळा । मजाल है पेढी चढयौ कोई गिराक जेव हल्की कियाँ विना नीचौ उतर जावै । मोटर मे वैठ्या पछै घणी ताळ खाज नी खिणै जरै सेठ नगीनदास री पेढी चढ्यौ ई काई ।

दुकान कानी आवतौडा सा'व अर मेमडी माथै सेठ री निजर पडी । आख रूपी ताकडी आपरौ काम करण लागी । नवी चमाचम करतौडी साठ हजार री कीमती केडलॉक, जवान परदेसी जोडौ, फर अर गेवरडीन री कीमती पोसाका, गळा मे मूघा मोतिया रा हार अर अगूठिया मे जगमग-जगमग करतौडा कीमती हीरा । गिराक तौ कोई ताजौ जच्यौ । सेठ अर सेल्समेन सगळाई सावचेत व्हैग्या । नेडा आया उणियारौ देखण सू आई जाण पडी के सा'व बम्बई रौ कायम रैवासी कोनी । कोई ऊचै घराणा रौ आदमी हिन्दुस्तान देखण नै आयौ दीसै । सेठ रौ अदाज सोळू आना सही निकळ्यौ ।

मिस्टर कर्पलिग इग्लैड रै लार्ड घराणा रौ जवान अदन मे कोई ऊचा ओहदा माथै काम करै । उणरौ व्याव अवार इज हुयौ हो सो हनीमून मनावण नै ससार री जात्रा माथै निकळ्यौ हौ ।

सा'व नै सो रूम मे वैठाय नै सेठ एक सेल्समेन नै कह्यौ—एल्या, एक सौ त्रण ! एक सौ त्रण सेठ रौ कोडवर्ड हो । गिराक जिण ढग रौ व्है तौ, सेठ उण हिसाव सू इज आक वोलतौ । उण हिसाव सू इज उणरी खातरी

इज काई ? साम्ही देखौ तो आख्या चूंधीज जावै । पेढी चढणी तो घणी मोटी वात है पण फौरौ पतळौ तौ उठीनै मूडौ ई नी कर सकै । सेठ नगीनदास पोतै गादी माथै वैठाइज हा के मोटर मे सू एक परदेसी जौडौ उतरियौ । मिस्टर कर्पलिंग अर उणरी मेमडी । सेठ हीरा-मोती वेचता-वेचता धवळा लिया हा, इण वास्तै हीरा रे सागै-सागै वो मिनखा री पण पक्कौ पारखी व्हैग्यौ हो ।

वो पेढी चढता गिराक नै एक मिनट मे इज तोल लेवतौ । देखता पाण परख लेवतौ के इण तिला मे कितरौक तेल है । किसा गिराक सू किसौ मोल-तोल करणौ वो उणियारौ देख नै इज तय कर लेवतौ । बबई रा झवेरी वजार मे सैंग तरै रा गिराक आवै । हुसियार सूं हुसियार जिकौ झवेरिया नै ई कान पकडाय दे अर डफोळ सू डफोळ जिकौ एक हजार रौ हीरौ पाच हजार मे लेयनै जावै अर फेरू पाछा हसता हसता आवै । गिराक नै पटावण मे पण दुकान रा सेल्समेन पण एक-एक सू आगळा । मजाल है पेढी चढयौ कोई गिराक जेव हल्की कियॉ विना नीचौ उतर जावै । मोटर मे वैठ्या पछै घणी ताळ खाज नी खिणै जरै सेठ नगीनदास री पेढी चढ्यौ ई काई ।

दुकान कानी आवतौडा सा'व अर मेमडी माथै सेठ री निजर पडी । आख रूपी ताकडी आपरौ काम करण लागी । नवी चमाचम करतौडी साठ हजार री कीमती केडलॉक, जवान परदेसी जोडौ, फर अर गेवरडीन री कीमती पोसाका, गळा मे मूघा मोतिया रा हार अर अगूठिया मे जगमग-जगमग करतौडा कीमती हीरा । गिराक तौ कोई ताजौ जच्यौ । सेठ अर सेल्समेन सगळाई सावचेत व्हैग्या । नेडा आया उणियारौ देखण सू आई जाण पडी के सा'व वम्वई रौ कायम रैवासी कोनी । कोई ऊचै घराणा रौ आदमी हिन्दुस्तान देखण नै आयौ दीसै । सेठ रौ अदाज सोळू आना सही निकळ्यौ ।

मिस्टर कर्पलिंग इग्लैड रै लार्ड घराणा रौ जवान अदन मे कोई ऊचा ओहदा माथै काम करै । उणरौ व्याव अवार इज हुयौ हो सो हनीमून मनावण नै ससार री जात्रा माथै निकळ्यौ हौ ।

सा'व नै सो रूम मे वैठाय नै सेठ एक सेल्समेन नै कह्यौ—एल्या, एक सौ त्रण ! एक सौ त्रण सेठ रौ कोडवर्ड हो । गिराक जिण ढग री व्है तौ, सेठ उण हिसाव सू इज आक वोलतौ । उण हिसाव सू इज उणरौ खातरी

व्है[illegible]र [illegible] इज उणन माल बताया जावता । सो सू ऊपर आक उणरै वास्तै बो[illegible]त[illegible]ंको गिराक एकस्ट्रा ओडिनरी जचतौ । सो मिस्टर कपलिग अर उणरी मेमडी रे वास्तै आक तै हुया एक सौ त्रण ।

सेठ रौ हुकम लागता पाण वारी मूघी सू मूघी खातरी होवण लागी । मेमडी पसर नै बैठगी अर सा'व री कळी-कळी खिलगी । इणरै पछै सा'ब एक चोखा कीमती हीरारी माग कीवी । सेठ वानै चोखा सू चोखा पनरै बीस हीरा बताया । एक-एक सू इदका अर एक-एक सू आगळा । कीमत पाच हजार सू लगाय नै पचास हजार ताई । हरेक वार नवौ हीरौ देखता इज एक वार तो मेमडी री आख्या चमकण लागती पण थोडीक जेज मे पाछी मगसी पड जावती । वा हीरौ देखनै पाछी सोफा सेट मे समाय जावती जाणै खवा मे कूकरियौ घुस्यौ । सा व उणरै कानी देखनै पाछौ सेठ कानी देखतौ पण हरेक वार मैंणत फोगट जावती । सेवट सेठ पोतै उठ्यौ अर सेफ मे सू एक अनोखी चीज उठायनै लायौ । एक जगमग करतौडौ हीरौ, भरपूर पाणी वाळौ, माथै निजर ई नी ठैरै ।

सेठ बोल्यौ — ओ हीरौ म्है अमुक रियासत रा महाराजा खना सू दस दिना पे'लीज साठ हजार मे लियौ हो । कालै इज एक गिराक इणनै स्वीटजरलैंड जावता वखत पसद करनै गयौ है । पण आपनै जे ओइज दाय आय जावै तो उण गिराक वास्तै कोई दूजौ प्रबध कर दियौ जासी । बबई रा बजार मे आपनै आज री तारीख मे इण सू बडिया हीरौ नी मिळ सकै । भलाई आप फिरनै तपास कर लिरावौ । दूजौ म्हारौ ख्याल है मेम सा'ब नै पण ओ हीरौ जरूर दाय आयो व्हैला । कारण के आ चीज आपरै लायक है । अर अब की वार मिसेज कपलिग नै हीरौ साचाणी दाय आयग्यौ । वा सा'व कानी देख'र थोडी मुळकी अर सा'व हीरौ मोल ले लियौ ।

गिराक पेढी नीचा उतरता ई सेठ नगीनदास सेल्समेन देसाई कानी देख'र थोडा मुळक्या । देसाई ही ही करनै पाळियौडा कुत्ता री गळाई पूछ हिलावण लाग्यौ । सेठ याद करण लाग्यौ आज दिनूगै किणरौ मूडौ देख्यौ हो ? सेठाणी रौ के बेटा रौ ? पे'ली चोट मे इज पौबारै पच्चीस । एक चोट ई पूरा वीस हजार री । दो दिना पे'लीओ इज हीरौ एक गिराक नै चाळीस हजार मे दे'वण नै सेठ घणा थोरा किया हा पण चीकू गिराक मानियौ कोनी ।

झवैरी बजार री भीड लिछमी री रेळ-पेळ मे आपरी सुभाविक गति

व्हैतो [illegible] इज उणनै माल बतायौ जावतौ । सौ सू ऊपर आक उणरै वास्तै बोल [illegible] गिराक एकस्ट्रा ओडिनरी जचतौ । सो मिस्टर कपलिग अर उणरी मेमडी रे वास्तै आक तै हुया एक सौ त्रण ।

सेठ रौ हुकम लागता पाण वारी मूघी सू मूघी खातरी होवण लागी । मेमडी पसर नै बैठगी अर सा'ब री कळी-कळी खिलगी । इणरै पछै सा'ब एक चोखा कीमती हीरारी माग कीवी । सेठ वानै चोखा सू चोखा पनरै वीस हीरा बताया । एक-एक सू इदका अर एक-एक सू आगळा । कीमत पाच हजार सू लगाय नै पचास हजार ताई । हरेक वार नवौ हीरौ देखता इज एक वार तो मेमडी री आख्या चमकण लागती पण थोडीक जेज मे पाछी मगसी पड जावती । वा हीरौ देखनै पाछी सोफा सेट मे समाय जावती जाणै खबा मे कूकरियौ घुस्यौ । सा'ब उणरै कानी देखनै पाछौ सेठ कानी देखतौ पण हरेक वार मैंणत फोगट जावती । सेवट सेठ पोतै उठ्यौ अर सेफ मे सू एक अनोखी चीज उठायनै लायौ । एक जगमग करतौडौ हीरौ, भरपूर पाणी वाळौ, माथै निजर ई नी ठैरै ।

सेठ बोल्यौ – ओ हीरौ म्है अमुक रियासत रा महाराजा खना सू दस दिना पे'लीज साठ हजार मे लियौ हो । कालै इज एक गिराक इणनै स्वीटजरलैंड जावता वखत पसद करनै गयौ है । पण आपनै जे ओइज दाय आय जावै तो उण गिराक वास्तै कोई दूजौ प्रबध कर दियौ जासी । बबई रा बजार मे आपनै आज री तारीख मे इण सू बडिया हीरौ नी मिळ सकै । भलाई आप फिरनै तपास कर लिरावौ । दूजौ म्हारौ ख्याल है मेम सा'ब नै पण ओ हीरौ जरूर दाय आयौ व्हैला । कारण के आ चीज आपरै लायक है । अर अब की वार मिसेज कपलिंग नै हीरौ साचाणी दाय आयग्यौ । वा सा'ब कानी देख'र थोडी मुळकी अर सा'ब हीरौ मोल ले लियौ ।

गिराक पेढी नीचा उतरता ई सेठ नगीनदास सेल्समेन देसाई कानी देख'र थोडा मुळक्या । देसाई ही ही करनै पाळियौडा कुत्ता री गळाई पूछ हिलावण लाग्यौ । सेठ याद करण लाग्यौ आज दिनूगै किणरौ मूडौ देख्यौ हो ? सेठाणी रौ के बेटा रौ ? पे'ली चोट मे इज पौबारै पच्चीस । एक चोट ई पूरा वीस हजार री । दो दिना पे'ली ओ इज हीरौ एक गिराक नै चाळीस हजार मे दे'वण नै सेठ घणा थोरा किया हा पण चीकू गिराक मानियौ कोनी ।

झवैरी बजार री भीड लिछमी री रेळ-पेळ मे आपरी सुभाविक गति

मू चालती री अर मिस्टर कर्पलिग री केडलॉक उण भीड रा समदर मे एक च्निनकी लहर री गळाई समायगी।

सुद आई अर वद गई। इण वात नै छ महीना बीतग्या। सेठ नगीनदास री ताकडी रूपी निजर गिराका नै तोलती री पण इसौ ताजौ गिराक फेरू नी आयौ। छ महीना रौ अरसौ कमती नी व्है। सेठ तौ मिस्टर कपलिंग नै भूल-भुलायग्या हा के एक दिन अदन सू सेठ रै नाम एक कागद आयौ। लिख्यौ हो—आपरै अठा सू मोल लियौडै हीरै म्हारा तौ भाग खोल दिया। हीरा म्हारै वास्तै वडौ भागसाळी निवडियौ। उणरै घर मे आया पछै म्हनै फायदौ इज फायदौ हुयौ। म्हारै ओहदा री तरक्की हुई, मेम सा'व नै वारै वाप रौ अथाग धन मिळचौ अर सव सू मोटी वात आ के पूरा पैतीस वरसा पछै म्हारै कडूवा मे टावर घरै आयौ। हीरौ वडौ सुलक्खणौ निवडियौ अवै एक तकलीफ आपनै फेरू देवणी चावू। म्हनै इणरै जोडी रा एक इसा रा इसा हीरा री जोजवाण है। इण वास्तै मेमसा'व म्हारा नित रोज कान खावै सो आप किरपा करनै भारत मे सू जठै होवै उठा सू ई तपास करनै इसौ रो इसौ हीरौ म्हनै इस्योर्ड व्ही० पी० पी० सू अठै वेगौ भेज दिराईजौ। कीमत री आप कोई चिंता मत कराईजौ। एक लाख रुपिया लाग जावै तो ई कोई परवा जिसी वात नी। पण हीरौ इसौ रौ इसौ होवणौ चाहिजै। म्हनै जठा ताई याद है, भारत री जात्रा करता वखत एक इसौ रौ इसौ हीरौ कलकत्ता मे निगै आयौ हो। उठै आप जरूर तपास कराई जौ। ओ काम आपरै सिवाय दूजा सू होवणौ कठण है। इण वास्तै आपनै इज तकलीफ देवू सो माफी वख्साईजौ। उम्मीद करू के म्हारा काम नै आप जरूर पार घालौला।

कागद वाच'र सेठ घणा राजी व्हिया। सा'व रौ कागद काई आयौ जाणै लिछमी टीलौ काढियौ। हुसियारी सू काम कियौ तो सीधी तीसचालीस हज़ार री चोट ही। सेठ नै मिसेज कर्पलिग री चमकतौडी आख्या याद आयगी।

अवै हीरा री तपास सरू हुई। पे'लौडै दिन झवैरी वजार मे अर दूजौडै दिन खास-खास ठाया माथै। टेलीफोन करनै मोकळा मिनखानै ई भळामण घाली पण दौड भाग फिजूल गई। वीसा हीरा देख्या पण उण जिसौ हीरौ तो निगै नी आयौ सो नी ज आयौ। सेवट हार खायनै सेठ कलकत्ता कानी रवानै व्हिया अर देसाई नै दिल्ली कानी दौडायौ।

सू चालती री अर मिस्टर कपलिंग री केडलॉक उण भीड रा समदर मे एक चिनकी लहर री गळाई समायगी ।

सुद आई अर वद गई । इण वात नै छ महीना बीतग्या । सेठ नगीनदास री ताकडी रूपी निजर गिराका नै तोलती री पण इसौ ताजौ गिराक फेरू नी आयौ । छ महीना रौ अरसौ कमती नी व्है । सेठ तौ मिस्टर कपलिंग नै भूल-भुलायग्या हा के एक दिन अदन सू सेठ रै नाम एक कागद आयौ । लिख्यौ हो—आपरै अठा सू मोल लियौडै हीरै म्हारा तौ भाग खोल दिया । हीरा म्हारै वास्तै वडौ भागसाळी निवडियौ । उणरै घर मे आया पछै म्हनै फायदौ इज फायदौ हुयौ । म्हारै ओहदा री तरक्की हुई, मेम सा'व नै वारै वाप रौ अथाग धन मिळ्यौ अर सव सू मोटी वात आ के पूरा पैतीस वरसा पछै म्हारै कडूवा मे टावर घरै आयौ । हीरौ वडौ सुलक्खणौ निवडियौ अबै एक तकलीफ आपनै फेरू देवणी चावू । म्हनै इणरै जोडी रा एक इसा रा इसा हीरा री जोजवाण है । इण वास्तै मेमसा'व म्हारा नित रोज कान खावै सो आप किरपा करनै भारत मे सू जठै होवै उठा सू ई तपास करनै इसौ रो इसौ हीरौ म्हनै इस्योर्ड व्ही० पी० पी० सू अठै वेगौ भेज दिराईजौ । कीमत री आप कोई चिंता मत कराईजौ । एक लाख रुपिया लाग जावै तो ई कोई परवा जिसी वात नी । पण हीरौ इसौ री इसौ होवणौ चाहिजै । म्हनै जठा ताई याद है, भारत री जात्रा करता वखत एक इसौ रौ इसौ हीरौ कलकत्ता मे निगै आयौ हो । उठै आप जरूर तपास कराई जौ । ओ काम आपरै सिवाय दूजा सू होवणौ कठण है । इण वास्तै आपनै इज तकलीफ देवू सो माफी वख्साईजौ । उम्मीद करू के म्हारा काम नै आप जरूर पार घालौला ।

कागद वाच'र सेठ घणा राजी व्हिया । सा'व रौ कागद काई आयौ जाणै लिछमी टीलौ काढियौ । हुसियारी सू काम कियौ तो सीधी तीस-चालीस हजार री चोट ही । सेठ नै मिसेज कपलिंग री चमकतौडी आख्या याद आयगी ।

अबै हीरा री तपास सरू हुई । पे'लौडै दिन झवैरी वजार मे अर दूजौडै दिन खास-खास ठाया माथै । टेलीफोन करनै मोकळा मिनखानै ई भळामण घाली पण दौड भाग फिजूल गई । वीसा हीरा देख्या पण उण जिसौ हीरौ तो निगै नी आयौ सो नी ज आयौ । सेवट हार खायनै सेठ कलकत्ता कानी रवानै व्हिया अर देसाई नै दिल्ली कानी दौडायौ ।

सेठ तीन दिना ताई कलकत्ता री सडका नापी जरै कठैई जावता चौथौडै दिन ठीक विसौ रौ विसौ इज हीरौ एक देसी फर्म मे निगै आयौ। देखता पाण सेठ रौ जीव राजी व्हियौ। उणरी निजरा आगै सा'ब अर मेमडी रा हसतौडा उणियारा फिरण लाग्या। सेठ नै पक्कायत विस्वास व्हैग्यौ के हीरौ वानै सोळू आना दाय आवैला।

हा ना करनै हीरौ एक लाख मे हाथ लाग्यौ। सेठ बवई आयग्या। दूजौ डै दिन इज कागद मे लिख्या ठिकाणा माथै सवा लाख री इस्योर्ड व्ही० पी० पी० सू हीरौ अदन रवानै कर दियौ। अबै जावता सेठ रे जीव नै कठैई नेहचौ व्हियौ।

पण अजोगी वात आ वणी के हीरौ तो वारमै दिन इज अदन री मुसाफरी करनै पाछौ आयग्यौ। डाक तार रे महकमै लिख्यौ हो के इण नाम रौ कोई आदमी उण ठिकाणै नी है। सेठ रे पेट मे डवकौ पड्यौ। मन मे वहम रा गोट उठण लाग्या। पैकैज खोलनै हीरौ खरी निजर सू मीटाय नै देख्यौ तो ओळखता जेज नी लागी। ओ तो सागण वो इज हीरौ हो जिकौ छ महीना पे'ली मिस्टर कर्पालिग नै वेच्यौ हो। झवेरी बजार मे मोटरा री चालती कतार मे एक सिनेमा की गाडी निकळी—जिणमे रेकर्ड बाजती ही—दुनिया मे सब चोर-चोर…कोई छोटा चोर कोई बडा चोर ।

सेठ तीन दिना ताई कलकत्ता री सडका नापी जरै कठैई जावता चोथौडै दिन ठीक विसौ रौ विसो इज हीरौ एक देसी फर्म मे निगै आयौ। देखता पाण सेठ रौ जीव राजी व्हियौ। उणरी निजरा आगै सा'ब अर मेमडी रा हसतौडा उणियारा फिरण लाग्या। सेठ नै पक्कायत विस्वास व्हैग्यौ के हीरौ वानै सोळू आना दाय आवैला।

हा ना करनै हीरौ एक लाख मे हाथ लाग्यौ। सेठ बवई आयग्या। दूजौ डै दिन इज कागद मे लिख्या ठिकाणा माथै सवा लाख री इस्योर्ड व्ही० पी० पी० सू हीरौ अदन रवानै कर दियौ। अबै जावता सेठ रे जीव नै कठैई नेहचौ व्हियौ।

पण अजोगी वात आ बणी के हीरौ तो वारमै दिन इज अदन री मुसाफरी करनै पाछौ आयग्यौ। डाक तार रे महकमै लिख्यौ हो के इण नाम रौ कोई आदमी उण ठिकाणै नी है। सेठ रे पेट मे डवकौ पड्यौ। मन मे वहम रा गोट उठण लाग्या। पैकैज खोलनै हीरौ खरी निजर सू मीटाय नै देख्यौ तो ओळखता जेज नी लागी। ओ तो सागण वो इज हीरौ हो जिकौ छ महीना पे'ली मिस्टर कर्पलिंग नै वेच्यौ हो। झवेरी बजार मे मोटरा री चालती कतार मे एक सिनेमा की गाडी निकळी—जिणमे रेकर्ड बाजती ही—दुनिया मे सब चोर-चोर···कोई छोटा चोर कोई बडा चोर··।

अमर चूंनड़ी

अठारवी सताव्दी री वात। सियाळा रौ मौसम। प्रभात री वेळा। एक रथ जोधपुर सू पाली कानी एक वरगडै दौडतौ जावै। आगै लारै पचासेक घुडसवार। सस्तर पाटी सू लैस। सियाळौ व्हैता थका ई रथ रा वैलिया अर घोडा हाण फाण व्हियौडा। परसेवा रा टपा पड। फुरणिया मे सास नी मावै। तो ई आधी रा दोट व्है ज्यू जावै। लारै धूड रा गैतूळ उडै। तीस चाळीस जवान सागै रा सागै लारै पैदल दौडता आवै।

घडीक दिन चढयौ अर लस्कर लूणी लाघ नै गुडा-मोगडा री काकड मे पूगौ। पैदल जवाना नै मारग मे वकरिया री एक एवड चरती निगै आयौ। एवड रौ वकरौ मातौ-मतवाळौ, करारौ घोर व्हियौडौ। जवाना रौ मन डुळग्यौ, सो वकरानै खाजरू वास्तै उचकाय लियौ। रवारी कूकियौ—वापसी वकरा नै छोड दो, एवड एक राजपूत रौ है, सो एक जिनावर रै खातर कठैई विघन पैदा व्हैला अर मिनख मरैला।

जवान रवारी री वात सुणनै हसण लाग्या। वे वोल्या—थनै इण वात री जाण है के नी थू पाली रा पट्टा मे ऊभौ है। आगै रथ गयौ उणमे पाली ठाकर मुकनसिह जी अर वारी ठकराणी विराज्या है। एवड रा धणी नै जायनै कैय दीजै के वकरौ तो खाजरू वास्तै थारौ वाप पाली ठाकर लेयग्यौ। पाछौ लावण री हिम्मत व्है तो लारै जा परौ।

रवारी लचकाणौ पडनै नीची धूण घाल्या रवानै व्हैग्यौ अर जवान वकरा नै लेयनै आपरै मारगै पटिया।

* * *

दिल्ली रा तख्त मायँ उण वखत औरगजेव राज करै अर मारवाड

अमर चूंनड़ी

अठारवी सताब्दी री वात। सियाळा रौ मौसम। प्रभात री वेळा। एक रथ जोधपुर सू पाली कानी एक वरगडै दौडतौ जावै। आगै लारै पचासेक घुडसवार। सस्तर पाटी सू लैस। सियाळौ व्हैता थका ई रथ रा वैलिया अर घोडा हाण फाण व्हियौडा। परसेवा रा टपा पड। फुरणिया मे सास नी मावै। तो ई आधी रा दोट व्है ज्यू जावै। लारै धूड रा गैतूळ उडै। तीस चाळीस जवान सागै रा सागै लारै पैदल दौडता आवै।

घडीक दिन चढचौ अर लस्कर लूणी लाघ नै गुडा-मोगडा री काकड मे पूगौ। पैदल जवाना नै मारग मे वकरिया री एक एवड चरतौ निगै आयौ। एवड रौ वकरौ मातौ-मतवाळौ, करारौ घोर व्हियौडौ। जवाना रौ मन डुळग्यौ, सो बकरानै खाजरू वास्तै उचकाय लियौ। रवारी कूकियौ—वापसी वकरा नै छोड दो, एवड एक राजपूत रौ है, सो एक जिनावर रै खातर कठैई विघन पैदा व्हैला अर मिनख मरैला।

जवान रवारी री वात सुणनै हसण लाग्या। वे वोल्या—थनै इण वात री जाण है के नी थू पाली रा पट्टा मे ऊभौ है। आगै रथ गयौ उणमे पाली ठाकर मुकनसिह जी अर वारी ठकराणी विराज्या है। एवड रा धणी नै जायनै कैय दीजै के वकरौ तो खाजरू वास्तै थारौ वाप पाली ठाकर लेयग्यौ। पाछौ लावण री हिम्मत व्है तो लारै जा परौ।

रवारी लचकाणौ पडनै नीची धूण घाल्या रवानै व्हैग्यौ अर जवान वकरा नै लेयनै आपरै मारगै पडिया।

★ ★ ★

दिल्ली रा तखत माथै उण वखत औरगजेव राज करै अर मारवाड

री गादी माथै महाराजा अजीतसिंह। राजा अजीतसिंह काना रौ काचौ अर मन रौ भोळौ। सुणै जिकी ई मान लै। इण धीगा मस्ती मे लोगा राठौड दुरगादास नै देस निकाळौ दिराय दियौ। राज दरबार खुसामदिया अरजी हजूरिया रौ अखाडौ बण्यौडौ। जठै नित नवा साग बणै। पाली ठाकर मुकनसिंह मुसाहब रै रूप मे दीवाण रै ओहदा माथै काम करै। वे ओ रासौ देखनै मन रा मन मै वळै पण काई बस नी लागै। वे दरबार नै चोखी सलाह देवणी चावै, राज काज रौ ढग सुधारणौ चावै पण कोई बात भरै नी पडै।

उठीनै खुसालपुरै ठाकर प्रतापसिंह दरबार रे मूछ रौ बाळ बण्यौडा। दरबार वे कैव जितराई पावडा भरै। सो उणा एक दिन राजा नै उल्टी पाटी पढाई

—अन्नदाता मुकनसिंह बादसाह औरगजेब रौ खास आदमी है। वो खामदा रौ लूण खायनै लूण हरामी पणौ करै। आपतौ उणनै दीवाण वणायौ हे अर वो जिण हाडी मे खावै उणनै इज फौडै। मारवाड सू नित रोज आपरी साची झूठी सिकायता दिल्ली पुगावै। अन्नदाता तौ देवता मिनख हो सो पोता नै तो इण बातरी जाण पडै कोयनी अर म्हनै इसौ लखावै के कठैई अन्नदाता नै गादी माथै सू उतारण रौ दिल्ली सू परवाणौ नी आय जावै।

दरबार नै खुद रा आदमिया माथै अभरौसौ अर दिल्ली सू खतरौ हो इज सो पाली ठाकर वाळी बात अगौ अग लागगी। सोळू आना जचगी। दिनूगै मुकनसिंह किला मे आवै जरै माथौ वाढण री योजना बणगी।

पण राजमहल री दास दासिया अर चाकर वागरुआ मे मुकनसिंह रा मिनख ई मौजूद हा। वारै काना मे भणक पडता ई उणा रातौ रात खबर पाली री हवेली पुगाय दी। बात सुण'र ठाकर ठकराणी रे मन मे पक्की खतरौ पैठग्यौ। जिकौ आदमी दुरगादास जिसा सामधरमी नै ई देस निकाळौ देय सकै, उणनै मुकनसिंह रौ माथौ वढावता काई जेज लागै। दोनू जणा आपसरी मे सलाह कीवी। खास भरौसा रा आदमी साथै लिया अर रथ जोताय नै रातू रात पाली कानी रवानै व्हिया।

* * *

गुडा मोगडा री काकड मे दो आदमी खेत मे ऊभा पालौ वाढै।

री गादी माथै महाराजा अजीतसिंह। राजा अजीतसिंह काना रौ काचौ अर मन रौ भोळौ। सुणै जिकी ई मान लै। इण धीगा मस्ती मे लोगा राठौड दुरगादास नै देस निकाळौ दिराय दियौ। राज दरबार खुसामदिया अरजी हजूरिया रौ अखाडौ बण्यौडौ। जठै नित नवा साग वणै। पाली ठाकर मुकनसिंह मुसाहब रै रूप मे दीवाण रै ओहदा माथै काम करै। वे ओ रासौ देखनै मन रा मन मै बळै पण काई बस नी लागै। वे दरबार नै चोखी सलाह देवणी चावै, राज काज रौ ढग सुधारणौ चावै पण कोई बात भरै नी पडै।

उठीनै खुसालपुरै ठाकर प्रतापसिंह दरबार रे मूछ रौ बाळ बण्यौडा। दरबार वे कैव जितराई पावडा भरै। सो उणा एक दिन राजा नै उल्टी पाटी पढाई

—अन्नदाता मुकनसिंह बादसाह औरगजेव रौ खास आदमी है। वो खामदा रौ लूण खायनै लूण हरामी पणौ करै। आपतौ उणनै दीवाण वणायौ है अर वो जिण हाडी मे खावै उणनै इज फौडै। मारवाड सू नित रोज आपरी साची झूठी सिकायता दिल्ली पुगावै। अन्नदाता तौ देवता मिनख हो सो पोता नै तो इण वातरी जाण पडै कोयनी अर म्हनै इसौ लखावै के कठैई अन्नदाता नै गादी माथै सू उतारण रौ दिल्ली सू परवाणौ नी आय जावै।

दरबार नै खुद रा आदमिया माथै अभरौसौ अर दिल्ली सू खतरौ हो इज सो पाली ठाकर वाळी वात अगौ अग लागगी। सोळू आना जचगी। दिनूगै मुकनसिंह किला मे आवै जरै माथौ वाढण री योजना बणगी।

पण राजमहल री दास दासिया अर चाकर वागरुआ मे मुकनसिंह रा मिनख ई मौजूद हा। वारै काना मे भणक पडता ई उणा रातौ रात खबर पाली री हवेली पुगाय दी। वात सुण'र ठाकर ठकराणी रे मन मे पक्कौ खतरौ पैठग्यौ। जिकौ आदमी दुरगादास जिसा सामधरमी नै ई देस निकाळौ देय सकै, उणनै मुकनसिंह रौ माथौ वढावता काई जेज लागै। दोनू जणा आपसरी मे सलाह कीवी। खास भरौसा रा आदमी साथै लिया अर रथ जोताय नै रातूरात पाली कानी रवानै व्हिया।

गुडा मोगडा री काकड मे दो आदमी खेत मे ऊभा पालौ वाढै।

धनजी राठौड अर भीमौ गहलोत। धनजी मामौ अर भीम जी भाणेज। घरधणी आदमी, खेती पाती करै अर गुजारा खातर एक एवडियौ ई राखै। मामौ-भाणैज दोन्यू डील रा सैतान अर छाती रा वज्जर। काळजौ इसौ के दोन्यू मिळनै हजारा मिनखा रौ सामनौ करण री हिम्मत राखै। रवारी आयनै खबर दीवी के पाली ठाकर रा आदमी एवड मे सू खाजरू वास्तै वकरियौ माडाणी उठायनै लेग्या तो सुणनै भीमा रै झाळौ झाळ लागगी। वो रवारी माथै फरसी उठावतौ किडकनै वोल्यौ निजरा आगै सू मिनख वकरौ उठायनै लेग्या अर थू अठै जीवतौ म्हानै रोवण नै आयौ है ? निकल जा निजरा आगै सू, नी तो अबार माथौ वाढ दूला।

अर साचाणी जे धनजी आडौ नी फिरै तो बिना कसूर एक रवारण राड व्है जाती। रवारी तो उठा सू तेतीसा मनाया। अबै दोन्यू मामा-भाणैज रै आख्या मे जाणै भैरू खिवै। हाथा रै बटका भरै। म्हारै एवड मे सू इज वकरौ लेयग्या ? अर वोई जोर रै जरकै ? वाघ रै गळै वाडला नै हाथ नाखियौ। मूडौ भूडौ बापडा पाली ठाकर री, म्हारा वकरिया नै खाय जावै ? डाढा नी उखेल नाखू। रजपूतण रा जाया सू कदैई काम कोनी पड्यौ दीसै। मामै भाणैज पाला वाढण रा फरसा वेवला तो आगा फेक्या अर खेजडी रै टिरता खाडा लेयनै खाधै कीना। एवड चरतौ उठै जायनै पग टोळिया तो पाली रै राज पथ माथै धोम पग मडिया। रथ रा चईला माथै घोडा रा पोड अर पोडा माथै पैदल आदमिया रा पग मडियोडा। दोन्यू जणा पगै रा पगै लारै अरवडियोडा गया। पण गया-गया जितरै ठाकर री धागडौ काकाणी गाम पूगग्यौ।

काकाणी पाली रै पट्टा रौ गाम, सो ठाकर जायनै कोटडी मे डेरा किया। किनात खाच ठकराणी मायनै विराजिया अर ठाकर प्रोळ मे। ग्राम मे हाकौ फूटग्यौ—धिन घडी धिन भाग ! ठाकर पौतै गाम मे पधारिया। नाई, कुम्हार, भावी सगळा कमीण कारू पोत पोतारै काम लाग्या। गाम रा मौजीज आदमिया आयनै रावळै मुजरौ अरज कियौ अर जाजम ढाळ नै गाम मे अमल री हाकौ करायौ। घोडा ने दाणौ अर वेलिया नै गुळ फटकडी दिरीजी ! रोटा वास्तै आटौ गूदीजियौ, साग-भाजी री तैयारी होवण लागी अर मसालौ पीसता सिला लोडी वाजण लागी। ठाकर रा आदमिया खाजरू करनै वकरौ ऊचौ टेर दियौ अर विचार कियौ के मसालौ तैयार व्है जितरै अमलडा लेय ला अर पछै इणनै पकाय नाखाला। भीत

धनजी राठौड अर भीमौ गहलोत। धनजी मामौ अर भीम जी भाणेज। घरधणी आदमी, खेती पानी करै अर गुजारा खातर एक एवडियौ ई राखै। मामौ-भाणैज दोन्यू डील रा सैतान अर छाती रा वज्जर। काळजौ इसौ के दोन्यू मिळनै हजारा मिनखा रौ सामनौ करण री हिम्मत राखै। रवारी आयनै खवर दीवी के पाली ठाकर रा आदमी एवड मे सू खाजरू वास्तै वकरियौ माडाणी उठायनै लेग्या तो सुणनै भीमा रै झाळौ झाळ लागगी। वो रवारी माथै फरसी उठावतौ किडकनै वोल्यौ निजरा आगै सू मिनख वकरौ उठायनै लेग्या अर थू अठै जीवतौ म्हानै रोवण नै आयौ है ? निकल जा निजरा आगै सू, नी तो अवार माथौ वाढ दूला।

अर साचाणी जे धनजी आडौ नी फिरै तो विना कसूर एक रवारण राड व्है जाती। रवारी तो उठा सू तेतीसा मनाया। अवै दोन्यू मामा-भाणैज रै आख्या मे जाणै भैरू खिवै। हाथा रै वटका भरै। म्हारै एवड मे सू इज वकरौ लेयग्या ? अर वोई जोर रै जरकै ? वाघ रै गळै वाडला नै हाथ नाखियौ। मूडौ भूडौ वापडा पाली ठाकर रौ, म्हारा वकरिया नै खाय जावै ? डाढा नी उखेल नाखू। रजपूतण रा जाया सू कदैई काम कोनी पडचौ दीसै ! मामै भाणैज पाला वाढण रा फरसा वेवला तो आगा फेक्या अर खेजडी रै टिरता खाडा लेयनै खाधै कीना। एवड चरतौ उठै जायनै पग टोळिया तो पाली रै राज पथ माथै धोम पग मडिया। रथ रा चईला माथै घोडा रा पोड अर पोडा माथै पैदल आदमिया रा पग मडियौडा। दोन्यू जणा पगै रा पगै लारै अरवडियौडा गया। पण गया-गया जितरै ठाकर रौ धागडौ काकाणी गाम पूगग्यौ।

काकाणी पाली रै पट्टा रौ गाम, सो ठाकर जायनै कोटडी मे डेरा किया। किनात खाच ठकराणी मायनै विराजिया अर ठाकर प्रोळ मे। ग्राम मे हाकौ फूटग्यौ—धिन घडी धिन भाग ! ठाकर पौतै गाम मे पधारिया। नाई, कुम्हार, भावी सगळा कमीण कारू पोत पोतारै काम लाग्या। गाम रा मौजीज आदमिया आयनै रावळै मुजरौ अरज कियौ अर जाजम ढाळ नै गाम मे अमल री हाकौ करायौ। घोडा ने दाणौ अर वेलिया नै गुळ फटकडी दिरीजी ! रोटा वास्तै आटौ गूदीजियौ, साग-भाजी री तैयारी होवण लागी अर मसालौ पीसता सिला लोडी वाजण लागी। ठाकर रा आदमिया खाजरू करनै वकरौ ऊचौ टेर दियौ अर विचार कियौ के मसालौ तैयार व्है जितरै अमलडा लेय ला अर पछै डणनै पकाय नाखाला। गीत

रै आपै गादी माथै ठाकर पोतै बैठा अर आजू-वाजू वांरा आदमी। जाजम माथै पूरौ गाम थटौथट बैठौ। कोटडी मे खाधा सू खाधौ रगडीजै, पग राखण नै ई जागानी, अमल री गळणी टप टप करती टपक री। नक्कासी कियौडा खरडिया मे असल कसूवौ केसर रै उनमान हिलोळा खाय रह्यौ। खोवा-खोवा भर-भर नै आम्हा-साम्ही मनवारा व्है री। इतरै तो मामौ भाणैज जाय पूगा।

पिरोळ बारै छिनेक ठैर नै मामै भाणैज कानी देख्यौ। भाणैज बात नै ताडग्यौ। वो बोल्यौ—आप वारै ऊभा रैवाडौ अर म्हू माय नै जावू। उम्मीद तो करू के बकरियौ लेय नै जीवतौ वारै आय जाऊला, पण जे कदाच काम आयग्यौ तो लारली रामत आप सभाल लिराई जौ। मामै उणरै पोतिया रै वाल्हौ दियौ अर मो'र थापोट नै रवानै कियौ। भीमडौ पिरोळ रै मायनै पूगौ। आख्या रा डोळा राता चुट्ट व्हियौडा, गिणण-गिणण भमै, जाणै मायनै भैरू खिवै। परतख काळ रूप वण्यौडौ। भक्ख करतौडी भवानी म्यान मे सू वारै काढी। पळाकौ पडयौ पळाक करतौ अर ठाकर री सभातौ जाणै भाठा री मूरत वणगी। कोई बोलै न कोई चालै, कोई हिलै न कोई डुलै, कोई चूकारौ ई नी करै। भीमडा री निजर ऊचा टिरता खाजरू माथै पडी। वो घम-घम करतौ चौकी माथै चढयो, खाजरू खोल पछेवडी मे लपेट मो'रा माथै बाध्यौ अर आयौ ज्यू ई वतूळा रै वेग री गळाई हाथ मे तलवार लिया एक छिन मे पाछौ पिरोळ वारै निकळग्यौ।

बारै आया मामा-भाणेज री आंख मिळी तौ मामौ अचूभा मे पडग्यौ, गतागम मे पजग्यौ। वे किण विचार सू अठै आया हा अर ओ काई रासौ व्हैग्यौ। वानै इण कौतक री एक रत्ती भर ई उम्मीद नी ही। वे तो आ सौचनै आया हा के आज राटक उडैला। बकरिया रै बदळै पचास-पचीस रौ खाजरू व्हैला गेहरौ घमसाण व्हैला अर माथौ हथाळी मे राख्या विना बकरियौ पाछौ हाथ नी आवैला। पण अठै तो रामत सफाइज परवारगी। बकरियौ तो मरियौ सो मरियौ इज पण पिरोळ मे बैठा ठाकर समेत सैकडू आदमिया रौ अस ई निकळग्यौ। एकाधै जणै जवान फोडनै भीमानै टोकियौ व्हैतौ तो ई मामा भाणैज रै जीवनै सतोख रैवतौ।

धनजी कह्यौ—बोल भाँणू अवै काई करणौ ?

—आप फरमावौ ज्यू करा-नीची धूण घाल्या भीमै पडुत्तर दियौ।

—साम्ही कोई जीवता मिनख व्हेता, वारे मायनै ई थोडौ घणौ

रै आपै गादी माथै ठाकर पोतै बैठा अर आजू-बाजू वांरा आदमी। जाजम माथै पूरौ गाम थटौथट बैठौ। कोटडी मे खाधा सू खाधौ रगडीजै, पग राखण नै ई जागानी, अमल री गळणी टप टप करती टपक री। नक्कासी कियौडा खरडिया मे असल कसूबौ केसर रै उनमान हिलोळा खाय रह्यौ। खोवा-खोबा भर-भर नै आम्हा-साम्ही मनवारा व्है री। इतरै तो मामौ भाणैज जाय पूगा।

पिरोळ बारै छिनेक ठैर नै मामै भाणैज कानी देख्यौ। भाणैज वात नै ताडग्यौ। वो बोल्यौ—आप बारै ऊभा रैवाडौ अर म्हू माय नै जावू। उम्मीद तो करू के बकरियौ लेय नै जीवतौ वारै आय जाऊला, पण जे कदाच काम आयग्यौ तो लारली रामत आप सभाल लिराई जौ। मामै उणरै पोतिया रै वाल्हौ दियौ अर मो'र थापोट नै रवानै कियौ। भीमडौ पिरोळ रै मायनै पूगौ। आख्या रा डोळा राता चुट्ट व्हियौडा, गिणण-गिणण भमै, जाणै मायनै भैरू खिवै। परतख काळ रूप वण्यौडौ। भक्ख करतौडी भवानी म्यान मे सू वारै काढी। पळाकौ पडयौ पळाक करतौ अर ठाकर री सभातौ जाणै भाठा री मूरत वणगी। कोई बोलै न कोई चालै, कोई हिलै न कोई डुलै, कोई चूकारौ ई नी करै। भीमडा री निजर ऊचा टिरता खाजरू माथै पडी। वो धम-धम करतौ चौकी माथै चढ्यौ, खाजरू खोल पछेवडी मे लपेट मो'रा माथै बाध्यौ अर आयौ ज्यू ई वतूळा रै वेग री गळाई हाथ मे तलवार लिया एक छिन मे पाछौ पिरोळ वारै निकळग्यौ।

वारै आया मामा-भाणेज री आख मिळी तौ मामौ अचूभा मे पडग्यौ, गतागम मे पजग्यौ। वे किण विचार सू अठै आया हा अर ओ काई रासौ व्हैग्यौ। वानै इण कौतक री एक रत्ती भर ई उम्मीद नी ही। वे तो आ सौचनै आया हा के आज राटक उडैला। वकरिया रै वदळै पचास-पचीस रौ खाजरू व्हैला गेहरौ धमसाण व्हैला अर माथौ हथाळी मे राख्या बिना वकरियौ पाछौ हाथ नी आवैला। पण अठै तो रामत सफाइज परवारगी। वकरियौ तो मरियौ सो मरियौ इज पण पिरोळ मे बैठा ठाकर समेत सैकडू आदमिया रौ अस ई निकळग्यौ। एकाधै जणै जवान फोडनै भीमानै टोकियौ व्हैतौ तो ई मामा भाणैज रै जीवनै सतोख रैवतौ।

धनजी कह्यौ—बोल भाँणू अबै काई करणौ ?

—आप फरमावौ ज्यू करा-नीची धूण घाल्या भीमै पडुत्तर दियौ।

—साम्ही कोई जीवता मिनख व्हैता, वारै मायनै ई थोडौ घणौ

आपाण रौ अस व्हैतौ, तो वकरियौ पाछौ लिजावण मे ई मजेदारी ही। पण ए तो सगळाई मुडदा है, सफा नाजोगा कायर है, इणा सू वकरियौ खोसनै पाछौ लिजावता ई भूडा लागा रे भाणू, सो जायनै लायौ जठै इणनै पाछौ नाख दे।

धनजी निसासा नाखनै कह्यौ।

वातडी भीमा नै ई जचगी। राडोलिया सू काई राड करणी अर गाया सू काई ग्रास खोसणौ। वो उणीज पगै पाछौ वळियौ अर पिरोळ मे जायनै भट्टीड करता वकरिया रौ लोथडौ चौकी माथै नाखता ठाकर कानी मूडौ करनै वोल्यौ – ठाकरा थारा आदमिया म्हारौ वकरौ लाय नै घणौ अजोगौ काम कियौ अर उण सू ई नपावट काम कायरता वतायनै कियौ। वा मे इतरौइज तत हो तो भूसागडजी वणनै वकरियौ उठायनै लाया'इज क्यू ? चीज खोसनै लिजावण रौ मजौ तो जद आवै के वरोवरी रौ सामनौ व्है। जीवता मिनखा सू काम पडै अर वीरा सू भिडत व्है। मुडदा सू काई खोसनै लिजावा अर कायरा नै काई चूथा ? सो ओ वकरियौ तो पाछौ नाखनै जावू हू पण एक वात आपनै कैयनै जावू सो गाठ वाध लीजौ के आपरी इण परधै रै भरोसै आप आईन्दा कठैई वाघ तो काई पण हिरण्या नै ई मत छेडजौ।

ठाकर री जीभ तौ जाणै ताळवा रै चैठगी अर सभा सगळी जाणै पावूजी रा पड मे मडनै चित्राम वणगी। मामौ-भाणंज पाछा रवानै व्हैग्या। ठकराणी किनात मे वैठी आ सगळी रामत देखै ही। उणै तुरत डावडी नै भेजनै ठाकर नै वुलाया अर वोली—ठाकरा, म्हारै मत सू पे'ली गळती तौ आ हुई के आपणा आदमी इण राजपूता रै एवड मे सू वकरियौ उटायनै लाया अर अवै दूजी गळती आ हुवै है के ए हाथा मे आयोडा हीरा पाछा जावै है आप तुरत आदमी भेज नै इण दोन्यू जणा नै पाछा वुलावौ अर म्हारै खनै भेजावौ। पधारौ फुरती करावौ।

ठाकर रे तो की समझ मे नी आयौ। ठकराणी रे कह्या माफक वारै लारै आदमी दौडाय दियौ अर पोतै अणमणा सा सभा मे जायनै वैठग्या। लारै हेलौ सुणनै मामै भाणैज पाछळ फेरी—देख्यौ एक आदमी दौडियौ आवै। नैडौ आया पूछियौ।

—काई वात है भाई !

—आप पाछा पधारौ।

आपाण रौ अस व्हैतौ, तो वकरियौ पाछौ लिजावण मे ई मजेदारी ही। पण ए तो सगळाई मुडदा है, सफा नाजोगा कायर है, इणा सू वकरियौ खोसनै पाछौ लिजावता ई भूडा लागा रे भाणू, सो जायनै लायौ जठै इणनै पाछौ नाख दे।

धनजी निसासा नाखनै कह्यौ।

वातडी भीमा नै ई जचगी। राडौलिया सू काई राड करणी अर गाया सू काई ग्रास खोसणौ। वो उणीज पगै पाछौ वळियौ अर पिरोळ मे जायनै भट्टीड करता वकरिया रौ लोथडौ चौकी माथै नाखता ठाकर कानी मूडौ करनै वोल्यौ – ठाकरा थारा आदमिया म्हारौ वकरौ लाय नै घणौ अजोगौ काम कियौ अर उण सू ई नपावट काम कायरता वतायनै कियौ। वा मे इतरौइज तत हो तो भूसागडजी वणनै वकरियौ उठायनै लाया'इज क्यू ? चीज खोसनै लिजावण रौ मजौ तो जद आवै के वरौवरी रौ सामनौ व्है। जीवता मिनखा सू काम पडै अर वीरा सू भिडत व्है। मुडदा सू काई खोसनै लिजावा अर कायरा नै काई चूथा ? सो ओ वकरियौ तो पाछौ नाखनै जावू हू पण एक वात आपनै कैयनै जावू सो गाठ वाध लीजौ के आपरी इण परधै रै भरोसै आप आईन्दा कठैई वाघ तो काई पण हिरण्या नै ई मत छेडजो।

ठाकर री जीभ तौ जाणै ताळवा रै चैठगी अर सभा सगळी जाणै पावूजी रा पड मे मडनै चित्राम वणगी। मामौ-भाणंज पाछा रवानै व्हैग्या। ठकराणी किनात मे वैठी आ सगळी रामत देखै ही। उणै तुरत डावडी नै भेजनै ठाकर नै वुलाया अर वोली—ठाकरा, म्हारै मत सू पे'ली गळती तौ आ हुई के आपणा आदमी इण राजपूता रै एवड मे सू वकरियौ उटायनै लाया अर अवै दूजी गळती आ हुवै है के ए हाथा मे आयौडा हीरा पाछा जावै है आप तुरत आदमी भेज नै इण दोन्यू जणा नै पाछा वुलावौ अर म्हारै खनै भेजावौ। पधारौ फुरती करावौ।

ठाकर रे तो की समझ मे नी आयौ। ठकराणी रे कह्या माफक वारै लारै आदमी दौडाय दियौ अर पोतै अणमणा सा सभा मे जायनै वैठग्या। लारै हेलौ सुणनै मामै भाणैज पाछळ फेरी—देख्यौ एक आदमी दौटियौ आवै। नैडौ आया पूछियौ।

—काई वात है भाई !

—आप पाछा पधारौ।

—क्यू !
—आपनै ठकराणी सा बुलावै ।
—किसी ठकराणी सा ?
—पाली ठाकर मुकनसिंह जी रे लाडीसा ।
—क्यू काई काम है ?
— काम रौ तो म्हनै ठा कोनी पण । आपनै पाछा बुलाया जरूर है । मामै भाणैज दोन्यू जणा एक दूजा रै मूडा कानी देख्यौ अर लारै आयौडा आदमी सागै-सागै पाछा रवानै व्हैग्या । कोटडी रै मायनै ठेट कनात खनै जायनै हाजर व्हिया ।
—ये कुण हो ? कनात रे मायनै सू आवाज आई ।
— राजपूत रा बेटा ।
—केहडा राजपूत ?
—ओ गहलोत है अर म्हू राठौड ।
—किसौ गाम-थारौ ?
—गुडौ—मोगडौ ।
—काई नाम थारा ?
—धन्नौ अर भीमौ ।
—काई धधौ करौ ?
—खेती-वाडी ।
—वकरियौ थारै एवड रौ हो ?
—हा, हुकम ।
—थारै मे स् नैन्हौ व्हे जिकौ कनात मे हाथ आगौ करौ ।
—क्यू ?
—म्हू डोरौ वाधणी चावू ।
भीमै कनात मे पुणचौ आगौ कियौ अर ठकराणी डोरौ वाध दियौ । दोन्यू जणा नै मोळिया वधवाय दिया । वे सोचण लाग्या—सजोग री वात देखौ, पासौइज पलटग्यौ । कठै तो वे मरण-मारण नै आया हा अर कठै काचा तातण मे वधग्या । धनजी अरज करी —
— वाईसा आप म्हानै आ इज्जत वख्सी है तो म्हारी झूपडी ताई पधारौ म्है ई म्हानै मिळै जेहडी आपनै चूनडी ओढाय नै भाई रौ फरज पूरौ करा ।

—क्यू !

—आपनै ठकराणी सा बुलावै ।

—किसी ठकराणी सा ?

—पाली ठाकर मुकनसिंह जी रे लाडीसा ।

—क्यू काई काम है ?

— काम रौ तो म्हनै ठा कोनी पण । आपनै पाछा वुलाया जरूर है । मामै भाणैज दोन्यू जणा एक दूजा रैं मूडा कानी देख्यौ अर लारैं आयौडा आदमी सागै-सागै पाछा रवानै व्हैग्या । कोटडी रैं मायनैं ठेट कनात खनैं जायनै हाजर व्हिया ।

—थे कुण हो ? कनात रे मायनै सू आवाज आई ।

— राजपूत रा वेटा ।

—केहडा राजपूत ?

— ओ गहलोत है अर म्हू राठौड ।

—किसी गाम-थारी ?

—गुडौ—मोगडौ ।

—काई नाम थारा ?

—धन्नौ अर भीमौ ।

—काई धधौ करौ ?

—खेती-वाडी ।

—वकरियौ थारैं एवड रौ हो ?

—हा, हुकम ।

—थारैं मे सू नैन्हौ व्है जिकौ कनात मे हाथ आगौ करौ ।

—क्यू ?

—म्हू डोरी वाधणी चावू ।

भीमैं कनात मे पुणचौ आगौ कियौ अर ठकराणी डोरी बाध दियौ । दोन्यू जणा नै मोळिया वधवाय दिया । वे सोचण लाग्या—सजोग री वात देखौ, पासौडज पलटग्यौ । कठै तो वे मरण-मारण ने आया हा अर कठै काचा तातण मे वधग्या । धनजी अरज करी —

— वाईसा आप म्हानें आ इज्जत वख्सी है तो म्हारी झूपडी ताईं पधारौ म्है ई म्हानै मिळै जेहडी आपनें चूनडी ओढाय नैं भाई रौ फरज पूरौ करा ।

—म्है इण साधारण चूनडी वास्तै थारी डोरी नी बाध्यी है वीरा, थारे कानी सू तो म्हनै अमर चूनडी मिळणी चाहिजै । ठकराणी ठीमर सुर बोली ।

—अमर चूनडी ? दोन्यू मामौ भाणैज एक सागै इज हळफळता बोल्या ।

—हा, हा अमर चूनडी वीरा अमर चूनडी, थे अमर चूनडी ओढावण जोग हो । इण वास्तै इज म्है आज थारै डोरौ बाध्यौ है ।

अर पछै ठकराणी ठाकर माथै आयौडी विपदा री सगळी गाथा धरा-मूळ सू माडनै सुणाय दी । वात री गभीरता नै समझनै उणाई ठकराणी नै अरज करी—

आप म्हानै इण जोग समझिया ओ आपरौ वडापणौ है । वाकी जिण विस्वास सू आप म्हानै भार सूप्यौ उणनै तो भगवान'इज पार लगावेला । मिनख वापडा री काई जिनात सो उणरा काम मे लिगार ई फेर फार कर सकै । पण एक वात म्हारी ई आपनै मानणी पडैला ।

—वा काई !

—वा आइज के ठाकर म्हा परवारौ एक पावडौ ई अठी उठी नी देय सकै । म्है रात'र दिन हर वखत ठाकर रै सागै रैवाला ।

—तो इण मे काई अजोगी वात है ? आ तो आप म्हारै मन री वात कही । म्हारी तो खुद री आइज मसा हे के आप दोन्यू जणा हर वखत वारै सागै छिया री गळाई रैवाडौ । जदै'इज तो ओ विखौ पार पडैला । नी तो आप जाणौ के नवकूटी मारवाड रै धणी रा हाथ घणा लावा हे ।

—पण मारवाड रै धणी करता इण ससार रै धणीरा हाथ तेर घणा लावा है वाईसा । रामजी राखै तो कोई नी चाखै । अर ओ आप पूरौ भरोसौ रखावौ के पे'ली ए दोन्यू लोथा जमी माथै पडैला अर पछै'इज कोई ठाकर कानी हाथ आगौ करैला ।

—म्हनै पूरौ भरोसौ है वीरा थारै वाहुवळ री अर इण भरोसारे पाण इज तो था सू सुहाग री भीख मागती थकी अमर चूनडी री ओढामणी चावू ।

पछै धनजी अर भीमौ दोन्यू जणा ठाकर मुकनसिंह रै हरदम सगै रैवण लाग्या । साचाणी छियारी गळाई अस्ट पोर वे वानै छोडता'इज कोनी ठकराणी नै आ देख'र घणौ नेहचौ व्हियौ ।

—म्है इण साधारण चूनडी वास्तै थारी डोरी नी वाध्यौ है वीरा, थारे कानी सू तो म्हनै अमर चूनडी मिळणी चाहिजै। ठकराणी ठीमर सुर वोली।

—अमर चूनडी ? दोन्यू मामौ भाणैज एक सागै इज हळफळता वोल्या।

—हा, हा अमर चूनडी वीरा अमर चूनडी, थे अमर चूनडी ओढावण जोग हो। इण वास्तै इज म्है आज थारै डोरौ वाध्यौ है।

अर पछै ठकराणी ठाकर माथै आयौडी विपदा री सगळी गाथा धरा-मूळ सू माडनै सुणाय दी। वात री गभीरता नै समझनै उणाई ठकराणी नै अरज करी—

आप म्हानै इण जोग समझिया ओ आपरौ वडापणौ है। वाकी जिण विस्वास सू आप म्हानै भार सूप्यौ उणनै तो भगवान'इज पार लगावेला। मिनख वापडा री काई जिनात सो उणरा काम मे लिगार ई फेर फार कर सकै। पण एक वात म्हारी ई आपनै मानणी पडैला।

—वा काई!

—वा आइज के ठाकर म्हा परवारौ एक पावडौ ई अठी उठी नी देय सकै। म्है रात'र दिन हर वखत ठाकर रै सागै रैवाला।

—तो इण मे काई अजोगी वात है ? आ तो आप म्हारै मन री वात कही। म्हारी तो खुद री आइज मसा है के आप दोन्यू जणा हर वखत वारै सागै छिया री गळाई रैवाडौ। जदै'इज तो ओ विखौ पार पडैला। नी तो आप जाणौ के नवकूटी मारवाड रै धणी रा हाथ घणा लावा है।

—पण मारवाड रै धणी करता इण ससार रै धणीरा हाथ तेर घणा लावा है वाईसा। रामजी राखै तो कोई नी चाखै। अर ओ आप पूरी भरोसौ रखावौ के पे'ली ए दोन्यू लोथा जमी माथै पडैला अर पछै'इज कोई ठाकर कानी हाथ आगौ करैला।

—म्हनै पूरौ भरोसौ है वीरा थारै वाहुवळ री अर इण भरोसारे पाण इज तो था सू सुहाग री भीख मागती थकी अमर चूनडी री ओढामणी चावू।

पछै धनजी अर भीमौ दोन्यू जणा ठाकर मुकनसिंह रे हरदम सगै रैवण लाग्या। साचाणी छियारी गळाई अस्ट पोर वे वानै छोडता'इज कोनी ठकराणी नै आ देख'र घणौ नेहचौ व्हियौ।

उठीनै जोधपुर सू जिण दिन ठाकर नाठ नै पाली आया, उण दिन सू इज वानै पाछा जोधपुर बुलावण री तरकीबा सोचीजण लागी। थोडाक दिन बीत्या पछै दरबार री तरफ सू परवाणा ऊपर परवाणा पाली पूगण लाग्या। ठाकर नै भात-भात सू समझाय नै वेगा सू वेगा जोधपुर पूगण री ताकीद की जावण लागी।

—आप मारवाड राज रा दीवाण हो, यू बिना पूछ्या'इज पाली कीकर पधारग्या ? आपरै बिना राज-काज रा सैकडू काम अधूरा पड्या है। आपनै वेगौ पधारणौ चाहिजै। पाली जे कोई काम अडाऊ व्है तौ एकर अठै पधारनै काम काज री भळामण घालनै पाछा पधार सकौ। इण भात एकर तो आपनै तुरत जोधपुर आवणौ है, इणमे गळती नी रैवै।

कई महीना ताई लगातार परवाणा आवण सू हार खायनै ठाकर-ठकराणी आपस मे सलाह कीवी के एकर धनजी भीमजी सागै जोधपुर जायनै दीवाणगिरी सू स्तीफौ पेस करदेवणौ चाहिजै। ठकराणी रवानै होवती वखत ठाकरनै भात-भात सू समझायनै भेज्या अर उण दोनू जणा नै ई अतसरी भळामण दीनी।

रातवासौ पाली री हवेली मे लेय नै ठाकर दिनूगै किलै वहीर व्हिया तो मामौ भाणेज वारै सागै हा। उठै कावतरौ घडियौ-घडायौ तैयार हो इण वास्तै किला री पिरोळ पूगताई हुकम व्हियौ के ड्यौढी छूट नी हे, इण कारण दो आदमी साथै नी जाय सकै। ठाकर इण वात माथै अडग्या के ए दोन्यू म्हारा खास आदमी है, इण वास्तै यारे विना तो म्हूँ एक पावडौ ई आगै नी देय सकू दरबार नै अरज कराय दी जावै अर जे हुकम नी व्है तौ म्हूं पाछौ जावण नै तैयार हू। किला रै मायनै सलाह-सूत व्ही। तै व्हियौ के एक माथौ वढैला ज्यू तीन ई भेळा वढैला, काई फरक पडै सो तीनू नै ई आवण दो। तीन् जणा किला रे मायनै पूग्या। दरबार नै मुजरौ अरज कियौ। बैठा, वाताचीता व्ही, राज-काज री सलाह लिरीजी। पण खुसाल-पुरै प्रतापसिंह पोतारौ काम नी सार सक्यौ। ठाकर रै डावै अर जीमणै दोन्यू कानी जाणै भैरव बैठा, जिकौ ठाकर रै माथै घाव किया पे'लीज घाव करण वाळा रौ माथौ धूड भेळौ कर नाखै।

दो घडी किला मे ठैर नै ठाकर पाछा हवेली आया अर इण भात नितरोज किलै आवणौ-जावणौ सरू व्हियौ। नितरोज तीनू जणा साथै रा साथै किलै चढै अर साथै रा साथै नीचै उतरै। प्रतापसिंह री कानी सू

उठीनै जोधपुर सू जिण दिन ठाकर नाठ नै पाली आया, उण दिन सू इज वानै पाछा जोधपुर बुलावण री तरकीबा सोचीजण लागी। थोडाक दिन बीत्या पछै दरबार री तरफ सू परवाणा ऊपर परवाणा पाली पूगण लाग्या। ठाकर नै भात-भात सू समझाय नै वेगा सू वेगा जोधपुर पूगण री ताकीद की जावण लागी।

—आप मारवाड राज रा दीवाण हो, यू बिना पूछ्या'इज पाली कीकर पधारग्या? आपरै बिना राज-काज रा सैंकडू काम अधूरा पड्या है। आपनै वेगौ पधारणौ चाहिजै। पाली जे कोई काम अडाऊ व्है तौ एकर अठै पधारनै काम काज री भळामण घालनै पाछा पधार सकौ। इण भात एकर तो आपनै तुरत जोधपुर आवणौ है, इणमे गळती नी रैवै।

कई महीना ताई लगातार परवाणा आवण सू हार खायनै ठाकर-ठकराणी आपस मे सलाह कीवी के एकर धनजी भीमजी सागै जोधपुर जायनै दीवाणगिरी सू स्तीफो पेस करदेवणौ चाहिजै। ठकराणी रवानै होवती वखत ठाकरनै भात-भात सू समझायनै भेज्या अर उण दोनू जणा नै ई अतसरी भळामण दीनी।

रातवासौ पाली री हवेली मे लेय नै ठाकर दिनूगै किलै वहीर व्हिया तो मामौ भाणेज वारै सागै हा। उठै कावतरौ घडियौ-घडायौ तैयार हो इण वास्तै किला री पिरोळ पूगताई हुकम व्हियौ के ड्यौढी छूट नी है, इण कारण दो आदमी साथै नी जाय सकै। ठाकर इण वात माथै अडग्या के ए दोन्यू म्हारा खास आदमी है, इण वास्तै यारै विना तो म्हूँ एक पावडी ई आगै नी देय सकू दरबार नै अरज कराय दी जावै अर जे हुकम नी व्है तौ म्हूँ पाछौ जावण नै तैयार हू। किला रै मायनै सलाह-सूत व्ही। तै व्हियौ के एक माथौ वढैला ज्यू तीन ई भेळा वढैला, काई फरक पडै सो तीनू नै ई आवण दो। तीनू जणा किला रे मायनै पूग्या। दरबार नै मुजरौ अरज कियौ। वैठा, वाताचीता व्ही, राज-काज री सलाह लिरीजी। पण खुसाल-पुरै प्रतापसिंह पोतारौ काम नी सार सक्यौ। ठाकर रै डावै अर जीमणै दोन्यू कानी जाणै भैरव वैठा, जिकौ ठाकर रै माथै घाव किया पे'लीज घाव करण वाळा रौ माथौ धूड भेळौ कर नाखै।

दो घडी किला मे ठैर नै ठाकर पाछा हवेली आया अर इण भात नितरोज किलै आवणौ-जावणौ सरू व्हियौ। नितरोज तीनू जणा साथै रा साथै किलै चढै अर साथै रा साथै नीचै उतरै। प्रतापसिंह री कानी सू

नित नवा कावतरा घडीजै पण कोई वात भरैनी पडै। दोन्यू डाकी हर वखत साथै रैवै जिण सू ठाकर माथै घाव घालण री कोई री हिम्मत'इज नी पडै।

सेवट आपस मे सलाह हुई के यू काम भरै नी पडै। इण वातरौ पतौ लगावौ के ठाकर एकलौ किण वखत रैवै। उण वेळा उणनै तुरत किलै वुलायनै घात कर नाखौ तो काम वण सकै।

चौकस रूप सू निगै किया सू जाण पडी के ठाकर सोमवार रौ एकासणो राखै अर प्रभात रा पोहर दिन चढ्या सिवजी री पूजा करण नै जावै। उण वखत घडी भरियौ एकलौ रैवै। धनजी भीमजी उण वेळा खनै नी व्है। अस्ट पोहर वदौकडी मे रैवण सू वा उणारै रजा री वेला व्है सो उण वखत ताकौ सझ सकै तो सझ सकै।

दूजौडै दिन अठीनै तो ठाकर पूजा सू निवडनै सिवाळा सू वारै निकळ्यौ अर उठीनै दरवार सू हलकारौ परवाणौ लेय नै हाजर व्हियौ। कोई जरूरी काम वास्ते ठाकर नै ऊभै पगे तुरत किला मे वुलाया हा। पण हवेली पूगण सू जाण पडी के धनजी-भीमजी तो कठैई वारै गयौडा है। ठाकर विचार मे पडग्या। वानै गतागम मैं पड्या देखनै ठाकर रा दूजौडा नौकर-चाकर जिकौ ठेट सू उण दोन्यू जणा सू ईसकौ राखता, ठाकर नै समझावण लाग्या —अन्नदाता आप महीनौ भर व्हियौ नित रोज किला मे पधारौ। घात व्हैणी व्हैती तो कदैई व्है जाती। धनजी-भीमजी माथै आपरौ विस्वास है जिकौ चोखौ इज है, पण काई ए दो आदमी दरवार सू ई वत्ता सामरथ हे ? दरवार तो आप रै माथै पूरा मेहरवान है। आपनै नाराजगी री फगत वहम है। आप निसक होयनै किलै पधारौ। म्हे दो च्यार आदमी आपरै सायै चाला। काई धनजी भीमजी व्है जठै इज दिन ऊगै ? नी तो काई अधारौ इज रैवै ? वे दो न्यू जणा तो आज वजार कानी गयौडा हे, कुण जाणै पाछा करै वावडै अर आपनै तो हुकम परवाणै तुरत किलै पूगणौ चाहिजै।

कुमत आवै जरै कैयनै नी आवै अर भावी भरीज जावै जरै उणरौ कोई इलाज नी लागै। ठाकर परघै री वाता मे आयग्या अर च्यारेक आटा खाऊ साथै लेय नै किला कानी रवानै व्हिया पिरोळ रै दरवाजै पूगताई पे'लै दिन वाळी सागैई वात व्ही, ड्योढी छूट नी होवण री वहानौ वणायनै च्यारू आदमिया नै तो वारै राख दिया अर ठाकर नै चालाकी सू मायनै

नित नवा कावतरा घडीजै पण कोई वात भरैनी पडै । दोन्यू डाकी हर वखत साथै रैवै जिण सू ठाकर माथै घाव घालण री कोई री हिम्मत'इज नी पडै ।

सेवट आपस मे सलाह हुई के यू काम भरै नी पडै । इण वातरी पतौ लगावौ के ठाकर एकलौ किण वखत रैवै । उण वेळा उणनै तुरत किलै वुलायनै घात कर नाखौ तो काम वण सकै ।

चौकस रूप सू निगै किया सू जाण पडी के ठाकर सोमवार री एकासणौ राखै अर प्रभात रा पोहर दिन चढ्या सिवजी री पूजा करण नै जावै । उण वखत घडी भरियौ एकलौ रैवै । धनजी भीमजी उण वेळा खनै नी व्है । अस्ट पोहर वदौकडी मे रैवण सू वा उणारै रजा री वेला व्है सो उण वखत ताकौ सझ सकै तो सझ सकै ।

दूजौडै दिन अठीनै तो ठाकर पूजा सू निवडनै सिवाळा सू वारै निकळ्यौ अर उठीनै दरवार सू हलकारौ परवाणौ लेय नै हाजर व्हियौ । कोई जरूरी काम वास्ते ठाकर नै ऊभै पगे तुरत किला मे वुलाया हा । पण हवेली पूगण सू जाण पडी के धनजी-भीमजी तो कठैई वारै गयौडा है । ठाकर विचार मे पडग्या । वानै गतागम मैं पड्या देखनै ठाकर रा दूजौडा नौकर-चाकर जिकौ ठेट सू उण दोन्यू जणा सू ईसकौ राखता, ठाकर नै समझावण लाग्या —अन्नदाता आप महीनौ भर व्हियौ नित रोज किला मे पधारौ । घात व्हैणी व्हैती तो कदैई व्है जाती । धनजी-भीमजी माथै आपरौ विस्वास है जिकौ चोखौ इज है, पण काई ए दो आदमी दरवार सू ई वत्ता सामरथ हे ? दरवार तो आप रै माथै पूरा मेहरवान है । आपनै नाराजगी री फगत वहम है । आप निसक होयनै किलै पधारौ । म्है दो च्यार आदमी आपरै साथै चाला । काई धनजी भीमजी व्है जठै इज दिन ऊगै ? नी तो काई अधारौ इज रैवे ? वे दो न्यू जणा तो आज वजार कानी गयौडा है, कुण जाणै पाछा करै वावडै अर आपनै तो हुकम परवाणै तुरत किलै पूगणौ चाहिजै ।

कुमत आवै जरै कैयनै नी आवै अर भावी भरीज जावै जरै उणरौ कोई इलाज नी लागै । ठाकर परघै री वाता मे आयग्या अर च्यारेक आटा खाऊ साथै लेय नै किला कानी रवानै व्हिया पिरोळ रे दरवाजै पूगताई पे'लै दिन वाळी सागैई वात व्ही, डचोढी छूट नी होवण री वहानौ वणायनै च्यारू आदमिया नै तो वारै राख दिया अर ठाकर नै चालाकी सू मायनै

लेय नै पिरोळ रा दरवाजा बन्द कर दिया।

किला मे पूरौ जावतौ कियोडौ हो। दरबार रै खनै पूगता पेलीज ठाकर रै दोळै घेरौ लागग्यौ। ठाकर खतरा नै समझ नै पोता री भूल माथै पछतापौ करण लाग्या। पण अबै काई व्है ? धनजी भीमजी सू तो जोजन कोस री छेटी पडी। बीच मे भाखर व्है ज्यू किला रौ दरवाजौ ऊभौ। प्रतापसिह नै साम्ही आवतौ देखनै ठाकर म्यान सू तलवार बारै काढली। घेरौ नैन्हौ होवण लाग्यौ अर ठाकर वार करै उण पे'लीज प्रतापसिह री तलवार वुई सौ ठाकर रौ माथौ वाढ नाख्यौ। दुस्मिया रे मन चीती व्ही।

★ ★ ★

धनजी-भीमजी पाछा हवेली पूगा तो ठा पडी के भावी तो भरीजगी। गजव व्हैग्या। ठकराणी नै कीकर मूडौ वतावाला ? उणरी अमर चूनडी वाळी साधनै कीकर पूरी कराला ? ठाकर माथै ई घणी झूझाळ आई पण अवै काई व्है, अवै तो हुई सौ भाग री। सोच-विचार करण रौ वखत नी हो। आखतणै फरूकडै कुण जाणै काई होय ! सो भवानी नै सुमर, ले खाडा हाथ मे अर मामौ भाणैज जोधाणा रा किला कानी रवांनै व्हिया। घर धणी आदमिया नै मारवाड रा नाथ सू टक्कर लेवणी ही। धरती माथै ऊभा आभा सू भेटी खावणी ही, माटी रा दीवाटिया नै आंधी रै झपाटा सू मुकावलौ करणौ हो। पण मनोवल री ताकत ससार मे सव सू मोटी व्हिया करै। उणरी सामरथ रौ कोई पार नी व्है।

पिरोळ माथै पूगा तो दरवाजौ बद। किला रौ दरवाजौ भाखर रे उनमान ऊचौ माथौ किया मानखा री निवळाई माथै हसण लाग्यौ। तीखा-तीखा लोखड रा सिरिया रूपी दात लियाँ वो हाथिया सू हव्वीडा लेवण री हिम्मत राखै तो मिनख वापडा री काई जिनात सौ उणरै साम्हा देख ई सकै। पण मामै भाणेज कानी खरी मीट सू देख्यौ अर भाणैज री निजर पण मामा री खीरा ज्यू धुकती आख्या सू मिळी। जाणै वे कैवै ही—

किताक राखै काळजौ, किताक नर जूझार
आमत्रण आयौ अठै, आज मरण त्यूहार।

भाणैज मुळक नै मामा रै चरणा मे हाथ लगायौ अर मामै उणनै छाती सू चेप लियौ। एक नै किला रो दरवाजौ तोडणौ हो अर दूजा नै किला रै माय नै जाय नै मरण त्यूहार मनावणौ हो। मामौ वेठा भाणैज सुरग सिधार जावै आ अणहूणी वात गिणीजै सौ धनजी दरवाजौ तोडणनै तैयार व्हियौ।

लेय नै पिरोळ रा दरवाजा वन्द कर दिया ।

किला मे पूरौ जावतौ कियोडौ हो । दरबार रै खनै पूगता पे लीज ठाकर रै दोळै घेरौ लागग्यौ । ठाकर खतरा नै समझ नै पोता री भूल माथै पछतापौ करण लाग्या । पण अबै काई व्है ? धनजी भीमजी सू तो जोजन कोस री छेटी पडी । बीच मे भाखर व्है ज्यू किला रौ दरवाजौ ऊभौ । प्रतापसिह नै साम्ही आवतौ देखनै ठाकर म्यान सू तलवार बारै काढली । घेरौ नैन्हौ होवण लाग्यौ अर ठाकर वार करै उण पे'लीज प्रतापसिह री तलवार वुई सौ ठाकर रौ माथौ वाढ नाख्यौ । दुस्मिया रे मन चीती व्ही ।

★ ★ ★

धनजी-भीमजी पाछा हवेली पूगा तो ठा पडी के भावी तो भरीजगी । गजब व्हैग्या । ठकराणी नै कीकर मूडौ बतावाला ? उणरी अमर चूनडी वाळी साधनै कीकर पूरी कराला ? ठाकर माथै ई घणी झूझळ आई पण अवै काई व्है, अवै तो हुई सौ भाग री । सोच-विचार करण रौ वखत नी हो । आखतणै फरूकडै कुण जाणै काई होय ! सो भवानी नै सुमर, ले खाडा हाथ मे अर मामौ भाणैज जोधाणा रा किला कानी रवानै व्हिया । घर धणी आदमिया नै मारवाड रा नाथ सू टक्कर लेवणी ही । धरती माथै ऊभा आभा सू भेटी खावणी ही, माटी रा दीवाटिया नै आधी रै झपाटा सू मुकावलौ करणौ हो । पण मनोवल री ताकत ससार मे सव सू मोटी व्हिया करै । उणरी सामरथ रौ कोई पार नी व्है ।

पिरोळ माथै पूगा तो दरवाजौ बद । किला री दरवाजौ भाखर रे उनमान ऊचौ माथौ किया मानखा री निवळाई माथै हसण लाग्यौ । तीखा-तीखा लोखड रा सिरिया रूपी दात लियाँ वो हाथिया सू हव्वीडा लेवण री हिम्मत राखै तो मिनख वापडा री काई जिनात सौ उणरै साम्हा देख ई सकै । पण मामै भाणेज कानी खरी मीट सू देख्यौ अर भाणैज री निजर पण मामा री खीरा ज्यू धुकती आख्या सू मिळी । जाणै वे कैवै ही—

किताक राखै काळजौ, किताक नर जूझार
आमत्रण आयौ अठै, आज मरण त्यूहार ।

भाणैज मुळक नै मामा रै चरणा मे हाथ लगायौ अर मामै उणनै छाती सू चेप लियौ । एक नै किला रो दरवाजौ तोडणौ हो अर दूजा नै किला रे माय नै जाय नै मरण त्यूहार मनावणौ हो । मामौ वेठा भाणैज सुरग सिधार जावै आ अणहूणी वात गिणीजै सौ धनजी दरवाजौ तोडणनै तैयार व्हियौ ।

माथा माथै पछेवडी लपेट नै पाछ पगियै पचासेक पावडा लारे सिरकियौ मनोवळ रे पाण पड मे अनेकू हाथिया री बळ लिया उणै अरवडनै दरवाजा रे भेटी दीनी-ह्व्वीड ऽऽऽ ! करतो। दरवाजा रा चूळिया हिलण लाग्या। एक दो तीन ! तोजी टक्कर तो किला रौ दरवाजौ चूळिया समेत उखल नै नीचौ पडियौ। ह्व्वद ऽऽऽ ! करतौडो। पूरौ भाखर गूजग्यौ, जाणे तोप री गोलौ छूटचौ। अठी नै तो दरवाजौ खळ विखळ होय नै हेठौ पडियौ अर उठी नै धनजी भेजौ फाट नै कपासिया निकळ जावण मू धरती माथे सूतौ।

दरवाजौ तूटण सू किला मे खळवळी माचगी। जेज व्हियाँ नाकाबन्दी होवण रौ भौ हो सो भीमडौ विजळी रे पळाका रे ज्यू किलारे मायनै वळियौ। पण सिरे डचोढी पूगता-पूगता चाफेर मू घेरीजग्यौ। प्रतापसिंह माथे निजर पडता ई वो तारा री गळाई उण कानी तूटौ, इतरै लारली भीड माथै आय पडी छतापण नैडा आयौडा तीन च्यारा नै वीण नै वीर री डाढाळी वुई सो प्रतापसिंह रौ माथौ जमी माथै लुटतौ निजर आयौ। प्रतापसिंह पडता ई जोर रौ हाकौ व्हियौ अर भीमडा नै च्यारु मेर सू घेर लियौ। त्राटक वाजण लाग्यी। तडाक-तडाक करता माथा उडण लाग्या। जोर री हुकार हुई। सादूळौ सिवजी री गळाई ताडव निरत करण लाग्यौ भच्चा-भच्च !· भच्चा-भच्च ! भवानी भख भरण लागी। सिरै डचौढी मे लोही अर मास रे लोथडा रौ कीच माचगी। एकल वीर जोधाणा रा किला मे त्राहिमाम् मचाय दी।

केहर हाथळ घाव कर, कुजर ढिगला कीध
हसा नग हर नू तुचा, अर दोत किरातां दीध
केहर कुभ विदारियौ, गज मोती खिरियाह
जाणै काळा जळद सू, ओळा ओसरियाह

धमचक माची तो पछै वा माची के घडी भर सूरज रथ थामै जेहडी वात वणी। भीमडी वुरी तरै सू घायल व्हेग्यौ। एक पडै तो ग्यारै आवै। वार पर वार होवण लाग्या। सरीर मू लोही री पडनाळौ वग्ग-वग्ग करतौडी वैवण लाग्यौ। सेवट मुकन री वैर वाळनै सादूळौ किला मे काम आयौ। मामै गढ रौ दरवाजौ टावियौ तो भाणेज सिरै डचोटी मे डेरा किया। कविया री वाणी माथै सुरसत आय विराजी--

माथा माथै पछेवडी लपेट नै पाछ पगियै पचासेक पावडा लारे सिरकियौ मनोवळ रे पाण पड मे अनेकू हाथिया रौ बळ लिया उणौ अरवडनै दरवाजा रे भेटी दीनी-हव्वीड ऽऽऽ ! करती । दरवाजा रा चूळिया हिलण लाग्या । एक दो तीन ! तोजी टक्कर तो किला रौ दरवाजौ चूळिया समेत उखल नै नीचौ पडियौ । हव्वद ऽऽऽ ! करतौडौ । पूरौ भाखर गूजग्यौ, जाणे तोप रौ गोलौ छूटचौ । अठी नै तो दरवाजौ खळ विखळ होय नै हेठौ पडियौ अर उठी नै धनजी भेजौ फाट नै कपासिया निकळ जावण सू धरती माथे सूतौ ।

दरवाजौ तूटण सू किला मे खळवळी माचगी । जेज व्हियाँ नाकाबन्दी होवण रौ भौ हो सो भीमडौ विजळी रे पळाका रे ज्यू किलारे मायनै वळियौ । पण सिरे डचोढी पूगता-पूगता चाफेर मू घेरीजग्यौ । प्रतापसिंह माथे निजर पडता ई वो तारा री गळाई उण कानी तूटौ, इतरै लारली भीड माथै आय पडी छतापण नैडा आयौडा तीन च्यारा नै वीण नै वीर री डाढाळी वुई सो प्रतापसिंह रौ माथौ जमी माथै लुटतौ निजर आयौ । प्रतापसिंह पडता ई जोर रौ हाकौ व्हियौ अर भीमडा नै च्यारु मेर सू घेर लियौ । त्राटक वाजण लाग्यौ । तडाक-तडाक करता माथा उडण लाग्या । जोर री हुकाग हुई । सादूळौ सिवजी री गळाई ताडव निरत करण लाग्यौ भच्चा-भच्च ! भच्चा-भच्च ! भवानी भख भरण लागी । सिरै डचौढी मे लोही अर मास रे लोथडा रौ कीच माचगौ । एकल वीर जोधाणा रा किला मे त्राहिमाम् मचाय दी ।

केहर हाथळ घाव कर, कुजर ढिगला कीध
हसा नग हर नू तुचा, अर दोत किरातां दीध
केहर कुभ विदारियौ, गज मोती खिरियाह
जाणै काळा जळद सू, ओळा ओसरियाह

धमचक माची तो पछै वा माची के घडी भर सूरज रथ थामै जेहडी वात वणी । भीमडौ वुरी तरै सू घायल व्हेग्यौ । एक पडै तो ग्यारै आवै । वार पर वार होवण लाग्या । सरीर सू लोही रौ पडनाळौ वग्ग-वग्ग करतौडौ वैवण लाग्यौ । सेवट मुकन रौ वैर वाळनै सादूळौ किला मे काम आयौ । मामै गढ रौ दरवाजौ ढावियौ तो भाणैज सिरै डचोढी मे डेरा किया । कविया री वाणी माथै सुरसत आय विराजी——

आजूणी अधरात, महल। रोई मुकनरी
(पण) पातल री परभात, भली रोवाडी भीमडा।

पाली जोधपुर सू नैडी पडै अर खुसाळपुरौ योडौ आगौ, सो ठाकर मुकनसिंह री ठकराणी तो आधी रात रा रोई अर प्रताप री ढकराणी नै ई भीमडै परभात रा पोहर मे रोवाड नाखी।

पाच घडी लग प्रोळ, जडी रही जोधाण री
गढ मे रौळा-रौळ, यै भली मचाई भीमडा।

(सुरगा मे)

बूझै मुकनौ वात, कहौ पातल आया करै ?
सुरगा एकण साथ, भेळाई मेल्या भीमडै।
वैर मुकन रौ वाळ, पछै किला मे पोढियौ
थारी वरिया थाळ, भला वजायौ भीमडा।

आजूणी अधरात, महल। रोई मुकनरी
(पण) पातल री परभात, भली रोवाडी भीमडा।

पाली जोधपुर सू नैंडी पडै अर खुसाळपुरौ थोडौ आगौ, सो ठाकर मुकनसिंह री ठकराणी तो आधी रात रा रोई अर प्रताप री ठकराणी नै ई भीमडै परभात रा पोहर मे रोवाड नाखी।

पाच घडी लग प्रोळ, जडी रही जोधाण री
गढ मे रौळा-रौळ, थै भली मचाई भीमडा।

(सुरगा मे)

बूझै मुकनौ वात, कहौ पातल आया करै?
सुरगा एकण साथ, भेळाई मेल्या भीमडै।
वैर मुकन रौ वाळ, पछै किला मे पोढियौ
थारी वरिया थाळ, भला वजायौ भीमडा।

खेत वाळी बात

उतरतौ आसोज अर लागती काती। बाजरिया सागौ पाग पाकौडी। बास-बास ताळ डोका अर हाथ-हाथ भर सिरटा। दाणा देखौ तो जाणै परड रा डोळा। मूगा चवळा री फळिया भुरजी भैंस रा सीग व्है जिसी अर मतीरा काचरा री डाफळ पाणी वेळा पग-पग माथै पाथरीजियोडी। पाछतरा तिल गवार नीला डेडार करतौडा, जाणै मेहूडी अबार'इज बरस नै गयौ। बस्ती पात रौही सुहामणी लागै कुदरत रा सिणगार नै आख्या फाड फाड नै देखता'इज जाऔ पण जीव तिरपत नी व्है। मन ठालौ भूलौ धापै इज नी। उठा सू सरकण री मसा ई नी व्है।

गाम री काकड माथै चौधरी रौ एक टणकौ खेत आयोडौ। तीन वीसी हळवा रौ एकठौ चक। भगवान री किरपा सू इण पूरा चक मे अबकै बाजर चैठौ तौ पछै वो चैठी के देखताई भूख भागै जिसौ। मिनख मारग वैवताई थूथकौ नाखै।

खेत रे सै वीच एक लूठी खेजड ऊभी। टणकौ गोड अर लाबा-लाबा डाळा। कदीम सू उणरै माथै माळौ वणै। साख मे दाणौ पडता ई चौधरी गोफण लेय नै माळा माथै चढ जावैमो कातीसरौ निवडिया इज पाछौ नीचौ उतरै। गोफणिया रा सरणाट उडै। मूंतमी चामडपोम गोफण, गोळ गोळ एक माप रा गौफणिया अर चौधरी रे बाटूडा रौ करार। दो च्यार वार भमाय नै गोफण री फटकारौ लागै सो जाणै वदूक मे सू गोळी छूटी।

खेत वाळी बात

उतरती आसोज अर लागती काती। वाजरिया सागी पाग पाकौडी। वास-वास ताळ डोका अर हाथ-हाथ भर सिरटा। दाणा देखौ तो जाणै परड रा डोळा। मूगा चवळा री फळिया भुरजी भैंस रा सीग न्है जिसी अर मतीरा काचरा री डाफळ पाणी वेळा पग-पग मार्थं पाथरीजियोडी। पाछतरा तिल गवार नीला डेडार करतौडा, जाणै मेहूडौ अवार'इज वरस नै गयौ। वस्ती पात रौही सुहामणी लागै कुदरत रा सिणगार नै आख्या फाड फाड नै देखता'इज जाओ पण जीव तिरपत नी व्हे। मन ठालौ भूलौ धापै इज नी। उठा सू सरकण री मसा ई नी व्हे।

गाम री काकड मार्थं चौधरी री एक टणकौ खेत आयोडौ। तीन वीसी ह्ळवा रौ एकठौ चक। भगवान री किरपा सू इण पूरा चक मे अवकै वाजर चैठी तो पछै वो चैठी के देखताई भूख भागै जिसी। मिनख मारग वैवताई थूथकौ नाखै।

खेत रे सै वीच एक लूठी खेजड ऊभी। टणकी गोड अर लावा-लावा डाळा। कदीम सू उणरै मार्थं माळौ वणै। साख मे दाणौ पटता ई चौधरी गोफण लेय नै माळा मार्थं चढ जावै सो कातीसरौ निवडिया इज पाछौ नीचौ उतरै। गोफणिया रा सरणाट उडै। सूंतमी चामडपोम गोफण, गोळ गोळ एक माप रा गौफणिया अर चौधरी रे वाटुडा री करार। दो च्यार वार भमाय नै गोफण री फटकारी लागै सो जाणै वदूक मे सू गोळी छूटी।

गोफणियौ उडै सूसाड करतौडी। मजाल है कोई चिडी रौ जायौ ई चाच डुबोयदे के मिनख रौ जायौ खेत मे पावडौ ई धर दे ।

तावडौ तपिया भातौ खावण नै चौधरी माळा सू नीचौ उतरै अर तावडौ टाळनै पाछौ माथै चढ जावै । मिनख खेत री रुखाळी अर चौधरी रे सुभाव सू आछी तरिया वाकब इण वास्तै कोई उणरै खेत कानी मूडौ इज नी करै । लावणी ताई धान सफा नकेवळौ उभौ रैवै अर काचरा मतीरा सफा अवोट पडिया रैवै ।

समाजोग री वात के एक दिन उठारौ राजा सिकार नै निकळचौ । आथूणा भाखर री ढाळ मे झाडी झाडी आयौडी । जिण मे सूरा री डारा री डारा मछरा करै । दस वीस घोडा सू टाळमा मोटचार लेय नै राजा उण वनकटी मे वळियौ । झाडी उठै इतरी जाडी के ताळी देय नै नाठ जावौ तो पतौ नी लागै । राजा रौ घोडो थोडौक आगै वधियौ के एक अरडाट करतौ एकलसूर झाडी मे सू बारै निकळचौ राजा । घोडौ लारै नाख दियौ । वरगडा वरगडा' वरगडा ! आगै सूर नै लारै घोडौ । घडीक जेज मे पाच दस कौस रौ आतरौ पडग्यौ । मोटचार सगळाई लारै छूटग्या अर राजा एकलौ पडग्यौ । असैंदी भोम अर उजाड मारग । राजा सूर रे लारै धूड वाळ नै घोडौ राम भरोसै छोड दियौ । चालता-चालता करडी रोटी वेला व्हैगी । सूरज मथारै आयग्यौ । आसोज रौ तावडौ लाय बरसावण लाग्यौ अर राजा री सास लोली मे आयग्यौ । तिरसा मरता री आख्या फूटै । पण कठैई पाणी निजर नी आवै ।

सेवट राजा फिरतौ-फिरतौ उण चौधरी रे खेत खनै पूगौ । माळा माथै मिनख ऊभौ देखनै उणरै जीव मे थावस वाधी । घोडौ एकण कानी बाधनै वो वाजरी मे अरडियौ । पग-पग माथै काचरा मतीरा री वेला पाथरी-जियौडी पडी । पगा मे आटिया आवण लागी । नीचै पगा कानी देख्यौ तो घडा रे उनमान टणका-टणका मतीरा पडिया । राजा तौ देखते ई तिरपत व्हैग्यौ । थोडौ सीक आगै वधियौ तो एक डाफल पाणी वेल निरी भा मे पाथरीजियौडी निजर आई । पानडा नीला कच अर तातौ राहुडी री गळाई आटा दियौडौ । उण माथै लाग्यौडा एक सागैडा मतीरा नै देख नै राजा रौ मन डुळग्यौ । मतीरौ घडा रे उनमान टणकौ, सीसा री गळाई भारी । वो उणनै तोडण वास्तै नीचौ लुळियौ, जितरै तो सूसाड करतौडी एक गोफणियौ उणरै माथै होय नै निकळचौ । जे ऊभौ व्हैतौ तौ खोपड

गोफणियौ उडै सूसाड करतौडौ । मजाल है कोई चिडी री जायी ई चाच डुबोयदे के मिनख रौ जायौ खेत गे पावडौ ई धर दे ।

तावडौ तपिया भातौ खावण नै चौधरी माळा मू नीचौ उतरै अर तावडौ टाळनै पाछौ माथै चढ जावै । मिनख खेत री रुखाळी अर चौधरी रे सुभाव सू आछी तरिया वाकव इण वास्तै कोई उणरै खेत कानी मूडौ इज नी करै । लावणी ताई धान सफा नकेवळौ उभौ रैवै अर काचरा मतीरा सफा अवोट पडिया रैवै ।

समाजोग री वात के एक दिन उठारौ राजा सिकार नै निकळयौ । आथूणा भाखर री ढाळ मे झाडी झाडी आयौडी । जिण मे सूरा री डारा री डारा मछरा करै । दस वीस घोडा सू टाळमा मोटचार लेय नै राजा उण वनकटी मे वळियौ । झाडी उठै इतरी जाडी के ताळी देय नै नाठ जावौ तो पतौ नी लागै । राजा रौ घोडो थोडौक आगै वधियौ के एक अरडाट करतौ एकलसूर झाडी मे सू वारै निकळयौ राजा । घोडौ लारै नाख दियौ । वरगडा वरगडा· वरगडा ! आगै सूर नै लारै घोडौ । घडीक जेज मे पाच दस कौस रौ आतरौ पडग्यौ । मोटचार सगळाई लारै छूटग्या अर राजा एकलौ पडग्यौ । असैदी भोम अर उजाड मारग । राजा सूर रे लारै धूड वाळ नै घोडौ राम भरौसै छोड दियौ । चालता-चालता करडी रोटी वेला व्हैगी । सूरज मथारै आयग्यौ । आसोज रौ तावडौ लाय वरसावण लाग्यौ अर राजा रौ सास लोली मे आयग्यौ । तिरसा मरता री आख्या फूटै । पण कठैई पाणी निजर नी आवै ।

सेवट राजा फिरतौ-फिरतौ उण चौधरी रे खेत खनै पूगौ । माळा माथै मिनख ऊभौ देखनै उणरै जीव मे थावस वाधी । घोडौ एकण कानी वाधनै वो वाजरी मे अरडियौ । पग-पग माथै काचरा मतीरा री वेला पाथरी-जियौडी पडी । पगा मे आटिया आवण लागी । नीचै पगा कानी देख्यौ तो घडा रे उनमान टणका-टणका मतीरा पडिया । राजा तौ देखते ई तिरपत व्हैग्यौ । थोडौ सीक आगै वधियौ तो एक डाफल पाणी वेल निरी भा मे पाथरीजियौडी निजर आई । पानडा नीला कच अर तातौ राहडी री गळाई आटा दियौडो । उण माथै लाग्यौडा एक सागैडा मतीरा नै देख नै राजा रौ मन डुळग्यौ । मतीरौ घडा रे उनमान टणकौ, सीसा री गळाई भारी । वो उणनै तोडण वास्तै नीचौ लुळियौ, जितरै तो सूसाड करतौडौ एक गोफणियौ उणरै माथै होय नै निकळयौ । जे ऊभौ व्हैतौ तौ खोपड

खोन देवती। राजा वात नै ताडग्यौ। वो मतीरौ उठै इज छोड नै सीधौ माळा कानी गयौ। ठेट नैडौ जायनै वोल्यौ—

मारग वैवतौ वटाऊ हूँ। तिरस्या मरता री आख्या फूटै सो का तो ठाडौ पाणी पाव अर का एक चोखौसीक मतीरौ लाय नै दे। चौधरी माळा मू नीचौ उतरियौ अर वोल्यौ—

भला आदमी विना पूछ्या इज खेत मे वळग्यौ अर पाधरौ रुखाळियोडा मतीरा माथै इज पूग्यौ। अवार खोपड खोलाय देव तौ। गजव व्है जाता। मतीरा इज खावणा है तो भगवान री दया सू खेत भरियौ पडियौ है। उण एक मतीरा नै छोडनै थू चावै जितरा खाय सकै।

क्यू उण मतीरा मे इज इसी काई खास वात है जो उणनै रुखाळ नै राख्यौ है ? राजा पूछ्यौ।

—भाया थू तो अणूतौ हुसियार दीसै। थनै पाडा-पाडी सू काम है के वळी सू ?

—मतीरौ वीज वास्तै रुखाळियौ व्हैला। राजा चौधरी रे मन रौ थाग लेवता पूछ्यौ।

—ना रे ना भोळा, वीज वास्तै नी है। थू तो लारै इ'ज,पडग्यौ, विना वताया पार नी जावैला। वो मतीरौ इमरती वेल रौ है, सौ राजा नै भेट देवण खातर रुखाळियौडौ है।

—थारै नै राजा रे काई लेणी देणी रे चौधरी ? थू उणनै मतीरौ क्यू भेट करणी चावै ?

—लेणी-देणी कीकर नी है वोफा ! राजा इण धरती रौ धणी है, इण मुल्क रौ मालिक है। इण धरती माथै जिकी चीज निपजै उण माथै उणरौ हक है।

—ए तो सगळी थोथी वाता है चौधरिया। असली वात तो काई दूजीज दीसै। स्यात राजा सू कोई काम कढावणौ व्हैला के लूठौ इनाम लेवण री मसा व्हैला।

—खैर काम काज तो म्हारै की कोनी कढावणौ पण जे इनाम इकरार वख्सै तो इण मे काई अजोगी वात है ? वे धणी है, वानै वख्सणौ इज चाहिजै। अर रावळी नेल पल्ला मे लीजै।

—पण जे कदाच भेट लिया पछै राजा थनै कोई इनाम इकरार नी देवै तो ?

खोल देवतौ। राजा वात नै ताडग्यौ। वो मतीरौ उठै इज छोड नै सीधौ माळा कानी गयौ। ठेट नैडौ जायनै वोल्यौ—

मारग वैवतौ वटाऊ हूँ। तिरस्या मरता री आख्या फूटै सो का तो ठाडौ पाणी पाव अर का एक चोखौसीक मतीरौ लाय नै दे। चौधरी माळा सू नीचौ उतरियौ अर वोल्यौ—

भला आदमी विना पूछ्या इज खेत मे वळग्यौ अर पाधरौ रुखाळियोडा मतीरा माथै इज पूग्यौ। अवार खोपड खोलाय देव तौ। गजव व्है जाता। मतीरा इज खावणा है तो भगवान री दया सू खेत भरियौ पडियौ है। उण एक मतीरा नै छोडनै थू चावै जितरा खाय सकै।

क्यू उण मतीरा मे इज इसी काई खास वात है जो उणनै रुखाळ नै राख्यौ है ? राजा पूछ्यौ।

—भाया थू तो अणूतौ हुसियार दीसै। थनै पाडा-पाडी सू काम है कै वळी सू ?

—मतीरौ वीज वास्तै रुखाळियौ व्हैला। राजा चौधरी रे मन रौ थाग लेवता पूछ्यौ।

—ना रे ना भोळा, वीज वास्तै नी है। थू तो लारै इ'ज,पडग्यौ, विना वताया पार नी जावैला। वो मतीरौ इमरती वेल रौ है, सौ राजा नै भेट देवण खातर रुखाळियौडौ है।

—थारै नै राजा रे काई लेणी देणी रे चौधरी ? थू उणनै मतीरौ क्यू भेट करणी चावै ?

—लेणी-देणी कीकर नी है वोफा ! राजा इण धरती रौ धणी है, इण मुल्क रौ मालिक है। इण धरती माथे जिकी चीज निपजै उण माथै उणरौ हक है।

—ए तो सगळी थोथी वाता है चौधरिया। असली वात तो काई दूजीज दीसै। स्यात राजा सू कोई काम कढावणौ व्हैला के लूठौ इनाम लेवण री मसा व्हैला।

—खैर काम काज तो म्हारै की कोनी कढावणौ पण जे इनाम इकरार वख्सै तो इण मे काई अजोगी वात है ? वे धणी है, वानै वगसणौ इज चाहिजै। अर रावळी तेल पल्ला मे लीजै।

—पण जे कदाच भेट लिया पछै राजा थनै कोई इनाम इकरार नी देवै तो ?

—तो उणरै माजना मे धूड ! चौधरी चिडतौ थकौ बोल्यौ। धरती री धणी होय नै इतरौ ओछौ मन राखै तो माजना मे धूड पडैला इज। पण खैर थू तो एक दो मीठा मतीरा खायले भाया, तिरस्या मरता मरता रौ कठ सूखतौ व्हैला। कठै राजा वाळी रामायण लेय नै वैठग्यौ।

चौधरी राजा नै पे'ली तो कोरा चुकळिया मे सू ठाडौ टीप पाणी पायौ अर पछै मीठा मिसरी व्है जिसा मतीरा धापनै खवाया। राजा तिरपत होयनै पोतारौ मारग पकडियौ।

वाता करता पखवाडौ वीतग्यौ। राजा वाळौ मतीरौ पाकनै राणवाण व्हैग्यौ। वेलडी कुम्हळीजगी अर कूपल वळगी। चोखौ दिन देखनै चौधरी मतीरौ लेयनै राजा रै दरवार कानी वहीर व्हियौ। लट्ठा रौ धोतियौ, सफेद पोपलीन री अगरखी अर झीणी मलमल रौ साफौ। चोटी सू लगाय नै एडी ताई सफेद झक्क, वगला री पाख व्है ज्यू। मो'रा माथै ऊजळी वळाक पछेवडी मे बच्चौडौ मतीरौ अर हाथ मे तारा सू गठियौडी डाग। दरीखानै जायनै खम्माघणी अरज कराई तो मायनै जावण रौ हुक्म मिळग्यौ।

राजा तो उणनै देखता पाण औळख लियौ चौधरी तौ वो सागैई। जावताई मुळकनै आवकारौ दियौ—आवौ चौधरी आवौ ! चौधरी तीन वेळा जमी ताई लुळ-लुळ नै खम्माघणी अरज कर नै ऊचौ राजा रे मूडा कानी देख्यौ तो पगा नीचै सू धरती सिरकती लागी। ओ तो सागण उण दिन खेत मे आयौ जिकोज आदमी। चौधरी रा धै छिलग्या। भवळ सी आवण लागी। पण पाछी हिम्मत बाधी। अवै उखळ मे माथै देयनै हब्बीडा सू काई डरणौ। व्हैला जिकी भाग री। सो गाढ राख, मतीरौ राजा रै पगा मे धरनै हाथ जोडनै ऊभौ व्हैग्यौ।

राजा उणरौ सकोच तोडण खातर पूछण लाग्यौ कहौ चौधरी अव कै फसला दूजी किसीक पाकी ? चौधरी नै फेर थोडी हिम्मत वाधी अर धीरै-धीरै राजा सू वतळ करण लाग्यौ। अठी—उठी री मोकळी आडी डोडी वाता हुई पण दोन्यू जणा उण दिन वाळी हकीकत जवान माथै ई नी लाया। पण मन मे छकै पजै सावधान।

सेवट राजा असली बात माथै आयौ अर• वोल्यौ—चौधरी मतीरौ तो थू वडौ जोर को ल्यायौ रे। अरे है रे कौई, दीवाणजी नै बुलावौ। चौधरी नै इण अनोखी भेट वास्तै काई इनाम इकरार तो मिळणौ इज चाहिजै।

—तो उणरै माजना मे धूड ! चौधरी चिडतौ थकौ बोल्यौ। धरती रौ धणी होय नै इतरौ ओछौ मन राखै तो माजना मे धूड पडैला इज। पण खैर थू तो एक दो मीठा मतीरा खायले भाया, तिरस्या मरता मरता रौ कठ सूखतौ व्हैला। कठै राजा वाळी रामायण लेय नै बैठग्यौ।

चौधरी राजा नै पे'ली तो कोरा चुकळिया मे सू ठाडौ टीप पाणी पायौ अर पछै मीठा मिसरी व्है जिसा मतीरा धापनै खवाया। राजा तिरपत होयनै पोतारौ मारग पकडियौ।

वाता करता पखवाडौ बीतग्यौ। राजा वाळौ मतीरौ पाकनै राणवाण व्हैग्यौ। वेलडी कुम्हळीजगी अर कूपल वळगी। चोखौ दिन देखनै चौधरी मतीरौ लेयनै राजा रै दरवार कानी वहीर व्हियौ। लट्ठा रौ धोतियौ, सफेद पोपलीन री अगरखी अर झीणी मलमल रौ साफौ। चोटी सू लगाय नै एडी ताई सफेद भक्क, वगला री पाख व्है ज्यू। मो'रा माथै ऊजळी वळाक पछेवडी मे वच्चौडौ मतीरौ अर हाथ मे तारा सू गठियौडी डाग। दरीखानै जायनै खम्माघणी अरज कराई तो मायनै जावण रौ हुक्म मिळग्यौ।

राजा तो उणनै देखता पाण औळख लियौ चौधरी तौ वो सागैई। जावताई मुळकनै आवकारौ दियौ—आवौ चौधरी आवौ ! चौधरी तीन वेळा जमी ताई लुळ-लुळ नै खम्माघणी अरज कर नै ऊचौ राजा रे मूडा कानी देख्यौ तो पगा नीचै सू धरती सिरकती लागी। ओ तो सागण उण दिन खेत मे आयौ जिकोज आदमी। चौधरी रा धै छिलग्या। भवळ सी आवण लागी। पण पाछी हिम्मत बाधी। अवै उखळ मे माथै देयनै हब्बीडा सू काई डरणौ। व्हैला जिकी भाग री। सो गाढ राख, मतीरौ राजा रै पगा मे धरनै हाथ जोडनै ऊभौ व्हैग्यौ।

राजा उणरौ सकोच तोडण खातर पूछण लाग्यौ कहौ चौधरी अब कै फसला दूजी किसीक पाकी ? चौधरी नै फेर थोडी हिम्मत वाधी अर धीरै-धीरै राजा सू वतळ करण लाग्यौ। अठी—उठी री मोकळी आडी डोडी वाता हुई पण दोन्यू जणा उण दिन वाळी हकीकत जबान माथै ई नी लाया। पण मन मे छकै पजै सावधान।

सेवट राजा असली वात माथै आयौ अर वोल्यौ—चौधरी मतीरौ तो थू वडौ जोर को ल्यायौ रे। अरे है रे कौई, दीवाणजी नै बुलावौ। चौधरी नै इण अनोखी भेट वास्तै काई इनाम इकरार तो मिळणौ इज चाहिजै।

क्यू चौधरी ?

—ज्यू अन्नदाता री मरजी धणिया ? चौधरी राजी व्हैतौ बोल्यौ।

—पण जे कोई इनाम इकरार नी देवू चौधरी तौ ? राजा मरम री मसखरी कीवी।

—तौ, तौ सागैई खेत वाळी बात अन्नदाता ! चौधरी सौ सुनार री अर एक लुहार री चोट करतौ बोल्यौ।

राजा चौधरी रा मो'र थापौटिया अर लूठौ इनाम इकरार देयनै रवानै कियौ।
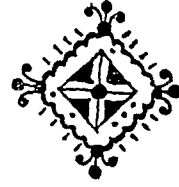
क्यू चौधरी ?

—ज्यू अन्नदाता री मरजी धणिया ? चौधरी राजी व्हैतौ वोल्यौ।

—पण जे कोई इनाम इकरार नी देवू चौधरी तौ ? राजा मरम री मसखरी कीवी।

—तौ, तौ सागैई खेत वाळी वात अन्नदाता ! चौधरी सौ सुनार री अर एक लुहार री चोट करतौ वोल्यौ।

राजा चौधरी रा मो'र थापौटिया अर लूठौ इनाम इकरार देयनै रवानै कियौ।

रूपाळी बींनणी

लचकै लाडा थारी मोजडी रै
ढळकै केसरिया री जान
नगरी रे लोका पूछियौ रैं
किसौ वीरौ परणै पधारै ऽऽ•••

रात रा पाछला पो'र मे लुगाया रा झीणा कठ सूं गीत रे सागै सागै ऊठा अर बळदा री वरीक पण सातरी व्हैगी । इणसूं वारै गळा मे वाध्चौडी टोकर माळा अर घुघरमाळा एक लय सू रुण भुण टुण-मुण अर झम्मर झम्म रो समवेत सुर उच्चारण लागी । इण सगळी चळवळ सू आ बात जाहेर ही के कोई गाम नैडौ आयग्यौ है ।जानी स्यात् गामवाळा नै वतावणी चावै हा के कोई जान जायरी है सो कोई आयनै देखौ ।

पण उण कुवेळा मे आपरी मीठी नीद छोड' र कुण उठतौ । म्हू जरूर उठग्यौ कारण के म्हू जानी हो अर म्हारौ छकडौ सगळा सू लारै हो । म्है छकडा रा पाटिया रै आपौ लगायनै पग लावा कर लिया अर सिगरेट सुळगाय ली । इण वखत रात रौ पाछलौ पौ' र हो सो नीद सफा उडगी ही । सिगरेट रे धुआ रा गोट सागै विचारा रा दोट पण वणण अर विगडण लाग्या । बात जे इमानदारी स् कही जावै तो आ बात सौ टका सही है के जान मे जावती वखत एक तरै रौ नसौ चढ जाया करै । इण नसा रौ असर चूकता जानिया मार्थं रैवै । कोई मार्थं थोडौ तौ कोई मार्थं घणौ । कई लोग तो इण नसा रौ असर तो जिनावरा तकात माथै मानै । पण इण

रूपाळी बींनणी

लचकै लाडा थारी मोजडी रै
ढळकै केसरिया री जान
नगरी रे लोका पूछियौ रै
किसौ वीरौ परणै पधारै ऽऽ•••

. रात रा पाछला पो'र मे लुगाया रा झीणा कठ सूं गीत रे सागै सागै ऊठा अर बळदा री वरीक पण सातरी व्हैगी । इणसूं वारै गळा मे वाध्योडी टोकर माळा अर घुघरमाळा एक लय सू रुण भुण टुण-मुण अर झम्मर झम्म रौ समवेत सुर उच्चारण लागी । इण सगळी चळवळ सू आ बात जाहेर ही के कोई गाम नैडौ आयग्यौ है ।जानी स्यात् गामवाळा नै वतावणी चावै हा के कोई जान जायरी है सो कोई आयनै देखौ ।

पण उण कुवेळा मे आपरी मीठी नीद छोड' र कुण उठतौ । म्हू जरूर उठग्यौ कारण के म्हू जानी हो अर म्हारौ छकडौ सगळा सू लारै हो । म्है छकडा रा पाटिया रै आपौ लगायनै पग लावा कर लिया अर सिगरेट सुळगाय ली । इण वखत रात रौ पाछलौ पौ' र हो सो नीद सफा उडगी ही । सिगरेट रे धुआ रा गोट सागै विचारा रा दोट पण वणण अर विगडण लाग्या । वात जे इमानदारी स् कही जावै तो आ वात सौ टका सही है के जान मे जावती वखत एक तरै रौ नसौ चढ जाया करै । इण नसा रौ असर चूकता जानिया माथै रैवै । कोई माथै थोडौ तौ कोई माथै घणौ । कई लोग तो इण नसा रौ असर तो जिनावरा तकात माथै मानै । पण इण

कंवन मे तो काई तत कोनी के--'जान री ऊभायी गोरियौ ऊचौ-ऊचौ मूतरै'—पण जान रौ ऊभायौ वापडौ गोरियौ नी पण उणनै जोतण वाळौ पोते हो। जिणै नसा रे वसीभूत होय नै उतवाळ मे गोरिया वळद री ठौड गोरकी गायनै गाडी माय जोत दीवी ही। वापडी सैण की गाय रे गाडी मे जुतणौ तो वस री वात ही पण नीचै सू मूतणौ हाथ री वात ही कोनी। वा जे वापडी ऊ चा सू मूतण लागी तो इण मे उणरौ कसूर काई ?

खैर छोडौ इण वात नै, पण आ वात तो सोळू आना सही है के जानिया माथै तो इणगै नसौ जरूर रैवै। इसी हालत मे बीद राजा रै माथै डचोढौ नसौ रैवै तो कोई इचरज री वात नी। माफ कराई जौ म्हू थोडो सौकीन तबियत रौ आदमी हू। इण वास्तै म्हारै माथै इण नसा री गैळ सी चढचौडी ही। अर म्हारै चेलै सूरजमल रौ तो पछै पूछणौइज काई वो तो नसा मे धुत्त व्हियौडौ हो। कारण के बो तो पौतै बीद राजा हो। म्हारै ख्याल सू आपनै सूरजमल री थोडी ओळखाण दे देवणी ठीक रै वैला। जिकण सूं इण नसा रौ थोडौ-घणौ मजौ आप ई उठाय सकौ।

सूरजमल लिछमी रा लाडका सेठ फूलचद रौ एकाएक बेटौ हो अर म्हारा छाकटा सू छाकटा विद्यार्थिया मे सूं एक टाळमी रकम। जरूरत सू ज्यादा हुसियार। कारण कै चढती जवानी अर पैसौ पल्ले, पछै रामजी चलावै तो इज गेलै चलै। वो उणियारा रौ दीसतौ वास्तौ, फूटरौ फररौ अर जवान रौ पाटक हो। कॉलेज भर रा प्रोफेसरा अर छोरिया नै इणै काठा तग कर नाख्या हा। होस्टल रा साथी पण बापडा इण सूं आगै सू इज नमस्कार करता। सगळाई उण सू गळा सूधी धाप्योडा हा। पण सूरज इण वात री कदैई गिनरत नी कीवी।

सूरज जठै देखौ उठै ई लाडा री भूआ वण्यौडौ रैवतौ। कौई नै वरगू वणाय नै ताळिया वजावणी इणरै डावा हाथ रौ खेल हौ। एकर क्लास मे एक छोरी रै तौ ओ लारै इज पडग्यौ। छोरी रो नाम कुमुद हो। छोरी लाण अल्ला री गाय। नी कोई री हरी मे अर नी कौई री भरी मे सीधै रास्तै चालण वाळी। वा कॉलेज मे घणी वखत सफैद पेटीकोट अर नीली साडी पैरनै आवती। सो सूरज उणरौ नाम मिस मूळी धरदियौ। थोडाक दिना मे मिस मूळी-मिस मूळी-कॉलेज मे हाकौ सो व्हैग्यौ।

एक दिन क्लास मरू व्ही तौ हरेक विद्यार्थी री डेस्क माथै एक एक मूळी पत्ता ममेत खोस्यौडी ही। कोई पण वात री हद व्हिया करै। सेवट

कंवन मे तो काई तत कोनी के--'जान री ऊभायौ गोरियौ ऊचौ-ऊचौ मूतरै'---पण जान रौ ऊभायौ वापडौ गोरियौ नी पण उणनै जोतण वाळौ पोते हो। जिणै नसा रे वसीभूत होय नै उतवाळ मे गोरिया वळद री ठौड गोरकी गायनै गाडी माय जोत दीवी ही। वापडी सैण की गाय रे गाडी मे जुतणौ तो वस री वात ही पण नीचै सू मूतणौ हाथ री वात ही कोनी। वा जे वापडी ऊ चा सू मूतण लागी तो इण मे उणरौ कसूर काई ?

खैर छोडौ इण वात नै, पण आ वात तो सोळ आना सही हे के जानिया माथै तो इणगै नसौ जरूर रैवै। इसी हालत मे बीद राजा रै माथै डचोढौ नसौ रैवै तो कोई इचरज री वात नी। माफ कराई जौ म्हू थोडो सौकीन तबियत रौ आदमी हू। इण वास्तै म्हारै माथै इण नसा री गैळ सी चढचौडी ही। अर म्हारै चेलै सूरजमल रौ तो पछै पूछणौइज काई वो तो नसा मे धुत्त व्हियौडौ हो। कारण के बो तो पौतै वीद राजा हो। म्हारै ख्याल सू आपनै सूरजमल री थोडी ओळखाण दे देवणी ठीक रै वैला। जिकण सूं इण नसा रौ थोडौ-घणौ मजौ आप ई उठाय सकौ।

सूरजमल लिछमी रा लाडका सेठ फूलचद रौ एकाएक वेटौ हो अर म्हारा छाकटा सू छाकटा विद्यार्थिया मे सूं एक टाळमी रकम। जरूरत सू ज्यादा हुसियार। कारण कै चढती जवानी अर पैसौ पल्ले, पछै रामजी चलावै तो इज गेलै चलै। वो उणियारा रो दीसतौ वास्तौ, फूटरौ फररौ अर जवान रौ पाटक हो। कॉलेज भर रा प्रोफेसरा अर छोरिया नै इणै काठा तग कर नाख्या हा। होस्टल रा साथी पण बापडा इण सूं आगै सू इज नमस्कार करता। सगळाई उण सू गळा सूधी धाप्योडा हा। पण सूरज इण वात री कदैई गिनरत नी कीवी।

सूरज जठै देखौ उठै ई लाडा री भूआ वण्योडौ रैवतौ। कोई नै वरगू वणाय नै ताळिया वजावणी इणरै डावा हाथ रौ खेल हौ। एकर क्लास मे एक छोरी रै तौ ओ लारै इज पडग्यौ। छोरी रो नाम कुमुद हो। छोरी लाण अल्ला री गाय। नी कोई री हरी मे अर नी कोई री भरी मे सीधै रास्तै चालण वाळी। वा कॉलेज मे घणी वखत सफेद पेटीकोट अर नीली साडी पैरनै आवती। सो सूरज उणरौ नाम मिस मूळी धरदियौ। थोडाक दिना मे मिस मूळी-मिस मूळी-कॉलिज मे हाकौ सो व्हैग्यौ।

एक दिन क्लास सरू व्ही तौ हरेक विद्यार्थी री डेस्क माथै एक एक मूळी पत्ता समेत खोस्योडी ही। कोई पण वात री हद व्हिया करै। सेवट

सूरज री सिकायत प्रिंसिपल खनै अर उणरा बाप खनै पूगी। प्रिंसिपल री तरफ सू उणनै ठबक मिळी अर सेठजी कानी सू म्हनै कागद मिळ्यौ। उणमे लिख्यौ हो—दूजा नैं तो म्हू काई लिखू पण आपनै लिख्या विना रैय नी सकू कारण के आपरौ तौ उण नालायक माथै थोडौ घणौ असर पडै है, वोई आपनै सिरधारी निजर सू देखै हे। इण वास्तै आप तौ किरपा करनै उणनै थोडौ समझावौ। ओ छोरौ आपरै भरोसै है।

सेठजी रौ लिखणौ सफा भूठौ नी हो। इणनै आप पूरवभव रा सस्कार समझौ अथवा कोई सजोग री बात के सूरज म्हारा सू थोडौ दबतौ जरूर हो। उणरी कतरणी री गळाई चालण वाळी जीभ म्हारै साम्ही आयनै थोडी रुक जावती। इण वास्तै उणनै समझावणौ म्हारौ फरज हो। पण म्हारी सीख भलामण ई उणरै माथै मसाणिया वैराग वाळौ असर जरूर कियौ पण चिकणा घडा माथै छाट नी लागी। सेठजी सेवट काठा धापनै म्हारी सलाह सू उणनै कॉलेज छुडाय दी।

इणरै पछै साल भर ताई म्हनै सूरज रा कोई समाचार नी मिळ्या। सेवट एक दिन डाक सू सूरज रै व्याव री कूकू पत्री मिळी। सेठजी अर सूरज दोनू जणा म्हनै घणौ मान-मानवार सू नूतौ दियौ हो, इण वास्तै सूरज री जान मे जावणौ पडियौ। सेठा रौ समाज अर गामठी जान पण म्हू म्हारै सुभाव रै कारण सगळी जगै फिट व्है जाऊँ। इण वास्तै जान रा उण हो हल्ला मे म्हनै आणद इज आयौ अर भूठ नी बोलू तो लचके लाडा थारी मोजडी रै . मे तो अणूतौ मजौ आयौ।

पो'रेक दिन चढ्यौ अर जान सूरज रै सासरै पूगी। मामूली सो गाम अर उण मे कोई सेठा रा सौ डेढ सौ घर। दो कोस आगा सू इज वारी हवेलिया हाका करै ही के लिछमी रौ अठै नेखम बासौ हो। जठा ताई सुणण मे आयौ सूरज रा सासरा वाळा करोडपती आसामी ही। सूरज री होवण वाळी बीनणी पण थोडी घणी पढी लिखी ही। रिवाज अर हेसियत रे माफक जान री अगवाणी वडी जोर की व्ही। मिळणी रौ नजारौ तो हाल ताई म्हारी आख्या रै आगै परतख नाचै हे। मिळणी हुया पछै जान तो जनवासै पूगी अर रिवाज रै माफक सूरज नै गाम रै बारै बगैची मे ठैरणौ पडियौ। जनवासा मे सुख सुविधा रौ पूरौ इतजाम हो। म्हैं स्नान ध्यान सू निपटनै कपडा पलटिया अर थोडी ताळ आराम करण रौ विचार कियौ। कारण के लगन गोधूलिक हो अर उण वखत उठै म्हनै हाजर रैवणौ हौ।

सूरज री सिकायत प्रिंसिपल खनै अर उणरा बाप खनै पूगी । प्रिंसिपल री तरफ सू उणनै ठवक मिळी अर सेठजी कानी सू म्हनै कागद मिळ्यौ । उणमे लिख्यौ हो—दूजा नै तो म्हू काई लिखू पण आपनै लिख्या विना रैय नी सकू कारण के आपरौ तौ उण नालायक माथै थोडौ घणौ असर पडै है, वोई आपनै सिरधारी निजर सू देखै है । इण वास्तै आप तौ किरपा करनै उणनै थोडौ समझावौ । ओ छोरौ आपरै भरोसै है ।

सेठजी रौ लिखणौ सफा भूठौ नी हो । इणनै आप पूरवभव रा सस्कार समझौ अथवा कोई सजोग री वात के सूरज म्हारा सू थोडौ दवतौ जरूर हो । उणरी कतरणी री गळाई चालण वाळी जीभ म्हारै साम्ही आयनै थोडी रुक जावती । इण वास्तै उणनै समझावणौ म्हारौ फरज हो । पण म्हारी सीख भलामण ई उणरै माथै मसाणिया वैराग वाळौ असर जरूर कियौ पण चिकणा घडा माथै छाट नी लागी । सेठजी सेवट काठा धापनै म्हारी सलाह सू उणनै कॉलिज छुडाय दी ।

इणरै पछै साल भर ताई म्हनै सूरज रा कोई समाचार नी मिळया । सेवट एक दिन डाक सू सूरज रै व्याव री कूकू पत्री मिळी । सेठजी अर सूरज दोनू जणा म्हनै घणौ मान-मानवार सू नूतौ दियौ हो, इण वास्तै सूरज री जान मे जावणौ पडियौ । सेठा रौ समाज अर गामठी जान पण म्हू म्हारै सुभाव रै कारण सगळी जगै फिट व्है जाऊँ । इण वास्तै जान रा उण हो हल्ला मे म्हनै आणद इज आयौ अर भूठ नी वोलू तो लचके लाडा थारी मोजडी रै . . मे तो अणूतौ मजौ आयौ ।

पो'रेक दिन चढयौ अर जान सूरज रै सासरै पूगी । मामूली सो गाम अर उण मे कोई सेठा रा सौ डेढ सौ घर । दो कोस आगा सू इज वारी हवेलिया हाका करै ही के लिछमी रौ अठै नेखम बासौ हो । जठा ताई सुणण मे आयौ सूरज रा सासरा वाळा करोडपती आसामी ही । सूरज री होवण वाळी बीनणी पण थोडी घणी पढी लिखी ही। रिवाज अर हैसियत रे माफक जान री अगवाणी वडी जोर की व्ही । मिळणी रौ नजारौ तो हाल ताई म्हारी आख्या रै आगै परतख नाचै है । मिळणी हुया पछै जान तो जनवासै पूगी अर रिवाज रै माफक सूरज नै गाम रै वारै वगैची मे ठैरणौ पडियौ । जनवासा मे सुख सुविधा रौ पूरौ इतजाम हो । म्है स्नान ध्यान सू निपटनै कपड़ा पलटिया अर थोडी ताळ आराम करण रौ विचार कियौ । कारण के लगन गौधूलिक हो अर उण वखत उठै म्हनै हाजर रैवणौ हौ ।

छकडा माथै मुसाफरी, जाँन रौ हाकौ-हूबौ, म्हनै थोडौ थाकेलौ आयग्यौ। सो माचा माथै आडौ व्हैताई झवकी आयगी। पाचेक मिनट मुसक्ल सू वीत्या व्हैला के किणैई म्हनै धगदोळ नै जगाय दियौ। आख्या मसळनै देखू तो आगै सूरज रौ साथी लिछमण ऊभौ। हाक-वाक व्हियौडौ। म्हे उणनै डाफाचूक हालत मे देख'र आळस मरोडता कह्यौ—काई वात है भाई ?

—आप नै सेठजी अवार रा अवार वुलाया है सो पधारौ।

– इसी काई वात है ? वता तौ खरी।

— सूरज विफरग्यौ है अर सेठजी सू लड पड्यो है, इण वास्ते सेठजी आपने वुलाया है।

सूरज रा सुभावनै म्हू आछी तरिया जाणै हो पण इण मौका माथै उणसू आ उम्मीद नी ही। म्हू लिछमण रे सागै वहीर व्हियौ तौ सै सू पे'ली मारग मे सेठजी मिळ्या। मूडौ चढ्योडौ, लिलाड मे सळ पड्योडा अर पागडी रा आटा ढीला पड्योडा। म्हनै देखताई वे एक कानी ले जायनै वोल्या—

— चवदै वरसा मे वीस हजार रुपिया खरच करनै इण नालायक नै भणायौ-गुणायौ इणरौ ओ नतीजौ है माट सा'व ?

म्हू आख्या फाडनें सेठजी रे मूडा कानी देखण लाग्यौ। वे वात नै साफ करता वोल्या—सूरजियौ कवै के म्हू बिनणी नै रूवरूं देख्या पछै इज उणरै सागै फेरा फिरूला। उणनै देखा—देखी करणी ही तो दो वरस सगपण रह्यौ हे, उण वखत काई ऊघ आई ही ? अवै एन मौका माथै आ किसीक नालायकी री वात है। देखण रौ मतळव तो उणरी पसदगी-नापसदगी रौ सवाल हुयौ। अर इण नालायक री पसदगी रौ नाप तोल काई ? ओ तौ आभा री अपसरा चावैला वा आवैला कठा सू ? इण मूरख नें भात-भात सू समझाय नै म्हू हारग्यो के टावर म्हारै देख्यौडी है—फूटरी, फररी अर दीपती है। थू भरोसौ राख। इण सूई वेसी चावै तो थनै उणरी फोटू वताय सका। पण ऐन मौका माथै रूवरू देखण, री हर करणी कम अकल री वात हे। पे'ली थनै काई मौत आई ही। फेर दो-च्यार मिनट मे थू उणरा गुण-औगुण तो जाण नी सकै। पछै रूवरू देखण रौ मतळव ई काई ? इण वास्तै अवै ऐन मौका माथै फालतू हठ छोडदे। पण म्हारी तौ मानै कोनी सो आपनै हाथ जोडनै अरज है के आप इण मूरखनै ज्यू-त्यू

छकडा माथै मुसाफरी, जाँन रौ हाकौ-हूवौ, म्हनै थोडौ थाकेलौ आयग्यौ। सो माचा माथै आडौ व्हैताई झबकी आयगी। पाचेक मिनट मुसकल सू वीत्या व्हैला के किणैई म्हनै धगदोळ नै जगाय दियौ। आख्या मसळनै देखू तो आगै सूरज रौ साथी लिछमण ऊभौ। हाक-वाक व्हियौडौ। म्है उणनै डाफाचूक हालत मे देख'र आळस मरोडता कह्यौ—काई वात है भाई ?

—आप नै सेठजी अवार रा अवार बुलाया है सो पधारौ।

– इसी काई वात है ? वता तौ खरी।

— सूरज विफरग्यौ है अर सेठजी सू लड पड्यो है, इण वास्ते सेठजी आपने बुलाया है।

सूरज रा सुभावनै म्हू आछी तरिया जाणै हो पण इण मौका माथै उणसू आ उम्मीद नी ही। म्हू लिछमण रे सागै वहीर व्हियौ तौ सैं सू पे'ली मारग में सेठजी मिळ्या। मूडौ चढयौडौ, लिलाड मे सळ पड्यौडा अर पागडी रा आटा ढीला पड्यौडा। म्हनै देखताई वे एक कानी ले जायनै वोल्या—

— चवदै वरसा मे बीस हजार रुपिया खरच करनै इण नालायक नै भणायौ-गुणायौ इणरौ ओ नतीजौ है माट सा'व ?

म्हू आख्या फाडनै सेठजी रे मूडा कानी देखण लाग्यौ। वे वात नै साफ करता वोल्या—सूरजियौ कँवै के म्हू बिनणी नै रूवरू देख्या पछै इज उणरै सागै फेरा फिरूला। उणनै देखा—देखी करणी ही तो दो वरस सगपण रह्यौ है, उण वखत काई ऊंघ आई ही ? अवै एन मौका माथै आ किसीक नालायकी री वात है। देखण री मतळब तो उणरी पसदगी-नापसदगी रौ सवाल हुयौ। अर इण नालायक री पसदगी रौ नाप तोल काई ? ओ तौ आभा री अपसरा चावैला वा आवैला कठा सू ? इण मूरख नै भात-भात सू समझाय नै म्हू हारग्यो के टावर म्हारै देख्यौडी है—फूटरी, फररी अर दीपतौ है। थू भरोसौ राख। इण सूई वेसी चावै तो थनै उणरी फोटू वताय सका। पण ऐन मौका माथै रूवरू देखण, री हर करणी कम अकल री वात है। पे'ली थनै काई मौत आई ही। फेर दो-च्यार मिनट मे थू उणरा गुण-औगुण तो जाण नी सकै। पछै रूवरू देखण रौ मतळव ई काई ? इण वास्तै अवै ऐन मौका माथै फालतू हठ छोडदे। पण म्हारी तौ मानै कोनी सो आपनै हाथ जोडनै अरज है के आप इण मूरखनै ज्यू-त्यू

करनै समझावौ। जे कदाच ओ नटग्यौ तो आगला रौ अर म्हारौ घर रौ माजनौ जावैला। एक तरै सू मरण व्हे जाएला। म्हारौ बरातियौ नसौ उतरग्यौ।

किसाक भूडा फस्या। मन मे जूनी मानतावा अर नूवी मानतावा रौ मथण चालण लाग्यौ। दिमाग मे कई विचार आवण लाग्या—प्रेम पे'ली ब्याव के, ब्याव पे'ली प्रेम ? पण अवै इण बाता पर विचार करण रौ वखत नी हो। अवै तो तुरत कोई बीचलौ मारग काढणौ हो। म्हू सूरज खनै पूगौ अर उणनै भात-भात सू समझायौ पण नटियौ मूहतौ नैणसी, तावौ देण तलाक। म्हू हार खायनै पाछौ जनवासै आयग्यौ। उठै सूरज रै सासरा रा नाई सू आ ठा पडी के सूरज रै हठ वाळी वात उणरै सासरा मे ई पूगगी है। अर इण बात माथै घर रा मिनखा मे ई फट पडग्यौ है। दो दळ वणग्या है। एक लिबरल अर दूजौ कजरवेटिव। लिबरला नै सूरज री वाता मे कोई खराबी नी दीसै अर कजरवेटिवा रे वास्तै ओ जीवण मरण रौ सवाल है। कजरवेटिव दळ री मुखी छोरी री मा ही अर लिव-रल दळ रौ मुखी छोरी रौ बाप। दोन्यू दळा रा पोत-पोतारा न्यारा-न्यारा विचार अर दलीला ही। पण सगळा सू मोटी वात आ ही के धीरै-धीरै लगन रौ वखत नैडौ आवै हो अर कोई राजीपौ नी बैठतौ हो। पण थोडीक जेज मे रेडियौ एनाउस री गळाई खबर आई के छोरी पोतै सूरज नै मिलण वास्तै बुलायौ है। म्हे छोरी नै, छोरी री अक्कल नै, छोरी री मा नै अर भगवान नै सगळा नै ई धनवाद दियौ अर इटरव्यू रे रिजल्ट री वाट जोवण लाग्यौ।

इटरव्यू रा विगतवार समाचार तौ पछै सूरज रै मूडा सू'इज सुण्या। वणनै इटरव्यू वास्ते जिकण कमरा मे बुलायौ वो एक छोटौ'सीक कमरौ हौ। कमरा री सजावट सू अदाज लागतौ हो के सजावट मे कोई खामची मिनख रा हाथ लाग्योडा है। हरेक चीज ठिकाणैसर अर ढग सू धरियौडी ही। दो एक मिनट मे लारलौ दरवाजौ खुल्यौ अर उणरी होवण वाळी बीनणी—सारदा आयनै सन्मुख ऊभी व्हैगी।

सूरज उणरै मूडा कानी देख्यौ तो चितबगौ व्हैग्यौ। साम्ही जाणै रूप रौ खजानौ ऊभौ। चवरी मे वैठण री सपूरण नैयारी रै सागै नख सू सिख ताई जोवन रा भार सू दब्योडी। पण सकोच-सरम रौ कठैई नाम ई नी। प्याला जिसा मोटा-मोटा नैणा अर वाकडली भवा री मार सू

करनै समझावौ। जे कदाच ओ नटग्यौ तो आगला रौ अर म्हारै रौ माजनौ जावैला। एक तरै सू मरण व्है जाएला। म्हारौ बरातियौ नसौ उतरग्यौ।

किसाक भूडा फस्या। मन मे जूनी मानतावा अर नूवी मानतावा रौ मथण चालण लाग्यौ। दिमाग मे कई विचार आवण लाग्या—प्रेम पे'ली व्याव के, व्याव पे'ली प्रेम ? पण अबै इण वाता पर विचार करण रौ वखत नी हो। अबै तो तुरत कोई बीचलौ मारग काढणौ हो। म्हू सूरज खनै पूगौ अर उणनै भात-भात सू समझायौ पण नटियौ मूहतौ नैणसी, तावौ देण तलाक। म्हू हार खायनै पाछौ जनवासै आयग्यौ। उठै सूरज रै सासरा रा नाई सू आ ठा पडी के सूरज रै हठ वाळी वात उणरै सासरा मे ई पूगगी है। अर इण बात माथै घर रा मिनखा मे ई फट पडग्यौ है। दो दळ वणग्या है। एक लिबरल अर दूजौ कजरवेटिव। लिवरला नै सूरज री वाता मे कोई खराबी नी दीसै अर कजरवेटिवा रे वास्तै ओ जीवण मरण रौ सवाल है। कजरवेटिव दळ री मुखी छोरी री मा ही अर लिव-रल दळ रौ मुखी छोरी रौ बाप। दोन्यू दळॉ रा पोत-पोतारा न्यारा-न्यारा विचार अर दलीला ही। पण सगळा सू मोटी बात आ ही के धीरै-धीरै लगन रौ वखत नैडौ आवै हो अर कोई राजीपौ नी वैठतौ हो। पण थोडीक जेज मे रेडियौ एनाउस री गळाई खबर आई के छोरी पोतै सूरज नै मिलण वास्तै बुलायौ है। म्है छोरी नै, छोरी री अक्कल नै, छोरी री मा नै अर भगवान नै सगळा नै ई धनवाद दियौ अर इटरव्यू रे रिजल्ट री वाट जोवण लाग्यौ।

इटरव्यू रा विगतवार समाचार तौ पछै सूरज रै मूडा सू'इज सुण्या। वणनै इटरव्यू वास्ते जिकण कमरा मे बुलायौ वो एक छोटौ'सीक कमरौ हौ। कमरा री सजावट सू अदाज लागतौ हो के सजावट मे कोई खामची मिनख रा हाथ लाग्यौडा है। हरेक चीज ठिकाणैसर अर ढग सू धरियौडी ही। दो एक मिनट मे लारलौ दरवाजौ खुल्यौ अर उणरी होवण वाळी बीनणी—सारदा आयनै सन्मुख ऊभी व्हैगी।

सूरज उणरै मूडा कानी देख्यौ तो चितवगौ व्हैग्यौ। साम्ही जाणै रूप रौ खजानौ ऊभौ। चवरी मे वैठण री सपूरण नैयारी रै सागै नख सू सिख ताई जोवन रा भार सू दब्योडी। पण सकोच-सरम रौ कठैई नाम ई नी। प्याला जिसा मोटा-मोटा नैणा अर वाकडली भवा री मार सू

सूरज घायल व्हैग्यौ। दुनिया नै वरगू बणावण वाळौ सूरज आज पोत वरगू बणग्यौ। कतरणी री गळाई चालती जीभ जाणै ताळवा रे चैठगी। सेवट सारदा मून तोडियौ, गुलाब रा फूल जिसा कवळा-कवळा होठ हिल्या—बिराजौ ! अर सूरज कुरसी खाचनै बैठग्यौ।

—तो म्हू आपनै दाय आयगी के नी ? कोयल रै कठ जिसी मीठी आवाज सुणीजी।

—सोळू आना। सूरज अकचकायनै पडुत्तर दियौ।

—तौ लिखावौ इण कागद मायँ के आपनैं म्हू दाय आयगी अर आप म्हारै सागै फेरा फिरण नै तैयार हो—ओ लिरावौ पेन अर ओ कागज।

सूरज आग्याकारी विद्यार्थी री गळाई कह्यौ ज्यू ई लिखनै दसखत कर दिया।

सारदा कागद रौ पुरजियौ सावटनै ब्लाउज मे घालती बोली आप म्हनं पसद करली ओ आपरौ बडापणौ है, पण आप म्हनै जाबक ई दाय कोनी आया। सो आया ज्यू ई पाछा पधारौ। तकलीफ दीनी इण वास्तै माफ कराई जौ।

चिलम भरै जितरी जेज मे गाम मे हाकौ सो फूटग्यौ। सगळा जानियौ रौ नसौ उतरग्यौ। जान आई ज्यू पाछी रवानै व्ही। पण अबकाळै नी तो घुघर माळा री रुणझुण ही अर नी टोकर माळाँरी टुणटुण। उण वात नै आज दस वरस व्हेग्या पण आज ई कोई जान जावती देखू तो म्हनै दो वाता याद आय जावै—एक तौ सारदा रौ पडुत्तर अर दूजौ वो गीत—

लचकै लाडा थारी मोजडी रै
ढळकै केसरिया री जान··

अमर चूनडी

सूरज घायल व्हैग्यौ। दुनिया नै वरगू वणावण वाळौ सूरज आज पोत वरगू वणग्यौ। कतरणी री गळाई चालती जीभ जाणै ताळवा रे चैठगी। सेवट सारदा मून तोडियौ, गुलाब रा फूल जिसा कवळा-कवळा होठ हिल्या—विराजौ ! अर सूरज कुरसी खाचनै वैठग्यौ।

—तो म्हू आपनै दाय आयगी के नी ? कोयल रै कठ जिसी मीठी आवाज़ सुणीजी।

—सोळू आना। सूरज अकचकायनै पडुत्तर दियौ।

—तौ लिखावौ इण कागद माथै के आपनै म्हू दाय आयगी अर आप म्हारै सागै फेरा फिरण नै तैयार हो—ओ लिखावौ पेन अर ओ कागज।

सूरज आग्याकारी विद्यार्थी री गळाई कह्यौ ज्यू ई लिखनै दसखत कर दिया।

सारदा कागद रौ पुरजियौ सावटनै ब्लाउज मे घालती वोली आप म्हनै पसद करली ओ आपरौ बडापणौ है, पण आप म्हनै जावक ई दाय कोनी आया। सो आया ज्यू ई पाछा पधारौ। तकलीफ दीनी इण वास्तै माफ कराई जौ।

चिलम भरै जितरी जेज मे गाम मे हाकौ सो फूटग्यौ। सगळा जानियौ गौ नसौ उतरग्यौ। जान आई ज्यू पाछी रवानै व्ही। पण अबकाळै नी तो घुघर माळा री रुणझुण ही अर नी टोकर माळाँरी टुणटुण। उण वात नै आज दस वरस व्हैग्या पण आज ई कोई जान जावती देखू तो म्हनै दो वाता याद आय जावै—एक तौ सारदा रौ पडुत्तर अर दूजौ वो गीत—

लचकै लाडा थारी मोजडी रै
ढळकै केसरिया री जान

बोल म्हारी माछळी

भाग फाटी। पछी पखेरू बोलण लाग्या। मास्टर पुरसोत्तम री आख खुली। रजाई सू थोडीसी'क मूढौ बारै काढयौ तौ ठाड रौ कडकडाट करतौडौ रेळौ इसौ आयौ के लप्प करता मूडौ पाछौ मायनै लुकाय लियौ अर आख्या काठी मीचली। पगा कानी रजाई फाटयौडी ही सो पगतळिया ठरण लागी तौ गौडा छाती रै चेप नै पसवाडौ फेर लियौ। घौडिया री गळाई झोळी वण्यौडौ माचौ चरड चू करतौ बोलण लाग्यौ। उणनै थोडी जूजळ आई। वो कितरा दिना सू एक दो नूवा माचा वणावण रौ मतौ करै। पण बातडी बैठै इज नी। अर नूवी रजाई वणावण सारू तो लारला दो सियाळा सू गूदा गळै पण कोई बात भरै पडै इज नी। घर मे नैना मोटा ग्यारै मिनख अर ऊपर सू ओ मूघीवाडौ। माथौ ई ऊचौ नी करण दे। खावण रौ ई नीठ पूरौ पडै तो पछै माचा अर रजाईया कठा सू बणावणा ? माचा विना धरती माथै ऊगराणौ सूईज सकै, रजाईया विना फाटौडा पूरा मे जळेंवी वणनै, रात काढीज सकै पण पेट रौ खाडौ तो टेम सर भरणौ इज पडै। खावण रो खोट चालै कोनी सो काया नै भाडौ तो देवणौ इज पडै। घी-दूध अर मेवा मिस्टान्न तौ गया खाडै मे पण छाछ बाजरी मे तौ घाटौ नी रैवणौ चाहिजै।

छाछ री बात याद आवता ई वो सोचण लाग्यौ—आज छाछ कठा सू मगावणी ? यू गाम मे धीणौ-थापौ मोकळौ हो पण मिनखा रा मन औछा पडग्या। इण वास्तै लुगाया गौळी मे छाछ व्हैता थकाई नट जावै।
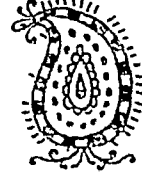
बोल म्हारी माछळी

भाग फाटी। पछी पखेरू वोलण लाग्या। मास्टर पुरसोत्तम री आख खुली। रजाई सू थोडौसी'क मूढौ वारै काढचौ तौ ठाड रौ कडकडाट करतौडौ रेळौ इसौ आयौ के लप्प करता मूडौ पाछौ मायनै लुकाय लियौ अर आख्या काठी मीचली। पगा कानी रजाई फाटचौडी ही सो पगतळिया ठरण लागी तौ गौडा छाती रै चेप नै पसवाडौ फेर लियौ। धौडिया री गळाई झोळी वण्यौडौ माचौ चरड चू करतौ वोलण लाग्यौ। उणनै थोडी जूजळ आई। वो कितरा दिना सू एक दो नूवा माचा वणावण रौ मतौ करै। पण वातडी वैठै इज नी। अर नूवी रजाई वणावण सारू तो लारला दो सियाळा सू गूदा गळै पण कोई बात भरै पडै इज नी। घर मे नैना मोटा ग्यारै मिनख अर ऊपर सू ओ मूघीवाडौ। माथौ ई ऊचौ नी करण दे। खावण रौ ई नीठ पूरौ पडै तो पछै माचा अर रजाईया कठा सू बणावणा? माचा बिना धरती माथै ऊगराणौ सूईज सकै, रजाईया विना फाटौडा पूरा मे जळेवी वणनै, रात काढीज सकै पण पेट रौ खाडौ तो टेम सर भरणौ इज पडै। खावण रौ खोट चालै कोनी सो काया नै भाडौ तो देवणौ इज पडै। घी-दूध अर मेवा मिस्टान्न तौ गया खाडै मे पण छाछ वाजरी मे तौ घाटौ नी रैवणौ चाहिजै।

छाछ री बात याद आवता ई वो सोचण लाग्यौ—आज छाछ कठा सू मगावणी? यू गाम मे धीणौ-थापौ मोकळौ हो पण मिनखा रा मन औछा पडग्या। इण वास्तै ळुगाया गौळी मे छाछ व्हैता थकाई नट जावै।

उणै स्कूल मे पढणिया टाबरा री वारी बाध दी ही। जिणारे घरै धीणौ हो वे वारीसर बिलौवणावारी रै दिन दोणिया भरनै माट सा'ब रै छाछ पुगाय देवता। पण इण वास्तै ई टाबरा नैं याद दिरावणौ जरूरी हो नीतर छाछ बीत जावती अर मास्टरजी रै घर मे लगावण विना महाभारत मच जावतौ।

वो आख्या मीच्या सूतौ-सूतौ सोचण लाग्यौ—किसौक माठौ जमानौ आयग्यौ! कितरौ मूघीवाडौ वधग्यौ! अर हाल ई कठै, अजा तो दिन-दिन वधतौ इज जावै है। भगवान जाणै आगै जायनै काई हालत व्हैला। स्यात् घी सूघण नै अर खाड तिलक लगावण नै मिळैला। पनरे-वीसैक वरसा पे'ली जद वो नौकर व्हियौ किसौक मजारौ वखत हो। कितरौ सस्तीवाडौ, चीज वस्तरी कितरी वोहळाई! रुपिया रा पक्का दस सेर गेहू मिळता अर रुपिया मे सेर भर घी आवतौ। खाड रुपियारी च्यार सेर पक्की मिळती अर गुड नै तो कोई सूघतौ ई कोनी। सनलाईट साबुन री चक्की फगत दो आना मे मिळती अर च्यार छ आनै गज चोखौ कपडौ चाहिजै जितरौ ई मिळतौ। वीस रुपिया महीना री तनखा मिळती पण खावता पीवता उणमे सू ई दस रुपिया वच जावता। आज दोय सौ रुपिया मिळै पण धीगलौ ई नी वचै। उल्टा बीस-तीस माथै व्है।

जिण वरस वो नौकर व्हियौ उणीज वरस उणरौ व्याव पण व्हियौ। दोन्यू मिनख खूब खावता पीवता अर मस्त रैवता। कोई अडकौ न कोई धडकौ। किसीक मजारी जिंदगी ही। भैंस भादवौ चीतारै तो एक घडी ई नी जीवै। पण हूणी इतरी वळवान व्है के भैस वापडी नै तो काई पण मिनख नै ई झख मारनै जीवणौ पडै। उणै एक ऊडी निसासा नाख'र डाढी माथै हाथ फेरचौ तो वा उणनै वध्यौडी लागी। उणरौ मन जाणै कीकर ई व्हैग्यौ। उणनै पोतारौ वो फोटू याद आयौ जिकौ उणै व्याव रे दूजी साल धणी-लुगाई दोन्यू भेळा ऊभ नै खेचायौ हो। उण वखत सुसीला रौ किसौक फूट रौ सरूप हो। आज ई फोटू देख्या आख्या तिरपत व्है जाए। आछौ कियौ जो उण वखत फोटू खेचाय लियौ। अवै कठै वो सरुप अर कठै वे वाता। वे पाणी मुल्तान गया। उणनै मोकळा वरसा पे'ल री एक वात याद आयगी। स्यात् सावणी तीज ही। सुसीला ओढ पे'र नै लटा भूव व्हियौडी तळाव माथै पाणी लावण नै गई अर वो एकलौ धर मे वैठ्यौ हो। थोडी'क ताळ मे उणरै काना मे मेहदी गीत री कडिया गूजण लागी।

उणै स्कूल मे पढणिया टाबरा री वारी बाध दी ही। जिणारे घरै धीणौ हो वे वारीसर बिलौवणावारी रै दिन दोणिया भरनै माट सा'व रै छाछ पुगाय देवता। पण इण वास्तै ई टाबरा नै याद दिरावणौ जरूरी हो नीतर छाछ बीत जावती अर मास्टरजी रै घर मे लगावण बिना महाभारत मच जावतौ।

वो आख्या मीच्या सूतौ-सूतौ सोचण लाग्यौ—किसौक माठौ जमानौ आयग्यौ! कितरौ मूघीवाडौ वधग्यौ! अर हाल ई कठै, अजा तो दिन-दिन वधतौ इज जावै है। भगवान जाणै आगै जायनै काई हालत व्हैला। स्यात् घी सूघण नै अर खाड तिलक लगावण नै मिळैला। पनरे-वीसैक वरसा पे'ली जद वो नौकर व्हियौ किसौक मजारौ वखत हो। कितरौ सस्तीवाडौ, चीज वस्तरी कितरी वोहळाई! रुपिया रा पक्का दस सेर गेहू मिळता अर रुपिया मे सेर भर घी आवतौ। खाड रुपियारी च्यार सेर पक्की मिळती अर गुड नै तो कोई सूघतौ ई कोनी। सनलाईट साबुन री चक्की फगत दो आना मे मिळती अर च्यार छ आनै गज चोखौ कपडौ चाहिजै जितरौ ई मिळतौ। बीस रुपिया महीना री तनखा मिळती पण खावता पीवता उणमे सू ई दस रुपिया बच जावता। आज दोय सौ रुपिया मिळै पण धीगली ई नी बचै। उल्टा बीस-तीस माथै व्है।

जिण वरस वो नौकर व्हियौ उणीज वरस उणरौ व्याव पण व्हियौ। दोन्यू मिनख खूब खावता पीवता अर मस्त रैवता। कोई अडकौ न कोई धडकौ। किसीक मजारी जिंदगी ही। भैस भादवौ चीतारै तो एक घडी ई नी जीवै। पण हूणी इतरी बळवान व्है के भैस वापडी नै तो काई पण मिनख नै ई झख मारनै जीवणौ पडै। उणै एक ऊडी निसासा नाख'र डाढी माथै हाथ फेर्‌यौ तो वा उणनै वध्योडी लागी। उणरी मन जाणै कीकर ई व्हैग्यौ। उणनै पोतारौ वो फोटू याद आयौ जिकौ उणै व्याव रे दूजी साल धणी-लुगाई दोन्यू भेळा ऊभ नै खेचायौ हो। उण वखत सुसीला रौ किसीक फ्ट रौ सरूप हो। आज ई फोटू देख्या आख्या तिरपत व्है जाए। आछौ कियौ जो उण वखत फोटू खेचाय लियौ। अबै कठै वो सरूप अर कठै वे वाता। वे पाणी मुल्तान गया। उणनै मोकळा वरसा पे'ल री एक वात याद आयगी। स्यात् सावणी तीज ही। सुसीला ओढ पे'र नै लटा भूत्र व्हियोडी तळाव माथै पाणी लावण नै गई अर वो एकलौ घर मे बैठ्यौ हो। थोडी'क ताळ मे उणरै काना मे मेहदी गीत री कडिया गूजण लागी।

पाणी जावती पणिहारिया गावै ही--

मेह्‌दी तो बाई मेडतै रै
तातौ गयौ अजमेर
मेह्‌दी रग लाग्यौ
कोई जायनै भवरजी नै यू कहिजौ रै
थारा बाईजी परणीजै घरै आव
मेह्‌दी रग लाग्यौ
बाईजी परणीजै तो म्है काई करा रै
दायजौ दीजौ भरपूर
मेह्‌दी रग लाग्यौ

लुगाया रा समवेत सुर मे ई सुसीला रौ तीखौ सुर छानौ नी रह्यौ। वो कान लगाय नै सुणण लाग्यौ हो—

कोई जाय नै ढोलाजी नै यू कहिजौ रे
थारी मरवण मादी घरै आव
मेह्‌दी रग लाग्यौ
आज तो धुपावू धोतिया रे
कालै तो मारवणी रे देस
मेह्‌दी रग लाग्यौ

घरै आया वो सुसीला रे माथै सू मटकी उतरावण लाग्यौ तो उणरौ रूप देखनै चितबगौ सो व्हैग्यौ। वो मटकी उतरावणी तो भूलग्यौ अर आख्या फाड-फाड नै उणरै मूडा कानी'ज देखण लाग्यौ। वा रीसा बळती बोली— म्हू भारा मरू हू देखौ कोनी ? यू काई आख्या फाड्या ऊभा हो, कठैई निजर नाख दोला। उणै थूथकौ नाखता कह्यौ—थनै साचाणी निजर लाग जाएला म्हारी मरवण, पाणी जावै जरै काजळ री टीकी लगाय नै जाया कर लाडू। सुण नै वा हसण लागी तो गाला मे नैना-नैना खाडा पडग्या। कितरा वरस व्हैग्या इण वात नै पण हाल ताई वो भूल्यौ कौनी हो। मोकळी बार इण वात नै याद कर बौ'करै। खास करनै आख्या मीच्या सूतौ व्है जरै उणनै आ बात यादकरण मे घणौ मजौ आवै। मजा सू आख्या काठी मीचनै वो सुसीला रौ फूटरापौ निरखतौ रैवै अर वा वापडी मटकी ऊचाया भारा मरती ऊभी रैवै।

आज ई वो उण चितराम रो अणछक आणद लूटतौ हो के माचा रै

पाणी जावती पणिहारिया गावै ही--

मेहदी तो बाई मेडतैं रैं
ताती गयौ अजमेर
मेहदी रग लाग्यौ
कोई जायनै भवरजी नैं यू कहिजो रैं
थारा बाईजी परणीजै घरै आव
मेहदी रग लाग्यौ
बाईजी परणीजै तो म्है काई करा रैं
दायजौ दीजौ भरपूर
मेहदी रग लाग्यौ

लुगाया रा समवेत सुर मे ई सुसीला रौ तीखौ सुर छानौ नी रह्यौ। वो कान लगाय नै सुणण लाग्यौ हो—

कोई जाय नै ढोलाजी नै यू कहिजौ रे
थारी मरवण मादी घरै आव
मेहदी रग लाग्यौ
आज तो धुपावू धोतिया रे
कालै तो मारवणी रे देस
मेहदी रग लाग्यौ

घरै आया वो सुसीला रे माथै सू मटकी उतरावण लाग्यौ तो उणरौ रूप देखनै चितबगो सो व्हैग्यौ। वो मटकी उतरावणी तो भूलग्यौ अर आख्या फाड-फाड नै उणरै मूडा कानी ज देखण लाग्यौ। वा रीसा बळती बोली— म्हू भारा मरू हू देखौ कोनी ? यू काई आख्या फाडचा ऊभा हो, कठैई निजर नाख दोला। उणौ थूथको नाखता कह्यौ—थनै साचाणी निजर लाग जाएला म्हारी मरवण, पाणी जावै जरै काजळ री टीकी लगाय नै जाया कर लाडू। सुण नै वा हसण लागी तो गाला मे नैना-नैना खाडा पडग्या। कितरा वरस व्हैग्या इण बात नै पण हाल ताई वो भूल्यौ कौनी हो। मोकळी वार इण वात नै याद कर वौ करै। खास करनै आख्या मीच्या सूतौ व्है जरै उणनै आ बात यादकरण मे घणौ मजौ आवै। मजा सू आख्या काठी मीचनै वो सुसीला रौ फूटरापौ निरखतौ रैवै अर वा बापडी मटकी ऊचाया भारा मरती ऊभी रैवै।

आज ई वो उण चितराम रौ अणछक आणद लूटतौ हो के माचा रै

नीचै काई सळवळाट व्हियौ। पावरियौ कुत्तो पीतारी खाज मिटावण नै डील रगडतौ व्हैला। रूगता उतरनै पाव सू खरड व्हियोडौ। ठौड-ठौड चकदा पडचौडा—लौही टपै अर माखिया झीगै—उणनै घिन्न सी आई। मन तौ काई पण मूडौ ई कडवास सू भरीजग्यौ। उणै रजाई रै मायनै जौर सू धाकल कीवी अर कुत्तौ नाठग्यौ। सुसीला नै सौ वार कैय दियौ के दिनूगै ई दिनूगै आडौ ओढाळ नै राखै, उगाडौ नी राखै। ओ सूगलौ पावरियौ कुत्तौ तो जाणै ताक नै इज बैठचौ रैवै। आडौ उघाडौ मिळचौ के चट मायनै। टावर सूतौ व्है तो जायनै बीच मे घुस जावै। सगळा गूदडा ई खराब कर नाखै। पण उणरी सुणै कुण ? सुसीला रौ तो जाणै माथौ इज भवग्यौ है, सुभाव तौ इसौ चिडचिडौ व्हैग्यौ है के वात-वात मे वटका इज भरै। सीधी वात कैवा तोई उणनै ऊधी जचै। कालकी'ज वात देखौ—सबसू नैन्या गीगला रै दात आवै जिणसू उणनै दस्ता लागै अर उल्टिया व्है। सो टावर रसोई मे बैठचौ हौ कि उल्टी व्हैगी। उल्टी व्हैणी टावर रै हाथ री बात कोनी। उणरी मा रौ फरज हो के उणनै अवैरे। पण म्है कह्यौ के उणरौ तौ माथौ इज भवग्यौ है—फडाफड दो-तीन थप्पडा पडी टावर रा मूडा माथै अर छोरै रोय-रौय नै घर माथै ले लियौ। उणरै देखादेखी उणसू दो बरस मोटौ पप्पू ई जोर जोर सू रोवण लाग्यौ अर घर मे जाणै महाभारत मचग्यौ। म्है कह्यौ—ए भली मिनख टावर नै यू मारै ? आ कठारी समझदारी है ? अर इतरौ सुणता पाण तो जाणै आग मे घी पडियौ। छळचौडी डाकण री गळाई वा म्हारै कानी आख्या काढनै बोली—एक दिन ई टावरा नै अवैरौ तो ठा पडै, कोरा वातारा मटरका किया है। थारी इण टीटा फौज नै अवैरौ तो जाणू के टावरा नै नी कूटणा समझदारी है। नी तो कोरी मोरी वाता रा पटीडा पाउण मे तो काई जोर पडै ? घर मे नव-नव टावर अर म्हारी जिंद एकली। म्हनै तो जीवती नै खाय ली है दुरिटया। हे भगवान अवै तो मौत देवै तो इण नरकवाडा सू पिंड छूटै।

म्हनै वहम व्हियौ के वा फोटू वाली अर मेहदी गावण वाळी सुसीला कोई दूजी ही अर आ वडका बोली डाकण व्है जिसी सुसीला कोई दूजी ज है। उणरौ सुभाव तौ कितरौ ठीमर, कितरौ मीठौ अर कितरौ गरवौ हो अर इणरौ सुभाव कितरौ तीखौ, कितरौ कडवौ अर कितरौ ओछौ है। व्याव व्हिया पछै च्यार वरसा ताई कोई टावर नी व्हियौ जितरै तो आ

नीचै काई सळवळाट व्हियौ। पावरियौ कुत्तो पोतारी खाज मिटावण नै डील रगडतौ व्हैला। रूगता उतरनै पाव सू खरड व्हियौडौ। ठौड-ठौड चकदा पडचौडा—लौही टपै अर माखिया झींगै—उणनै घिन्न सी आई। मन तौ काई पण मूडौ ई कडवास सू भरीजग्यौ। उणै रजाई रै मायनै जौर सू धाकल कीवी अर कुत्तौ नाठग्यौ। सुसीला नै सौ वार कैय दियौ के दिनूगै ई दिनूगै आडौ ओढाळ नै राखै, उगाडौ नी राखै। ओ सूगलौ पावरियौ कुत्तौ तो जाणै ताक नै इज बैठ्यौ रैवै। आडौ उघाडौ मिळचौ के चट मायनै। टावर सूतौ व्है तो जायनै बीच मे घुस जावै। सगळा गूदडा ई खराब कर नाखै। पण उणरी सुणै कुण? सुसीला रौ तो जाणै माथौ इज भवग्यौ है, सुभाव तौ इसौ चिडचिडौ व्हैग्यौ है के वात-वात मे वटका इज भरै। सीधी वात कैवा तोई उणनै ऊधी जचै। कालकी'ज वात देखौ—सबसू नैन्या गीगला रै दात आवै जिणसू उणनै दस्ता लागै अर उल्टिया व्है। सो टावर रसोई मे बैठ्यौ ही कि उल्टी व्हैगी। उल्टी व्हैणी टावर रै हाथ री वात कोनी। उणरी मा रौ फरज हो के उणनै अवैरे। पण म्है कह्यौ के उणरौ तौ माथौ इज भवग्यौ है—फडाफड दो-तीन थप्पडा पडी टावर रा मूडा माथै अर छोरै रोय-रौय नै घर माथै ले लियौ। उणरै देखादेखी उणसू दो बरस मोटौ पप्पू ई जोर जोर सू रोवण लाग्यौ अर घर मे जाणै महाभारत मचग्यौ। म्है कह्यौ—ए भली मिनख टावर नै यू मारै? आ कठारी समझदारी है? अर इतरौ सुणता पाण तो जाणै आग मे घी पडियौ। छळचौडी डाकण री गळाई वा म्हारै कानी आग्या काढनै बोली—एक दिन ई टावरा नै अवैरौ तो ठा पडै, कोरा वातारा मटरका किया है। थारी इण टीटा फौज नै अवैरौ तो जाणू के टावरा नै नी कूटणा समझदारी है। नी तो कोरी मोरी वाता रा पटीडा पाउण मे तो काई जोर पडै? घर मे नव-नव टावर अर म्हारी जिंद एकली। म्हनै तो जीवती नै खाय ली है दुरिटया। हे भगवान अबै तो मौत देवै तो इण नरकवाडा सू पिंड छूटै।

म्हनै वहम व्हियौ के वा फोटू वाली अर मेहदी गावण वाळी सुसीला कोई दूजी ही अर आ वडका बोली डाकण व्है जिसी सुसीला कोई दूजी ज है। उणरौ सुभाव तौ कितरौ ठीमर, कितरौ मीठौ अर कितरौ गरवौ हो अर इणरौ सुभाव कितरौ तीखौ, कितरौ कडवौ अर कितरौ औछौ है। व्याव व्हिया पछै च्यार वरसा ताई कोई टावर नी व्हियौ जितरै तो आ

अमर चूनडी

नैना टाबर खातर तरसती अर अबै तो पलक-पलक मे टाबरा नै मरणरी आसीसा देवै।

मास्टर पुरसोत्तम नै एक जोर री छीक आई अर उणै रजाई डील रै काठी लपेट ली। कठैई ठाड नी लाग जावै। गई साल इण दिना मे इज उणनै नमूनियौ व्हैग्यौ हौ। सुसीला उणरी कितरी सेवा चाकरी कीवी ही। सात दिन अर सात रात माचा रै खनै सू आगी ई कोनी सिरकी। म्है बापडी सुसीला नै जमारा मे दुख रै सिवा काई सुख दियौ। ठीक है ब्याव व्हिया पछै च्यार बरस कोई टाबर-टूबर नी व्हिय जितरै थोडा दिन नेहचा सू निकळग्या। पछै तो बापडी फोडाइ'ज भुगतिया। रामू जनम्या नै दो बरस व्हिया के स्यामू आयग्यौ अर पछै तो जाणै टाबर लैणसर तैयार इज ऊभा हा अर ससार मे आवणरी वाटइ'ज जोवै हा। हर दो बरस री छेटी सू तीजा, चौथकी, पाचकी, आयचुकी, धापूडी, पप्पू अर मुनियौ धडाधड जनमता इज गया। हरेक सुआवड इणरै वास्तै मौत री घाटी वणनै आई पण भगवान इज लाज राखी नी तो राम जाणै म्हारी काई हालत व्हैती। इण बापडी इसी एक नी दो नी पण पूरी नव जूणा भुगती है। ऊपर सू खुराक चोखी मिळी व्हैती तो ई इणरै पड रौ इतरौ पोखाळौ नी व्हैतौ। पण अठै तौ सगळी उमर पाच री आमद अर सात रौ खरच रह्यौ। चोखौ खावणौ-पीवणौ चावा पण लावणौ कठासू अर मिनख री गळाई जीवणौ चावा पण जीवणौ कीकर?

गोडा छाती मे लिया थोडी निवास वापरी तो उणै पग पाछा लावा कर लिया। वो सोचण लाग्यौ—इण दीवाली री'ज बात है, टाबरा रे नूवा कपडा ई नी आय सक्या। टाबर तौ टाबर इज है, वे मा बापा री अबखाई नै काई समझै। वे तो दूजा टाबरा नै नूवा कपडा पेहरियोडा देखै जद आय नै मा रौ जीव खावै। रामू, स्यामू अर तीजा तौ फेरू काईक समझै हे, इण वास्तै वा रौ तो इतरौ दुख कोनी पण लारली फौज तो सफा अबोध है। वारै तो बस नूवा कपडा चाहिजै, फटाका चाहिजै। आयचुकी, धापूडी अर पप्पू नूवा कपडा अर फटाका खातर कितरा रोया हा। याद किया आज ई करूणा आवै।

टावरा रै कपडा दीवाळी माथै नी बण्या तो कोई बात नी पण अबै तो बणावणा इज पडैला। कितरी गजब री ठाड पडै अर टावरा रै सरीर माथै ऊनी छोडनै पूरा सूती कपडा ई कोनी। सगळा रै ई कपडा

नैना टाबर खातर तरसती अर अबै तो पलक-पलक मे टाबरा नै मरणरी आसीसा देवै ।

मास्टर पुरसोत्तम नै एक जोर री छीक आई अर उणै रजाई डील रै काठी लपेट ली। कठैई ठाड नी लाग जावै । गई साल इण दिना मे इज उणनै नमूनियौ व्हैग्यौ हौ। सुसीला उणरी कितरी सेवा चाकरी कीवी ही। सात दिन अर सात रात माचा रै खनै सू आगी ई कोनी सिरकी। म्है बापडी सुसीला नै जमारा मे दुख रै सिवा काई सुख दियौ। ठीक है ब्याव व्हिया पछै च्यार बरस कोई टाबर-टूबर नी व्हिय जितरै थोडा दिन नेहचा सू निकळग्या। पछै तो बापडी फोडाइ'ज भुगतिया। रामू जनम्या नै दो बरस व्हिया के स्यामू आयग्यौ अर पछै तो जाणै टाबर लैणसर तैयार इज ऊभा हा अर ससार मे आवणरी वाटइ'ज जौवै हा। हर दो बरस री छेटी सू तीजा, चौथकी, पाचकी, आयचुकी, धापूडी, पप्पू अर मुनियौ धडाधड जनमता इज गया। हरेक सुआवड इणरै वास्तै मौत री घाटी वणनै आई पण भगवान इज लाज राखी नी तो राम जाणै म्हारी काई हालत व्हैती। इण वापडी इसी एक नी दो नी पण पूरी नव जूणा भुगती है। ऊपर सू खुराक चोखी मिळी व्हैती तो ई इणरै पड रौ इतरौ पोखाळौ नी व्हैतौ। पण अठै तौ सगळी उमर पाच री आमद अर सात रौ खरच रह्यौ। चोखौ खावणौ-पीवणौ चावा पण लावणौ कठासू अर मिनख री गळाई जीवणौ चावा पण जीवणौ कीकर ?

गोडा छाती मे लिया थोडी निवास वापरी तो उणै पग पाछा लावा कर लिया। वो सोचण लाग्यौ—इण दीवाली री'ज बात है, टावरा रे नूवा कपडा ई नी आय सक्या। टाबर तौ टाबर इज है, वे मा वापा री अवखाई नै काई समझै। वे तो दूजा टावरा नै नूवा कपडा पेहरियौडा देखै जद आय नै मा रौ जीव खावै। रामू, स्यामू अर तीजा तौ फेरू काईक समझै हे, इण वास्तै वा री तो इतरौ दुख कोनी पण लारली फौज तो सफा अवोध है। वारै तो वस नूवा कपडा चाहिजै, फटाका चाहिजै। आयचुकी, धापूडी अर पप्पू नूवा कपडा अर फटाका खातर कितरा रोया हा । याद किया आज ई करूणा आवै ।

टावरा रै कपडा दीवाळी माथै नी वण्या तो कोई बात नी पण अवै तो बणावणा इज पडैला। कितरी गजब री ठाड पडै अर टावरा रै सरीर माथै ऊनी छोडनै पूरा सूती कपडा ई कोनी। सगळा रै ई कपडा

वणवा तौ कमस्मू कम दोय सौ रुपिया री खरचौ है। एक महीना री तनखा तौ इणमे इज पूरी व्हे जाएला। तीजा रै वास्तै तौ अबै कम सू कम दो घाघ-रिया अर दो पोलका सीवावणा घणा जरूरी है। टाबर दिन दिन स्याणी-व्है अर फाटा तूटा कपडा मे भूडी लागै। तीन च्यार बरसा पछै तौ इणरा पीला हाथ करावणा पडैला। पण हालताई तो कठै ई सगाई रौ ई पतो कोनी। न्यात मे आछौ घर-वर मिलणौ घणौ दोरौ है। मिनख तौ माटा वाका फाड्या बैठ्या है। अठै रोटा राई जादा पडै तौ वारा बाका कैण सू भरणा? फेर घर मे एक'इज बाई व्है तो मरनै कटारी खाई जा सकै। पण अठै तौ च्यार च्यार बैठी है। भगवान जाणै ओ गाडौ किया पार लागैला।

रामू ई इण बरस हायर सेकेंडरी कर लेवैला। आगली साल उणनै कॉलेज मे भेजणौ है सोचता-सोचता उणरौ माथौ भवण लाग्यौ। रजाई मे आख्या खोली तौ ई चाफैर अधारौ इज निजर आयौ।

दिन ऊगग्यौ हो पण मास्टर पुरसोत्तम री गूदडा छोडण री नीत नी ही। इतरै तो उणै सुण्यौ के सुसीला जोर जोर सू उल्टिया करै ही। उणरौ तौ काळजौ फडका चढग्यौ। कारण के महीना भर सू वहम तौ उणनै हो'इज। वौ रजाई एकदम आगी उछाळनै सुसीला खनै पूग्यो अर बोल्यौ—काई वात है? सुसीला वापडी काई जवाव देवती। ढौळै वैठ्योडी गाय री गळाई आख्या फाडनै उणरै मूडा कानी देखण लागी। टाव-रियाई जागग्या हा अर सूता सूता ई गूदडा मे इज रमण लागग्या हा। पाची कैवै ही— वोल म्हारी माछळी कितरौ पाणी?

कितरौ पाणी?

धापू उणनै पडुत्तर देवै ही—इतरौ पाणी—इतरौ पाणी!

वणवा तौ कमसूकमदोयसौरुपिया री खरचौ है। एक महीना री तनखा तौ इणमे इज पूरी व्है जाएला। तीजा रै वास्तै तौ अवै कम सू कम दो घाघ-रिया अर दो पोलका सीवावणा घणा जरूरी है। टाबर दिन दिन स्याणी-व्है अर फाटा तूटा कपडा मे भूंडी लागै। तीन च्यार वरसा पछै तौ इणरा पीला हाथ करावणा पडैला। पण हालताई तो कठै ई सगाई रौ ई पतो कोनी। न्यात मे आछौ घर-वर मिलणौ घणौ दोरौ हे। मिनख तौ माटा वाका फाड्या वैठ्या है। अठै रोटा राई जादा पडै तौ वारा वाका कैण सू भरणा? फेर घर मे एक'इज वाई व्है तो मरनै कटारी खाई जा सकै। पण अठै तौ च्यार च्यार वैठी है। भगवान जाणै ओ गाडौ किया पार लागैला।

रामू ई इण वरस हायर सेकेंडरी कर लेवैला। आगली साल उणनै कॉलेज मे भेजणौ है सोचता-सोचता उणरौ माथौ भवण लाग्यौ। रजाई मे आख्या खोली तौ ई चाफैर अ धारौ इज निजर आयौ।

दिन ऊगग्यौ हो पण मास्टर पुरसोत्तम री गूदडा छोडण री नीत नी ही। इतरै तो उणै सुण्यौ के सुसीला जोर जोर सू उल्टिया करै ही। उणरौ तौ काळजौ फडका चढग्यौ। कारण के महीना भर सू वहम तौ उणनै हो'इज। वौ रजाई एकदम आगी उछाळनै सुसीला खनै पूग्यो अर बोल्यौ—काई वात है? सुसीला वापडी काई जवाव देवती। ढौळै वैठ्योडी गाय री गळाई आख्या फाडनै उणरै मूडा कानी देखण लागी। टाव-रियाई जागग्या हा अर सूता सूता ई गूदडा मे इज रमण लागग्या हा। पाची कैवै ही– वोल म्हारी माछळी कितरौ पाणी?

कितरौ पाणी?

धापू उणनै पडुत्तर देवै ही—इतरौ पाणी—इतरौ पाणी!

मा रौ ओरणौ

गाम रै अडौअड एक खेत आयौडौ—पादर। गाम नै खेत रै बिचाळै फगत एक वाड। खेत री जमी इसी उपजाऊ के माथौ वाढ नै वावौ तो उग जावै। सावण रौ महीनौ सो बाजरिया निनाण आयौडी। नीली कच, सावली भवर, डाफळपानी। खेत जाणै उफण आयौडौ। सूरियौ वायरौ पूगी बजावै अर बाजरी लै'रा लेवै। आख्या आधी मिच्योडी आधी उघाडी।

खेत मे वडबोरडिया आयौडी, गहर उम्मर व्हियौडी, जाणै वडला ऊभा। फळसा आगली बोरडी रै नीचै एक टाबर रमै। टाबर एक बाजरी रा झूबा नै पाळ राख्यौ सो उणरै च्यारू मेर पाळी बणा'र रोज उणनै पाणी पावै। आज ई तनमन सूं इण काम मे लाग्यौडौ, चुकळिया सू लोठियौ भरनै ल्यावै अर बाजरी रे गोड मे ऊधाय दे। मूडै सू वडवडावतौ जावै—

जतर मतर बोल पळीतर मोटौ व्हैजा फुर्र

निनाण करती उणरी मा आयगी अर कस्सी रै हिचकी टेक नै ऊभी व्हैगी। टाबर मतर बोलनै पूठ फेरी तो मानै ऊभी देखनै एक दम सर-मायग्यौ। वो दौडनै मा रै पगा मे लिपटग्यौ अर आपरौ मूडौ लुकाय लियौ।

मा'रै बेटौ एकाएक होवण सूं घणा लाडकौ। वो उणरै आख्या रौ तारौ अर काळजै री कोर। भाठा जितरा देव पूजनै नीठानीठ देख्यौडौ सो वा उणनै अधर रौ अधर राखै। जाणै वौ कठै चालै अर कठै हाथ

मा रौ ओरणौ
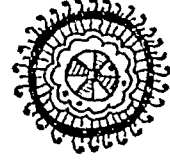
गाम रै अडौअड एक खेत आयौडौ—पादर। गाम नै खेत रै बिचाळै फगत एक वाड। खेत री जमी इसी उपजाऊ के माथै वाढ नै बावौ तो उग जावै। सावण रौ महीनौ सो बाजरिया निनाण आयौडी। नीली कच, सावली भवर, डाफळपानी। खेत जाणै उफण आयौडौ। सूरियौ वायरौ पूगी बजावै अर बाजरी लै'रा लेवै। आख्या आधी मिच्यौडी आधी उघाडी।

खेत मे वडबोरडिया आयौडी, गहर उम्मर व्हियौडी, जाणै वडला ऊभा। फळसा आगली बोरडी रै नीचै एक टावर रमै। टावर एक बाजरी रा झूवा नै पाळ राख्यौ सो उणरै च्यारू मेर पाळी वणा'र रोज उणनै पाणी पावै। आज ई तनमन सूं इण काम मे लाग्यौडौ, चुकळिया सू लोठियौ भरनै ल्यावै अर बाजरी रे गोड मे ऊधाय दे। मूडै सू वडबडावतौ जावै—

जतर मतर बोल पळीतर मोटौ व्हैजा फुर्र

निनाण करती उणरी मा आयगी अर कस्सी रै हिचकी टेक नें ऊभी व्हैगी। टावर मतर बोलनै पूठ फेरी तो मानै ऊभी देखनैं एक दम सर-मायग्यौ। वो दौडनै मा रै पगा मे लिपटग्यौ अर आपरौ मूडौ लुकाय लियौ।

मा'रै बेटौ एकाएक होवण सूं घणा लाडकौ। वो उणरै आख्या रौ तारौ अर काळजै री कोर। भाठा जितरा देव पूजनै नीठानीठ देख्यौडौ सो वा उणनै अधर री अधर राखै। जाणै वौ कठै चालै अर कठै हाथ

राखू। वेटा रै एक नेम सो लियौडौ के दोपारी किया पछै नित मा रै खोळा मे सूवणौ अर नितरोज एक नवी कहाणी सुणणी। आज ई वेटै हठ झाली के मा म्हनै कालै सुणाई जिसी कोई चोखी'सीक कहाणी सुणा, जिणमे तलवारा चमकै पळाक-पळाक अर बदूका छूटै धडाम-धडाम !

मा रै जीव नै एक गिरैसी व्हैगी। नित रोज तलवारा अर वदूका वाळी कहाणी कठा सू लावणी ? मा वोली—वेटा, दिन रा कहाणी कैवा तौ मारग वैवता वटाऊडा मारग भूल जावै।

—नित रोज तौ वटाऊडा मारग कोनी भूलै ? वेटौ गळगळौ होय नै वोल्यौ। आख्या भरीजगी। मा नै हार खावणी पडी।

थोडी ताळ आख्या मीच नै मा वोली—काती महीनै दीवाळी आवै वेटा अर उणरै दो दिना पे'ली आवै धन तेरस। सेठ साहूकार उण दिन घर-घर सगळी ई गेहणौ गाठौ नै पैसा टका वारै काढै अर दरवाजा वद करनै रात रा लिछमी नै रिझावै। लिछमी धनरी देवी गिणीजै इण वास्तै लिछमी रा लाडका उणनै तन मन सू पूजै।

पण वेटा नै नी तो लिछमी सू मतळव हो अर नी उणरी पूजा सू। वो तौ वदूका रै धडाका नै उडी कै हो। वो मा रै मूंडै कानी देखण लाग्यौ। मा ठीमर सुर मे आगै वोली—थारै जनम रै दो वरसा पे'ल री वात हे वेटा, आपणै गाम मे धाडौ पड्यौ हो, धन तेरस रै सै दिन। चवदै धाडैती नव ऊठा सू चढनै गाम लूटण नै आया। धवळै दिन रा दोपार री वेळा दडी छट दोडता नव ई ऊठ गाम रै माय वळिया। कातीसरा रा दिन, खेता मे ऊभा तिल ग्वार तडै, पैसा दीना ई मजदूर मिळै नी सो करसा तो सगळाई खेता मे हा। धाडैती पण इण वातनै आछी तिरिया जाणै हा के गाम मे लारै रह्यौडा मिनख वौदा है अर इणा मे सू कोई वारौ सामनौ करण नै नी आवै। सो पवन रै वेग आवतौडा ऊठ एकदम आयनै चोवटै रुकग्या अर वदूका रा दो तीन भडाका एक साथै इज व्हिया—धडाम ! धडाम ! धडाम !

वेटा नै कहाणी सुणण मे रस आवण लाग्यौ, वा मा रै खोळा मे आगौ सिरकग्यौ।

—वदूका रा भडाका अर धाडैतिया रै आवण री खवर सुणनै गाम मे खळवळी सी माचगी। मिनख जीव लेयनै दौडण लाग्या। घरारा वारणा खुला पड्या, चीज वस्त ऊघाडी पटी, पण कोईनै कोईरी चिंता नी।

राखू। वेटा रै एक नेम सो लियौडौ के दोपारी किया पछै नित मा रै खोळा मे सूवणौ अर नितरोज एक नवी कहाणी सुणणी। आज ई वेटै हठ झाली के मा म्हनै कालै सुणाई जिसी कोई चोखी'सीक कहाणी सुणा, जिणमे तलवारा चमकै पळाक-पळाक अर वदूका छूटै धडाम-धडाम !

मा रै जीव नै एक गिरैसी व्हैगी। नित रोज तलवारा अर वदूका वाळी कहाणी कठा सू लावणी ? मा वोली—वेटा, दिन रा कहाणी कैवा तौ मारग वैवता वटाऊडा मारग भूल जावै।

—नित रोज तौ वटाऊडा मारग कोनी भूलै ? वेटौ गळगळौ होय नै वोल्यौ। आख्या भरीजगी। मा नै हार खावणी पडी।

थोडी ताळ आख्या मीच नै मा वोली—काती महीनै दीवाळी आवै वेटा अर उणरै दो दिना पे'ली आवै धन तेरस। सेठ साहूकार उण दिन घर-घर सगळी ई गेहणौ गाठौ नै पैसा टका वारै काढै अर दरवाजा वद करनै रात रा लिछमी नै रिझावै। लिछमी धनरी देवी गिणीजै इण वास्तै लिछमी रा लाडका उणनै तन मन सू पूजै।

पण वेटा नै नी तो लिछमी सू मतळव हो अर नी उणरी पूजा सू। वो तौ वदूका रै धडाका नै उडी कै हो। वो मा रै मूंडै कानी देखण लाग्यौ। मा ठीमर सुर मे आगै वोली—थारै जनम रै दो वरसा पे'ल री वात है वेटा, आपणै गाम मे धाडौ पड्यौ हो, धन तेरस रै सै दिन। चवदै धाडैती नव ऊठा सू चढनै गाम लूटण नै आया। धवळै दिन रा दोपार री वेळा दडी छट दोडता नव ई ऊठ गाम रै माय वळिया। कातीसरा रा दिन, खेता मे ऊभा तिल ग्वार तडै, पैसा दीना ई मजदूर मिळै नी सो करसा तो सगळाई खेता मे हा। धाडैती पण इण वातनै आछी तिरिया जाणै हा के गाम मे लारै रह्योडा मिनख वौदा है अर इणा मे सू कोई वारौ सामनौ करण नै नी आवै। सो पवन रै वेग आवतौडा ऊठ एकदम आयनै चोवटै रुकग्या अर वदूका रा दो तीन भडाका एक साथै इज व्हिया—धडाम ! धडाम ! धडाम !

वेटा नै कहाणी सुणण मे रस आवण लाग्यौ, वा मा रै खोळा मे आगौ सिरकग्यौ।

—वदूका रा भडाका अर धाडैतिया रै आवण री खवर सुणनै गाम मे खळवळी सी माचगी। मिनख जीव लेयनै दौडण लाग्या। घरारा वारणा खुला पड्या, चीज वस्त ऊघाडी पडी, पण कोईनै कोईरी चिंता नी।

सगळा रैई पोत-पोतारै जीव री पडी । आप मरता बाप किणनै याद आवै । लुगाया रै कोई रौ टाबर घोडिया मे सूतौ तो कोई रौ वारै रमणने गयौडौ तो कोई रै चूल्है माथै घाट बिना हिलाया ओदी व्है री पण सगळी घर-बार छोड-छोड नै जीव कराळियै नाठी ।

जीव वचावण नै कोई कोठा कोठिया मे वळियौ, कोई घास री वागर मे घुस्यौ तो कोई राली गूदडा मे वडग्यौ । किणैई रैवारिया रै वाडा री सरण लोवी, किणैई भीला रा झूपा सभाळ्या तो कोई रा पगथेट खेतारी वाजरिया मे जावता ठमिया । आदमी'र लुगाया सगळा हाण फाण व्हियौडा, पेट रा गोळा ऊचा चढचौडा, छाती मे सास नी मावै । आदमी धोतियौ पकडै तो पोतियौ बिखर जावै अर पोतियौ सभालै तो धोतियौ खुल जावै। रावळी पिरोळ पुरोहिता रा घर अर सता स्रीमाळिया रा आगणा मिनखा सूं भरीजग्या । कोई धूजै, कोई रोवै तो कोई कळपै ।

उठीनै धाडितिया चावटा रै सै बीच ऊठ झोकिया, चातरा माथै जाजम ढाळी, कपडै री दुकान फोड'र मोठडा भुकाया, खवा माथै नूवा खेस राळिया अर सब सू पे'ली सुनार री दुकान लूट'र मोहरत कियौ । एक जणौ वदूक ले'र टूकियौ वैठ्यौ, दूजौडौ जाजम माथै ऊठा खनै ठैरियौ । वाकी वारै जणा सुनार नै साथै लेय नै मोटी-मोटी हवेलिया कानी चाल्या ।

गाम मे स्यापौ छायोडौ, पानडौ ई नी हिलै, चिडी रौ जायौ ई नी फरूकै, कुत्ता ई जाणै पताळ मे पैठग्या । धवळै दिन रा गाम सफा सूनौ मसाण व्है ज्यू लागै । थोडी-थोडी जेज मे ठैर-ठैर नै तिजोडिया माथै घण वाजै घम्मीड घम्मीड । करै ई कोई जोर सू कूकै अर ए सगळी आवाजा आधी रात रा सरणाटा मे सुणीजै ज्यू गाम रा इण खूणा सू उण खूणा ताई एक सरीखी सुणीजै ।

कावडिया रा सरणाटउडै—सडद सडद ! और डडा रा वरणाटउडै-वडद । वडद । मिनखा खाला उधडगी, वदूक रै कुदा रै घम्मीडा सू माथा फटग्या, खून सू आगणा लाल कचौळ व्हैग्या पण रागसा रा मन नी पसीज्या । उणा जिण घर नै लूटियौ उण मे निजर पडी कोई चीज सावत नी छोडी । किंवाड तोड दिया, ठीकर फोड दिया अर पेटिया रौ झूरौ झूरौ कर नाख्यौ । हरेक लूटचौडा घर सू लगाय नै चावटा री जाजम ताईचीजा री पाज वाधगी । ग्वाळा, ईवगसिया रेसमी काचळिया, मलमल रा धौतिया, धोरा वाला फेटिया, चौथै फेरै री चूनडिया, हीगलू री कूपिया,

सगळा रैंई पोत-पोतारै जीव री पडी । आप मरता बाप किणनै याद आवै । लुगाया रै कोई रौ टाबर घोडिया मे सूतौ तो कोई रौ बारै रमणनै गयौडौ तो कोई रै चूल्हे माथै घाट बिना हिलाया ओदी व्है री पण सगळी घर-बार छोड-छोड नै जीव करा‌ळियै नाठी ।

जीव बचावण नै कोई कोठा कोठिया मे वळियौ, कोई घास री बागर मे घुस्यौ तो कोई राली गूदडा मे बडग्यौ । किणैई रैवारिया रै वाडा री सरण लोवी, किणैई भीला रा झूपा सभाळ्या तो कोई रा पगथेट खेतारी बाजरिया मे जावता ठमिया । आदमी'र लुगाया सगळा हाण फाण व्हियौडा, पेट रा गोळा ऊचा चढयौडा, छाती मे सास नी मावै । आदमी धोतियौ पकडै तो पोतियौ बिखर जावै अर पोतियौ सभालै तो धोतियौ खुल जावै । रावळी पिरोळ पुरोहिता रा घर अर सता स्रीमाळिया रा आगणा मिनखा सूं भरीजग्या । कोई धूजै, कोई रोवै तो कोई कळपै ।

उठीनै धाडितिया चावटा रै सै बीच ऊठ भोकिया, चातरा माथै जाजम ढाळी, कपडै री दुकान फोड'र मोठडा भुकाया, खवा माथै नूवा खेस राळिया अर सब सू पे'ली सुनार री दुकान लूट'र मोहरत कियौ । एक जणौ बदूक ले'र टूकियौ बैठ्यौ, दूजौडौ जाजम माथै ऊठा खनै ठैरियौ । बाकी बारै जणा सुनार नै साथै लेय नै मोटी-मोटी हवेलिया कानी चाल्या ।

गाम मे स्यापौ छायोडौ, पानडौ ई नी हिलै, चिडी रौ जायौ ई नी फरूकै, कुत्ता ई जाणै पताळ मे पैठग्या । धवळै दिन रा गाम सफा सूनौ मसाण व्है ज्यू लागै । थोडी-थोडी जेज मे ठैर-ठैर नै तिजोडिया माथै घण बाजै धम्मीड धम्मीड । करै ई कोई जोर सू कूकै अर ए सगळी आवाजा आधी रात रा सरणाटा मे सुणीजै ज्यू गाम रा इण खूणा सू उण खूणा ताई एक सरीखी सुणीजै ।

कावडिया रा सरणाटउडै—सडद सडद ! और डडा रा वरणाटउडै-वडद । वडद । मिनखा खाला उधडगी, बदूक रै कुदा रै धम्मीडा सू माथा फटग्या, खून सू आगणा लाल कचौळ व्हैग्या पण रागसा रा मन नी पसीज्या । उणा जिण घर नै लूटियौ उण मे निजर पडी कोई चीज साबत नी छोडी । किंवाड तोड दिया, ठीकर फोड दिया अर पेटिया रौ झूरौ झूरौ कर नाख्यौ । हरेक लूटयौडा घर सू लगाय नै चावटा री जाजम ताई चीजा री पाज बाधगी । ग्वाळा, ईवगसिया रेसमी काचळिया, मलमल रा धौतिया, धोरा वाला फेटिया, चौथै फेरै री चूनडिया, हीगलू री कूपिया,

सुरमा री डबिया, काजळ री कूपलिया, स्नो पाउडर री डबिया, तेल अत्तर री सीसीया अर न जाणै काई-काई चीजा ऊभै मारग गळी-गळी मे बिखरियौडी पडी ही। चाबटै री जाजम माथै लिछमी रा ढिगळा लाग्यौडा। सोनौ न्यारौ चादी न्यारी तौ रोकड पैसा न्यारा। ढोली नै पकडनै बुलायौ। ढोल-थाळी घुरीज रह्या, धोबा भर भर नै निछरावला व्है री। ऊठा नै देवण नै घी रा पीपा आय रह्या, घी ऊनौ करण नै कपडा री होळी होय री। जरी, रेसम जोर जट अर टेरेलीन रौ धेम लाग्योडौ। जरी रौ एक एक दुपटौ पाच-पाच सौ री कीमत रौ जिणा नै उठाय-उठाय नै आग मे होम रह्या। पूरौ ठाट जम्यौडौ।

बेटै नै आणद आवण लाग्यौ, उणरौ बाल मन सगली चीजा परतख देखण लाग्यौ। मा आगै बोली—आपणै पादर रे ज्यू गाम रे उतराद मे एक खेत आयौडौ है—सोळकिया रौ बाडियौ। इण खेत मे अजीतसिहजी सोळ की कई मिनखा सागै बाजरी बाढता हा। उणा ई बदूका रा भडाका सुण्या अर पछै देख्यौ के धोरै माथै सू मतीरा गुडकै ज्यू मिनख बाड कूद कूद नै खेत रै मायनै गुडकै है। वानै खतरा री जाण व्हैगी।

—काई बात है रै ? गुडकण वाला नै अजीतसिहजी पूछ्यौ।

—धाडैती गाम लूटै है। कोई गुडकतौ गुडतौ बोल्यौ।

—धाडैती गाम लूटै अर थे आय नै बाजरी मे लुकौ ? फिट रै नादारा थानै।

राजपूत री आख्या मे लाल डोरा तणग्या। मूछारा बाल ऊभा व्हैग्या। उणी वखत हाथ रौ दातर आगौ फेकनै गाम कानी रवानै व्हिया। खेत मे ऊभा किमतरीया कूकीया—अजीतसिहजी गेला व्हैग्या कै काई बात है ? धाडैतिया माथै घाव करणौ मौत नै हेलौ करणौ है।

—मौत ? मौत एक वार व्हिया करै। आज मातर भोम रौ ओरणौ खेचीजै है अर म्हू जाणतौ थकौ मूडौ लुकाय ;नै बैठू तो म्हारी मौत तौ व्है चुकी। इण मौत करता तो वा मौत लाख दरजै चोखी।

घर मे सस्तर पाटी रै नाम माथै फगत तलवार रौ एक खापटौ हो। वे चुपचाप तलवार ले'र निकळता इज हा के उणांरी बैन देख लिया। वा बारणौ रोक'र रोवती कळपती बोली—

—वीरा पे'ली इण टाबरिया कानी देख लो। उणारी मा मसार नी है सो विचार कर नै पग आगै धरजौ।

सुरमा री डबिया, काजळ री कूपलिया, स्नो पाउडर री डबिया, तेल अत्तर री सीसीया अर न जाणै काई-काई चीजा ऊभै मारग गळी-गळी मे विखरियौडी पडी ही। चाबटै री जाजम माथै लिछमी रा ढिगळा लाग्यौडा। सोनौ न्यारौ चादी न्यारी तौ रोकड पैसा न्यारा। ढोल्गी नै पकडनै बुलायौ। ढोल-थाळी घुरीज रह्या, धोवा भर भर नै निछरावला व्है री। ऊठा नै देवण नै घी रा पीपा आय रह्या, घी ऊनौ करण नै कपडा री होळी होय री। जरी, रेसम जोर जट अर टेरेलीन रौ धेम लाग्योडौ। जरी रौ एक एक दुपटौ पाच-पाच सौ री कीमत रौ. जिणा नै उठाय-उठाय नै आग मे होम रह्या। पूरौ ठाट जम्यौडौ।

बेटै नै आणद आवण लाग्यौ, उणरौ बाल मन सगली चीजा परतख देखण लाग्यौ। मा आगै वोली—आपणै पादर रे ज्यू गाम रे उतराद मे एक खेत आयौडौ है—सोळकिया रौ वाडियौ। इण खेत मे अजीतसिहजी सोळ की कई मिनखा सागै वाजरी वाढता हा। उणा ई वदूका रा भडाका सुण्या अर पछै देख्यौ के धोरै माथै सू मतीरा गुडकै ज्यू मिनख वाड कूद कूद नै खेत रै मायनै गुडकै है। वानै खतरा री जाण व्हैगी।

—काई वात है रै ? गुडकण वाला नै अजीतसिहजी पूछ्यौ।

—धाडैती गाम लूटै है। कौई गुडकतौ गुडतौ वोल्यौ।

—धाडैती गाम लूटै अर थे आय नै बाजरी मे लुकौ ? फिट रै नादारा थानै।

राजपूत री आख्या मे लाल डोरा तणग्या। मूछारा वाल ऊभा व्हैग्या। उणी वखत हाथ रौ दातर आगौ फेकनै गाम कानी रवानै व्हिया। खेत मे ऊभा किमतरीया कूकीया—अजीतसिहजी गेला व्हैग्या कै काई वात है ? धाडैतिया माथै घाव करणौ मौत नै हेलौ करणौ है।

—मौत ? मौत एक वार व्हिया करै। आज मातर भोम रौ ओरणौ खेचीजै है अर म्हू जाणतौ थकौ मूडौ लुकाय नै वैठू तो म्हारी मौत तौ व्है चुकी। इण मौत करता तो वा मौत लाख दरजै चोखी।

घर मे सस्तर पाटी रै नाम माथै फगत तलवार री एक खापटी ही। वे चुपचाप तलवार ले'र निकळता इज हा के उणारी वैन देख लिया। वा वारणौ रोक'र रौवती कळपती वोली—

—वीरा पे'ली इण टाबरिया कानी देख लो। उणारी मा ससार नी है सो विचार कर नै पग आगै धरजौ।

—बारणौ छोड दे बैनड अबै बातां करण रौ वखत नीं है। टाबरियां री चिंता ठाकुरजी करैला। इणरैं पछै आख फरूकता री जेज व्है तो चावटैं पूगतां री जेज व्है।

जावता पाण धाकल रा धड़ूका सागै ढोल रौ डाकौ रुकग्यौ। निछ-रावळा करता हाथ ऊचा रा ऊचा इ'ज रैयग्या अर ऊठ चीडताचीडता बद व्हैग्या। उठीनै टूकियै बदूक सभाली अर अठीनै तलवार चमकी पळाक करती।

टूकियै हाको कियौ—खबडदार ! आगै पग दियौ तो मौत खावैला।

—था मे ई रजबौ व्है तो नीचौ आयजा। दो दो हाथ करला। म्हारौ माथौ कटिया पछै जचै ज्यू करजौ। ऊभा ऊभा तो मा रौ ओरणौ कीकर खेचण दू। इण सू म्हारी जणणी लाजै।

—जणणी तो लाजै पण टाबरिया सू छेटी पड जावैला। अर याद राखजै के जे अठै काम आयग्यौ तो इण ठौड कोई मकराणा री चूतरौ ई नी वणावैला।

—मरिया पछै जचै ज्यू व्हौ पण हाल तो दौ च्यार नै मार नै मरूला। इण बोल रै सागै वारौ हाथ चाल्यौ अर साम्हा ऊभा टिणकचद आगा सरकग्या। दूजोडौ भरपूर वार निछरावळ करण वाळा माथै हुऔ सो बरौबर बैठचौ होत तो माथौ मूळा री कापी रै गळाई अळगौ आय पडतौ, पण पे'ला इज टूकिया री गोळी पेडू मे आया ठठी अर वानै बैठणौ पडचौ। बैठता बैठता ई वारै एक वार सू ऊठ खोडौ व्हियौ अर धाडैती पड भागा।

उठीनै सूरज भगवान मेर बैठचा अर अठीनै राजपूत री डोळी चाली। कहाणी पूरी व्हैता ई बेटै मा रौ ओरणौ काठौ पकड लियौ। मा बौली—छोड छोड यू करै काई है गेला, दिन ढळग्यौ है अर म्हारै निनाण री डा' अधूरी पडी है।

—वारणी छोड दे बैनड अबै वातां करण रौ वखत नीं है। टाबरियां री चिंता ठाकुरजी करैला। इणरै पछै आख फरूकता री जेज व्है तो चावटै पूगतां री जेज व्है।

जावता पाण धाकल रा धड्का सागै ढोल रौ डाकौ रुकग्यौ। निछरावळा करता हाथ ऊंचा रा ऊंचा इ'ज रैयग्या अर ऊठ चीडताचीडता वद व्हैग्या। उठीनै टूकियै बदूक सभाली अर अठीनै तलवार चमकी पळाक करती।

टूकियै हाकौ कियौ—खबडदार ! आगै पग दियौ तो मौत खावैला।

—था मे ई रजबौ व्है तो नीचौ आयजा। दो दो हाथ करला। म्हारौ माथौ कटिया पछै जचै ज्यू करजौ। ऊभा ऊभा तो मा रौ ओरणौ कीकर खेचण दू। इण सू म्हारी जणणी लाजै।

—जणणी तो लाजै पण टाबरिया सू छेटी पड जावैला। अर याद राखजै के जे अठै काम आयग्यौ तो इण ठौड कोई मकराणा री चूतरौ ई नी बणावैला।

—मरिया पछै जचै ज्यू व्हौ पण हाल तो दौ च्यार नै मार नै मरूला। इण बोल रे सागै वारौ हाथ चाल्यौ अर साम्हा ऊभा टिणकचद आगा सरकग्या। दूजौडौ भरपूर वार निछरावळ करण वाळा माथै हुऔ सो बरोबर बैठ्यौ होत तो माथौ मूळा री कापी रै गळाई अळगौ आय पडतौ, पण पे'ला इज टूकिया री गोळी पेडू मे आया ठठी अर वानै बैठणौ पडयौ। बैठता बैठता ई वारै एक वार सू ऊठ खोडौ व्हियौ अर धाडैती पड भागा।

उठीनै सूरज भगवान मेर बैठ्या अर अठीनै राजपूत री डोळी चाली। कहाणी पूरी व्हैता ई बेटै मा रौ ओरणौ काठौ पकड लियौ। मा बौली—छोड छोड यू करै काई है गेला, दिन ढळग्यौ है अर म्हारै निनाण री डा' अधूरी पडी है।

कुए भांग पड़ी

उन्हाळा री रुत । भोट तावडौ पडै । माथौ फाटै जिसौ । लूवा वाजै । खेखाड करती । लावा पन्ना री । अेडी वखत चिडी रौ जायौ ई बारै नी निकळै । पण गरज बावळी व्हिया करै । आडौ आवै जरै वाढ नै काढणी पडै । सो ए'डी वळती लाय मे ई म्हैनै नाठता दौडता ठेसण जायनै गाडी पकडणी पडी । पण ठेट पूगौ जितरै तो सास लोली मे आयगी अर दिन तारा देख लिया । हाण-फाण व्हियौडै जायनै टिगट माग्यौ तौ बाबू चैठौ इज आयौ—इतरी जेज काई ऊघ आई ही ? अबै फा फू व्हियौडा जाणै बाबू नै निहाल करण नै पधारचा है । झट निकाळ नै वाळौ आगा पैसा, गाडी आउटर खनै आयगी है ।

टिगट लेय नै डव्वा मे चढचौ तो थवौथव भरचौडौ । हिलौळा खाए । पग मेलण नै ई जगै नी । मायनै वडता ई जाणै गारियौ पडचौ—

जगै कोनी ! जगै कोनी ! बारै ! बारै !

पे'ला कवा मे इज माखी अर चवरी मे इज राड व्हैती देखी तो बारै लारै धूड वाळी । पण नीचै उतरियौ जितरै तो भू sss sss क ! जाणै गधौ भूकियौ । काळजौ फडका चढग्यौ । जे लगूर री गळाई फदाक मारनै लप्प करतौ नी चढू तो लारै रैय जावतौ सै मैंणत अकारथ जावती अर कातियौ विकियौ कपास व्है जातौ । पण आधा रा तदूरा रामदे वजावै सौ गाडी तो कियाई पकडली ।

पण इण डव्वा मे ई वा री वा गत । करम नै छिया साथै चालै । करणौ तौ काई करणौ ? सेवट हिम्मत करनै एक जणा नै होळै सी'क कह्यौ—

कुए भांग पड़ी

उन्हाळा री रुत । भोट तावडी पडै । माथौ फाटै जिसौ । लूवा वाजै । खेखाड करती । लावा पन्ना री । अेडी वखत चिडी रौ जायौ ई वारै नी निकळै । पण गरज बावळी व्हिया करै । आडौ आवै जरै वाढ नै काढणी पडै । सो ए'डी वळती लाय मे ई म्हैनै नाठता दौडता ठेसण जायनै गाडी पकडणी पडी । पण ठेट पूगौ जितरै तो सास लोली मे आयगी अर दिन तारा देख लिया । हाण-फाण व्हियौडै जायनै टिगट माग्यौ तौ वावू चैठौ इज आयौ—इतरी जेज काई ऊघ आई ही ? अवै फा फू व्हियौडा जाणै वावू नै निहाल करण नै पधारचा है । झट निकाळ नै वाळौ आगा पैसा, गाडी आउटर खनै आयगी है ।

टिगट लेय नै डव्वा मे चढचौ तो थवौथव भरचौडी । हिलौळा खाए । पग मेलण नै ई जगै नी । मायनै वडता ई जाणै गारियौ पडचौ—

जगै कोनी ! जगै कोनी ! वारै ! वारै !

पे'ला कवा मे इज माखी अर चवरी मे इज राड व्हैती देखी तो वारै लारै धूड वाळी । पण नीचै उतरियौ जितरै तौ भू SSS SSS क ! जाणै गधौ भूकियौ । काळजी फडका चढग्यौ । जे लगूर री गळाई फदाक मारनै लप्प करतौ नी चढू तो लारै रैय जावतौ सैं मैंणत अकारथ जावती अर कातियौ विकियौ कपास व्है जातौ । पण आधा रा तदूरा रामदे वजावै सो गाडी तो कियाई पकडली ।

पण इण डव्वा मे ई वा री वा गत । करम नै छिया साथै चालै । करणी तौ काई करणी ? सेवट हिम्मत करनै एक जणा नै होळै सी'क कह्यौ—

भाई जी राज, थोडा आगा सिरकजौ म्हूँ ई गोडीवाळ लू ।

पड्तर मिळचौ-आख्या है के बटण हे, दीखै कोनी । अठै तौ आगै ई मरा हा । सास ई दोरी-दोरी आवै । आधौ ढूगौ टेक नै नीठ बैठा हा अर आप अवै पधारचा है सो फरमावै के थोडा आगा सिरकजौ । घर रा तौ घरटी चाटै अर पावणा नै आटो भावै । लारली ठेसण माथै इण सेठा नै ज्यू-त्यू साकड-माकड करनै थोडी सी'क जगै दीवी तौ होळै-होळै ग्यावणी भैस री गळाई पसर नै विराजग्या । छाछ नै आई अर घर री धणियाणी वणनै बैठगी । ऊपर सू टसका फेर न्यारा करै । जाणै पूरा जावै है । दो मिनखा री जगै तो इणै एकलै इज ढावली । अवै तो माथा माथै बैठणौ वाकी रह्यौ है, वा ई मन मे मत राख जौ ।

म्है देख्यौ ओ ई म्हारी गळाई कोई आती आयोडौ दीसै । वतळावता इज बाथ्या पडै । एक री इक्कीस सुणाय दी । घरा सू लडनै निकळचौ दीसै । साची कही है तप्यौ भाठौ तेड मेलै अर हारचौ हाकम जामनी मागै सौ माथै व्हियौडा मिनखा सू तौ आगा इज भला । राड आडी वाड चोखी । नी तौ अवार कठै ई तिणकला सू भारत व्हे जाएला । सो उणरै लारै पावडै-पावडै धूड वाळ नै म्हू बगला रै ज्यू एक टाग माथै ऊभौ व्हैग्यौ ।

सेठ साचाणी ग्यावणी भैस री गळाई पसरनै वैठौ हो । मटकी रै उनमान टणकी तूद, दोणिया जेडौ घोटम घोट माथौ, गोळ-गोळ बटण जेडी आख्या अर घाची रै जिसा मैला घाण कपडा । परसैवा मे लथपथ व्हैयौडौ वकरौ वासै ज्यू वासतौ हो । खवा माथै पडचा अ गोछा सू मिनट-मिनट मे परसेवौ पूछतौ अर जितरी वार परसैवौ पूछतौ साडरी गळाई नीच लौ होठ लावौ करनै अस्स ऽऽऽ ऽऽऽ री आवाज करतौ । गाडी मे काई विराज्या हा जाणै रेल्वाई विभाग माथै मोटौ एहसान कियौ हो ।

साम्हली सीट माथै एक बाबू सा'ब विराज्या हा । करडा लट्ठ व्हियौडा वन्दूक री खोळी व्हे जिसौ काठी मोरी रौ पैट, ऊचौ-ऊचौ बुसर्ट, दिलिप कट वाल अर तलवार कट मूछा । आख्या माथै काळौ चसमौ अर हाथ मे अ गरेजी रौ अखबार । कडका-कडक उस्तरी मे अल्ट्रा मोडरेट वण्यौडा । जाणै अवार इज हेलीकोप्टर सू उतरनै सीधा गाडी मे आय नै विराजग्या व्है ।

वावू सा'ब रै पाखती'ज बारी कानी एक सिरिमानजी फेर विराज्या

भाई जी राज, थोडा आगा सिरकजौ म्हूँ ई गोडीवाळ लू।

पड़ुतर मिळचौ-आख्या है के बटण है, दीखै कोनी। अठै तौ आगै ई मरा हा। सास ई दोरी-दोरी आवै। आधौ ढूगौ टेक नै नीठ बैठा हा अर आप अबै पधारचा है सो फरमावै के थोडा आगा सिरकजौ। घर रा तौ घरटी चाटै अर पावणा नै आटौ भावै। लारली ठेसण माथै इण सेठा नै ज्यू-त्यू साकड-माकड करनै थोडी सी'क जगै दीवी तौ होळै-होळै ग्यावणी भैंस री गळाई पसर नै बिराजग्या। छाछ नै आई अर घर री धणियाणी वणनै बैठगी। ऊपर सू टसका फेर न्यारा करै। जाणै पूरा जावै है। दो मिनखा री जगै तो इणै एकलै इज ढाबली। अबै तो माथा माथै बैठणौ बाकी रह्यौ है, वा ई मन मे मत राख जौ।

म्है देख्यौ ओ ई म्हारी गळाई कोई आती आयौडौ दीसै। वतळावता इज बाथ्या पडै। एक री इक्कीस सुणाय दी। घरा सू लडनै निकळचौ दीसै। साची कही है - तप्यौ भाठौ तेड मेलै अर हारचौ हाकम जामनी मागै सौ माथै व्हियौडा मिनखा सू तौ आगा इज भला। राड आडी वाड चोखी। नी तौ अबार कठै ई तिणकला सू भारत व्है जाएला। सो उणरै लारै पावडै-पावडै धूड वाळ नै म्हू बगला रै ज्यू एक टाग माथै ऊभौ व्हैग्यौ।

सेठ साचाणी ग्यावणी मैंस री गळाई पसरनै वैठौ हो। मटकी रै उनमान टणकी तूद, दोणिया जेडौ घोटम घोट माथौ, गोळ-गोळ बटण जेडी आख्या अर घाची रै जिसा मैला घाण कपडा। परसैवा मे लथपथ व्हैयौडौ वकरौ बासै ज्यू बासतौ हो। खवा माथै पडचा अ गोछा सू मिनट-मिनट मे परसेवौ पूछतौ अर जितरी वार परसैवौ पूछतौ साडरी गळाई नीच लौ होठ लाबौ करनै अस्स ऽऽऽ ऽऽऽ री आवाज करतौ। गाडी मे काई बिराज्या हा जाणै रेल्वाई विभाग माथै मोटौ एहसान कियौ हो।

साम्हली सीट माथै एक बाबू सा'ब विराज्या हा। करडा लट्ठ व्हियौडा वन्दूक री खोळी व्है जिसौ काठी मोरी रौ पैंट, ऊचौ-ऊचौ बुसर्ट, दिलिप कट बाल अर तलवार कट मूछा। आख्या माथै काळौ चस्मौ अर हाथ मे अ गरेजी रौ अखबार। कडका-कडक उस्तरी मे अल्ट्रा मोडरेट वण्यौडा। जाणै अबार इज हेलीकोप्टर सू उतरनै सीधा गाडी मे आय नै विराजग्या व्है।

बाबू सा'ब रै पाखती'ज बारी कानी एक सिरिमानजी फेर बिराज्या

हा । काळा भुजंग । कागला ई उणारै आगै झख मारै । सागण भैरुजी रौ अवतार । रातौ मातौ पाडा व्है जेडौ सरीर । मूडा माथै माता रा मोटा-मोटा भण । जिण सू उणियारौ जाणै खामचाई सू टूचियौडौ घरटी रौ पुडियौ अर नाक जाणै ऊदरा रै कुरटियौडी खारक । खोपडी रै चाफैर थोडा-थोडा बाल अर वीच मे सफाचट जाणै हवाई जहाज रौ मैदान । ऊची-ऊची धोती, पगा मे पेसावरी चप्पल, झब्बा माथै नेहरु कट जॉकेट अर खवा मे सातिनिकेतन टाईप झोळौ । घणी मोडी जावती जाण पडी के सिरिमानजी एक नेतौजी हा ।

डब्बा मे भीड अणूती घणी ही । पसवाडौ फेरणौ ई कुस्ती करण रै बरोबर हो । म्हारी पूठ मे एक बावौजी महाराज ऊभा हा । भस्मी रमाया अर डड कमडळ लिया साखियात जाणै सिवजी रौ अवतार। अर मूडा आगै एक रवारण घर वखरी री गाठडी ऊचाया 'इवनिंग इन पेरिस' री खुसबू फैलावती ऊभी ही । पूठ मे बावाजी रा डड कमडळ अर चीपटा खुवण लागा अर नाक मे एवड रै एसेस री घमरौळ फूटण लागी तौ जीव घुमटी जण लागौ । पण निजोरी बात ही, जोर काई करतौ । राम जाणै दिनूगै मूडौ किणरौ देख्यौ हो ।

अपूठै ऊभै इ'ज बावाजी नै अरज करी-गुरुदेव आपरा सस्तरपाटी थोडा सावळ रखावौ, नी तो इण गरीब रा हाडका भाग जाएगा । बावौजी सुणनै पे'ली तो थोडा हस्या अर पछै ठेट कबीरजी री निरगुण वाणी मे बोल्या—

थोडा धीरज रक्खौ भगत, ससार असार है अर सुख-दुख का जोडा हे । साधु सत की सोहब्बत तकदीर वाले को मिलती है । सो मालिक का सुमिरन करो और प्रेम से सीधे खडे रहो बेटा !

बावैजी महाराज फैसलौ सुणाय दियौ अर उण रवारण नै तौ बापडी नै कैवण री कोई रस्तौ ई कोनी हो । वा तौ पोतै ई म्हारी गळाई एक टाग माथै ऊभी ही । सो बाबाजी रा उपदेस प्रमाणै आख्या मीच अर नाक भीच नै सीता पति रौ सुमरण कियौ के है दीनानाथ ! कोई मुसाफर नै सुमत दे सो वो आगला ठेसण माथै उतर जावै अर म्हनै इण सत्सग सू मुगती मिळै ।

गाडी होळै-होळै स्पीड पकडी तौ डब्बा मे थोडी साति वापरी । सीटा माथै बैठोडै बडापणा री निजर सू ऊभोडा कानी गरुर सू देख्यौ अर ऊभोडा साम्यवादी निजर सू बैठोडा कानी खरी मीट सू जोयौ । धीरै-धीरै आपसरी

हा । काळा भुजंग । कागला ई उणारै आगै झख मारै । सागण भैरुजी रौ अवतार । रातौ मातौ पाडा व्है जेडौ सरीर । मूडा माथै माता रा मोटा-मोटा भण । जिण सू उणियारौ जाणै खामचाई सू टूचियौडौ घरटी रौ पुडियौ अर नाक जाणै ऊदरा रै कुरटियौडी खारक । खोपडी रै चाफैर थोडा-थोडा वाल अर वीच मे सफाचट जाणै हवाई जहाज रौ मैदान । ऊची-ऊची धोती, पगा मे पेसावरी चप्पल, झव्वा माथै नेहरु कट जॉकेट अर खवा मे सातिनिकेतन टाईप झोळौ । घणी मोडी जावती जाण पडी के सिरिमानजी एक नेतौजी हा ।

डव्वा मे भीड अणूती घणी ही । पसवाडौ फेरणौ ई कुस्ती करण रै वरौवर हो । म्हारी पूठ मे एक वावौजी महाराज ऊभा हा । भस्मी रमाया अर डड कमडळ लिया साखियात जाणै सिवजी रौ अवतार । अर मूडा आगै एक रवारण घर वखरी री गाठडी ऊचाया 'इवनिंग इन पेरिस' री खुसवू फैलावती ऊभी ही । पूठ मे वावाजी रा डड कमडळ अर चीपटा खुवण लागा अर नाक मे एवड रै एसेस री घमरौळ फूटण लागी तौ जीव घुमटी जण लागौ । पण निजोरी वात ही, जोर काई करतौ । राम जाणै दिनूगै मूडौ किणरौ देख्यौ हो ।

अपूठौ ऊभै इ'ज वावाजी नें अरज करी-गुरुदेव आपरा सस्तरपाटी थोडा सावळ रखावौ, नी तो इण गरीव रा हाडका भाग जाएगा । वावौजी सुणनै पे'ली तो थोडा हस्या अर पछै ठेट कवीरजी री निरगुण वाणी मे वोल्या—

थोडा धीरज रक्खो भगत, ससार असार है अर सुख-दुख का जोडा है । साधु सत की सोहव्वत तकदीर वाले को मिलती है । सो मालिक का सुमिरन करो और प्रेम से सीधे खडे रहो वेटा !

वावैजी महाराज फैसलौ सुणाय दियौ अर उण रवारण नै तौ वापडी नै कैवण री कोई रस्तौ ई कोनी हो । वा तौ पोतै ई म्हारी गळाई एक टाग माथै ऊभी ही । सो वावाजी रा उपदेस प्रमाणै आख्या मीच अर नाक भीच नै सीता पति रौ सुमरण कियौ के है दीनानाथ ! कोई मुसाफर नै सुमत दे सो वो आगला ठेसण माथै उतर जावै अर म्हनै इण सत्सग सू मुगती मिळै ।

गाडी होळै-होळै स्पीड पकडी तौ डव्वा मे थोडी साति वापरी । मोटा माथै वैठोडै वडापणा री निजर सू ऊभोडा कानी गरुर सू देख्यौ अर ऊभोडा साम्यवादी निजर सू वैठोडा कानी खरी मीट सू जोयौ । धीरै-धीरै आपसरी

में वतळ सरू व्ही। पोता री तूद माथै खूब प्यार सूं हाथ फेर नै अगोछा सूं लिलाड रो परसैवो पूछता सेठ म्हनै पूछ्यो—

—आपरो किसो गाम ?

—खाडप

—आगै कठा ताई जावोला ?

—जोधपुर ताई।

—म्हू ई लूणी ताई चालूला।

— आपरो कठै [illegible]

—म्हू रैवू तो जोधपुर हू पण म्ह[illegible]

—आपरो नाम ?

—किसन गोपाळ।

—दुकान तो आपरी ठीक चालती व्हैला ?

—ठीक है सा, दाळ रोटी निकळ जावै। वाकी तो इण जमाना मे विणज-वैपार काई करणो है, दुख देखणो हे। पण कवूतर नै कुवो सूझै। वडैरा रो धधो है। दूजो करणो चावा तो ई काई करा।

—क्यू सेठा अेडी काई तकलीफ है विणज वैपार मे ?

—तकलीफ तो भाई जी, अवै आपनै काई वतावा। लागै जिणरै चर-वरै अर दुखै जिणरै पीड। कह्या सू काई थाग लागै। कह्यो है के—कुठौड री पीड अर सुसरौजी वैद—अवै कैवणो ई किणनै रह्यो ?

-- तो ई काई वतावो तो खरी। म्है तौ आ जाणा के इण जमाना मे वैपारी खूब कमावै अर मजा करै।

सेठजी एक लावी डकार लेवता वोल्या—ओ थारो कसूर कोनी भाया, आतो परम्परा री रीत है के पराई थाळी मे घी घणो दीखै। वाकी तो असल वात आ हे के वैपार रै वास्तै वडी खराव टेंम आयोडी है। अवै तो वस खोस खावणा अर नाठ जावणा। दूजी वात इ'ज नी। कितरा तौ अफसर। टोळा रा टोळा। भेळा किया व्हे तौ वाडो भरीज जावै। सेलटेक्स रा न्यारा, इनकमटेक्स रा न्यारा, फूडग्रेन रा न्यारा, हेल्थ वाळा न्यारा, इनफोर्समेंट रा न्यारा तो पुलिस वाळा न्यारा। अर सगळाई म्हारा वेटा एक एक सू अगळा लिलाड रै वूक मा डियौडा। भूखी भवानी रै ज्यू लाव-लाव इ'ज करै। इणारा पेट है के लेटर वक्स है। ठूसताइज जावो तो ई खाली रा खाली। एक मूडो व्हे तो खाड सू ई

में वतळ सरू व्ही। पोता री तूद माथै खूब प्यार सूं हाथ फेर नै अगोछा सूं लिलाड रौ परसैवौ पूछता सेठ म्हनै पूछ्यौ—

—आपरौ किसौ गाम ?

—खाडप

—आगै कठा ताई जावौला ?

—जोधपुर ताई।

—म्हू ई लूणी ताई चालूला।

— आपरौ कठै कि[illegible]

—म्हू रैवू तो जोधपुर हू पण [illegible]

—आपरौ नाम ?

—किसन गोपाळ।

—दुकान तो आपरी ठीक चालती व्हैला ?

—ठीक है सा, दाळ रोटी निकळ जावै। वाकी तो इण जमाना मे विणज-वैपार काई करणौ है, दुख देखणौ है। पण कवूतर नै कुवौ सूझै। वडैरा रौ धधौ है। दूजौ करणौ चावा तो ई काई करा।

—क्यू सेठा अेडी काई तकलीफ है विणज वैपार मे ?

—तकलीफ तो भाई जी, अवै आपनै काई वतावा। लागै जिणरै चरवरै अर दुखै जिणरै पीड। कह्या मू काई थाग लागै। कह्यौ है के—कुठौड री पीड अर सुसरौजी वैद—अवै कैवणौ ई किणनै रह्यौ ?

-- तो ई काई वतावौ तौ खरी। म्हैं तौ आ जाणा के इण जमाना मे वैपारी खूब कमावै अर मजा करै।

सेठजी एक लावी डकार लेवता वोल्या—ओथारौ कसूर कोनी भाया, आतो परम्परा री रीत है के पराईथाळी मे घी घणौ दीखै। वाकी तो असल वात आ है के वैपार रै वास्तै वडी खराव टैम आयौडी है। अवै तो वस खोस खावणा अर नाठ जावणा। दूजी वात इ'ज नी। कितरा तौ अफसर। टोळा रा टोळा। भेळा किया व्है तौ वाडौ भरीज जावै। सेलटैक्स रा न्यारा, इनकमटेक्स रा न्यारा, फूडग्रेन रा न्यारा, हेल्थ वाळा न्यारा, इनफोर्समेंट रा न्यारा तो पुलिस वाळा न्यारा। अर सगळाई म्हारा वेटा एक एक सू अगळा लिलाड रै वूक मा डियौडा। भूखी भवानी रै ज्यू लाव-लाव इ'ज करै। इणारा पेट है के लेटर वक्स है। ठूसताइज जावौ तो ई खाली रा खाली। एक मूडी व्है तो खाड सू ई

भरीज जावै पण इतरा तौ धूड सूं ई कोनी भरीजै । नित नूंवा ऊंधा-पाधरा कॉनून निकळै । जे इण देवतावा नै टेमसर अर मरजी परवाणै धूप नी खैवौ तो हथकडिया त्यार । अवै आप इज विचार करौ के केडौक मजौ है अवार विणज वैपार मे ।

—पण सेठा जे आप इमानदारी सू धधौ करौ तौ किणराई पेट क्यू भरणा पडैं ?

—इमानदारी ? सेठ हसनै वोल्या—आप काई धधौ करौ ?

—मास्टर हू । टावर पढावण रौ धधौ करू ।

—माट सा'ब हो, जरै इज टावरा जैडी भोळी-भोळी वाता करौ । आपनै इमानदारी निजर आई कठै ई इण मुल्क मे ? सही वात आ है के जे इमानदारी राखणी चावा तो ई कोनी राख सका । राड रडापौ काढणी चावै पण रडवा कोनी काढण देवै ।

—पण जे राड व्हैता थकाई वा चावटै सूवै अर रडवा रै भाठा फैंकै तो पछै रडवा रौ काई कसूर ?

—माट सा'व आप सफा गळत पेट माथै हो । म्हू आपनै घरवीती सुणाऊ—सेठ जोर री डकार लेवता बोल्या—गया महीना री वात है, कोई मामूली लैण-दैणरा मामला मे एक अफसर म्हारा सू वेराजी व्हेग्या । म्हनै ई रीस आयगी के देवता-देवता ई अकड वतावै, सो आपसरी मे झोड व्हैग्यौ । नतीजौ ओ निकळ्यौ के म्हनै एक अमल रा केस मे फसाय दियौ अर उण केस मे हजारा रौ धूवौ उडग्यौ । इण ढग रा एक नी पण अनेकू किस्सा हे । काई-काई सुणावा अर किणनै सुणावा ?

सेठ स्यात् फेरू कई किस्सा सुणावता पण गाडी मोड मे चालण लागी तो जाण पडी के लूणी नैडी आयगी है । सेठ रै अठै उतरणौ हो सो माया समेटण लागा । पागडी सभाळता वोल्या—

लो माट सा'व अवै तो वैठ जाऔ, कणाकलाई ऊभा हो, काया व्हैग्या व्हौला ।

म्है मन मे कह्यो—लेखै विणजै वाणियौ अर फेर ओडावै पाट । इतरी जेज साकड माकड करनै वैठण री जगै दी व्हैती तो थारी भलाई ही । अवै तो भावै ई सीट खाली करणी पडैला । सो काई पाड ओढावणौ कोनी ।

म्हारै वैठता ई वावौजी वोल्या—अलख निरजन ! थोडी सी जगै

भरीज जावै पण इतरा तौ धूड सूं ई कोनी भरीजै। नित नूंवा ऊंधा-पाधरा कांनून निकळै। जे इण देवतावा नैं टेमसर अर मरजी परवाणै धूप नी खैवौ तो हथकडिया त्यार। अवै आप इज विचार करौ के केडीक मजी है अबार विणज वैपार मे।

—पण सेठा जे आप इमानदारी सू धधौ करौ तौ किणराई पेट क्यू भरणा पडै ?

—इमानदारी ? सेठ हसनै बोल्या—आप काई धधौ करौ ?

—मास्टर हू। टाबर पढावण रौ धधौ करू।

—माट सा'ब हो, जरै इज टाबरा जैडी भोळी-भोळी वाता करौ। आपनै इमानदारी निजर आई कठै ई इण मुल्क मे ? सही बात आ है के जे इमानदारी राखणी चावा तो ई कोनी राख सका। राड रडापौ काढणी चावै पण रडवा कोनी काढण देवै।

—पण जे राड व्हैता थकाई वा चावटै सूवै अर रडवा रै भाठा फैंकै तो पछै रडवा रौ काई कसूर ?

—माट सा'व आप सफा गळत पेट माथै हो। म्हू आपनै घरवीती सुणाऊ—सेठ जोर री डकार लेवता बोल्या—गया महीना री बात है, कोई मामूली लैंण-दैणरा मामला मे एक अफसर म्हारा सू वेराजी व्हैग्या। म्हनै ई रीस आयगी के देवता-देवता ई अकड वतावै, सो आपसरी मे झोड व्हैग्यौ। नतीजौ ओ निकळ्यौ के म्हनै एक अमल रा केस मे फसाय दियौ अर उण केस मे हजारा रौ धूवौ उडग्यौ। इण ढग रा एक नी पण अनेकू किस्सा है। काई-काई सुणावा अर किणनै सुणावा ?

सेठ स्यात् फेरू कई किस्सा सुणावता पण गाडी मोड मे चालण लागी तो जाण पडी के लूणी नैडी आयगी है। सेठ रै अठै उतरणौ हो सो माया समेटण लागा। पागडी सभाळता बोल्या—

लो माट सा'व अवै तो वैठ जाऔ, कणाकलाई ऊभा हो, काया व्हैग्या व्हौला।

म्है मन मे कह्यो—लेखै विणजै वाणियौ अर फेंर ओडावै पाड। इतरी जेज साकड माकड करनै वैठण री जगै दी व्हैती तो थारी भलाई ही। अवै तो भावै ई सीट खाली करणी पडैला। सो काई पाड ओढावणी कोनी।

म्हारै वैठता ई वावौजी वोल्या—अलख निरजन ! थोडी सी जगै

हमकं ई दे दे भगत,फगत एक ढूंगा टेक के बैठ जायेंगे। सकर तेरा कल्याण करेंगे बेटा। खडे-खडे पैंर थभे की तरह हो रहे है और नसा उतर जाने से सिर मे चक्कर आ रहा है। जगह मिल जाय तो वडा पुन्न होगा।

म्है कह्यौ— बावाजी आ रवारण बापडी कणाकली बोझौ ऊचाया ऊभी है। इणनै वैंठण दो तौ आपनै वडौ पुन्न व्हैला। पण बावौजी तो म्हारी वात पूरी व्हिया पे'लीज अरडघम करता म्हारै माथै इज बिराजता बोल्या—

— औरत की जात वडी कट्ठी होती है भगत। तुम इसकी चिन्ता मत करो। ये तो जनम भर खडी रहवै तो भी इसके कुछ नही विगडैगा। तुलसी महाराज कह गये है—ढोल गवार म्है वावा नै मन मे मोकळी गाळी दी। पण वावै तो पोतारौ आसण जमाय लियौ हो। नैह्वा सू बैंठनै म्हे साम्ही देख्यौ तो नेतौजी लेवा होठ मे जरदौ भरनै ऊचौ मूडौ किया वैठा हा। थोडी'क ताळ मे वारी कानी मूडौकरनै आडै-पाडै बैठा मुसाफरा माथै डी० डी० टी० रौ छिडकाव करता बोल्या—

—स्साला सेठ का बच्चा!

म्हनै लागो नेतौजी इतरी जेज भरयौडा वैंठा माए रा माए घुमटी-जता हा। सेठ री वाता खतम व्हिया भाखण देवण री पूरी त्यारी किया बैठा हा। हिचकी माथै आयौडा थूक रा टेरा नै पूछता बोल्या—

— माट सा'व इण सेठ नै ओळखौ आप ?

—नी सा म्हू तो आज पे'ली वार इज मिळ्यौ।

— इणरी वाता तो सुणली, आप ?

—हा वाता तो सुणीज है।

—खुद गुरूजी वैगण खावै अर दूजा नै परमोद वतावै।

—आ कीकर ?

—कीकर काई ओ घटा भरियौ व्हियौ सरकार अर नेतावा—अफसरा री भूडिया करै हो। इणनै खुदनै तो पूछौ के थू काई-काई कवाडा करै है। म्हू इणरी सगली वाता कान देय नै सुणतौ हो अर विचार करै हो के ओ आपरी सै वाफ काढ देवै तो सौ सुनार री अर एक लुहार री सुणाऊ। पण ओ तौ माटौ लूणी मे इज भाग छूटौ। नी तो आज इण नै वा खरी-खरी सुणावतौ के इणरी वोलती वद कर देवतौ।

—खैर वे तो गया पण म्हानैतो सुणाय दो के सेठ एडा काई कवाडा

हमकूं ई दे दे भगत, फगत एक ढूंगा टेक के बैठ जायेंगे। सकर तेरा कल्याण करेंगे बेटा। खडे-खडे पैर थभे की तरह हो रहे है और नसा उतर जाने से सिर मे चक्कर आ रहा है। जगह मिल जाय तो बडा पुन्न होगा।

म्है कह्यौ— बावाजी आ रबारण वापडी कणाकली बोझौ ऊचाया ऊभी है। इणनै बैठण दो तौ आपनै बडौ पुन्न व्हैला। पण बावौजी तो म्हारी बात पूरी व्हिया पे'लीज अरडघम करता म्हारै माथै इज बिराजता बोल्या—

—औरत की जात बडी कट्टी होती है भगत। तुम इसकी चिन्ता मत करो। ये तो जनम भर खडी रहवै तो भी इसके कुछ नही विगडैगा। तुलसी महाराज कह गये है—ढोल गवार···म्है बावा नै मन मे मोकळी गाळी दी। पण वावै तो पोतारौ आसण जमाय लियौ हो। नैहचा सू बैठनै म्है साम्ही देख्यौ तो नेतौजी लेवा होठ मे जरदौ भरनै ऊचौ मूडौ किया बैठा हा। थोडी'क ताळ मे वारी कानी मूडौ करनै आडै-पाडै बैठा मुसाफरा माथै डी० डी० टी० रौ छिडकाव करता बोल्या—

—स्साला सेठ का बच्चा !

म्हनै लागौ नेतौजी इतरी जेज भरयौडा बैठा माए रा माए घुमटी-जता हा। सेठ री बाता खत्म व्हिया भाखण देवण री पूरी त्यारी किया बैठा हा। हिचकी माथै आयौडा थूक रा टेरा नै पूछता बोल्या—

—माट सा'ब इण सेठ नै ओळखौ आप ?

—नी सा म्हू तो आज पे'ली वार इज मिळयौ।

—इणरी बाता तो सुणली, आप ?

—हा वाता तो सुणीज है।

—खुद गुरूजी वैगण खावै अर दूजा नै परमोद बतावै।

—आ कीकर ?

—कीकर काई ओ घटा भरियौ व्हियौ सरकार अर नेतावा—अफसरा री भूडिया करै हो। इणनै खुदनै तो पूछौ के थू काई-काई कवाडा करै है। म्हू इणरी सगली वाता कान देय नै सुणतौ हो अर विचार करै हो के ओ आपरी सै बाफ काढ देवै तो सौ सुनार री अर एक लुहार री सुणाऊ। पण ओ तौ माटौ लूणी मे इज भाग छूटौ। नी तो आज इण नै वा खरी-खरी सुणावतौ के इणरी बोलती बद कर देवतौ।

—खैर वे तौ गया पण म्हानै तो सुणायँ दो के सेठ एडा काई कवाडा

करै ?

अबै नेताजी भाखण देवण रा जोम मे आयग्या हा। तणका व्है नै बैठता थका बोल्या—

—आ मत पूछौ के ओ काई कबाडा करै, आ पूछौ के ओ काई-काई कबाडा नी करै ? धान मे बजरी अर माटी भेळनै ओ वेचै, घी मे भेळसेळ ओ करै, चोरी सू खाड नै कपडौ पाकिस्तान ओ भेजै अर धाप नै अमल रौ धधौ ओ करै। म्हासू इणरी एक ई पोल छानी कोनी। लारला महीना मे इ'ज इणरौ मोटोडौ बेटौ पकडीजग्यौ सो अबार जमानत माथै छूटनै आयौ है।

—किण केस मे पकडीज्यौ हो ?

बैठौडा अर ऊभौडा सगळाई नेता री वात कान देय नै सुणण लाग्या।

—राणीवाडा मे इणरी किसनगोपाळ मणीलाल रै नाम सू दुकान चालै। उठा सू गुजरात री काकड नेडी पडै। लारला पनरै वीस वरसा सू किसनगोपाळ मणावद खोटियी अमल त्यार करनै चोरी सू गुजरात भेजै। पालणपुर जिला रा दो-च्यारेक पटेल जिकौ इण धधा मे लाग्यौडा है, वे इण अमल नै आगै सू आगै पुगाय दे गुजरात री सरकार मोकळा दिना सू हैरान ही के पालणपुरा जिला मे इतरौ अमल आवै कठा सू हे ? गुजरात सरकार सेवट हेरान होयनै राजस्थान सरकार नै इण बाबत लिख्यौ। केन्द्र सू ई तपास करण खातर मदद मागी। केन्द्रीय सरकार दो च्यारेक हुस्यार सी० आई० डी० इण काम वास्तै मुकर किया। उणा पे'ली तौ पूरौ भेद लियौ अर पछै पटेला रौ वेस धारण करनै किसनगोपाळ खनै अमल रौ सौदो करण नै आया। पैसठ हजार मे मणावद अमल लेवणौ तै व्हियो। इणै वा नै रात री वखत एक ढाणी खनै मोटर लेयनै आवणरी कह्यौ अर हाथोहाथ रकम गिणावण री वात तै व्ही। आपरी पूरी त्यारी करनै ठीक टेम माथै वतायौडा ठाया माथै पूगग्या। आधीक रात री वखत हो। जोर-जोर सू होर्न दियौ तौ किसन गोपाळ रौ बेटौ मणीलाल दो आदमिया सागै अमल रा गाठडा लेय नै हाजर व्हियौ अर पकडीजग्यौ। वो केस हाल ताई चालै इ'ज है। आ हालत है इमानदारी सू विणज वैपार करणिया इण सेठारी। जिकौ धरम री धजा वण्यौडा फिरै अर वात वात मे [illegible], अफसरा नै अर नेतावा नै, तौ कोसै पण [illegible] खोड निगै कोनी आवै। डूगर वळती तौ मै नै दीसै पण पगा [illegible] दीसै। थोथी वाता सू काई कोनी व्है।

अवै नेतीजी भाखण देवण रा जोम मे आयग्या हा। तणका व्है नै बैठता थका बोल्या—

—आ मत पूछौ के ओ काई कवाडा करै, आ पूछौ के ओ काई-काई कवाडा नी करै ? धान मे बजरी अर माटी भेळनै ओ वेचै, घी मे भेळसेळ ओ करै, चोरी सू खाड नै कपडौ पाकिस्तान ओ भेजै अर धाप नै अमल रौ धधौ ओ करै। म्हासू इणरी एक ई पोल छानी कोनी। लारला महीना मे इ'ज इणरौ मोटोडौ बेटौ पकडीजग्यौ सो अवार जमानत माथै छूटनै आयौ है।

—किण केस मे पकडीज्यौ हो ?

बैठीडा अर ऊभौडा सगळाई नेता री वात कान देय नै सुणणलाग्या।

—राणीवाडा मे इणरी किसनगोपाळ मणीलाल रै नाम सू दुकान चालै। उठा सू गुजरात री काकड नेडी पडै। लारला पनरै बीस वरसा सू किसनगोपाळ मणाबद खोटियौ अमल त्यार करनै चोरी सू गुजरात भेजै। पालणपुर जिला रा दो-च्यारेक पटेलजिकौ इण धधा मे लाग्यौडा है, वे इण अमल नै आगै सू आगै पुगाय दे गुजरात री सरकार मोकळा दिना सू हैरान ही के पालणपुरा जिला मे इतरौ अमल आवै कठा सू है ? गुजरात सरकार सेवट हेरान होयनै राजस्थान सरकार नै इण बाबत लिख्यौ। केन्द्र सू ई तपास करण खातर मदद मागी। केन्द्रीय सरकार दो च्यारेक हुस्यार सी० आई० डी० इण काम वास्तै मुकर किया। उणा पे'ली तौ पूरी भेद लियौ अर पछै पटेला री वेस धारण करनै किसनगोपाळखनै अमल री सौदो करण नै आया। पैसठ हजार मे मणाबद अमल लेवणी तै व्हियो। इणै वा नै रात री वखत एक ढाणी खनै मोटर लेयनै आवणरी कह्यो अर हाथौहाथ रकम गिणावण री वात तै व्ही।आपरी पूरी त्यारी करनै ठीक टेम माथै बतायौडा ठाया माथै पूगग्या। आधीक रात री वखत हो। जोर-जोर सू होर्न दियौ तौ किसन गोपाळ री बेटौ मणीलाल दो आदमिया सागै अमल रा गाठ्टा लेय नै हाजर व्हियौ अर पकडीजग्यौ। वो केस हाल ताई चालै इ'ज है। आ हालत है इमानदारी सू विणज वैपार करणिया इण सेठारी। जिकौ धरम री धजा वण्यीडा फिरै अर वात वात मे [illegible], अफसरा नै अर नेतावा नै तौ कौसै पण [illegible]तारी खोड निगै कोनी आवै। डूगर वळती तौ सै नै दीसै पण पगा [illegible] दीसै। थोथी वाता सू काई कोनी व्है।

समाज री सेवा अर देसरी तरक्की खातर त्याग अर तपस्या करणी पड़ै। सेवा रो मारग अवखौ घणौ है, कोई करनै देखै तो जाण पड़ै।

नेतौजी भाखण देवता-देवता सास भरीजग्या। म्हे मौकौ देख'र अरज करी—

—सेठ वापडौ सफा कूडौ तो कोनी। आपणै समाज मे जिकौ नैतिक गिरावट आय री है उण मे ऊपरलौ तवको सफा निरदोस है आ वात तो किया कैय सका।

नेतौजी फेर भीमरिया म्हे आ कद कही के ऊपरलौ तवकौ निर-दोस है। सफा निरदोस नी तौ ऊपरलौ है अर नी नीचलौ। थोडौ-थोडौ दोस दोन्यू रौ है। पण आ वात म्हू सुभट कैय सकू के सरकार अर नेतावा री भूडिया करणी तो एक फैसन वणगी है। अर आ चीज आपानै फोडा घालैला। कारण के मूडा सू कैवणौ सरल है पण करणौ कठण है।

गाडी ठमी तो नेताजी रौ भाखण ई ठम्यौ। वाता-वाता मे ध्यान ई कोनी रह्यौ के किसौ ठेसण आयग्यौ। नेताजी नै अठै इज उतरणौ हो सो झट आपरौ झोळौ सभाल नै लप्प करता नीचा उतरग्या। वापडी रवारण नै वैठणनै जगै मिळगी। वा वाबाजी रै अडौअड गोडा माथै गाठडी धरनै वैठगी। गाडी पाछी रवानै व्ही तो अवकाळै साम्हा वैठ्या वाबूजी बोल्या—

—जमाना थारी वळिहारी।

म्हू वारै मूडा कानी देखण लाग्यौ तो वे फेरू बोल्या—सूपडौ तो बाजै सो वाजै इ'ज पण छालणी ई वाजै।

—आ वात आप किणरै सारू कही ?

—इण नेताजी सारू दूजौ किणरै सारू। म्हाटौ सेवा अर त्याग री कितरी मोटी-मोटी वाता करै हो, जाणै खास त्याग रो इ'ज अवतार है।

—आप ओळखौ इण नेताजी नै ?

—आछीतरिया। इणनै काई इणरा वाप नै ई ओळखू। सरूपात मे पडा जोधपुर मे अखवार वेचणरौ काम करता अर गळी-गळी हाका करता रोवता फिरता। धीरै-धीरै पोतारी न्याती रौ छात्रावास बणावण रै वास्तै एक उस्टड कियौ। एक दो सम्मेलन किया। चदा चपाटी री रसीदा छपाय नै गाम-गाम फिरनै हजारा रुपया भेळा करनै डकारग्या। छात्रावास रौ मकान तो हालताई अधूरो इ'ज पड्यो हे पण पोतरौ मकान कदेई वणग्यौ।

समाज री सेवा अर देसरी तरक्की खातर त्याग अर तपस्या करणी पडै। सेवा रौ मारग अवखौ घणौ है, कोई करनै देखै तो जाण पडै।

नेतौजी भाखण देवता-देवता सास भरीजग्या। म्है मौकौ देख'र अरज करी—

—सेठ वापडी सफा कूडौ तो कोनी। आपणै समाज मे जिकौ नैतिक गिरावट आय री है उण मे ऊपरलौ तबकौ सफा निरदोस है आ वात तो किया कैय सका।

नेतौजी फेर भीमरिया म्है आ कद कही के ऊपरलौ तवकौ निरदोस है। सफा निरदोस नी तौ ऊपरलौ है अर नी नीचलौ। थोडौ-थोडौ दोस दोन्यू रौ है। पण आ वात म्हू सुभट कैय सकू के सरकार अर नेतावा री भूडिया करणी तो एक फैसन वणगी है। अर आ चीज आपानै फोडा घालैला। कारण के मूडा सू कैवणौ सरल है पण करणौ कठण है।

गाडी ठमी तौ नेताजी रौ भाखण ई ठम्यौ। वाता-वाता मे ध्यान ई कोनी रह्यौ के किसौ टेसण आयग्यौ। नेताजी नै अठै इज उतरणौ हो सो झट आपरौ झोळौ सभाल नै लप्प करता नीचा उतरग्या। वापडी रवारण नै बैठणनै जगै मिळगी। वा वावाजी रै अडौअड गोडा माथै गाठडी धरनै बैठगी। गाडी पाछी रवाने व्ही तौ अवकाळै साम्हा वैठ्या वावूजी वोल्या—

—जमाना थारी वळिहारी।

म्हू वारै मूडा कानी देखण लाग्यौ तो वे फेरू वोल्या—सूपडौ तो वाजै सो वाजै इ'ज पण छालणी ई वाजै।

—आ वात आप किणरै सारू कही ?

—इण नेताजी सारू दूजौ किणरै सारू। म्हाटी सेवा अर त्याग री कितरी मोटी-मोटी वाता करै हो, जाणै खास त्याग रो इ'ज अवतार है।

—आप ओळखौ इण नेताजी नै ?

—आछीतरिया। इणनै काई इणरा वाप नै ई ओळखू। सरूपात मे पडा जोधपुर मे अखवार वेचणरौ काम करता अर गळी-गळी हाका करता रोवता फिरता। धीरै-धीरै पोतारी न्याती रौ छात्रावास वणावण रै वास्तै एक उस्टड कियौ। एक दो सम्मेलन किया। चदा चपाटी री रसीदा छपाय नै गाम-गाम फिरनै हजारा रुपया भेळा करनै डकारग्या। छात्रावास रौ मकान तो हालताई अधूरो इ'ज पडयो है पण पोतरौ मकान कदेई वणग्यौ।

अवै ग्राम मे एक वेरी ई कवाडलियी है माथै मसीन लगाय दी। वेरा रौ असली मालिक वापडौ एक गरीव माळी है जिकण नै मुकद्मा वाजी मे अळूझाय नै बरवाद कर दियौ है अर पोतै धणी-धोरी वणनै विराजग्या है।

म्हे वावू सा' व नै वीच मे टोकनै धीरै सीक कह्यौ—माफ कराई जौ वावू सा' व ! ए वाता आपनै नेताजी रै मूडा माथै केवणी ही। तो काईक मजेदारी रैवती। वावू सा' व नै म्हारी वात थोडी आझी लागी। वे रीसा वळता वोल्या—'माट सा'व आ जमात अवै इतरी नकटी व्हैगी है के इणारै मूडा माथै कैवौ तोई कोई फरक नी पडै। सरे आम लोगडा इणारी माजनी पाडै, इणारा करतव वखाणै पण चिकणा घडा माथै छाट लागै तो इणा माथै ई असर व्है। अर आप तो गामडा रा रैवण वाळा हो, आपसू काई वाता छानी है ? तरै-तरै रा रूप मे अर तरै-तरै रा भेख मे गाम गाम मे नेता त्यार है। इणा रौ धधौ इज तिकडमवाजी है। लोगा मे मुकद्मा-वाजी करावणी, सरकार सू झूठा लोन उठावणा, सरकारी अहलकारा री साची झूठी सिकायता करणी, जठै पोता रौ पापड सिकतौ निजर आवै उठै पूछ हिलावणी अर गरीवा नै झूठा वत्ता देयनै लूटणा अर चूसणा इणारी खास धधौ है। इणा रै देखा देखी समाज रौ नैतिक इस्तर ई पीदै वैठग्यौ है। झूठ, धोखेवाजी, जाळसाजी अर वेइमानी चाफैर निजर आवै। अवै ओ सुभट लखावै के इण मुल्क मे सेवट क्राति व्हैला। अर क्राति व्हिया इ'ज समाजवाद री थरपणा व्हैला। ओ धूड धमावौ अर कचरी जठा ताई वळ नै भस्म नी व्है, अठै समाजवाद नी आय सकै।' वावू सा'व कोई फेरू आगै कैवता पण इणरै पेली'ज डव्वा मे एक इसी अजोगी वात वणी के सगळा रौ ई ध्यान उण कानी लागग्यौ।

वात आ हुई के वावौ रवारण रै अडौअड म्हा वाळी सीट माथै इ'ज वैठौ हो। भीड अणूती ही'ज। सो इण रापटरोळ मे वावै माटै न जाणै काई कुचमाद कीवी सो रवारण खाच नै एक झापड धरी वावा रै मूडा माथै—झप्पीड ! करतौटी। झापड पडताई वावै विकराळ रूप धारण कियौ अर साखियात दुरवासा वणनै वकण लाग्यौ—

—रडी साधु पर हाथ उठाती है, सत्यानास जाएगा तेरा, रू रू में कीडे पडेंगे साली के। मैंने तेरा क्या विगाडा ? सीट पे जगै नही तो मैं क्या करू ! औरत की ओछी जात। अभी कोई मरद सामने होता तो मार चिमटा के भुरता वना देता साले का। रडी छ. [illegible] अदर अदर राट

अबै ग्राम मे एक वेरौ ई कवाडलियौ है माथै मसीन लगाय दी। वेरा रौ असली मालिक बापडौ एक गरीव माळी है जिकण नै मुकद्मा बाजी मे अळूझाय नै वरबाद कर दियौ है अर पोतै धणी-धोरी बणनै विराजग्या है।

म्है बाबू सा' ब नै बीच मे टोकनै धीरै सीक कह्यौ—माफ कराई जी बाबू सा' ब ! ए बाता आपनै नेताजी रै मूडा माथै केवणी ही। तो काईक मजेदारी रैवती। बाबू सा' ब नै म्हारी बात थोडी आछी लागी। वे रीसा बळता बोल्या—'माट सा'ब आ जमात अबै इतरी नकटी व्हैगी है के इणारै मूडा माथै कैवौ तोई कोई फरक नी पडै। सरे आम लोगडा इणारौ माजनौ पाडै, इणारा करतब वखाणै पण चिकणा घडा माथै छाट लागै तो इणा माथै ई असर व्है। अर आप तो गामडा रा रैवण वाळा हो, आपसू काई बाता छानी है ? तरै-तरै रा रूप मे अर तरै-तरै रा भेख मे गाम गाम मे नेता त्यार है। इणा रौ धधौ इज तिकडमबाजी है। लोगा मे मुकद्मा-बाजी करावणी, सरकार सू झूठा लोन उठावणा, सरकारी अहलकारा री साची झूठी सिकायता करणी, जठै पोता रौ पापड सिकतौ निजर आवै उठै पूछ हिलावणी अर गरीवा नै झूठा वत्ता देयनै लूटणा अर चूसणा इणारौ खास धधौ है। इणा रै देखा देखी समाज रौ नैतिक इस्तर ई पीदै बैठग्यौ है। झूठ, धोखेबाजी, जाळसाजी अर बेइमानी चाफैर निजर आवै। अबै ओ सुभट लखावै के इण मुलक मे सेवट क्राति व्हैला। अर क्राति व्हिया इ'ज समाजवाद री थरपणा व्हैला। ओ धूड धमावौ अर कचरौ जठा ताई बळ नै भस्म नी व्है, अठै समाजवाद नी आय सकै।' बाबू सा'व कोई फेरू आगै कैवता पण इणरै पेली'ज डब्बा मे एक इसी अजोगी बात वणी के सगळा रौ ई ध्यान उण कानी लागग्यौ।

बात आ हुई के बाबौ रवारण रै अडोअड म्हा वाळी सीट माथै इ'ज बैठौ हो। भीड अणूती ही'ज। सो इण रापटरोळ मे बाबै माटै न जाणै काई कुचमाद कीवी सो रवारण खाच नै एक झापड धरी बावा रै मूडा माथै—झप्पीड ! करतौ'टी। झापड पडताई बाबै विकराळ रूप धारण कियौ अर साखियात दुरवासा बणनै वकण लाग्यौ—

—रडी साधु पर हाथ उठाती है, सत्यानास जाएगा तेरा, रू रू मे कीडे पडेगे साली के। मैंने तेरा क्या विगाडा ? सीट पे जगै नही तो मैं क्या करू ! औरत की ओछी जात। अभी कोई मरद सामने होता तो मार चिमटा के भुरता बना देता साले का। रडी छ. [illegible] अदर अदर राट

अमर चूनडी

नही वन जाय तो मैं असली साधु नही ।

गाळा सुणी तौ खारण ई चडिका वणगी । उणै वाव। रे हाथ मे सू तूवौ झडप नै ठरकाळौ वावा रै कपाळ मे सो किरची किरची । रीस मे तवौळ व्हियोडी वोलण लागी—

—भगिया भूत भगडा, दस नवरिया, साधु री भेख धारण कियौ हे, थनै सरम कोनी आई—अर एक झापड फेरू घरी झप्पीड करतोडी—वावा री डाढी नैं जटा सैं विखरगी—खा जाऊ वापडा चीरनै थै म्हनै समझी काई हे ? अवकै कर देखाणी हाथ आगौ—दाता मू तोड नै नी नाख दू तो म्हारौ नाम जाजूडी नी ।

वावै अवकै चीपटौ उपाडियौ पण म्है वीच मे इ'ज पकड लियौ । अर उठी नै जाजूडी करकडी खाय नै पडी वावा रै माथै सो मार मार नै फूस काढ दियौ । झोळी झडा फाटग्या, माळावा तूटगी, डाढी जटा रा वाळ ऊखडग्या पण खारण तो माटी हाथा रौ खार काढण लागी तो जाणौ धोवण कपडा धोवण लागी ।वावाजी रौ चीपटौ म्है सीट रै हेटे नाख दियौ हो नी तौ वा वावाजी नै पिंजारौ रू नै पीजै ज्यू पीज नाखती । मार ई पनरमौ रतन गिणीजै । कुतकौ वडी कतावलाठा ई लटका करै । सो वावौ तो अल्लारी गाय वणग्यौ । हाथा सू माथौ लुकाय नै मुडदा री गळाई पडग्यौ । चूकारौ ई कोनी कियो । खारण मारता मारता थाकगी तौ वकण लागी—

—थारी मा रा वीद थारी रा भगडा फेर करजै कोई लुगाई रै कानी आगौ हाथ । सीढी काढियौ कणाकलौ आगौ सिरकै अर माथै माथै पडै । म्हे जाणनै गम खाई के वापडौ साधु हे, भीड मे दोरौ वैठौ हे, जावण दो, धूडवाळौ—तौ ओ इणरी मा रो गौठियौ हाथ सू कुचमाद करण लाग्यौ । तोई म्है तो धौ ळौ जितरौ दूध जाण्यौ के वापडौ पोतारा पड रै खाज खणतौ व्हैला इण सूं स्यात् इणै समझलियौ के आगै ई कोई इण रै माजना-री'ज व्हैला । सो दस नवरियै म्हारै चूठियौ भर लियौ । नै साम्ही गाळा फेर न्यारी काढे । उल्टो चोर कोटवाळ नै डडै । थारो काळजो खाय जाऊ रै वापडा थारौ—च्यार चुरला भरनै लोही पी जाऊ दुस्टी थारौ—अर वा फेर करकडिया पीसण लागी ।

भेरव री दुरगत व्हैती देख नै कई भगता रौ काळजौ दुखण लाग्यौ । साधु है, नसा मे कोई भूल व्हैगी तौ सजाई मिळगी । विसाभा खाय नै

नही वन जाय तो मैं असली साधु नही।

गाळा सुणी तौ रवारण ई चडिका वणगी। उणै वावा रे हाथ मे सू तूवी झडप नै ठरकाळी वावा रै कपाळ मे सो किरची किरची। रीस मे तवीळ व्हियोडी वोलण लागी—

—भगिया भूत भगडा, दस नवरिया, साधु री भेख धारण कियौ है, थनै सरम कोनी आई—अर एक झापड फेरू घरी झप्पीड करतोडी—वावा री डाढी नै जटा सै विखरगी—खा जाऊ वापडा चीरनै थै म्हनै समझी काई हे ? अवकै कर देखाणी हाथ आगौ—दाता मू तोड नै नी नाख दू तो म्हारी नाम जाजूडी नी।

वावै अवकै चीपटौ उपाडियौ पण म्है वीच मे इ'ज पकड लियौ। अर उठी नै जाजूडी करकडी खाय नै पडी वावा रै माथै सो मार मार नै फूस काढ दियौ। झोळी झडा फाटग्या, माळावा तूटगी, डाढी जटा रा वाळ ऊखडग्या पण रवारण तो माटी हाथा री खार काढण लागी तो जाणौ धोवण कपडा धोवण लागी।वावाजी री चीपटी म्हे सीट रै हेटे नाख दियौ हो नी तौ वा वावाजी नै पिंजारौ रू नै पीजै ज्यू पीज नाखती। मार ई पनरमौ रतन गिणीजै। कुतकी वडी कताव लाठा ई लटका करै। सो वावौ तो अल्लारी गाय वणग्यौ। हाथा सू माथौ लुकाय नै मुडदा री गळाई पडग्यौ। चूकारौ ई कोनी कियो। रवारण मारता मारता थाकगी तौ वकण लागी—

—थारी मा रा वीद थारी रा भगडा फेर करजै कोई लुगाई रै कानी आगौ हाथ। सीढी काढियौ कणाकलौ आगौ सिरकै अर माथै माथै पडै। म्हैं जाणनै गम खाई के वापडौ साधु है, भीड मे दोरौ वैठौ है, जावण दो, धूडवाळौ—तौ ओ इण री मा रो गौठियौ हाथ सू कुचमाद करण लाग्यौ। तोई म्है तो धो ळौ जितरौ दूध जाण्यौ के वापडौ पोतारा पड रै खाज खणतौ व्हैला डण सूं स्यात् इणै समझलियौ के आगै ई कोई इण रै माजना-री'ज व्हैला। सो दस नवरियै म्हारै चूठियौ भर लियौ। नै साम्ही गाळा फेर न्यारी काढे। उल्टौ चोर कोटवाळ नै डडै। थारो काळजौ खाय जाऊ रै वापडा थारौ—च्यार चुरला भरनै लोही पी जाऊ दुस्टी थारौ—अर वा फेर करकडिया पीसण लागी।

भेरव री दुरगत व्हैती देख नै कई भगता रौ काळजौ दुखण लाग्यौ। साधु है, नसा मे कोई भूल व्हैगी तौ मजाई मिळगी। विसाभा खाय नै

वा'फरू कठैई वावा नै मारण नी लाग जावै, सो लोगडा उणनै भात-भात सू समझावण लाग्या—भूडौ है तो ई भेरव हे, भगवा री लाज राख, इण री राम निकळग्यौ पण थू तो भली वद। गम खावै जिकोई मोटौ मिनख नसा मे मिनख नै भान कोनी रेवै भूल व्हैगी अर सजा ई मिळगी अर अबै धणी ताणिया सू तूटै सो अबै व्हाला थू गम खाईजै।

घणा जणा कैवण लाग्या तो वा ई थोडी धीमी पडी अर वावौ ई भीनौडी मिनकी री गळाई सावळ बैठग्यौ।

पण डब्वा मे हाका दरवड वडी जोर री व्ही ही सो पूरी गाडी मे मुसाफरा हा हू साफ सुण ली ही। इण वास्तै पुलिस रा जवान, गार्ड अर टी० टी० सगळा ई म्हा वाळा डब्वा मे आय धमक्या। उणा आवताई पूछताछ कीवी अर वावा नै पकडनै दूजा डब्वा मे लेयग्या। होळै-हौळै डब्वा मे साति वापरी। टी० टी० पोतारौ काम सरू कियो। टिकट चेक करतौ-करतौ वो म्हारी सीट कानी आयौ जिण पेली'ज म्हं देख्यौ के म्हारै साम्हला वावूजी बोला चाला उठनै तारत मे वडग्या। सगळा मुसाफरा नै चैक किया पछै टी० टी० तारत रौ दरवाजौ खडखडायौ। पण घणी ताळ खुल्यौ कोनी। तौ जोर सू खडखडाय नै पुलिस नै वुलावण री धमकी दीवी। जरै कठैई जावतौ दरवाजौ खुल्यौ अर मायनै सू समाजवादी क्रातिकारी वावूजी नीचौ माथौ किया वारै आया। भारत भोम रौ नूवौ खून अर मोरल करेक्टर नीची धूण घाल्या ऊभौ हो। टी० टी० उणरौ कॉलर पकडनै ठिरडतौ-ठिरडतौ नीचै लेयग्यौ।

म्हारौ माथौ भवण लाग्यौ। गाडी रवांनै व्ही तौ म्हनै लाग्यौ के आ जायनै सीधी जोधपुर रा किला रै भचीड खावैला अर मायनै वैठौडा मुसाफरां री वोटी-वोटी विखर जाएला।

वा फेरू कठैई वावा नै मारण नी लाग जावै, सो लोगडा उणनै भात-भात सू समझावण लाग्या—भूडौ है तो ई भेरव है, भगवा री लाज राख, इणरी राम निकळग्यौ पण थू तो भली वद। गम खावै जिकौई मोटौ मिनख नसा मे मिनख नै भान कोनी रेवै भूल व्हैगी अर सजा ई मिळगी अर अवै धणी ताणिया सू तूटै सो अवै व्हाला थू गम खाईजै।

घणा जणा कैवण लाग्या तो वा ई थोडी धीमी पडी अर वावौ ई भीनौडी मिनकी री गळाई सावळ वैठग्यौ।

पण डब्बा मे हाका दरवड वडी जोर री व्ही ही सो पूरी गाडी मे मुसाफरा हा हू साफ सुण ली ही। इण वास्तै पुलिस रा जवान, गार्ड अर टी० टी० सगळा ई म्हा वाळा डब्बा मे आय धमक्या। उणा आवताई पूछताछ कीवी अर वावा नै पकडनै दूजा डब्बा मे लेयग्या। होळै-हौळै डब्बा मे साति वापरी। टी० टी० पोतारौ काम सरू कियो। टिकट चेक करतौ-करतौ वो म्हारी सीट कानी आयौ जिण पेली'ज म्है देख्यौ के म्हारै साम्हला वावूजी वोला चाला उठनै तारत मे वडग्या। सगळा मुसाफरा नै चैक किया पछै टी० टी० तारत रौ दरवाजौ खडखडायौ। पण घणी ताळ खुल्यौ कोनी। तौ जोर सू खडखडाय नै पुलिस नै वुलावण री धमकी दीवी। जरै कठैई जावतौ दरवाजौ खुल्यौ अर मायनै सू समाजवादी क्रातिकारी वावूजी नीचौ माथौ किया वारै आया। भारत भोम रौ नूवौ खून अर मोरल करेक्टर नीची धूण घाल्या ऊभौ हो। टी० टी० उणरी कॉलर पकडनै ठिरडतौ-ठिरडतौ नीचै लेयग्यौ।

म्हारौ माथौ भवण लाग्यौ। गाडी रवाँनै व्ही तौ म्हनै लाग्यौ के आ जायनै सीधी जोधपुर रा किला रै भचीड खावैला अर मायने वैठोडा मुसाफराँ री वोटी-वोटी विखर जाएला।

अगर चूनडी

पांन झड़ंता देखनैं

डोकरी सुगणा कोरी नामरी'ज सुगणा कोनी ही पण काम सू ई सुगणा ही। आखा गाम मे नैना अर मोटा सैं उणनैं सुगणा काकी रैं नाम सू वतळावता। काकी सुगणा सगळा रैं सुख-दुख मे हाजर रैवती। साज माद मे, व्याव गा मे, आणा मुकलाणा मे अर हर खुसी गमी मे सुगणा हरेक रैं घरैं विना बुलाया पूग जावती। लोग ऊंडा हेवा व्हैग्या हा के काकी रैं विना काम पार पडतौ इ'ज कोनी।

सुगणा रौ सुभाव इसौ के गाम म कदैई कोई सू दो दातैं कौनी व्ही। चालती कीडी नैं ई कोनी दुखाई। कोई रैं आख मे घाल्यौडी ई कोनी खरखरी। पण इसी भली लुगाई री मानखै तो काई पण भगवान ई मदद कोनी कीवी। मोट्यार पणा मे घणा वरसा सू पेट मड्यौ हो के घर भागग्यौ। कोई आठ दस बरस नीठ चूडौ हाथ रह्यौ व्हैला के रडापो आयग्यौ। पडता दुकाळ अर व्हैती राड री हूक वडी ओर री व्हे पण करम री गति नैं कुण टाळैं ? रेख मे मेख कुण मारैं ? नी जीवणौ चावता थकाई जीवणौ पडैं। सुगणा रैं माथै दुख रौ भाखर पड्यौ पण समै रौ मल्हम इतरौ असरकारक व्है के वो मोटा सू मोटा घाव नैं ई भर नाखैं।

सुगणा मिनखा रैं घरैं वडी मजूरी अर पाणी पोरियौ सरू कियौ। खावण री खोट चालैनी सो कियाई पेट रौ खाडो तौ भरणौ इ'ज पडैं अर पेट भरण खातर मैणत मजूरी ई करणी पडैं। सुगणा जिसी सुलक्खणी अर असराफ लुगाई रैं वास्तैं कोई मजूरी री कमी कोनी ही। सो ज्यू-

पांन झड़ंता देखनै

डोकरी सुगणा कोरी नामरी'ज सुगणा कोनी ही पण काम सू ई सुगणा ही। आखा गाम मे नैना अर मोटा सै उणनै सुगणा काकी रै नाम सू वतळावता। काकी सुगणा सगळा रै सुख-दुख मे हाजर रैवती। साज माद मे, ब्याव गा मे, आणा मुकलाणा मे अर हर खुसी गमी मे सुगणा हरेक रै घरै विना बुलाया पूग जावती। लोग अेडा हेवा व्हैग्या हा के काकी रै विना काम पार पडतौ इ'ज कोनी।

सुगणा रौ सुभाव इसौ के गाम म कदैई कोई सू दो दातै कौनी व्ही। चालती कीडी नै ई कोनी दुखाई। कोई रै आख मे घाल्यौडी ई कोनी खरखरी। पण इसी भली लुगाई री मानखै तो काई पण भगवान ई मदद कोनी कीवी। मोटचार पणा मे घणा वरसा सू पेट मडचौ हो के घर भागग्यौ। कोई आठ दस वरस नीठ चूडौ हाथ रह्यौ व्हैला के रडापौ आयग्यौ। पडता दुकाळ अर व्हेतौ राड री हूक बडी जोर री व्है पण करम री गति नै कुण टाळै ? रेख मे मेख कुण मारै ? नी जीवणौ चावता थकाई जीवणौ पडै। सुगणा रै माथै दुख रौ भाखर पडयौ पण समै रौ मल्हम इतरौ असरकारक व्है के वो मोटा सू मोटा घाव नै ई भर नाखै।

सुगणा मिनखा रै घरै वडी मजूरी अर पाणी पोरियौ सरू कियौ। खावण री खोट चालैनी सो कियाई पेट रौ खाडौ तौ भरणौ इ'ज पडै अर पेट भरण खातर मैणत मजूरी ई करणी पडै। सुगणा जिसी सुलक्खणी अर असराफ लुगाई रै वास्तै कोई मजूरी री कमी कोनी ही। सो ज्यू-

[illegible]थोकड दे इज दिया। सुगणा रौ वेटौ मोटौ व्हियौ तो उणनै थोडौ फूकारौ आयौ। जाण्यौ अबै तो बिखा रा दिन बीता अर सुख रा दिन आया। पण सुख नाम री चीज तो सुगणा रै पाती ई कोनी आई तो पछै मिळती कठासू ?

वात आ हुई के वेटा रौ व्याव कियौ तौ वहूआरी कपूत मिळी। सुगणा वापडी अल्ला री गाय अर बहू आई अलाम। काम नै माठी अर जवान मे लॉठी। हाथै पगै दीवाबळै। बाता रा पटीडा पाडणा अर रुळियार ब्राव री गळाई इण घर सू उण घर टीसीया खावता रोवतौ फिरणौ। सुगणा एक कैवै तो पाछी इक्कीस सुणावै। कुत्ता री गळाई मूडौ इज तोडै। सुगणा तौ वापडी काठी धापगी। मिनख कैवण लाग्या एक भव री कोनी लागै सात भवा री लागै, नी तौ सुगणा काकी नै अेडी वहूआरी क्यू मिळै ?

दिन बीतता ग्या ज्यू सुगणाँ सासू थाकती गई अर झमकू वहू माचती गई। इणरा आया पडता दिन अर उणरा आया चढता दिन। सुगणा, गोडा चालिया जितरै तौ पड सू व्हियौ जिसौ काम री टवारौ करती री पण सेवट टाठिया थाकग्या जरै घर री पेढी झाल ली। वहुआरी दिन-दिन परवारतीज गी। सुगणा रै जीव नै पूरी गिरै व्हेगी। अबै रात दिन देखणौ अर दाझणौ। डोकरी वापडी दैण कर कर नै सेवट आधी व्हेगी।

माचौ पकडताई वहू मौसा मारण लागी अर करड झरड करण लागी—डैण नी मरै अर नी माचौ खौलै। रात दिन पडी-पडी खल्लू-खल्लू करै। थूक-थूक नै सगळौ घर खराब कर दियौ। आ मरै तो इण घर रौ साड निकळै।

पण वापडी सुगणा रै मरणो ई हाथरी वात कोनी ही। इण वास्तै माचा री राछ वण्याडी पडी रैवती। झमकू उणरै माचा हेटै माटी री एक ठीवडी धर दियौ। याद आवै जरै उण मे टुकडौ नाख देवे, नीतौ डोकरी भूखी'ज पडी रै वै। वा उण ठीवडा मे इज थके अर उण मे ईज खावै। वापडी कुत्ता री जूण जीवै। आख्या सू दीसैनी, पगा सू चालीजै नी अर काना सू सुणीजै नी पण उमर री डोर तूटैनी अर हसौ काया री पिंजरौ छोडै नी।

मिनख सुगणा रै वेटा नै कोमण लाग्या—एक तिल व्हैनै ई तालर मे वायौ, ना जोगी साचाणी लुगाई रे घाघरा री जू वणग्यौ। वापडी

...दिन थोकडै दे इज दिया। सुगणा री बेटौ मोटौ व्हियौ तौ उणनै थोडौ फूकारौ आयौ। जाण्यौ अबै तौ बिखा रा दिन बीता अर सुख रा दिन आया। पण सुख नाम री चीज तो सुगणा रै पाती ई कोनी आई तो पछै मिळती कठासू ?

बात आ हुई के बेटा री ब्याव कियौ तौ बहूआरी कपूत मिळी। सुगणा बापडी अल्ला री गाय अर बहू आई अलाम। काम नें माठी अर जबान मे लाँठी। हाथै पगँ दीवाबळै। बाता रा पटीडा पाडणा अर रुळियार म्राव री गळाई इण घर सू उण घर टीसीया खावता रोवतौ फिरणौ। सुगणा एक कैवै तो पाछी इक्कीस सुणावै। कुत्ता री गळाई मूडौ इज तोडै। सुगणा तौ बापडी काठी धापगी। मिनख कैवण लाग्या एक भव री कोनी लागै सात भवा री लागै, नी तौ सुगणा काकी नै अेडी बहूआरी क्यू मिळै ?

दिन बीतता ग्या ज्यू सुगणाँ सासू थाकती गई अर झमकू बहू माचती गई। इणरा आया पडता दिन अर उणरा आया चढता दिन। सुगणा, गोडा चालिया जितरै तौ पड सू व्हियौ जिसौ काम री टवारौ करती री पण सेवट टाठिया थाकग्या जरै घर री पेढी झाल ली। बहुआरी दिन-दिन परवारतीज गी। सुगणा रै जीव नै पूरी गिरै व्हैगी। अबै रात दिन देखणौ अर दाझणौ। डोकरी बापडी देण कर कर नै सेवट आधी व्हैगी।

माचौ पकडताई बहू मौसा मारण लागी अर करड झरड करण लागी— डैण नी मरै अर नी माचौ खौलै। रात दिन पडी-पडी खल्लू-खल्लू करै। थूक-थूक नै सगळौ घर खराब कर दियौ। आ मरै तो इण घर री साट निकळै।

पण बापडी सुगणा रै मरणौ ई हाथरी बात कोनी ही। इण वास्तै माचा रौ राछ बण्यौडी पडी रैवती। झमकू उणरै माचा हेटै माटी री एक ठीबडौ धर दियौ। याद आवै जरै उण मे टुकडौ नाख देवे, नीतौ डोकरी भूखी'ज पडी रै वै। वा उण ठीबडा मे इज थूकै अर उण मे ईज खावै। बापडी कुत्ता री जूण जीवै। आख्या सू दीसैनी, पगा सू चालीजै नी अर काना सू सुणीजै नी पण उमर री डोर तूटैनी अर हसौ काया री पिंजरौ छोडै नी।

मिनख सुगणा रै बेटा नै कोसण लाग्या—एक तिल व्हैनै ई तालर मे बायौ, ना जोगौ साचाणी लुगाई रे घाघरा री जू बणग्यौ। बापडी

डोकरी इणरी आस माथै रडापौ गाळचौ अर सेवट थाका पर्गा वापडी री आ दुरगत व्ही । अवै तो सावरियौ सार करै तो खोळियौ छूटै ।

पण बेटे नै ळाज के दाझ काई कोनी ही सो उणै मिनखा रै कैण कावण री कोई गिनरत ई कोनी करी । यू दिन बीतता ग्या अर सुगणा रै उमर रा आखर ओछा व्हेता ग्या ।

मोकळा वरस बीता पछै सुगणा रा बेटा रै ई बेटौ व्हियौ । होळी आया टावर रा लाड कोड व्हिया । घर मे मेवा मिस्टान्न वण्या पण डोकरी रा ठीवडा मे तो सूखा टुकडा इ जआया । दिन लाग्याटावर ई मोटौ व्हियौ। उणरौ ई व्याव व्हियौ, विनणी घर मे आई पण सुगणा हाल वैठी'ज ही । उणने देखतौ जिकौई कैवतो के सावरियौ चिट्ठी भूलग्यौ है । पण विनणी नै आया नै तीन च्यारेक महीना व्हिया पछै सेवट एक दिन सुगणा रो हेलौ सुणलियौ अर उणरौ खोळियौ छूटग्यौ ।

वास ग्वाड रा मिनख भेळा हौयनै सुगणा नै दाग देवण नै लेयग्या तो लारै सू झमकू सासू विनणी नै कैवण लागी—

—विनणी डोकरी रौ भ्रो ठीवडौ तो वारै उखरडा माथै नाख दे लाडू, आगणा रै सै वीच पडचौ भूडौ दीसै । अवार गाम री लुगाया वैठण नै आवैला तो वानै सूगली वास आवैला ।

विनणी घूघटो ऊचो करनै सासू कानी खरी मीट सू देखती वोली—

—ठीवडौ वारै क्यू नाख दू ? इणनै तो अवेर नै धरूला । थारै वास्तै चाहिजैला जरै दूजौ ठीवडौ कठै भाळती फिरूला !

सासू आख्या फाड नै विनणी कानी देखती'ज रैयगी ।

डोकरी इणरी आस माथै रडापौ गाळचौ अर सेवट थाका पगां बापडी री आ दुरगत व्ही। अबै तौ सावरियौ सार करै तो खोळियौ छूटै।

पण बेटे नै ळाज के दाझ काई कोनी ही सो उणै मिनखा रै कैण कावण री कोई गिनरत ई कोनी करी। यू दिन बीतता ग्या अर सुगणा रै उमर रा आखर ओछा व्हैता ग्या।

मोकळा वरस बीता पछै सुगणा रा बेटा रै ई बेटौ व्हियौ। होळी आया टावर रा लाड कोड व्हिया। घर मे मेवा मिस्टान्न वण्या पण डोकरी रा ठीवडा मे तो सूखा टुकडा इ जआया। दिन लाग्याटावर ई मौटौ व्हियौ। उणरौ ई ब्याव व्हियौ, बिनणी घर मे आई पण सुगणा हाल वैठी'ज ही। उणनें देखतौ जिकौई कैवतो के सावरियौ चिट्ठी भूलग्यौ है। पण बिनणी नैं आया नैं तीन च्यारेक महीना व्हिया पछै सेवट एक दिन सुगणा रो हेलौ सुणलियौ अर उणरौ खोळियौ छूटग्यौ।

वास ग्वाड रा मिनख भेळा हौयनै सुगणा नै दाग देवण नै लेयग्या तो लारै सू झमकू सासू बिनणी नै कैवण लागी—

—बिनणी डोकरी रौ ओ ठीवडौ तो वारै उखरडा माथै नाख दे लाडू, आगणा रै सै बीच पडचौ भूडौ दीसै। अबार गाम री लुगाया बैठण नैं आवैला तौ वानें सूगली वास आवैला।

बिनणी घूघटौ ऊचो करनैं सासू कानी खरी मीट सू देखती बोली—

—ठीवडौ वारै क्यू नाख दू ? इणनें तो अवेर नें धरूला। थारै वास्तै चाहिजैला जरै दूजौ ठीवडौ कठै भाळती फिरूला।

सासू आख्या फाड नें बिनणी कानी देखती'ज रैयगी।

—o—